

2467 I

ॐ नमो श्रीगणेशाय ॥ यं तु कुरुते दानं विना वदति परं पुद्धानं पुत्रं स तथा न विदुः
न न कान्तामीश्वरं स्यात् तस्मै नमो विद्म विद्या द काय ॥ १ ॥
ॐ नमो श्रीगणेशाय

ॐ नमो श्रीगणेशाय ॥ यं तु कुरुते दानं विना वदति परं पुद्धानं पुत्रं स तथा न विदुः
न कान्तामीश्वरं स्यात् तस्मै नमो विद्म विद्या द काय ॥ ॥ नमो गुरुवे तवा सुदक्षाय
यव जय दानं विद्या वदति परं पुद्धानं पुत्रं स तथा न विदुः वदति काय ॥ ॥ नमो गुरुवे तवा सुदक्षाय
विद्या द काय ॥ ॥ ॐ जय हेतु देवाणां लादी संजी शेष मज्ज-म निज न्मा नरे वा कस मी मा न की धरा

ॐ गं गणेशाय नमः ॥ क म हा रा त क प र ह
क रि यो नि सं क ल
दिय निव न ये व तु भु ज सं मे र पू ज नं य को म

उच ३६ कसंमर्गति ननु आनृयिणी ॥ उतम्य नि
नेह नवा ॥ येनमास्मान्मन्यन्तां वन्द्यती मन्त्रिक ॥

क पावते ॥ नमः ॥ नृडडियनमन्त्रि त्वं नृडा आस
॥ ५ः रमयहानी च तन्मी सदायुकायिनी ॥ यः य ॥ ६ सुविमा

१० नमाष्टी ग (दाशम्य ॥ यं दुष्क व दान विदी व दनि पनं प्र धानं पुनर्पन थ न वि
॥ ६० ॥ न का न तमी ध्वनं ग न सेन मा विघ्न विद्या ग काय ॥ ॥ श्री ३ पावती पत्र म
॥ य नार्यां श्री स्वहानी ध्वनार्यां नमः ॥ ॥ प्रापां कला कस्तन स उं का न चा स्यं ह्वा
पता राय ॥ प्रथम सस्वहानी धर्क कला कस्तन स पूजा याय ॥ गंग जल न ह्वा न
या वरु च न सिन्दूर जग मका स्वानः नेव द्यः रुतः मूल प कान्तः गामूल वस्त्रादि
समस्त पूजा धून का उः वत आन रु यायः धूप दीपः जपः स्नापः अर्घ्यः दक्षिण हाथ

न नारायण
कोपादि न
जगत्

स ०

१

नार न काय ॥ ॥ श्री ग क न उ वा न ॥ श जगत् मनी ॥ ध म ध क कार्त्तिक क दू मा न न
कल हां हा जगत् मनी ॥ ग न उ क चिद्र या ना ग ड ड ध क क ड का ल स र्थ स सा नः
स जल मय रु या ग जान ध नो लि आदि प्रथम स र्थ स रु या ग जान जि वा जै र म न
॥ य व र्त्ति सि मा लो हा कु न म डु ॥ ध व स र्थ स रु या डु ग न प न व क र्त्ता वि रु धा
ग मा धा य कि न स र्थ रु या ग वि द्या न थ ह्वा स या नारी न स ह ह क म न उ त्य कि
रु या ग जान ध स ह ह क म न या म स स वि ता म ह श्री बु क्रा वि द्या क ध न ति श्री
॥ बु क्रा न जगत् स र्थ सान रु द्रि या य अ र्घ्य न धान या ना ग वि द्या न ॥ ध न ति श्री बु क्रा

मस्तुतस्तु जगता हातया मचिनन क्रुसातया प्रधीविकायागधिकल क्रुयकाग जलसंकुटि
नकल-काग हनवगता हातया मचिनन क्रुसातया प्रधीविकायागधिकल क्रुयका
जगलसंकुटिनकल-काग धवलस धवलननकलसस्तु महावीजयगा कर्मथना
जानन मधुधायामामकेटल धायानामदेष्टु नक्रुयनिकु शयाग. हास गानव
वलसस्तित्तु महावलवक मलयगा कर्म धलाग जलसंकुटि साधया हाग कल गध
वासतामके कके हीर. हाग धी जलसंकुटि गाल कली अनकलीरव कल कायाग
अनक प्रकात्र हा कली धधिममधकेटल धायानामदेष्टु ७ क्रुयक याच नुमाजा
गध कधनी नवधिकल कयाव धदेष्टु पतिनक्रुसेन धर्मचानयाग अनगप्र

कात्रल धायमात कली धनेति अनग उकान हा हातीन दुतीन माताव जलसंकुटि
मलपाव कली अनग धाय २ संदिग २ संमासा वा कली हनधिधिका सयानाग क्रि
गा कली हनव कलन धा हाग याव दिग २ सलवाव कली हनव क्रुवि हाग कथन
कवनाव ला हातिन पचि २ यानाव माताव कली दुतिनी माताव कल य धनेत्य
कमदयाव अनग इव सियाग माताव कली धवलस श्रीमहाविष्णु या नाहीम
चान सहस्र कमल या चू. तली ध सहस्र कमल या चू जानाव ध हाग न धनयिगा
मह श्रीवक्राया धायस धनेकल ग नाग धी वक्राया न अनग उकान स साधियाग
हनव कलिन कल का य न धवलस श्रीवक्राया गमाया आना धनायाग धमति
समयस श्रीयागमाया उत्पत्ति कयाव वली धन श्रीयागमाया न श्रीमहाविष्णु जाग

हुनाहयकस. थन पीमहाविष्णु विज्ञानावस्थां. अथ. अथ मधुके टह देखन पीमहाविष्णु
 नमः शिवाय कस्य माव यत्र बुद्ध पीमहाविष्णु न कससि. अथ न को ध्यानावे. अथ मधुके ट
 ह देखन विष्णु व ज ससि. खयदा न ॐ०००० दसमान. अथ न गठका न ल. महाक शोध
 मधुयानावे. विज्ञानं. थन. पीमहाविष्णु न कससि. अथ मधुके टह देखन या यत्रा कर्म
 स्याव. आह्लादय कस्य विज्ञानं. लामधुके टह महावीर क यनिस. यत्रा कर्म खनावे
 जिमहाखसि शयधन. आह्ला क यनीसन. जिमवसु पुसा दका अथके. यत्र बुद्ध ल. आ.
 आह्लादय कस्य विज्ञानं. अथ पीमहाविष्णु या आह्लादितावे. मधुके टह देखन. अथ का
 नमः शिवाय ल. पीमहाविष्णु. कनक काय. जिपनीसन वसु पुसा दका यधक. कनसि जि
 पनीसन. यधन क दाता तथा कध कधयाता. कनन. जिपनीसन. जिगययाथधन

३

अथन. कननमास सा जिपनीसन वसु पुसा दका वधक मधुके टह देखन. अथ का न ल
 पीमहाविष्णु या तधस. अथ मधुके टह देखन लाखादितावे पीमहाविष्णु न कससीम
 स कन किलावे आह्लादय कस्य विज्ञानं. लामधुके टह देखन. जिमहाका न गलिस थन वि
 यखवलाधक पीमहाविष्णु न आह्लादय काता. अथ मधुके टह देखन या आह्लादिताता. मधुके
 टह देखन धस. ल. पीमहाविष्णु क सो न न ना लाता २ सोना ग विधय कधयाव. वि.
 कन कससि. सयवाचान सय २ न विधय खयाध कधयाकाव थन पीयत्र बुद्ध विष्णु न
 आह्लादय कस. लामधुके टह देखन क यनीसन जिमहाका न न ग्राम याग याय मासेध
 क पीमहाविष्णु न आह्लादय कस्य विज्ञानं. अथ पीमहाविष्णु या वचन क नावे. मधु
 के टह देखन धस. ल. पीमहाविष्णु थरिगा. कयतन लायी न मगाया अवे क याय जि

पनि वासुदेव न काव पाह गगनायध क धर्त धन श्री महाविक्र न कस सी मधु के टह दे यन क
या गी ध व म्भ द स तथा व पाह को ली श्री लखंड २ या गी हन ध क ज स मधु के टह दे यन
सा हि दा क र वा या ठ चान हन सा व का व व न गान पर्व न क स गध अल सा यो व मा य स
मि मि न का ल स ल र वा या व चान ध चान हन का च ला व पर्व न सि मा ला हा व या दि उ
त्य हि श ल थ थ उ त्य हि रु व पि ना म ह श्री व क्रा म क स सी ज ग ल सा न स वि या गी थ थ म
सं जि म या ग र लि १४ व न स वि या गी क क अल सा गु ला क गु व ला क स गी ला क म ह ला क
ऊ न ला क त प ला क स य ला क थ न थ व न न पा ल क व न या ना व गु व न स वि या गी थ न ति
स क या ना ल स वि या गी क क अल सा न ल न ला न ल न सा न ल या ना ल स न ल प न ल अ न ल थ
न क स ग र लि या ना ल सि क या गी थ न ति या ग र लि ६ प र्व न स वि या गी क क अल सा स म न प र्व
न ग न्ध मा न प र्व न के ला ग प र्व न हे मा ल य प र्व न ठि क ठा च ल प र्व न चि कू कू ठ प र्व न च उ कू ठ

५४

५५

प र्व न च आ न प र्व न थ न या ग र लि प र्व न दि ग २ र्श स वि या गी थ न थ य स २ स प र्व न न या व
म हा २ म ना ह न लान स य गु य या व लान थ ग र लि थ य स स या व पी ना म ह व क्रा ल पा
ही स वि या य म न न ला ल या व ज ग दी ग न श्री म हा द व या के न य स या य व क कू का या
ना अ के ला स प र्व न स अ ना व श्री ज ग दी ग न या ध न ऊ प ला गु या ना अ क व न या व च
न जि म नि दा ल १२००० दे व द प र्व न क व न या व न य स या ना अ चान ॥ थ व स स ज ग
दी ग न श्री म हा द व न व क्रा ल न य स या क ख दा व अ य क न स ना या व रु व क्रा क न र कि ल अ न जि
स का र य क य ध न आ अ क न कू म ना वां का श ल उ र लि व न उ सा क का व ध क ज ग दी ग न श्री म हा
द व न आ क्रा द य कू द ना व व क्रा ल वा उ सा र्श वा त ल य जा या ना व ज प ध न ला गु या ना व रा प न
ध ग न श्री म हा द व थ थिं क कू स्या ल धा सा थ अ मा या न व क्रा ल द य का अ वि आ क र्श क ल्या
र थ य न ६ क मा या म य क या अ वि आ क क या न स ह र को ठि २ न म लान ह न सर्व या पि श या व

विष्णो क कयागं सहस्र कोटि २ न म स्तानः ह न्वं जगत्सं सानया धनी शया म विष्णो क कं क स्या लयागं
 कोटि २ न म स्ताना धर्मे ७४ न न क स्या लयागं सुति जव हल न क दू यी वः ७४ न न क म स्ताना
 नाय स न क स्या लयागं सुति याय सा मर्थ मद्र ग म मद्र जिव हल न क स्या लयागं सुति याय रु
 यी वध कं ह जगदीश्वर श्री महादेव क स्या लयागं महि मा ज्ञाय सा मर्थ स्या २ ह ७४ न न श्री महा
 देव आठ जिग व स प्रसाद दाने क धा सता थ उक्ता ७४ म जि न महा म ना ह न स्या म स प्राप्ती
 दय क याग जि न स्या यय रु य क व न प्रसाद प्र स न रु स विष्णो य मा ल ध उक्ता न सि ना य या
 ना उक्ता न जगदीश्वर श्री महादेव न आका दय क स विष्णो य मा ल ध उक्ता न सि ना य या
 रु द्रिया य ग र ति रा ना विष्णो य न ध क आका दय का वे ध न वि ना म ह श्री उक्ता न श्री जगदीश्व
 र महादेव या त था उक्ता प चा न म रु जा या ना व रु स म या ना व धा ल ध न्व २ जिग य न रु
 ना ध कं धा या व श्री महादेव या क वे उ का या व रु द्रिया य ध क उक्ता व न रु स श्री जगदीश्व

न महादेव अक धा न श या व विष्णो गं ॥ ७४ न लि उक्ता म श ल सां म न न वा या या गं आ ७४ थ स
 म न्न प र्व त स उ व न दय क ध क म न न लो ल पा मा ह स रु द्रिया गं क क रु द्रिया गं धा स ता
 नि व सा क विष्णो सा क उक्ता सा क उमा सा क रु न्य सा क ना ना सा क दय का व रु का सा क या
 चा स ध र्म सा क ध र्म लि प्र का र सा क रु द्रिया ना व थ स म न्न प र्व त स अ रु दि ग द य का
 व ना म क र्म र्म दि ग या ना म अ म ना व नी ध कं ना म क ना व त ल ह न्वं आ ग य क न स रु
 द्रिया गं थ स धा र्म व नी ध क ना म क ना व त ल ह न्वं द कि म दि ग र्म न ग र क र लि स्या प ना
 या ना व त ल थ या ना म उ न्न पू नी ध क ना म क ना व त ल ह न्वं ने र्म य क न स न ग र क र्म
 ग धा ना ना म क र्म ह न्वं प न्नि म दि ग स न ग र क र लि या ना म धा व नी ध का व त ल ह न्वं
 वा य का म स न ग र स ग न्न व नी ध क ना म क र्म ह न्वं उ रु दि ग स न ग र स र्म लो ना म पू नी
 ध क ना म क र्म ह न्वं नी म न क न स न ग र स र्म व न ग र म रु द्रिया दि रु द्रिया गं ह न्वं २ अ

[illegible]

अलेसा, अदिनि, दिनि, दनुका, कात्रा, धात्रा, सिंहिका, क्राधा, याधा, मन्त्र, वसिष्ठा, विनगा, कविसा,
 कन्द, धर्म, मिमन्थ, क्रक, पञ्च, वीया, स्त्री, दया, वृक्षात, यन्त्रिकेन, उत्पत्ति, कृत, शृंग, गुरु,
 मृनी, धन, दिनि, धाया, नाम, स्त्री, याकेन, हि, न, ल, क, स, य, धा, या, नाम, म, ल, क, ति, दे, ल, उत्पत्ति, कृत, ध, क, ह, न, अदिनि,
 धा, या, नाम, स्त्री, याकेन, चन्द्र, सूर्य, ल, ल, उ, प, मृ, ति, र, टी, म, का, टि, दे, व, ला, का, उत्पत्ति, कृत, ध, क, ह, न, दनुका,
 धा, या, नाम, स्त्री, याकेन, दान, व, उत्पत्ति, कृत, ध, क, ह, न, कात्रा, धा, या, नाम, स्त्री, याकेन,
 धा, या, नाम, स्त्री, याकेन, गन्धर्व, उत्पत्ति, कृत, ध, क, ह, न, सिंहिका, धा, या, नाम, स्त्री, याकेन, ना, दू, क, तु, उत्प,
 ति, कृत, ल, ह, न, क्रा, धा, धा, या, नाम, स्त्री, याकेन, क्रा, ध, उत्पत्ति, कृत, ल, ह, न, या, धा, धा, या, नाम, स्त्री, याकेन, ल, र, र,
 व, नी, ति, शा, रु, मा, अ, प, रा, द, क, उत्पत्ति, कृत, ध, क, ह, न, मन्त्र, धा, या, नाम, स्त्री, याकेन, मन्त्र, धा, या, क,
 म, कृ, पी, वै, ग, मृ, ड, उत्पत्ति, कृत, ध, क, ह, न, वसिष्ठा, धा, या, नाम, स्त्री, याकेन

विनगाथा नाम मलीयाकन. अन्ना. गन्ध. संपाति. मयूत. कोकिल. चक्रवाजि. वंजीव. मनीषा. द
हल. पंक्ति. पुष्टि. दक्ष. उत्पत्ति. कलधर्क. हर्ष. कपिला. ध्यानामलीयाकन. कामधेनु. सिंह. साईन.
बाध. हलि. अस्त्र. मेघ. काग. मृग. ककु. नाग. काल. साठ. धृग. धर्म. मन्त्र. पुष्टि. पशु. दक्ष. उ
त्पत्ति. कलधर्क. कर्ण. कन्दू. ध्यानामलीयाकन. (ग) घनाग. वायु. किनाग. यशनाग. महायशना
ग. कसी. क. कर्कोटक. मखनाग. टक. जल. जन्तु. पुष्टि. उत्पत्ति. कलधर्क. वृद्ध. पुष्टि. मंगी
ग. कोटि. दवला. क. यक्ष. गन्धर्व. किन्नर. नाक. अयना. देख. नाग. वसिष्ठ. पुष्टि. अविता
क. धर्म. धृष्टादि. ध. गति. पुकार. उत्पत्ति. कलधर्क. उक्ता. मन. नलो. सेपा. मा. गुन. प्रा. नि. उ
त्पत्ति. कलधर्क. कार्दिक. क. मात्र. धर्म. गन्ध. मनी. धर्म. कर्ण. हर्ष. विना. महती. पुष्पा. ध. प्रा. ति. या
ग. अन्ना. मालधक. लालपाव. लालपा. मा. धर्म. अन्ना. हृदिया. ग. कृ. कृ. धर्म. सा. लान. बा. उ. म. को. ग. को.

मृग. म्वा. मा. मा. कल. लाम. धर्म. आ. दि. त. अ. ति. माल. उत्पत्ति. अन्ना. हृदिया. ग. धर्म. कल. द. क. मान
न. आ. द. द. य. क. धर्म. वि. ध्या. ग. ॥ धर्म. ति. अ. ग. म्वा. मनी. धर्म. या. मन. स. अ. धर्म. हर्ष. या. ना. ध. कार्दिक
क. क. मान. या. क. वि. न. ति. या. ग. लाल. क. द. क. मान. धर्म. क. लाल. या. क. पा. न. हृदिक. धर्म. धर्म. धर्म. आ. व.
अ. व. न. दि. ग. या. ल. धर्म. क. आ. द. द. य. क. धर्म. वि. ध्या. ग. ग. ग. ति. पु. व. न. स. स. स. द. व. ला. क. वि. ध्या. ग. स. स.
दि. ग. या. ल. ग. धर्म. क. लाल. आ. द. द. य. क. धर्म. वि. ध्या. य. माल. धर्म. क. अ. ग. म्वा. मनी. धर्म. न. कल. द. क. मान
या. क. धर्म. धर्म. ति. श्री. कल. द. क. मान. न. अ. ग. म्वा. मनी. धर्म. या. क. व. न. कर्ण. लाल. अ. ग. म्वा. मनी. धर्म.
न. आ. व. जि. न. क. न. द. द. उत्पत्ति. क. व. ग. लि. सं. द. य. या. ना. क. न. धर्म. हर्ष. दि. ग. या. ल. क. न.
द. द. धर्म. क. क. न. लाल. अ. ग. म्वा. क. या. क. लाल. म. धर्म. ग. म. ज. ग. दी. धर्म. श्री. महा. द. व. वि. ध्या. ग. धर्म.
धर्म. प. न. व. क. श्री. ना. रा. य. धर्म. वि. ध्या. ग. व. क. लाल. क. स. व. क. वि. ध्या. ग. धर्म. धर्म. क. म. स. अ. वि. ला. क.

अथ सुवर्णया त्वः कर्म धूना हर्षं दिगपालया त्वकर्मददु. कश्चिदपि ध्यायन् अथ श्री श्वरया. कायः
रुधिरा नाम कृष्ण सन्तर्ह मातय पर्वतं सुवर्णात् तपस्या या नावे अथ ग बुधानां कर्तुं न यावत्
प्रस्था या नावे चोर्न अथ तस्य श्री महादेव न सन्नायक श्याव वल ससाद विर्लं. लो. न्द्र कनन पस्या
न. जिह्वा भाष कय धून. आवे. कनन न पूर्वय अथ तावती नाय स दव या ता जा कयाव चीन इति
धक जहाद यका व. न्द्र न श स सी म हा हर्ष मान या नावे न्द्र श्वरया के वे दा का या वे चीनं अ
मतावती धन कावे. मातर गृह सिध व लोक या ग अथ य या नावे. सु खन ना य क ल पावे चीन
धर्मी. हर्ष कृष्ण पूरुष न ह मातय स अथ ग मा धन अथ क र ग न ह न न य स्या या नावे चीनं अ
व स श्री जगदी श्वर न अ नी ख सि कया वे अहाद य कर्त. लो अति धक नाम कृ ना व. आ. अथ का
म स दिगपाल या ला ला वि या व वि धार्त. अथ अति द व तान पृ थि वी स अति या वि चा न या नावे

अथ अथ कनस चीन वृत्तं ॥२॥ हर्षं कृष्ण सन्तर्ह मातय स अथ ग प्र कानन महा कर्तुं न यावत्
त अथ वल स श्री महादेव न हर्ष मान न थ या ग. यम धर्मी नाम कृ ना व द द्वि स दि ग पा ल या ला ना
वि या व वि धार्त. यम ना शा कया व मृ ग्य रु व कृ या न ध र्म. पा य वि चा न या ना व यम धनी स चा
म वृत्तं ॥३॥ हर्षं कृष्ण पूरुष न ह मातय स महा कर्तुं न य स्या या ना व. श्री जगदी श्वर न म
हा न स न थ क या ग नै अथ धर्मी नाम कृ ना व नै अथ कू न या दि ग पा ल कया व चीन इति धक
व स ससाद वि स वि धा ना व. अथ न नै अथ कनस वि चा न या ना व चीन वृत्तं ॥४॥ हर्षं कृष्ण
पूरुष न ह मातय स अथ ग के क क र न या व न य स्या या ना व श्री महादेव न हर्ष मान या ना व थ या ग
ऊ ला धि पति व र्म न ध क नाम कृ ना व. पञ्चि म दि ग पा ल या ला वि या व चोर्न. व र्म ही न य वि
म या दि ग पा ल कया व चीन वृत्तं ॥५॥ हर्षं कृष्ण पूरुष न ह मातय अथ या व अथ ग स ग न

वासना का याव गपस्या या ना व चान धल स श्री जगदीश्वर न उ नै पचास ४६ वायु श्याव पिय मूक
 नै क क शय रु म माल ध क ह नै ख न म द य क म हा व ग न व न रु य मा ल आ व वा य क न या दि गः
 पाल श्या व चान रु नि ध क आ क्रा वि या व वा य द व ग न वा य क न स चान व न ॥ ५ ॥ ह नै क क पः
 नृ व न ध स मा सा त द ना व ह मा ल य स जी ना व अ नै क मा ध न क क न या व ना का लै न प स्या या ना
 व चान व ल स जगदीश्वर श्री महा द व न अ नी स ना य श्या व कृ व न ध क ना म कृ ना व उ कृ नः
 या दि ग पाल या ला वि या व का रै उ कृ त या वि चा त या ना व चान व न ॥ १ ॥ ह नै जगदीश्वर श्री म
 हा द व या अ म म ह मा ल य स वि द्या दा व म हा क ध न न अ नै ग प्र का त न ग प स्या या ना व य नै वः
 कृ श्री कृ श्व त न अ नी रू सि श्या व ६० म न या दि ग पाल क स्या ल क या व वि द्या य मा ल र वि ष क
 मी ध क ना म कृ ना व वि क्रा मं ध कृ वि ष क मी न म हा द व या ध न स न्य ति या ल ख वा ल श्या वः
 ६१ म क न स चान व नै ध क का र्त्तिक क मा त न अ ग कृ म नी श्व न क र्त्त ॥ ॥ कृ ति श्री कृ ष्ण पू ना

म क मा ल अ ग कृ म नी श्व त स मा द आ दि रु मी व ल्य क्ति क थ ॥ ॥ कृ ष्ण उ वा च ॥ श्री अ ग
 कृ म नी श्व त ध क दि ग पाल उ ल्य क्ति कृ ष्ण ग र्व सं कृ प या ना व क नै ध न ध र व जगदीश्वर
 श्री महा द व न स नी द वी मृ श्म क या व ग म ध न उ ल्या त श्या व जाल ध क अ ग कृ म नी श्व त
 या कृ व न का र्त्तिक क मा त न आ द्या द य क र्त्त ॥ ध व ल स अ ग कृ म नी श्व त न का र्त्तिक
 क मा त या क वि ष ति या त ला पा र्व ती न न्य न क स्या ल स न आ द्या द य क र्त्त ली न अ म र्त्त दैः
 ना नै जि स ना य क य ध नै ह नै क पा द न सा जि म न रु की म श ग र्त्ति वि ष ति या य द स वि
 क्रा कृ न ला कृ न्य क मा त क स्या ल स न श्री महा द व न स नी द वी मृ श्म क या व म हा उ प उ
 श ल ध क आ द्या द न ग ल्य र कृ ल ध श्री महा द व न न स नी द वी ग ल्य न हि कृ ल ग ल्य
 न मृ श्म कृ ल ग ल्य न उ ल्या त कृ ल ध र व स जि अ नी आ स्या र्त्त कृ ल क पा या स वि द्या य

नीश्वर नरक कर्म मानया के विनति यार्थ धन का हि कर्म मान नरक सी आ दय क स वि श्रा त रा ज ग स म नी
 श्वर नरक वि श्रा क्त न ह न र्थ थ द द प जा प ति या क्का च स य स को टि द या व चान थ व स स क द या दि नः
 स्वर्ग स द व ला क य क ग न्धर्व कि न्न त ना ग ला क ना क स भू व स द भ दि ग्या त आ दि न स ला द य का
 व वि श्रा त थ व स स द व ला क या पि थि आ द्वा द य क स वि श्रा त ह द व ला क य नि जि ग ति ख द स वि
 श्रा क्त न मि मि स स र्मा क न्पा दान म धू व नि आ व ग थ र या य माल ध क द व ला क प नि स सा क ति या ना
 व स त थ व स स ला द व ला क आ व मि मि त व ह स श या व चान द द प जा प ति या ना म या क्का च य ११
 नि ज दी क द र्म चान थ य नि ध य क ल क य न्पा ध क आ द्वा द य का व स म धान या ना व ना न द म ति
 श्वर न या क्त व न आ द्वा द य क ल ला ना त द म नी श्वर न क स्या ल द द प जा प ति या के व ना व क न्पा क्त न
 वि श्रा य माल क न ध स सा भा व ला ना न द म नी श्वर न क नी थ ग ती स को टि द व ला क क या व स र्मा क न्पा दा
 न म धू नि क स सी जन म द य के स ला म इ थ या क्ति न क स्या ल वि श्रा ना व पि त वि य इ म इ उ क्ता द

य का व वि श्रा य माल ध क द व ला क न ना न द या के वि न ति या ना व ना न द म नी श्वर न र्थ द व ला क या आः
 द्वा र्थ ना न द म नी श्वर न थ ग का या व द द प जा प ति या के व न र्थ न द द प जा प ती न ना न द वि श्रा कः
 र व ना व ह सार्थ या दार्थ म धू प की क्त व न न या व वि न ति या र्थ ला ना न द म नी श्वर न क स्या ल जि के न
 प र्व न वि श्रा त क क्क आ द्वा र व क्क जि न या य माल आ द्वा द य कि र ध क स ला ग न वि न ति या
 ना व चान र्थ थ व स स ना न द म नी श्वर न आ द्वा द य क स ला द द प जा प ति क्त न द क्क स्व र्ग त स द
 व ला क न क स ह ल कान ध स सा स्व र्ग या द व क या व चान या क्क प या ज न ग थ ध स ला क
 स सी म द य क स ला म ला के ध के आ व जि के या व ह स ला द द प जा प ति क स्या ल स क न्पा थ दी
 क द्वा क न्पा त ती स को टि द व ला क प नि क्क ला न क स ह ल ध क ना न द म नी श्वर न द द प जा प
 ति या के वि न ति या ना व ध न द द प जा प ती या म ला ह र्थ या ना व ना न द म नी श्वर न या के वि न ति या ना
 ना न द म नी श्वर न क स्या ल स न आ द्वा द य क र ति ख र व ना व जि स का ध र य धू नी जि व र व ध क ह

नंददृष्टा पत्नी न भर्तृणा नानंदमनीश्वरः स विद्या न जि नंदवला कपनिन क न्या दान विद्य दत्त दा स जि
 न्या च पत्नी स रोग्य भू का. जि न रोग्य भू का ध क. ह न रोग्य नानंदमनीश्वरः क ता क का क का क भ रसा
 जि न्या च सगी दवी क क वा ही क न. द क वि य त्रि य न रु ला रोग्य नानंदमनीश्वर. थ क सगी दवी क
 क जि न मा स. का य ध स सान थ. न्या च ध र सान थ. थ क क वा ही क न वि य श श ध क द क प्र गाय
 ही न नानंदमनीश्वर या के वि न तिया ना व. थ न नानंदमनीश्वर न द दृष्टा पत्नी या के व ज का
 या व ज न न अ क ध न रु या व द व ला क प नि वि द्या क थ य स थ न क ल वि द्या तं. थ व ल स द व १२
 ला क प नी स न रु ल स नानंदमनीश्वर या के द न रोग्य नानंदमनीश्वर क ला ल वि द्या ना न्या ग थ
 नान सि ध श व ला ध क द ना व थ न नानंदमनीश्वर न आ हा द य क ल. श य व ला क प नि जि न
 ना का र्य सि ध श ज श व ध क. सि स ल क न. ह न द दृष्टा पत्नी न ध या व ह का र स म ल द व ला
 क प नि ल क न. थ न नानंदमनीश्वर या ली स ल द ना व द व ला क प नि स ह र्म मान या ना व दि

न स्व त का व दि न या ल थ क ना द य का व नानंदमनीश्वर या द व न आ हा द य क स वि द्या न रोग्य नान
 द क ला ल वि द्या ना व दि न थ क क ध क क वा व वि द्या य मा ल ध क द व ला क प नी स न नानंदमनी
 श्वर या के वि त ति या र्ग. थ न थ व ल स नानंदमनीश्वर न द व ला क प नी स आ हा र्थ नानंदमनी
 श्वर. द दृष्टा पत्नी या क स वि द्या तं. थ न द दृष्टा पत्नी न रु ल स नानंदमनीश्वर वि द्या क र
 ना व. ह ला र्थ. वा द र्थ. म ध प र्क न या व वि न ति या र्ग रोग्य नानंदमनीश्वर आ हा क क स व आ हा
 द य क स वि द्या य मा ल. ध क द दृष्टा पत्नी न द ना व थ न नानंदमनीश्वर न आ हा द य क ल रोग्य
 द दृष्टा पत्नी स र्ग स र्ग टी ग का टि द व ला क न. दि न थ क क ध क क या व ह स ध क द व ला क प
 नी श्वर क क र क ना व ज न न अ क ध न रु या व वि द्या तं. थ न लि द व ला क प नी स न दि न र
 या व थि थि क न्या दा प्र या ग मा ल २ गृ सि सी मा गी ना ल स र्ग का व र्ग टी ग का टि द व ला क प नि क न्या

दान कायधर्म दक्षप्रजापति शक विष्णु धर्मलि दक्षप्रजापती कृतसिद्धवशकयनिक न्यादानकाय
 यातन टीम काटि देव लोक यनिक कृत्य विष्णु के स्वयाव दक्षप्रजापतीन योग्य २ गीन आश्रम स न
 याव मातृका सामा ग्री माला टकावे. यक्ष माला दयकाव. सुवलास सुदिनस. गटीम काटि देव लोक
 कयनियक. गन्धर्व किन्नर. नाग लोक. नाकसु. अष्टवस्त्र. दमदिगयात आदीन दक्षप्रजापतीन
 धव क्काच कन्या दानविल. अवलस. आहि गवाक्ष स्याक दक्षिण विष्णु लोक जन यातकाव सु १३
 खनधान. अवलस गटीम काटि देव लोक यनी सन दक्षप्रजापतिया मान्य पूजा कायाव वेदा
 कायाव सुगंस. धव कलाट यनि वाना व धव २ आश्रम सचीन जन धक कार्त्तिक कृमात्र १५
 अगस्त्य मनी खल कर्न ॥ ॥ मृगिणी कृत्य पूजा ॥ दक्षप्रजापति पूजा कन्या दान कथा ॥ ॥
 ॥ ॥ कृत्य उवाच ॥ अगस्त्य मनी धन धक कार्त्तिक कृमात्र न आशा देय कलह अगस्त्य दक्ष
 प्रजापतीन. सगीदवी कृमात्र सन काव तले. धन दक्षप्रजापतिन दको क्काच कन्या दान धन का

वीरक कृतकलन कावंगल. कान धालसा कायम चामद्वर्क. सगीदवी कृमात्र
 कलन काउ. दको क्काच यनिक न्यादान धन काउ. दक्षप्रजापति. थउ स्त्रीः
 वीरनि. सगीदवी सहिगन. सुखन काल हडाउ आदक ला ॥ धर्म लिगुलि
 किं काल अस्य लि. कलास पर्वग सविष्णु काउ आदक मी ३ महादवन क
 लसा. आनदृष्टिन सास विष्णु तः गर्थिन् महात्रुध धालसा. जगानमद्वक
 दय काउ गीर्वा सूर्यन काखायाउ. धास रवीन क्काचाउ. एस्मन अम सव

याडा. वा घच्छालानऊसहिदाडा. किसियाऊ गुलिनदयाडा. ऊडा लाहातन
उम्वरूथदाडा. खडा लाहातन पिछूल पाछायाडा. ॐ धूसागयाडानदि
हमिऊ अखडा तयाडा. हूण प्रतपिछायादिनलिनकाडा. जादाल्यमानया
दाडा विद्याक. वलस. श्रीमहादवनइलसी मननरासपाडा. आहृदयक
लं. खडा रधकं. धदवलाकन. जिमानयमयाक. जिक्साद्रु निचूरुलिं मया
स. थडा रसशकाकन्यादानकाथ धूनकाडा. सुखनचान धकं श्रीमहादवनजा

३१४

हृदयकाडा. धदवलाकनकूरालपलधकं मननविंगलपाडा. ध्यानदृष्टिनसा
याडा विद्यानं॥ थनंलिछीमहादवनमनसरासपा. धदवलाकनजा दानकामद्
जिगच्छकालेनकू. हनंशकू म्मखडा. जिमानययाक धकं महाहर्षमानया
दाडा. जिनआडा मथयाय. धसगीदवीजाथडा कूसंगय धकं रासपाडा. गल
आडा जिनसूकायाडा धयकलकाउखलाधकं. भवकायानधनविधू मख
धकं. दक्षप्रजापतियाक. थमनंआनमालाधकं विद्यानं॥ थनंलिकेलासपव

तन क हा विष्ठा हा अ द क प्रजापतिया क ह्व या अ विष्ठा न ॥ थ न लि द क प्रजाप
ति न श्री महा देव विष्ठा क ख हा अ थ अ क ला न वी न ही या हा अ न ध र्म ॥ श
वी न हि स्व अ र दू दू श्री महा देव मी जि स्म क्का य अ ल ख स स्व अ ध र्म ग थी
द न ल या श्री महा देव स्व यं नार्प म य या प ग थी द ध र्म स सा ज्ञान म गु क द य
का अ गी र्वा सूर्य न की खा या अ र ह्म न म्म सूर्या अ ध र्म र वी न द्वा हा अ वा
घ द्वा ला न ज स हि हा अ कि सिया क्क म्म लि न द या अ ज्ञा ला हा न ज म नू अ

१४

हा अ ख अ ला हा न न प्रि धूल ज्ञा हा अः आ ० थ सा ग या अ न स ग जि ध र्म न न या अ
ला क र्थ य्वा ख न दू या अ ल या म द य का अ दि ग म्म न दू या अ रू अ थ थी द
धि ना हा म हा देव मी जि स्म क्का य अ ल ख स ध र्म न्वा हा अ वा द व ल सं धी महा दे
व थ न क ल विष्ठा न ॥ थ न लि श्री महा देव न रू ल स द क प्रजापतिया द न स वा
हा अ स ल ग र्म ॥ थ न लि द क प्रजापति न क ह्व या अ आ हा द य क र्म श्री महा दे
व क्क ल पाल थ न थ हा विष्ठा क्क न ध र्म स ल ना अ ॥ श्री महा देव थ हा विष्ठा न आ

सनसुतयाऽऽदक्षप्रजापतीन आह्लादय कर्त्तुं ॥ शशीमहादेवकृतपालधनका
यविष्ठाहा आह्लादय विष्ठाकृतनधर्कधायऽऽ. धर्मदक्षप्रजापतियावचनददा
ऽऽ ॥ धर्मलिङ्गीमहादेवन आह्लादय कर्त्तुं ॥ शदक्षप्रजापतिमवताधकजिथ
नऽऽया मरुक्कुक्षालसाकृतन. कं न्याकृत्तुलदनि. धर्मकन्याजिनहानधक १५
ऽऽया. कृतनधालसाकृतनदयानततीसकाटिदवतायाकन्यादानधनोऽऽ
जिथथीहमहादेवधायकावाहायागधेयकिमदयकवानधकिमदयक

दवयाकृत्तुप्रजापतीनमदुधनयानिमित्तिनजिक्तनकऽऽया. हर्नजिनकाहृशयाऽऽ
दधर्कधायऽऽ. धर्ममहादेवयावचनददाऽऽ. दक्षप्रजापतीनकृतनीधर्तु. हनिर
धर्कजिष्ठाचकृतलक्ष्मीवाहर्थगर्थिक्कजिष्ठाचधामासिखायलखानयाहलः
र्थखालधालसापूद्युचन्द्रर्थ. सः धालसागन्धयार्थ. गुणिलाहानधालसा. किः
सियाखालर्थ. पालिधालसा. सावित्रियार्थ. धर्थिक्कजिष्ठाचगनर्कनकागधः
यू. शमहादेव. कृत्तुऽऽगधीदधालसा. हर्ननव्याऽऽगीर्वासूर्यनकाखायाऽऽ. धस

२ विनच्छादाध्यायकगुलिनदयाडाआधथसागयाडादिगन्धनशयाडाशयीअथथि
क्रयातडिपूरीगीग्वलाधर्कनानामाथनहलायाडाआलवियाडानिद्रायाडाआ
गुध्याडाअपिनिद्राडाकार्ग॥धर्नलिष्टीमहादयनकुलसांआयायरुमसियाडा.महा
दःखनलआचायाडादकपुजापतियाकेनपिहाविआडाअमननहालपा.अडाडि
गहाडाअनगनचानधर्क.स्वडा२धवाधुलदकपुजागीन.नित्रापनाधनडिगनिद्रा
यागवालविल.हृष्टीन.वियमदनसावियमदधयानमभकलाथथीदवधनसा

१०

हियायकायधर्कमननहालपाडा.आअवेकृष्टअनधर्कहालपाडाअनन.अन
आनशयाडाअवेकृष्टपूरीसथनकलविआर्ग॥धर्नलिष्टीमहादवविआकखका
अवेकृष्टनाथमहाविष्कृतकुलसीहमासनअपदकाडा.मीमहादवयाचनन
सहाकपूयाडाहस्तार्ध.पादार्धयाडाअनानामाथनपूजामान्ययाडाअ.मीमहा
दवयाडाअनलाहागहाजलपाडाविननियार्ग॥हापनमभधनकुनिमिर्लिनथ
नविआडाआहादसविआरुधर्कधार्ग॥धर्नलिष्टीमहादव

आह्लादयकलं. हाविष्मजिमवता धकडाया मषूक्ष्मलसाक्तसुक्तीमदुक्ताया कुमद
 धर्मयानिमिरितनक्तनकडाया. ग. थ. धलसादवलाकपनिसकलसा. कन्यादान
 धूनकाडा आनन्दनधानः. आडाजिनं म्मीमदयकं ग. थ. वानरासपाडा दक्षप्रजा
 पतियाकहादडादान. दक्षप्रजापतीन. जितना नामाथननिन्दायादाडा धालवि
 याडापिनिदाडाहल. थगुलीइः खनजिअनडा नथनडा नमसियाडा. थनडाया
 धकं आह्लादयकाडा विज्ञातं ॥ थन महादवया आह्लादडा. विष्मनरुलसां आ

५६

ह्लादयकलं. हापत्रमभ्यनथनयानिमिरितनक्तनपालहतासवाय विज्ञायमृदा
 लधकं कलपालयासेवकजिमदलाधकं थगुली आजिडादाडा तत्कानर्गसिद्धया
 दाडाडाय. कलपालधनी विज्ञाकून धकं समधनयादाडा. विष्मनरुलसां श्रीम
 हादवयाक वजकायाडा. अनर्न. अंगध्यानश्याडा. दक्षप्रजापतिया कुसवि
 ज्ञातं ॥ थनं लि विष्म विज्ञाकरवडाडा. दक्षप्रजापतिनरुलसां चनरासलाकपूया
 डा अनगमाथनपूजामान्ययादाडा. लाहागहाजलपाडा विननित्यातं ॥ हा महावि

सुकलपालजिके काय विशादा आह्लादयकसंविश्रादनधर्कधयाउ॥विष्कृत
रुलसंथडा मायाननाकप्याउ माहया हाडा आह्लादयकलं॥हादकप्रजापति
जिनधयागुविलसाधायमविलसाच्छधयधर्क आह्लादयकाडा.धनविष्कृत्या
आह्लादकाडादकप्रजापतिनरुलसंविष्कृत्याखातसायाउमसूदनकलाडाध
लं॥हाविष्कृतलपालसुनच्छ आह्लादगउगुलिवियनिश्चयरुली आह्लादसंवि
श्रादनधर्कधयाउविष्कृतनरुलसं आह्लादयकलं॥हादकप्रजापतिसत्यनंवि

१६

यमखाधर्कधयाउ.दकप्रजापतिनरुलसं सत्यनं वियरुलाधर्कधयाउ.विष्कृ
नरुलसं.सापाल(धकाडा.सत्यरधायकाडा आह्लादयकलं॥हादकप्रजापतिः
जिनमवनाधया मखच्छधलसा.सुयखकाटिदवताया छुहिधूनकाडा सुखनची
न.आडाजिवेकं० यानाथश्याउआहाया विवाहानमधूनिश्चयानिमित्तिनच्छ
लपालयाच्छाचजितवियमालधर्कधयाउ.दकप्रजापतीनधलं.हाविष्कृ
यायथधकपतनलायिउमसियाच्यायजिवचनउनीकासंविश्रादनधर्कध

[illegible]

सादकप्रजापतिया पूजामाना कायाडा दिनवला या (थ) कनायाडा डादकप्र
 जापतिया के वडा कायाडा गवूद गयाडा आकासमार्गने अकधनशयाडा वि
 श्वार्त ॥ धनलिखे कृष्णमहादेव विश्वाकथसविश्वार्त ॥ धनलिखी महादेव
 नशलसां विष्णुडा आखडा आमुसूदनकलाडा आह्लादयकलंश विष्णुकलपा
 लविश्वादागुआग (थ) २ सिद्धरुडा लामरुडा लाधकंदडाडा धनजगदीध्वन
 या आह्लादडा विष्णुनशलसां आह्लादयकलंश स्वामि जगदीध्वनशी महादे

ख० नी

वसिष्ठ शयकाऽऽयधनादिनवलासयाऽऽनाथधनीः कृताशुकाकृताकृ
धलसाकृतपालयातधकमधयाजितधकधयाऽऽनाथाः आऽगधयाय
धर्कमहादवयादुःखीनकन॥ धर्नलिगीमहादवनरुलसर्ककककृदाऽऽवा
नलया नायाऽऽआह्लादयकलं शाविष् आऽजिनकृधयकृतपालसनग॥ दिगमः॥
धेमालभूधेयासुविष्ठादूनधर्कआह्लादयकाऽऽ॥ धर्नलिविष्ठादूनआह्ला
दयकाशस्वामिभूसाधधेयासुविष्ठादूनगधेधालसादिनवलागयडाकृ

लपालवृद्धरूपजीगीशयाऽऽदक्षप्रजापतियादानसुविष्ठादाऽऽआह्लादय
किडाशदक्षप्रजापतिशिविष्ठाधर्कजितरिक्तामकृसेकनादानकालसर्क
विलसार्धपवियधर्कआह्लादयकिडाधवलसजीनधयः शरिद्वकआ
सु२धपवियमनधननिऽयाऽऽवाकवायाधकधयः कृतपालजिध
सुविष्ठादूनधवलसकृतपालयातकन्यादानलातकाऽऽवियनिध्वय
रुलधर्कआह्लादयकाऽऽधर्ननानायधयाआह्लाददाऽऽधीमहादवनरु

स्व० नी

तस्मां महाहर्षमानया दाता नात्रायदाया कथं लाकाया आननं केः
लासविश्वार्ण॥ धनसिद्धिदत्तवलात्ताया आ विष्णुनरुत्तसां दक्षप्रजाः
पति या कविश्वार्ण॥ धनीति दक्षप्रजापती न विष्णु विश्वाकर्ष दाता हना
सर्वकमलुत्ता दाता ह स्फार्थपादार्थया दाता आशी मसविश्वार्चकाः
आ कन्यादानविशयाग सामाग्री नया नया दाता प्राहि नवानकलकाया
आ ऊरु सात्ता दयका आ मातृका विधिकर्मया दाता कन्यादानवलात्ता

२२

नमहा देवमविष्वा दाता विष्णुयामनसमहा धंधा रुतः आता तलं महादेवम
विष्वाकर्षाय मविष्वात धर्कं धनदृष्टि न हयानमहादेवया उरुग जिधरुत्तन
कायका आ लालमनका आ चानधर्कं विष्णुनया यायहमसिया आ चानं आता गथ
याय महादेवनरुत्तसां लालमनका आ चानधनवलात्ता हना रुत्त थ (थं) जिनर्क
न्यादानकालसाशी महादेवया नमजि ला कन्यादानमरुत्त चानधर्क साशी महादे
वमविष्वाकर्षा अति धंधा काया आ चानं थूगुवलसं ग्री महादेवया ध्यानया दा

स्व-नी

अचानवलसमाकारिंकलमडाडाडाल. विष्णुनकुडादीनजाथनिशला. वलाह
नासकुलाधकमननलालपाडा. वायूवगनदकप्रजापतियाक (थनकलविष्णु
नी ॥ थनलिणीमहादववृद्धनूपरुगिरुयाडादकप्रजापतियायहसातासदस्यया
डाआसादयकली. हाविष्णु. हादकप्रजापतिजिथथीठवृद्धआथरुला. नयमरवडा २३
तादना. जितरिआविडा. जितरिआमकुस्थ. कन्यादानकालसां विलसां निष्कसं
अपविषयधयाडा. विष्णुनकुलसां आसादयकली. हावृद्धजीगिआसंरुक्तनयां

पविषयधयमनकुतनअपअवसनंयलिडा. जिथनवलारुक्मिनीहतासकुल. आडा
कुजिथसतिआयाडाआठवायाधकलाहानजाडाथडाथससगयाडातल ॥ थन
लिणीमहादवगर्थिगुवलास (थनधालसा. कन्यादानविययात. मा. मनकमकुल
नलखधालहायकाडा. वीवनआचयालाहानजाडा. आठवलस. श्रीवेकृष्टना
नायदानकुलसां. थडामायानपुयाडा. दकप्रजापतियांवीनक्षियां निरवाकुरव
वायकाजी. श्रीमहादवयालाहानीससातकाडाविल ॥ थनलि. सिथं डालदास्यं वृ

आठजागियालाहानवकन्यायालाहानवथपूजापूजाडाव

स्व-नी

स्व-नी

स्व० न० इया ला हा न रुडा चाने धस या डा द रु प्रजा पति न रु ल सां धा या. रा वि प्र कृ न थ लि
 ना क प न न ला यि डा म सि या कृ न नि मि लि न जि प्र ति या अ व रु क रु ला कृ डा ना प वि
 २४ या स्वा सं वीं य म न डा र व म न कृ या य कृ न ध र्म थ थि द ला. अ न्ध ग वं ध न ह य का डाः
 जि क्का च कृ कृ न का डा वि ल ध र्क अ न्ध ग मा थ न न्वा री ॥ थ न लि वि प्र न, मा ल का
 धू न का डा ग्री म हा द व या न कं न्वा दा न ला न का डा. ग्री म हा द व या क वं डा का या डा अ
 न न वे कृ ण वि श्र न ॥ ॥ थ न लि द रु प्र जा पति न क्का च या कृ डा न धा ल रा प्र ती कृ
 ध कं कं द रु मा न द अ न्ध ग प्र नि क न ॥ १

२४

या य वि प्र अ ध र्मि न क प न न ला ग. ह न कृ न रा ल वी न डा ला. कृ न प्र न्ध अ र्म या थ
 आ गी रु ला कृ या य अ र्मा या थ डा ना र्प डा न मा ला ध र्क धा या डा. थ न पी ना या आ हा द
 डा डा. स गी द वी न वि ला प या र्ग. ह न स गी द वी न रा ल प र्क कृ या य जी क र्म थ थि द र्क
 ह प नि स म र्क द व या क ला क जि रु र्क थ थि द श थ आ गि या र्क सा गी ध र्क या थ आ गि
 कृ डा २ न या डा स गी द वी लि डा २ न या डा डा न. स गी द वी र व स २ रा ल पा ना ना य दी. जि
 व र क ह प नि स ग थि द क र्म कृ या य थ डा रा वी न वि या क थ रु ल सां जि स्वा मि रु ल प्रा हा

स्व० नी

२३

सत्रथकाथजिकदवलाकडाउगिथकाधर्कमनसुहालपाडाथमत्थथमनधीय
याकाडाउनी ॥ ॥ धर्नलिआथनधर्नः रासुंदनीवृत्तकनवायोंडाः सुगीदवीनः
धर्नजिजावृत्तकनडायकलपासदधनविआकनधर्कः स्वसुंदनीनलिथ
सुगीदवीयामनसुहालपलनानायमनिव२थथीदुआथः जिथथीदुसुंदनी
खडाडाः लससुनानः जित्वामीदुनकाडावित्तसाजिधर्मरूतकाडावित्तसाजिक्
यायखलाधर्कधन्वाकाकाडानी ॥ धर्नलिद्वद्वपणीमहादवमनसुहालपाथ

२४

कन्यायामनसुगुलिताधर्मपापदुखयधर्कलपाडाः अकध्मननकेलासया
वासः लतखाकुकुगुलिदयकाडावृत्तपणीमहादवनधर्नः रासुंदनीजिजी
सुकुत्थनथकादुहान्याधर्कधयाडासुगीदवीनदधर्कखविदुयाडाखाल
वगकनकाडासाभियाखालसुयाडाः लिः खाखापाखडाडाखतडासनवस
धूलकुकुकिदिडाडायादमाखापिखानरुडाडायादखडाडासुगीदवीयामनस
अनीविलापयार्नः हनीखासुखपुडाडाविलवालयाडाडाचानः धनवद्व

स्व० नी

२७

पशुमहादेवनधालंशसुन्दरीजिज्ञासादिनीत्यानलाकलसगलारतिनिददाडा
वानधर्कयसगजिराकतिहाडास्वाकासुंददाडाचानै॥थनैलिसुतीदवीयाम
नसुद्विकनैहनासुवालंआडाजिनकुयायधर्कथनजिथथीदसुन्दरीथथथी
ठअथकलउयकाडाचानथनहं वयाडीवनकुनुडायाडाकुयायधर्कस
तीदवीनधंधाकायाडाचानैःथथंवाथीथीकुयाकुदयाडाचानैलिश्रीमहादेव
ददाडासुतीदवीयागन्वाहंहालुलजिथथीठवंधनपितथंहाडाथमरुकसु

१नावदिडाते

२अनध२

२७

खनवानजिथनमम्वाललागथीदअधर्मिमिसाजिथिमथनकुनतार्यनय
मम्वाललाकुनपियाकमरुडालाधर्कधयाडासुतीदवीनधालहास्वामिकल
पालसुखनआलस्यादविशागधर्कथनमकालाजिज्ञानयधनाधर्कधयाडा
आथनधालकुनकुनयागनकायाडानयाधर्कधयाडासुतीदवीनधयाहास्वा
मीथनलहाडाकुनगुनयाधर्कधयाडावदरूपश्रीमहादेवनकुलसीहालपाः
कुनयूडागनकाडानयूडाधर्कमनसहालपाडासुतीदवीयामनसुपायमदख
या॥

ॐ जिज्ञासुः कलनमग कनिहनं रुति निदना वानधकं लुखा कासंदना वविज्ञातं थनसतिदवी ननयधकं सात द्वा यथलतलपतिं मावा
नयकं लुखा सुन्दनी १

इति ४

स्व० नी

२६

लपाउताचाकदलाउः श्रीमहादेवस्वामीदर्शनयागं॥ धनलितिक्रस्तीपुत्रषमननानापक्ष
मृगदयकाउताऊनयागं धूलिधूनकाउनक्रस्तीपुत्रषमनगकीअविलासयादाउः केला
नपर्वतसुआनन्दनविद्यागं॥ गर्धिगुकेलापर्वतधातसाउहयापर्वतनानावत्तनखचि
लपंगयाअनगस्तिकयाथंखादाउः सुवर्धुयाअलिमतिमानिकथुदाउतयातालन
दयकंगयाअगिजाकीह्यमाननचादथर्धिगुखानसः सगीदवीसहिनसुखनविद्यागं
॥ ॥ गर्धिगुमहादेवधातसाऊनमगुकदयकाउगीर्वासुप्यनकाखायाउः असुखीः

२७

नद्धाकाउः खगामुदसुः सगीदवीतयाउः नद्धिहृन्दीजडाखडातयाउः रूपप्रतपि
अचादिनदयकाउः सगीदवीगकीअविलासयादाउः पत्रमआनन्दनविद्यागं॥
॥ ॥ कृष्णयादीनसुदक्षदवतापनिर्मपिशाकपनिर्नेमिषानन्धसुविद्याक
शर्त॥ धवलसुदक्षप्रजापतिर्नथथानसुडायाडादकदवतापनिर्नेमि
पिपतिर्नेदक्षप्रजापतिर्यागनमस्कानयागं॥ श्रीमहादेवकृष्णसुनग
कनमस्कानमयाकथथेशडाखडाउदक्षप्रजापतीनः मनसुक्रोधयादाउः

स्व. ०. १०

२८

धर्त ॥ स्वडा २ धर्त दक्षदवना जषिला कय द्वा गंधर्वपनि सन नमस्कात्रया क ॥
धद्रष्टपापिष्ठक सन जक जिन नमस्कात्रमया कर्क म धाडा ॥ धर्त नडा ध
दधक चाकावा नधया धान धालसा धम धान सः निसा धालसा सप्य दसा धालसा
ध्या क गुलि कि सिया क गुलि नसा धालसा उ सग जिध लू न दसा धालसा ध
मानया नलि गसा धालसा धा थ धसा जा सा धालसा धि धन उ म नू पा सा धाल
सा दू ग प्र न पि धा व ग दः थ डा यि धा वा निः थ धि धा या न स नान मान्य या य

२८

मद्रः श्व धर्त नधया न स वा या यू डा धा या न सा यं जा ग्व धम हा द वः ज रु क र्म र्म र्क
का या न सान नम धा य मा ल ध र्क धा प विल ॥ थ न लि धू ली द द डा ड नी दि र्ग गी या म न
सः स ह या य म रु या डी द द प्र जा प ति या न ह न क र्त्त ॥ ह या पि द र्क न ग थी द ख ला
दा धी म हा द व र्त्त ज ग र्त्त सा न या ह र्त्त क र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त
या मा य न क र्म या रु ल ला यू अ थी द द क या न स मा पी प न म ध न या न ग ध नि द्रा या दा
ध र्क धाल ॥ थ न लि द द प्र जा गी न ध व च न द द डा डी म न स अ ति क्रा ध या दा डी म हा द

स्व-नी

३०

वयागलपनिर्गंधापविलं॥हृपापिदृष्टगदपनिच्छपनिसकल्यपाखंडीशुभ
वाढथुकाकुमिसुनर्कमसिउःकुमिनवदभक्तुनपूजामयायमालमयमा
सुहागीशुयमालअसुखिशुयमालधकधयाउ॥धनंतिर्नदियामनसमकहा
उठनमरुयाउदकप्रजापरित्यागधपविलं॥हअहानिदृष्टदकप्रजापतिः
कनर्कविवकमयासंधापविलं.त्रिपनिशुलं.पत्रमान्मामहादवयावाकन
कनधपवियानर्कः.लगयशुयूः.अमथधयागुलिच्छुयीउवर्थथुका.ध

३०

कात्यत्रवृक्षस्वामीयानकननिद्रायाम॥आउकुमिनंधापवियः.कुपनिवाकहा
पनिस्सकल्यप्रतिग्रहदानकाउमनिदात्रिदृश्यमालमहामहीददानकालप
नित्रकजानमालधकंधापविलं॥धनंतिमहादवनधवचनकहाउ.थउगहा
पतिगवजययान॥हर्नदिहृगीपनिच्छमिसुनवाकहायाउपत्रसुक्रोधयायम
नवाकहापनिसुनअधिकअयनाधयाकसानमान्ययायमालदवतायावस्य
सकल्यधाडाउवाढमीयवावध्यस.दवतापनिशादवाकहायावध्यसमंशुली

स्व. नी

३१

धनयानिमीर्तिनत्राक्रमणसुखलोभसंसारसुःखितीरीदसंमदचैवसंम
दूथकासकनीतिथकाकृपनिर्जिथकाः किर्नधयाकिर्नधयकाः किर्नदकाथ
कासंसाररूपजिमखलागथेमसियाथविदमायापुर्नचखखसकायमन
जमयादाधकदधविलयाडाधकआहाकयाडाः धनदकाडीखडाधकमा
नयकयाडानीदीहंगीगतपनिसनगीमहादवयाधनयाडाडाचानी॥धन
लिगीमहादवर्नथडागतमूनकाडाकेलासुविष्ठाकइली॥धनदकप्रजाप

३१

१ धनसंदेहमारुतभूगलामुनिकर्त१

२ धनसंदेहमारुतभूगलामुनिकर्त२

निर्नः वार्नवात्रकीपयाडाडागीसदानिवयानिद्रायाडाडाथडाकृसडानी॥ ॥
रूतिगीकन्दपूनालीनिवमहास्थपथमाध्याय॥ ॥धनलिदकप्रजापतिः
नगडाधकसहयायधकमनसुवायाडाडाध्याचपनिजिनाजनपनिधवर्गध
वर्किन्नत्रजपसत्राविद्याधनगतपनिसकल्यनिर्मनुनायातकलच्छार्गजवीः
धनपनिस्सकल्यवीनकलच्छार्ग॥धनलिथपनिसकल्यडायाडाचानी॥धन
लिजहूमउपदयकलमालकीसामागीगतगतकली॥धनलिदकादवनापनि

पनिधनपति

स्त्री नी सनंती ६२ अस्तन नि या अगि सान गिया अ थ अ २ कला ग पति सनंती ६२ अ
 सगन गि सान गिया अ अरु म धु प स (थन कल अर्न ॥ निम कु ना या दत कं (थन क
 ल अर्न स ग्य ला क न व द्वा थ म न (थन कल अर्न वे कृ ण ना थ ना ना य र्ण वि श्वा र्ण ॥
 दि ग्या स प र्नि थ अ २ वा हा न ग या अ (थन कल अर्न ॥ थन लि द क प्र जा प नी न स क
 र्ण ख ढा अ म हा ह र्च मा न या ढा अ थ अ क ला ग वी न लि स हि ग या ढा अ अरु अर्न र
 या र्ण ॥ श्री ३ महा द व स गी द वी नि म्म स्या श क ना म ना प म का र्ण ॥ थ थो द व ल स गी

२५

व या र क स थो द क्क द धी वि म्म वि न द क प्र जा प ति या खाल सा या अ आ हा द य क र्ण ॥ रा
 द क प्र जा प ति क्क ल्या ल या अरु स द का द व ना प र्नि वि श्वा क म्म वि ष्ण व प र्नि वि श्वा ना म र्ग
 ल या सि र्ण म र्ग ल मूर्ति श या अ वि श्वा क म्म श्री ३ प त्र मा त्मा स दा णि व क्क म्म म द्ग य म्म म
 द थ क र्क क र्म या त सान म र्ग ल गु र्ति अ म र्ग ल श य्वा थ (थ या नि मि र्ति न न ना र्ण के
 ला स स अ ढा अ श्री महा द व स गी द वी स ल ग ल क ल क्का अ क्क ल्या ल या अरु क र्म स र्ख न
 सि द्ध श य्वा थ का ध र्क आ हा द य क र्ण ॥ थन लि द धी वि म्म वी या व च न ढ ढा अ द क प्रः

स्व-नी जापनियामनसगमडायकाडाहास्ययादाडाधालं. हादधीचिमवी:दवतादक
यासिनमूलकनानायदाथका. ग्वकविषदतसावदयहकर्मस: सकनासंस्
रुललायीडाथर्थिकजाथनविज्ञाता॥ पितामहब्रह्मा: सकलभास्तुजीडाडा:
थनविज्ञाता: दवतायाताजा०००नसकललोकमनकाडाविज्ञाता॥ कल्याण ३३
निमवीधनपनिं सकल्यं विज्ञाता॥ आडाधकअपाप्रअसाताकृतनयनया
स्वामीसूर्यसुधजहसतयअजागधथका॥ हजवीधनअमथआहादयमन

कल्याणपनिदतसाजिअहससूरुलसिद्धशयूडाधकंधालं॥ धनकडाडादधीचिम
सिनसहयायमरुयाडाआहादयकलं. धजहसजिजावानमखणा॥ श्रीमहादव
यानिन्दायाकथासअवस्यनीउपडशयीडा. नासयशयीगुकात्रडाआलीधकंधाया
डा: थडाअधुमसंलिहाविज्ञाता॥ थनीलिदकप्रजापतीनधालं धककमहादवया
पीमिकजहूनपिहाडाता॥ आडावेहवजकशलीकल्याणपनिसकलसनंजहक
र्मयाडाडाविज्ञाकनधकंधायाडाप्रजामान्ययाडाडाजहयाडाडावानं॥ थनीलिगं

स्व. नी धमादनपर्वतसः सतीदवीनसखीपनिमूनकाडाक्रीगाडाविश्वार्त्त॥थथीदवेलसचन्द्रमा
 दवताथडाकलातसहीतयादाडाजहूयाकथासडातधर्कडासवलसः सतीदवीनथडा
 सखीजयादवीकायाडादनकलकात्त॥थनीलिजयादवीनचन्द्रमाथासडादाडाद
 नीचन्द्रमानधालीजिदकप्रजापतियाजहूसडातगनाधर्कधयाडाहर्लः जयादवीन
 सतीदवीयागलिसलकनी॥थनीलिथवचनददाडासतीदवीनजमीदृशवयादाडा.म
 नसमददाडा.गिव२धर्कजिमाभववूनजितच्छनिमिर्लिन.म.स.गल.जिखदाडा.गः

३४

मचासलालीसमनलाधर्क.थडास्वामीशीर्षकनयाकददडानधर्कमनयादाडाशीम
 हादवयाथासविश्वार्त्त॥थनीलिपनभध्वनीविश्वकखदाडाशीमहादवनदनी॥हसती
 दवीथनजाकृहगासनैवादाडालीकृश्ल.कृकानदाखडाननानधडाधर्कआसादय
 काडाथडाम्दसगर्ल॥थनीलिसतीदवीनविनतियात्तहस्वामीजिववूनकृयानि
 मिर्लिनजहूयाथास.मसगलकानदकृलालमनला.कृथालनखालविश्वार्त्तनडा
 लजिगायधकधयाडा.शीमहादवनआसादयकली॥हसतीदवीकनववृदकप्रजा

स्व. नी पनीनजितमान्ययायमनमदुधडातनिन्दायाकथसंज्ञातसाँन्दुरुलसानमा
मानेखनुशयीडा॥ कतकयाऊसयाद्वलसमसुगकलीडानसाहीठरूयीडा
मखसीकयासिर्नमरीढ(थरूयीडा. थथनजिजाडीनमखूकीडाभमद्रही
ढरूयीडामखूधकंधायाडा. सगीदवीनआहादयकली॥ राखामी. जिजाअव
ह्यनीडन. जिवव्याऊरूस. दवनापति. करूपनिसकलींदयूडा. जिजाहाचिकन
डीन००छाइलखडकलयाडाडायक्राधकविननियार्त॥ धनीलिष्टीमहादवन

218

सुगीदवीनरुतयाकखदाडा.वजावियाडा.रुतप्रतपिभभवजागिनीमहा.पासावियाडा
 कर्ग॥थनैलिदक्षप्रजापनीयाजसुमंतपयादात्रसचादाडासुगीदवीनथडासामवव
 पतिनमस्कात्रयादाडादक्षदवगापनिंदडा.दक्षकैरुपनिंदडा.अषीध्वत्रजक्षिन्न
 पनिंदडा॥धखदाडासुगीदवीनजहादयकलंहापिता.मागापतिक्षुल्लापनिमनः
 जिस्वामीष्टिमहादवक्षुजककाय.मसुता.ग्यक्षमदयकैथजसुगथसुरुललायी
 डा.छिवरधर्कनामजककायामाप्रनगीर्थजाग्राजसुदानगयस्यायादायापृथ्वलायीडा.
 काटिश्वादायारुललायीडा.गथक्षुमिसनमसिया॥रुदवगापनिअषीध्वत्रपनिक्षुमि

स्व. नी

सुननापंग (थ) ३ महा देव या व अमया दा धर्क धर्त ॥ धर्त लि द क प्रजा पती या मन स अ
ती का धया दा डा धर्त ॥ ह सु ती द वी क न कृ य ज्ञा न डा या : क न लो ल न क र्त्त महा अर्म ग लं मू
हि धू का . म ती द गु व सु स क र्ता स र्क या दा डा वा द क थ ज ह स ग य जा ग्ध म रू . क क क जा
कि न म सि य क क ल न लो ग क ल कृ या य क वा न क ल सा वा द डा न क ल सा क नि ध र्क धा या
डा ह र्त्त क न स्वा मी ग थी द धा ल सा ख य ता र्प म य या पू . क नार्प वा य यि य स न क थ स र्वी
न द्वा द डा का र वा या डा वा द : क स म म न या न लि न व या डा . उ स ग जि ध लू न न या डा ध क
श्च य का डा उ म न्थ दा डा वि धू ल डा डा डा थ धू सा ग या डा म म न वा सि द या डा रू न

२४

प्र ग न लि ग का डा श या डा अ नी अ (म) रा दि ग व न थ र्थी क क न स्वा मी थ ज ह स ग ल दा डा स
म सु (म) रा या द वा द गु अ (म) रा श या डा ध र्क क न ग म क दा क द श व वा य म न डा ध र्क धा
र्त्त ॥ ध र्त्त लि सु ती द वी न थ डा स्वा मी या न अ न ग नि द्या या क ख दा डा म न स म द दा डा न ग ल
मू या डा स ह या य म रु या डा ग उ ग व च न या दा डा डा या थ ह म सि या डा आ डा ग थ या थ :
ग थ लि हा डा न . ग थ वा न ध र्क द वी न . ज ह र्त्त उ स का वा र्ग म ग र्त्त ॥ प न म ष व ती या ग
रा प र्ति स क र्त्त . थ र्म थ म र्त्त . पा ला डा सी क श ला . गु लि क्ति न ज ह र्त्त स का वा क श ला गु नि क्ति
ग ल कि या डा थ म र्त्त सी क श ला . थ गु क र्त्त हा हा का व श या डा हा ला डा . प न म ष व ती डा लि स

स्त० नी सतितात (थमनहा रुतं थगु कथं महाउ स्यात् रु या डा ॥ थमा या डा ना नदमृ निक
 लासपर्वत डा डा डा श्री ३ महादव या द्वा गन विन निया र्ग ॥ ला मृ ग्यु रु य पत्र म ध्वन द
 क प्रजा पती न क ल्या ल या र्ग निदा या दा डा थगु मरु ल ध म रु या डा डा श्री ३ रु ग दं वि का
 सगी धवी न अग्नि प्रव ध या दा डा प्रा ध गाल ग ल ध क विन निया र्ग ॥ थनी लि वी ३ म
 हाद वन थ व च न द दा डा : अ ति को ध या दा डा थ डा छि त्र म चो द रु त क प्र व न रु
 च त रु दा डा पर्व त या छि र व त्र स च ता बा र्ग ॥ थनी लि वी त रु द काली नि द्ध उ त्प लि रु
 ल ॥ रु न रु त प्र त पि ष्म च प ति . का ठि २ उ त्प लि रु ल . स नि पा त आ दि रु द रु त १००

२७

स नि पा त ३२ उ त्प लि रु ल ॥ थनी लि वी त रु द न वि न निया र्ग . रु स्वा मी स दा छि व क ल्या ल
 या रु रु ल रु का र्थ सि द्ध रु य क माल आ रु द य क स वि का रु न ध र्क धं या डा : श्री महा द
 व त आ रु द य क ल रु वी त रु द रु प नि डा डा . द रु प्र जा प ति या रु रु वि धं स या दा डा
 ता थ मा ल ध र्क आ रु वि ल ॥ थनी लि वी त रु द काली न रु त प्र त पि ष्म च रु त स क ल्प वा दा
 डा : श्री ३ महा द व या न म रु का न या दा डा द रु प्र जा प ति या रु रु या दा थ स डा न ध र्क व ला
 का या डा : अ नी ॥ थनी लि रु रु या थ स म हा उ प द रु ल . वा यू न धू ल वा य का डा . ना क प
 ल हि वा ग म र्ग दि ष्म २ प ति अ ध काल रु ल . उ ल्प रु अ दी क वा ल . वा र्ग वा न रु रु वा ल थ ग

सू. नी

कथं अनेग २ उपद्रुता खडा डी दक्ष प्रजापतीन विष्णु या क सत्र हा डी नः ह महा विष्णु यत्र म
गुत्र धाल साने ज ह मूर्ति धाल साने क लाल जिन भव स म सिया थन जा महा रुय रुय गुत्र
न धना जिन त्र का या द विष्णु या मा ल धर्क धा या डी महा विष्णु न आ हा द य क ली ह द क्ष प्रजा
पति आ डी जिन कृष्ण य ही महा द व या न क न नि दा या न थ गु या रु ल क न ला यी रु ला धी
धन धा या क या न ग्वा व ल स नि दा या य म न डी गु गु था स पू जा या य क या न पू जा म या
यि म या क या न पू जा या यि थ गु था सः इ र्व रु रु यी डी म त्र हा रु यी डी रु य रु यी डी थ थ या
नि मि लि न ही महा द व या न स म त्र हा या डी धर्क धा या डी मा न या डी धर्क आ हा द य क ली ॥

३०

थने लिख विष्णु या आ हा रु डा डी द क्ष प्रजापतीन अंदा त्र या डा डी कृष्ण धा य म रु स वार्त थ थी
द व ल सु वी त रु डा दि ग हा स क ली थ न क ल डी न ॥ काली या ग हा प नि थ न क ल डी न ॥ सु सु
धाल साः कालीः का त्या य नी श्वा भ नी च म् डी रु डा कालीः रु डा द वी वी क्का न्या दि न व द् म् डी जः
कि ही म् कि ही ग हा च गु ष षी जा नि ही ग हा थ न क ल डी न ॥ वी त रु द्र या ग हा प नि रु त प्रः
न पि म् च ग हा प्र म थ गु द्ग ग हा कृष्ण उ ग हा क र्प्य ग हा च क ग हा बु द्ध ना क स ग हा रु त वः
ग हा कृ प्र पा ल ग हा दाल दाल ल र व ल र व का ता न का टि थ न क ल डी न ॥ अने ग २ स ग मः
या वा जन धा डा डी पा र व न रु या डी कृ नः नू नू हा ला डी रु न म र्क पा ता ल स क य मा न या डा डी

स्व. नी

हयानकसेनरुयाडाधनकलशानं गुलिच्छिंदमीसुधानं. गुलिच्छिं आकाशसुधानं. थ
थिगुमेनखदाडादवतागद्यपनिसकलं. थडासुस. वोवयाऊरुनकायथ०० आया
काडा०० नुननेनावनकि सिगयाडावजकाडा. स्वाययाननयानरुलं. अग्निनंदगु
गयाडाहाकि काडाडाधानं कमजाजानमसगयाडा कमदं दकाडाडाधानं नैम गयन
खडकाडाडाप्रतगयाडाधानं वनूतनागनाजानपाडाकाडाडाहिनिमंगलगयाडा
धानं वायूनर्जककाडाडाचलागयाडाधानं कूदत्रतंगदाकाडाडापूषकविमान
सुधाकाडाधानं थगुकर्णदवतापनि ३३०००००० काटिदवतापनि हुमालस्वायधर्कस

३६

५ स्कंदकामरु अगस्त्यमुनिचरकनं ॥५

मधालयाडाधानं॥ धनैलिदकप्रजापतिनथ. थधादखदाडावितनियोगी. हादवतागद्य
पनिकुलालपनि. सरलासानजिनथऊरुयाडाइसनकायासविशायमाल॥ हमहावि
कूकलालसनजितनकायादविशायमालधर्करुलासाखलाडाडादवतागद्यपनिसक
लंवीनरुदयागद्यडाइइरुलं. रुगुमविपनिसनंडापूकनकगुकर्मायाडाधानं॥ अर्न
कंरवाद्यथाडाडा. हाहास्कात्रयाडाडा महादीदयाडाडा अर्नकहासु अस्तुप्रहात्रयाडाडा
गिवकि कत्रपनिडादवतागद्यपनिडाधिर्था अद्यानइइरुलं॥ ॥०० निधीर्कदपुनस
दिवमहासद्विधीयाध्याय॥॥ धनैलिदवतापनिसन अर्नकप्रकात्रदीइइममरुन

१ स्कंदकामरु ॥ स्कंदकामरु अगस्त्यमुनिचरकनं ॥५

गुप्तपिनीउच्चारनकर्मयादाडाकनमागनवीनरुद्रयागद्यपनिविध्वंसयादाडाविलंद
वतागद्यपनिक्रिययागी॥थनंतिवीनरुद्रनधडागद्यपनित्वायसामर्थमद्रवहा
डाथमनंरुद्रयाथच्छायादाडाथसागयाडापिष्टूनजाडाथडागद्यसकल्यंतिडा
नसागकाडादक्षप्रजापतियासेत्यखडाडावद्रुनक्रोधयादाडापिष्टूनप्रहानयागी
गुलिखद्रुनपालं.गुलिंमूद्रनदालंगुलिंपत्रगुनखंडयादाडाविलंधुगुकथना
नाप्रकाशन.कनमागुंल्लुनद्रुनकाडाविलं.थ(थ)डाखडाडादवतापनिसक
ल्यंयादाडावृहस्पतियाकविनतियादाडाकन॥थनंतिवीनरुद्रनदवतापनितह

वकाडाइबातंकाशनकाटिदवताकःभाचकाडा.रुडास्रयावःशनीसकाटिदवगनन
लललालन.हाताडा.ग्राहि२यादाडा.थिथिंजिडात्रकायायनःदगदिभसं.विश्व
डानं.गुलिंविस्तडात्रमरुयाडा.अर्थवानं.गुलिंमल्लककुदनमानाडाविलं.गुलि
यादकुदन.गुलिंवाद्रुकुदन.शयकाडा.बांबांडानं.थगुलियुकात्रलःवीनरुद्र
नद्रुयायद्रुदवताःजिलाजनपनिःचूर्तुतनथदाडा.अस्वमंधयद्रुविचंसयाना
हलं.चतुर्विधियाजिनीगननं.तनथुनपिसाचादिनं.यद्रुसःलाक२दवगनःप्रापिं

क२आर्वाः। इयागवित्तः। धृगुलिषुकात्र। वीनहडा। दिधागिनी। गननदवया। क्षनाभा
 चकाः। श्रीवेकं। धनाधना। नायनः। अथनकाधयादाः। मिखा। झाडुकककाः। नागनः
 निखासतया। धं। बलं२। प्रासकासतया। अग्निधा। जलपृथं। भजयिकया। द्वायाया
 इगंकिं। वलपिकाया। जडा। साहगिनः। कोभादकी। गदापा। काया। खडा। साहगन ४९
 वाक्। जंन्यसंखधुनिधादाः। पृथी। नासयायवलसः। श्रीमहा। नूडववर्थं। अथनकी
 धयादाः। वलिखासः। नः। काकधं। गदनसंखपृया। गदाहितकाः। वीनहडगुख

१कुक्क। धालसानागास्त्रयाधुपगकुवकासु। अग्निधा। वायुद्याकु २
 यावद्वार्गः। धवलसंखटीसकाटिदेवनानं। धडा२। सुसुजादाः। सिहनादयादाः। श्रीनागा
 यनयाः। जडा। खडा। धाना। अन्नग। भक्तु। पुहानयातं। देव्यासुः। कसयासुः। कयाः२। कः। व्यासुः
 खर्जः। खमलः। गकिः। जृगीवालः। मसलः। अन्नग। भक्ता। दिवुहानयातं। सुतिचिन्नः। श्रीवि
 श्वम्भरम्भुनिनागायनया। जय२। रुयमालधकः। आकागसधानं। धृगुलिषुकात्रलः२
 दुपुजृतिः। देवनं। श्रीनागायनः। अग्निधादाः। ददुयानिमिकिनल्लानं। धधदवलाक
 रुधयाभा। ववगुलिः। श्रीमहा। कालिनखनाः। अग्निधाधं। श्रीमयिकाया। का
 लसमानः। खद्रयां। काया। रुहटा। नहलाः। धागिनी। गननलितकाः। किसिव

आनसः सिंहदवाका धवका गलसदवातः अवसतवदसमवचित्का धवका गलदि
 गश्चितः गृहिः जामिकआकाशः रुक्मयातः गृहिः खद्रनः यासाजः को दानकाटिदवग
 हाः भाचकसः गृहिः यरुकुलसदवातः शीसली धागिजननः लाकश्नयाशः हिभादा
 डाः दयाशः भाचकसः अगृहिप्रकात्रलः महाकशोरुधः रुक्मः अवससः धवगलः =
 नं गृहिश्च विन्दुगृहिश्च नानायनः धकं हाहा कात्रलहालाडाः दमदिभासायाश
 विसृष्टानः गृहिकि नं शीनात्रयनः जियनिः त्रकायाशः धकं हालाडाः श्रीनात्रयन
 चीनभासः विसृष्टानः अगृहिः सायाशः निर्वातन बादाशः रुक्मसनः महावीनः वीत्रह

उयातः गदाननुगलसः प्रहलस्यातः अयहाननवीलरुदधकश्चलाशः पृथिसम्बतु
 लाशः प्रकाशयाशः चीनः रुक्मः महाविष्णुनशरसाः शीसली धागिनीः नदिः रुग्निः रुक्म
 नः कलः विभावादिद्याः गृहिश्च यकपांचजन्यः गंखयुतः रुक्मः मयगर्कलस्य धवः विभा
 दनः सिंहनादयादाशः गदाहिलकाशः दवातः अथनात्रयननः यत्राकमयादाशः शी
 सली धागिगलः नदिः रुग्निः रुक्मः पुनगलः रुग्नादिः वीलरुदयागलसकल्यः गंखयाभ
 देननः गदाप्रहानसहस्यमरुयाशः वसः ग्वलकुलाशः नवकासं हिक्कायाशः नलरुमी
 सः श्रीकलः वाकसयादाशः चीनः अवससः अटिसकाटिदवतानः धन्यश्च नानायनध

कलीमालसुके याडाहम

२५

धधनिगलिपक्षउ (धधना नान

कं: आकागस चानाश: मालिगनखानचोगनकलं: हनं: अनेजमाथनग्रीनातायनयात: रु
जि: घानसौधनंति: नातायनया: गंखयागद: दवसाकन: सायवायाभदन: वाजनया: गद
नं: धमहावीनवीसरुडया: चक्षुदयाडा: डायददाडा: स्वर्ग: धनंति: धडावविवात: सना
अचनशयाडा: ग्वलतुलाडा: चानसमाडा: कालरूड: कोधसपुर्थ: कोधयादाडा: मिखा: ५३
झाडुंक: कडाडा: कालसमान: त्रिगुल: याकायाडा: नातायनतु: सयाडा: निर्यननहकाडा:
कालसमान: त्रिगुलत: नातायनया: ददयस: प्रहानचाता: धवेसस: महाविष्णुन: धत्रिगु
सया: प्रहानसिहस्यमदयाडा: नडादानन: हिहायाडा: लमीस: ग्वलतुलाडा: मूक्याश्या

डा: चीन: सयाडावीलरुडन: उलयकालस: मचगऊतपुर्थ: सिंहनादयादाडा: सायवीसं॥
धनंति: धमदन: चोसकीधाग्निगन: ह्यादियां: चक्षुदयाडा: डायददाडा: स्वर्ग: स्यास्य: वि
धुमूक्याश्याडा: चान: खनाडा: दक: रूत: गत: कलगनंगनक: सायबुलुं: हनं: २: माहा
काली: ह्यादि: धाग्निगन: सकलसनं: धन्यवीसरुडधकं: रुगियातं: हनं: चोसकिधाग्नि:
प्रमथगनह्यादिनं: दवसाकगन: आडाडा: यद्रुकन्दस: दयाडा: गुलिं: स्याडाडा: गुलिया
हिताडाडा: लानयाडा: धुगुलि: प्रकानन: भाचकाडा: शतं: धवेसस: ग्रीनातायनया: चक्षुद
याडा: स्वर्ग: धवेसस: वीनरुडन: धडा: दवगस: भाचकखडाडा: मिखाझाडुंककडाडा: दि

ज्ञा ज कि सि हा ल थं हा ला डा सु द र्जन चक्र हस्त का डा ना नायन न वी न र ह द या न ह न क तं ह वी न
 र ह द ध नि या दि न स क न न जि न प्रा ल का य श स क जि ह रु ला च क न प्रा ल का य डा द क
 उ ज्ञा प ति या य रू स म्पु र्ण या य थ व स स रु नि द व ता म न स र्गो ख या य ध नि या दि न स न
 का द भ र ह क न य क श या डा डी स र्ग क न प्रा ल न का म श ला ह वी न र ह द क न ख द
 ला थ सु द र्जन चक्र ल प्रा ल न की डा म रू ह वी न र ह द क न स रू ना म का य स रू शु म
 न्ना या य न दा या डा ध क ध र ह न थ जि ला हा न स ची न स रु द को भू कृ भा च का डा न क
 पा न या दा डा ची न उ थ सु द र्जन चक्र ख द ला ध क ना नायन न वी न र ह द या न ह न का डा

३६

की र्ण थ न महा वि षु या चि द रा खा वी न र ह द न ड ना डा वी न र ह द न श ल र्गो व रू न को
 ध या दा डा ध र ह पा पि षु महा वि षु अ म थिं द ला य ना क म क महा वि षु धा या म रू
 न सा ख श की ला ना डा ची न म रू अ म्ना द क म रू ना ग या दा डा चा द सु द र्जन धा या च
 क क न पू रू र्वा र्थ दू थ जि के प्र हा न या डा ध क वी न र ह द न ह न का डा की र्ण थ न वी
 न र ह द या चि द व च न ड ना डा य म को ध या दा डा डी ल थं को ध या दा डा द व न डा या
 डा सु द र्जन चक्र धा म रु य ल या डा हि रु हिल का डा न र ग द न हा ला डा वी न र ह द या र्क सु द र्जन च
 क प्र हा न या दा डा की र्ण थ च क डा म रू दा डा च रु र्थ धि धा मि ग न न दि गृ गि न रू धा दि

यां: जहिरन हाताज: निवर्धकं हाहालात्रयाहाज: श्रीमहा कालि: वीनरुदयाक गत्रलठानं: चस
 दभ्रनचक्रम: थ वनधससा: काटि सूर्ययुका गहो धी: आकासं अ सतपू थं: व जउठा धी-
 भयग ऊं लपू थं: विगहन हाताज: निर्घातन: महावीन: वीनरुद दुखयाज: प्रत्यकास
 नूडठा धी: वगनठा धी: सुदभ्रन खडाज: वीनरुदन शत सां: कासमान प्रिगल पाचाया ५५
 ज: हटतन की लाज: बाहानखायाज: चसदभ्रन चक्रमू दुस रुयाज धीनं: चवत्स: स
 दभ्रन चक्रवीनरुदया मू दुस शतं: च वीनरुदन: ग: श्रीमहा नूडन कालकूत नूयाज धी
 क धी: नूयननं: च वीनरुदन: नूयनन खडाज श्री नात्रायनन शत सां: वगन बाडाज: वीन

रुद्रयाकूतस बाह सुदभ्रनिचक्रमि क कायाज अननं नूक धी नश्याज वेकं थ पुनिस:
 विसडाने थ थ नात्रायन नूक धी नश्याज विसडा हे: नूद्र प्रुटि सूर्यसुकाटि: देवता नख
 गज: हाहालात्रनखायाज रुया न रुया थ दग दि सास विसडाने ह चं जे क ग भ व कि त्रय थ य निगन
 ह मिता ठ ता व थ ज र जिडा र काया य न द स दि सां स्वयाज रुया न रुया थ व स डानं थ व स स द:
 व ता थि थि वा त श्राज श क द क प्रजापुतिया प्रा न र का श य म द ता नू न ख ल सा ग व म श्री नात्रायनया:
 सुदभ्रनिचक्रमू धी मी थ श्याज धीनं ह च ग व र मि ता ल ताज श्री नात्रायनं सुद्धा रुद्रया म सामथम
 द ता ल द व ता थ थ न मि जि स न चू र काया य रु यी ज ध कं वा डाज आ का स सं थ हाज नं थ न लि म

हाय नाक्रम पीतरुद्र नरुल सां प्री नाताय नया व क्रसुद्रा वृधया बाडा नाताय नप्रदृति सतीस का
 गिदवतां विसडा नसायाडा कालसमान न वीतरुद्र नरुल सां प्री मिजा जलपृथ्वीमिरा अउ ककः
 बाडा मजुतु नरुयाडा नाग ननिस्सा सतया थं वतं शमा सु कालतयाडा वलिस्सा स न बाव थं सिंहना
 दया बाडा निघात न बाडा द कप्रजा पति या वससां मिर्कजा बाडा तृति सतृति नीय लाडा वसडा = ४७
 बाडा मा दस कसु बाडा यरु स दयाडा धार्गः अ वल स ग्री महा कालि आदि जो स थिया जिनी जन
 दिहिदि प्रमेध ग न वृषा जालरुत प्रापिमा बादि द कस्य न कुहल न गता कय थिना पंदा लायमा
 नरुय क लाय वा लं ध न च श्वितरुद्र सिव निं प्रया क न द क प्रजा पति नाग या क ध कं वल पलम

मानवी तरेला स संदुर्लभ कं न ग मा थ न सु ति या बाडा वीतरुद्र या न ग गून की
 र्क नाया बाडा चान थ न लि द क प्रजा पति या क लो ग वीतनी नरुल सां थडा स्वा मि द क प्र
 जा पति वीतरुद्र ने माव कसाया व कलिल मा तडा रुसन कयाडा ज्वलतुडा थं पृथि
 ग ज्वलतुलाडा मू क्का रुयडा चान ह न व खे द याडा न ग विलाप या तला प्रा म नाथ
 डि मू नाथ या बाडा कुल पालरु का ग न वि आ ना हा नाथ ग्री महा दे व क थं ज रु स म वा
 क न थ थिं न व रु स न य मा ल ले स्वा मि डि वि ध वा रु य का डा क स्या ल न का ग रु का ग नी वि चान
 अ बा ध कं ना ना मा थ न विलाप या बाडा वीतरुद्र या थ सडा बाडा न क प्रका त न रया या डा

विनतियातल्लस नवीनरुद्रजिखडाडा दयाप्रसन्नस विद्यायमाल्लापन मग्धनरुद्र क
 प्रजापति ध्याय क नरुद्र निधुका रुचं नूति नूद का तीक्ष्ण मा व क्षमदः धृतिनं न मरुतनः
 रूत कया वृष्याजनः दक्षप्रजापतिया जिडादान विद्यां डा जिता उडा नया दः प्रसन्नस यमाल
 लोवी नरुद्र थमन सुष्ठि यडाडा थमनं महा नया यम तडा लोवी नरुद्र कुल्लाल रूयीडा सु ५१
 स्थिति से सनया कर्क रुचं महा नूद्र ध्याय क नू ल्याल आदिपुत्र र्व कुल्लाल लोवी नरुद्रः
 जिवीधवाया यम तडा जिडा दमाया दप्रसन्नस यमाल ध कं ध्याय डा जानं धवलस आका
 मस जादः द्रुप्रहति दवः ता नवीनरुद्र श्री महा कालीन क्रया कं स्त्रानवाग व कलं रति स

नरुद्र

काति देवता नवीनतियातल्लोवी ध नू कुल्लाल जडा जिपनिसडा कपाया द विद्यायमा
 ल लोवी नरुद्र महा कालि आमादक्ष प्रजापति आत काडा उडाल या दप्रसन्नस यमाल
 ध कं देवता न विनतियाडाडा वी नरुद्र नरुद्र लसां वील नीया खाल स याडा आकादय
 कलं लोवी तनी वून त नू वस्थ नं स्वामिव तदान विद्याल नू तात की कृता नू धालसा
 वून स्वामि मा नू लज्ज स दूय धू न न्या डा थज्ज स वलि दान विद्यां तया प नू वू द रुद्रः
 डा मात काडा विद्या नू न धाल सा वून स्वामि न जगदिश्व न श्री महा देव या त नू न
 गमाथ न वाल विद्या नू निद्राया क थ तया निमिलि न थ व सूरुल नू य ध कं ध्याय डा उरु

एव लिङ्गानविर्णयं तया जालस्य कूलकायाऽदक्षप्रजापतियाऽस्य कूडाऽऽकूलनलिः
 सा तकाऽविन नियाऽङ्गन न्याऽदय कलं लोवीन नी कूल विनायं या कलयाऽऽजिः
 त्रुति क न्म जाया हन्तं न्द्रप्रहृतिदव तानं कूल निमिलि न डिक्क न्म ग प्रका न्म
 विन तिया कः कूल न्म ग माध न सु तिया क डि न्म तिया व शय ध्नाः लोवीन नी कूल
 तस्यामि व न दा न वि य ध्ना काऽऽध कं म्वा त काऽऽवि लं थ दक्ष प्रजापतियाऽऽकूल
 ल कूल य ध्ना काऽऽमा य त न्म थ दक्ष प्रजापति हा लं कूल का हल ध्ना ल सा व व व व ध्ना
 कं हा लं थ हा ज र व दाऽऽवी न र द्र मा ह का लि नि कं ष्म श याऽऽवी न र द्र म हा का लि

४८

(४१)

का २

नरुल मा दक्ष प्रजापतियाऽऽवि लं जी वा श य मा ध कं धालं थ व ल स वी न नी नरुलः
 सा म हा लि वी न र द्र न क स या व न ल स हा क पु याऽऽन ग सु तिया तः लो वी न र द्र म हा का लि कू ला ल
 या प्र ग्म द न शि वि ध वा म श ला ध न कू ला ल कू ला र यू ज ग सा कि र याऽऽस्व र्ग म ध या ताल स रू क
 ल पा ज वि आ कू ला वि न र द्र मा हा द वं कू ला ल नू द्र ध या र्क कू ला ल आ दि पू न् ष ध या र्क कू ला ल
 या प य् ध या सा कि र याऽऽवि आ कू ला वी न र द्र कि वि र या पि न कू ला य रू यीऽऽव त म्म र व व क्का र्क
 गं म्म म द् क ल वि मू त् थू लाऽऽवा द र व ना ग या गं म्म म द् लो वि न र द्र म हा लि ध न्म कू ला ल ध कं
 का ग म्म र व द क्ष प्रजापति न वी न नी न न क्क स न न्म ग माध न थू ग्क थ सु तिया दाऽऽनू र्ग प्र नाः

मया दत्तं वंद्यं कायायः भयं भयस्य नमः भानन्दनं नानं ॥ ॥ धर्मं लिमहा कालिनीतद्र
 नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः
 तन्मामिदं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः
 तन्मामिदं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः
 कलुषं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः
 कपूयायः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः
 कयायः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः

४५

७ धर्मं कमात्रं भयं नमः भयं नमः ॥ ७

सुदयायः काटिदं देवता भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः
 लुकनः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः
 लुकलिधनं भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः
 वलिदानं विद्यायः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः
 जिह्वं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः
 लिमहा भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः
 नालिनिवमहा भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः भयं नमः

४६

१ सुदयायः काटिदं देवता भयं नमः भयं नमः ॥ १

रुल सां सतादे वील् मनाडा ग न पायि छ द रु पु जा प तिया ज रु या त न न थ न क ल वि या
जा व य ह कं पु स मृ ह र हं ची न सती द वी र व दा व स्व ग ल मि र वा न र व वि पि का या ग हा स ति
र ध कं हा ला व न ग ल दा या व पृ थि वी स ग व ज र द ला व अ य त या ना व ची न ह नं जं वा द या व
व य व ना व ज ह क न्द स ची न क स ती द वी थ न का या व थ व मृ द स त या डी भा ग्य उ मि र वा
नं र व वि हा य का डी य स पू ना व र वा ल न र वा न ना प ला त का डी हा स ति र ध कं वि ला य या
ना व वि या र ह नं क वि ना न थ या डी जि न ग थ ध ल ल पा व शानि हा स ती आ डी के ला
स स ना न न का या ची डी हा या ल ग्य ती द रु पु जा य ती या नि मि र्ति न क न थ र्थि द अ

व स्का र डी हा या ल ग्य ती जि न्वा ना डी ची ना या य था ज न म इ क ग न डी ना अ नं जि वानः
अ था हा स ती जि अ ना थ या ना डी क रु की ग न ची न डी ना हा स ती द वी स दा का र्त्त कः
न जि ह डी न ची ना डी अ नं ग पु ना ला दि क थ द ना व ची न डी छ डी ह नं अ नं गः
मा थ न जि व र्क्ष ना व ना ना को रू क र व ज्ञा ना व जि म न स ता व र य का व शानि डी
आ डी जि स या र वा ल भा या व थ ग र ति जि चि रु दृ ध या य ध कं ना ना मा थ न वि ना
प या ना व य थि स ग्य ल रू ला व अ चे तं न्य र य का व ची न ह नं व लं स मा ह
का त न या व हा स ती द वी र ध कं र वा या व स ती द वी या ग र हा व न्ज ल म ना डी नः

गलनमक नात्र नत्र रुसन कया व क जीस जमन नूत थं श्रीमी स पद लपात्र मू
श्रीश यात्र चोन हर्न भं दयात्र नाना माथन विनायमान हा देवी सा (होम)
नीजि किताव दहाव यवेल स हाता २ सन क म लुत्तु आ नाव नूति चाय कलत्र
यीत्र हा देवी हर्न पुस गजि भूत्तु समर्थ भं दान या नाव नयीत्र हर्न जिन
भय गूर्न यिका यात्र वियीत्र आत्र सुनान विधीव हासती आठ गूनि जिअना
थरुल केला सुं सुं न्यरुल हा देवी आत्र सुया रया स भा यात्र थ चि रु दृट पायध
क ना ना माथन हा क विनायमान नाव चोन हर्न ग्वल २ रु लाव हासती २ धर्क हा

५१

नाश लं हर्न काम की बाल म नाव संगी देवी या भूधन ल म नाव अती क नृ क्षान वि लायमान हर्न
मती देवी या नृ त क भ नील य स पू नाव लाक २ भा र्ग्वल रु लाव थ नृ गल थ मर्न दया
व शा ग्व ७ मिरवार्न धा वि हाय काव अने क क नृ क्षान विनायमानाव थ व थ थ मर्न धीर्ज
यानाव नृ त क भ नील य स पू दाव अने ग माथन विनायमानाव थ धि वी स ७ मल पा
व दाय हा ला र्थ हा लाव लाक २ भा र्ग्व ७ २ रु लाव हासती २ धर्क हा लाव शर्ल थ गूति
युका नृ ल दाय श्व र्थ संगी देवी य स पू दा शर्ल हर्न थ नृ त क संगी देवी श्री महादे
व या नृ स धा दया निमि लि न द द व य का चोन ध र्थ भार्न थ गूति य का नृ ल श्रीम

हादवदन्मर्त्तु श्यावकायश्वर्थं वधिवीसुमनयानावश्वग्र ॥ ५७ ॥ पुत्रिपुत्री =
 भक्तिदिवनानंसायावमनसहतासचायाव ॥ ५८ ॥ आदिधवलाकमूनाववेक ॥ ५९ ॥
 त्रिधनकलविआनावश्रीविश्वमूक्तिश्रीनागायतयाचनहसशकधायावधव
 नाज ॥ ६० ॥ नशलसांश्रीविष्णुयाकेविनतियार्गशायनवक्रश्रीनागायनजिपनीस = ५२
 विनतिदस्थविआइम-कूधालसाथसंसात्रसकस्थालवश्रीमहादेवडाभकसन
 नकाभयागसाथवक्राल्लग्यलसुनानत्रकायायीवहनथनश्रीमहादेवशर्तसगी
 देवीमदयावमृगकभनीत्रयसपूजावकायश्वर्थं हासगीश्वकहालाडापुथि

सधमलयावकुरुश्रीनागायनश्रीमहादेवधध-कीयमालाधककस्थालयाक
 ॥ ६१ ॥ नापयागवयाआवकस्थालस्यनभूसाकशुजिनयायकावसगीदेवीयामृगकस
 तिलधलमिगकावनासयानावपुसन्नशस्यविआयमालधक ॥ ६२ ॥ आदिधवताप
 निसनश्रीनागायनयाकेविनतियार्गधन ॥ ६३ ॥ आदिधवतायालखादिनावश्रीवि
 श्वमूक्तिनागायननभूसादधविआर्गशदेवनाज ॥ ६४ ॥ चपनिगसचायमृमा
 लभूवधनंजिनधवमायानभूवकशुजिनउत्तरिमायावसगीदेवीयामृगक
 शस्यधानसगीननाभयानाववियशलनिश्रयनयायशलआवकपनिनिहा

इति धक आह विद्यावधन श्री नारायण नया आह द नार ह्यदिधवतापनि स्थमचनम
 सलीक थायावधकायावमनसजुती आनन्द शय नावधनन अनन्यन शयाव
 धम नाव तिलिहा विष्कार्ग धनं लि श्री नारायण नन इल सां धव मायानज्ज अक जुजि
 निदायकाव सतीधवीयामृतकसलीन अल गितकाव लोस कल्य यता नन कनिनका ७३
 व श्रीमहादेवनय सपू नाव तया मृतक म ग्रीन नाभयानाव श्री महादेवमता ७ तप्य
 काव विल हनं सतीधवीया लागन २ कृती नवन अन २ यी ० कृग्रलि २ उत्पलि
 शयाव हनं स्वयं प्रलिह कृग्र २ लिहाय नायावधक श्रीवज्जान भटी म काटीधव

१ धकं कृग्रधन अगल कन ॥१॥

संद कृमान म अगल मुनी नन कनं हा अगल मुनी नन २

नाया ग आह दय कल ॥ ॥ श्री श्री कन्द पूना ल निवमहा लयचतुर्थ अयः
 ॥ ॥ ~~नाया ग आह दय कल ॥ ॥ श्री श्री कन्द पूना ल निवमहा लयचतुर्थ अयः~~
 लकीकि नाव पयिवा स उ मस पाव शव ग्रखव कान भटि म काटिधव नापनि न कनं शट
 वलाक जिनख कना क भदन व कव कान आह दय काव विष्कार्ग धनं लिष्टी म काटिध
 वगानं वज्जानाया के विनगि यार्ग हायिना मह आह दय विष्कार्ग हनं सतीधवी म ग्रीन
 महादेव लकीकि नाव काय पयिवा स उ मस पाव शव ग्रखलि स कर्ग आह दय
 के मास धक देवतापनी सन शत सां विनगि यार्ग ॥ ॥ धन लिष्टी कान शल सां

सतीदेवीयागस्वसकंतांशदिनिर्णयकनी॥ होदवैलाकनुकेविरुयानावंददधक
 आशदयकलं॥ ३१ लंलिपी० उत्पलिरुवगस्वकनं श्रीमहादवनअत्यनमगंदाव
 नयापानवस्ररुयावधादकसतीदेवीयामृककगनानलूकंदिहावशलंहास
 तीरधकंहालायस्वीयावशलंथनंलिदवतापनिसनशलसांमाहादवथथकीन
 मगवधकंदवतापनिससाहृतिगाडाविष्णुनशलसांमायानअश्वकलीमिनीदा
 यकावसतीदेवीयामनीनसअश्वलोमिनीनरिहातकावद्वयकलो॥ थनलिस
 तीदेवीयामनीनयाताप्यताकतीनवनं॥ थनलिसतीदेवीयामनीनकगिवस्थिति

७४

४२

गनरुताभननननवक्रानस्वयंजुतिजकगुलिस्कापनायानाअविज्ञानं॥ ॥
 आर्षाडकामरुससतीदेवीयानुगलकृतीनवथासऊकामरूपी० उत्पलिरुयाअ
 श्रीकामाकादवीश्रीविठाथाजिथीचन्धनधायानाममहादवउत्पलिरुयावमि
 वमकिस्वतृयश्यावविज्ञानं॥ थनलित्वगुलीस्कापनसपुन्यजूमिइलहनंथ
 स्कापनसगधीदधालसाभ्रतीमभारुतथासहनंथगुतिस्कापनसगजाक्षानावः
 चीनथगुतिस्कापनसधेनीसुन्दनदभकगुतिदर्थचानथदभयानामकाम
 नृधकथदभयावादलीजनसकल्यं॥ श्रीश्रीयाजवतानशस्थंवादलीजनपिन

काफ श्याच श्राद अनीजानी ल मान रुयाव साक्षात् कामाक्षादधीधकपी ६ पुक्षा न रुया ५
 चान धुउलिस्तनसस्वर्गनयक किन्ननपि क हा हा याव नयस्या याना च चान कृ
 यादीन स श्री कामाक्षादधीधक रुयाव आ सा दय क ल हा यक किन्नन कृ य नि स
 नयस्या न जि अ नी ख सि रु म ध ना कृ य नि स व न दान का ५ ध क आ हा दय का वा वि
 आर्त धनं लि य क किन्नन यनी भन रु ल सां मन स महा ह र्ष मान या ना व वि न निया ५५
 नः शय त्र भ ग्धती जिय नि स व न दान भव ता चू से न चू धा ल सा ख र्ज म ध पा ता
 ल स य क किन्नन ध कं नृ त्य नी न स ना म प्र क्षा न रु य क पु स न रु य मा ल ध क वि न

५५

तिया ना व धनं लि द वी न रु ल सां आ हा दय क ल हा य क किन्नन कृ य नि स न धा का वि य ध न ध क
 आ हा दय का व जू न धा व रु या च वि आ र्त ध न नि स न रु ल सां धा ७ ॥ अ य चान न यू जा या ना व
 रु का ज य धा न क्षा उ धा र्थ ना या ना व ध व र्था य स र्ध चान अर्न ॥ १ ॥ ध नं लि ह नं स नी द वी या
 ग नी न कृ ती न धा न धा स काम नू न वि आ क वं ल स न पा ल जू मी स धे ना व न पा ल ग धा द
 धा ल सा ख र्ज उ व न धी अ ती म ना ह न रु या च चान ध र्धि नु न पा ल स वा ग्ध नी मिः
 व ग आ क्षा ना व चान ह नं वा ग्ध नी या नी त म ॥ अ य मी न क व न चू म्बु ली द धी धान ध वः
 न या सी स वा ग्ध नी या नी न स ला न क ग्ग कृ ती न व न धु म्बु धा य र्ध श्री न पा ल ग्ध नी पीः

०४ कउत्यलि श्याव श्री ३ गुक्क श्वत्री धक नाम प्रकाश कइ लं श्री च न च न्मथा जिनी श्री सि
 धि धा नि ति लु ग्ग म म हा द व उ त्प लि श्या व नि व म कि श्व त्र य श्या व वि का नं थ र्थि गु
 न पा त च क र्द म लु व न या सि नं ७४ श्या व चान ह नं य धि वी द का या सि नं म हा उ रु
 म श्या व चान ह नं सु व लु य न ना म न ग न च गु ती द र्श चान ७५ म मा न क व न व ७६
 सु व लु य न व द थ न वा ग्म ती वि का ना च चान ह नं वा ग्म ती व सु व लु य न व द थु सः
 श्री मृ ग श्व त्री वा ल सु री श्री उ क द न ग ७७ श्री सि धि धा नि ति लु ग्ग म म हा द व वि
 का ना च चान ह नं ७८ श्री का टि द व न पि नं थ स र स वि का ना च चान थ र्थि गु म हा उ रु

॥ श्री य गु य नि क र्द म ॥ ॥ थ नं ति गु क्क श्व ती पी ० स मा ट का ग न रे ज व ग ल द स चान ह
 नं धा नि नी ग न न तु ता च चान थ र्थि गु गु क्क श्व ती पी ० स ७९ आ दि द व लो क य नि ड आ म
 न य स्या या ना च चान च क्क या दी न स श्री गु क्क श्व ती दे वी य न क श्या ७५ आ हा द य क त ल
 द व लो क च प नि ध न न स्या या क ल च र कि र न जि व ती र्ग म य श्य ७६ न च य नी स म न
 मा स च्छ का म ना इ त उ गु ति धा व ध क आ हा द य का च द व लो क न इ त र्ग वि न नि यो गः
 लो ७७ श्री गु क्क श्व ती दे वी जि य नि ग भ व ना च्छ क न स ल ७८ ना हा य ज क ति श ग
 थ थ गु ती श ग र्ग द व लो क श्या च चान द य क श न थु ति जि य नि ग व न दान वि भ

विष्णोयमासधक विनतिया नाच श्रीदवी न शत सांद वलाक या खाल भव्या न विय धून ध=
 क जाला दय को च द व लो क या मन सम हा हर्ष मान या ना च धा उ भय चान न पूजा या=
 नाच रुक्क ड य ध्यान सा गु प्रार्थ ना या ना च च न ठा स श क य या अ द वी या क थ ज को=
 या च थ च र थ य स र्ग विष्णो न श्री गुरु भू नी द वी न न न धन न श या च विष्णो तः ॥ ५१
 धुन लिह न ग उ लि चि न का त च र्थ लि श्री दा ला गि भ भ व न श्री ना राय न या न मू रा र
 न दे व न दा ला गि नि प र्ब त क्षा ना व हा का नी न च्छा य न न व ल स श्री च गु ना रा य
 ठा न शत सां ज्ञा उ डि ग न अ भ ग ठा नी न ख ल ध क म न स अ नी ध न्धा श या अ द य

य हे म सि या डा दा ला गि नि प र्ब त नं क हा वि ष्णो ना डा ल भ मा न क व न स थ न क ल वि ष्णो ना
 डा श्री गुरु भू नी द वी न शत सां ज्ञा उ डि ग न अ भ ग ठा नी न ख ल ध क म न स अ नी ध न्धा श या अ द य
 या ना डा वि ष्णो तः ॥ ध न लि श्री गुरु भू नी द वी न शत सां ज्ञा उ डि ग न अ भ ग ठा नी न ख ल ध क म न स अ नी ध न्धा श या अ द य
 न च्छा य न न व ल स श्री च गु ना रा य
 क ले ध आ हा रु ना डा श्री ना राय न न श ल सां लो हा त हा उ ल पा ग वि न ति या त श प न भ
 श्री र द्या नी द वी डि ग र लि दृ ष्य भ व ता म ख र्क भ ल सा पा पि ष्ट मू रा सू त दे पि न डि ग
 र लि दा ला गि नी प र्ब त क्षा ना डा हा का तिं या य ध कं दृ धि वी ना पं दी ला य मा न श य कं स

नाशवानथरनाशजिहादिनंअनाशमनसगुसकायाडावल्यालसुसुननडायाधकवि
 नतियानाडा॥थनलिश्रीगुरुश्वरीदेवीनशलसंजाहादयकलेलीनातायलकुकुंगुस
 जायममालकुनेधनीननडिडत्यतिशयाडायाविषमूतासूनसंहानयानाडाविश्याव
 दुमगकुलिडानाडागीआतिनीराश्वनयातखवनविहूनधकआहादयकाडाअंतधान
 यानाशविआता॥थनलिश्रीनातायलनशलसंमगसलीविआनाडागीआतिलिंराश्वन
 यावननसलाकपूयाडागीआटिलिंराश्वनयाहुअनयानाशविनतियातशयनमः
 श्वनशावूदपापिदमूनराखवनजिगुलिशलाशित्रिपर्वतहंमोडाहंकारिकायभा

धककुत्यातयाकविनतियातवयाधकहानआजतपावचान॥थनलिश्रीमहा
 रूडनआहादसुविआनलीश्रीमहाविष्णुकुत्यातहतासचायममालअवस्य
 नंजिअयावसुर्गमध्यानालनंकुखाशुयकचानवयधूकाकुचुहतासः
 बालमुमालकुनमनसआनन्दयानावसुखनचानदुनिधकआहादयका
 वश्रीमहारूडयाआहादनावश्रीमहाविष्णुनरुलसंचयलसलाकपूयाव
 वकाकायावमनसआनन्दयानावअननंदालाश्रीपर्वतविआता॥थनलिः
 श्रीमहादवनरुलसंश्रीमहाविष्णुमानिमिहिनंदालाश्रीपर्वतसविआना

वैखर्जस्य पातालसंस्कृता शयक विद्या न भवत्संनिधौ श्रीकीर्त्यम्भत्रयकनाः
मयका नश्यकाव विद्या न हर्न श्रीमत्रभम्भत्री रत्नसंश्रीना त्राय नयाभनीः
ननपिहा विद्या नाव पाविष्मन्नासुत दानवभाचकाऽविद्या न चिथिः
श्रीपत्रभम्भत्री श्रीगुष्मन्त्री पीठधक नाम पुका नश्यकाव विद्या कथं
कृष्णीम्भत्री नञ्जनक वनदान विद्याव विद्या कथं हर्न ठटीमका टिदवका
मन्त्रपिन्भाक विद्याव अस्त्रदान वयनिभाचकाऽनया लम्भत्री धकना
मयका नश्यकाव श्रीकाटिलिङ्गम्भत्र नाम महादेव भिवग किम्भत्रयपस्या

व विद्या न ॥ १ ॥ धर्न लिखु श्रीवृद्धनीन व भसवागान नीधकपीठत्यलिङ्गत्वं ॥
श्रीतिसाला कीदवी श्रीसंकाथा जिनी श्रीविष्णुम्भत्र नाम महादेव उत्पलिङ्ग
याव भिवग किम्भत्रय श्याऽविद्या न ॥ धग्गु लिखय स पून्यत्वं नी रत्न गणि
ग्रवानान सीधो रत्ना जगत्संसा न पवित्रयाना व भाक विद्याव विद्या कथं
धसुनला गीन थीग अविद्या नाव स्वर्जस्य पातालसं नाम पुका नश्यकाऽ
वान हर्न उगुवा हिनी श्याव वृत्त न द्या नाव हर्न जलजनु दका यानवाः

सविष्णुर्विष्णुः कथं पि ३३ अथ नवा नशी कुरु सहेत्रव सहित्या नाव विष्णुः ॥ धु
 गवाना लसी कुरु सहेत्र मगन्धर्व पति जय सना पति अया व भहा हा वयाः
 खन कथा व न पस्या या नाव चीनं चनं लि क कथा दीन स श्रीय त भन्व नीख
 सि श या व पु न क श या व आ द दय क सं शी जय सना गन्धर्व क मि धन जि क ६०
 सि द्वा या क मा द भा क मी स मन सा स क ॥ कथा शल उ ३३ अ व ध क आ द
 दय का व विष्णु न ॥ धनं लि गन्धर्व जय सना पति स महा द र्य मान या ना व

५५

विनतिया त ह पन भन्व नी श्री वि स ना की धवी जि मि स वा क सि डि श य क व ल
 प्र सा द वि स्थ वि ष्णु य मा ल ध क वि न तिया ना व ॥ श्री वि स ना की धवी न श ल सी
 वि य ध्वा ध क आ द दय का व अ न धी न या ना व वि ष्णु न ॥ गन्धर्व जय सना प
 ति स र्ज था हा व न ॥ ३ ॥ ॥ धनं लि जय या क स्य न क नी न व न भ स पो उ व
 भ धा या थ स पो उ व न ध पी ० उ ल लि श ल थ थ य स श्री अ भि का ध वी च ड व ग
 या जि नी श्री ध भन्व न महा द व उ ल लि श या व मि वे भ कि स रू प श या व वि ष्णु
 न ॥ ध ग र लि थ स पू न्ध रू मी श ल थ क श्री अ भि का ध वी ज ला स न्द ना जा या ॥

ॐ हृदयनाशयावविष्ठाकथयिष्ये नमः श्रीधरकस्तु मध्यापातात्सं नामपु कान
शयावविष्ठाक॥ धर्मेति ध्यानसदेव गणपतिवयावतयस्यायानावधानक
कृयादीनसु अचिकादेवीसुमिश्रया अष्टगुरुकृयाव आह्लादयकलशदानव
साकच्यनीसमननकुं ॐ ह्रीं क्लीं शतउग्रलि मङ्गाधक आह्लादयकाव देव्यग ३९
नयनिस्तनमहाहर्षमानयानाव विनतियागशयनभञ्जनी अचिकादे
वीजियनिरुवनदानभवनामखु-कुक्षालसादेवसाकया गजिनययाय
हयकलानक्षयाव श्री अचिकादेवीन शैलेसीकुमीस्तनक्षयायेनथा

कृतयमासधक आह्लादयकाव देवसाकन शतसौरुका जयध्यानकापु यानाववदाका
यावथ अथ सप्तवर्णदेवीनैजकृष्णानशयावविष्ठाक॥ ४ ॥ ॥ धर्मेति भक्तनीन
वनथासकास्मिन्नक्षयाथपसुग्रीकास्तीनपी ० उत्पलि शयाव श्रीमानदादेवी श्रीधा
नमः नमः गिनी श्रीयमधनेश्वरमहादेव उत्पलि शयाव भिवभक्तिस्वद्वयशया
वविष्ठाक॥ अथ सप्तकिन्नरयनी अयाव महाकस्तनतय स्यायानथवससय
नमः श्रीसकायशयाव आह्लादयकलशकिन्नरयनी-कृपनिरु-कुं ॐ ह्रीं क्लीं शत
उग्रलि कावधक आह्लादयकावथनकिन्नरलोकायनिस्तनमहाहर्षमानयानाव

विनम्रियानशयनमभ्यनी श्री सानदादवी जिय निरुभवता मखू चू धातसागीतवाधस
 यकगीतवाधनसुर्जमध्यापानात् संयुक्तान् शयकयसुनेरुह विद्यायमात्तधकशः
 नाचथनदवीनरुलसात्तथासु शयमात्तधकआह्लादयकाचथनकिन्ननलाकपः
 नीसनरुलसात्तुकोजयध्यानसुगुयानावचननसुशकययावधजाकायावः ३२
 थअरथासुसंअनीदवीनंअनध्यानशयावविद्यानी ॥ ॥ धनंलिङ्गयाग्रः
 तिकूतीनचनथासुकांनककायापीठउत्पलिरुयावश्रीअकभ्यनीदवीचअ
 धागिनीश्रीदःधभ्यनमहादवउत्पलिरुयावभिवगकिस्वन्पशयावविद्यानी

धनीलिङ्गग्रलिथायसभाकदमीरुलहर्नधथासुसनावलचयावतयस्यागानाच
 चानथनश्रीअकभ्यनीदवीपुनकशयाअआह्लादयकलहनावनचूनडिकेसि
 वायाकखनावजिअनिसुसिरुयधुभाचूनचूँकाशुतउत्पलिरुजिवियशुसा
 धकआह्लादयकाचथननावननरुलसात्ताहातहाकतयाअविनम्रियानशयन
 मभ्यनीश्रीअकभ्यनीदवीजिगुलकायाअधियगिरुयावचानरुयकधनधक
 विनम्रियानाचदवीनरुलसावियधुभाधकआह्लादयकाचनावननरुलसात्तु
 काजयध्यानसुगुयानाअवेजकायावर्लकायाअधियगिरुयावचानअनीदवी

नैजकथानशयावविकारां॥ ॥ धर्नतिरवग्यामिराकतीनवनभसुग्रीपुर्भ
 गिनीपी० उत्पलि शयाव श्रीपुर्भगिनीदेवीकयाकण्डसाथानिनीश्रीचन्दमनम
 हादवउत्पलि शयावभिवमकिस्वरूपशयावविकारांथथायसहर्षरुमीशयाव
 अयनापनिचयावभनकप्रकाशनयाखद्रयावभहानाचयाकलनगभयका ॥ ३३
 चमहाहकियानाचचानभवससधमीसहावहकिस्वनावञ्जीगधीरुसि
 यावबाहादयकलराजपुनापनिचमीमनसासकण्डकाशुतउग्रलिकाव
 धकजालादयावधनजपुनापनीसमहाहर्षमानयानावविनगियातहयनभ

धनीश्रीपुर्भगिनीदेवीत्रिपतिरुद्रयासहासचूकयप्रशयकयाखनद्रय
 रुयकशानधकविनगियानाचश्रीपुर्भगिनीदेवीनरुसर्षवियधूनकधज
 हादयकावभननैजकथानशयावविकारांजपुनापनिर्षथवरथासर्षा
 नवनै॥ ॥ धर्नतिरुसिकृतिनवनभसुजमृदाचतुधायाभसग्रीज
 मृदाचनपी० उत्पलि शयाव श्रीमूर्कवीदेवीश्रीकालिकाथानिनीश्रीञ्ज्याव
 नदभनमहादवउत्पलि शयावभिवमकिस्वरूपशयावविकारां॥ धग्
 थायससिद्धरुमीशयाव नानदमृनिधनविकानावनयस्यायानावचान

ध्वस्तसुश्रीमर्कविद्वीपुतकृश्याश्लादयकलशानादचुननपस्यानकिञ्चनिसमाधकृय
 ध्वनचुनससचूक्याश्लउग्रलिधवधकश्लादयकावनादचुननशसामहाहर्षमान
 नविनतियागश्रीमर्कविद्वीजिवाकसिद्धिइयकलनभयावश्रीश्वरीनशसामि
 धनधकश्लादयकावधननादमूनीनधजकायावसुश्रयाहचनंदवीनैजुनभाः ५४
 नश्यावविष्कारं॥ ॥धर्नलिखलाहानकृतिनवनधसुश्रयागधयाधसुश्रीभूः
 प्रागकश्वरीपी० उत्पलिश्यावश्रीविकटश्वरीदवीप्रकाकीशोभिनीश्रीनिद्रायश्व
 नमहादवउत्पलिश्यावमिवभकिस्त्रयश्यावविष्कारं॥धर्नलिखयसपुन्यरु

मीशसधधयसनाधिकागलपनिवृथावगयस्यायानाभानधधस्तश्रीविकटश्वरीदवीरवसी
 श्यावपुगकश्यावश्लादयकलशानाधिकाचुमीसलाचरुकिखनाचजिखसिशयधू
 नाचूधयाधवधकश्लादयकावधननाधिकापनीशनशसामिनिनतियागहधीवि
 कटश्वरीदवीजियनिसुश्रीकृश्यादासिश्यावश्रीभदयकलनधकविनतियानाव
 श्रिदवीनशसामिनिविधधनाधकश्लादयकावधनधनश्यावविष्कारंधननाधि
 कायनिधधरधसर्धनचनै॥ ॥धर्नलिखडाकस्थानकृतीनधस०काव
 पी० उत्पलिश्यावश्रीसिद्धश्वरीदवीश्रीसिद्धामाशोभिनीश्रीद०धनमहादवउ

[illegible]

॥ ॥ धर्मेति मूनदा न कृति न शान अस्ति श्वत ध्याया अस्ति श्वत पीठे इत्यलि श्या च श्री
महा कालेश्वरी देवी वि कटुं कु था निनी श्री चं धन महा देव इत्यलि श्या च भिवमः
किं सन्त्य श्या च विष्कारं ॥ अग्रति अयस् पृथ्वी श्या च जन्मना जा श्या च अग्नी
कलन न पस्या या ना शान अथ वल स श्री महा कालेश्वरी देवी पुन क श्या च आह्ला दय
कल शी जन्मना जा कन कूळ आ कल उगु तिका च धक आह्ला दय का च धन जन्मना जा
न महा हर्ष मान शय का च विन ति या न ह पन मेश्वरी श्री महा कालेश्वरी देवी जि नमः
वता च मखू कु धाल सा थ उ क्रा न्ते स मृत क प नि न पा य पू न्य वि चा न या ना ब पा मि

शयनिसुसाक्षि याना च धर्म सापनिग भा कवि या च चा भ रुय क ध क वि न नि या ना व श्री म
 हा का ल भ्य नी दे वी न श र सी चू मी स न धा का वि य धू ना ध क आ हा द य का च अ न ध्या न या ना
 व वि श्रा न्ति थ न ज न्म ना जा थ च आ स म र्म ध्या न च र्म ॥ ११ ॥ ॥ थ र्म नि ग त्पा न कू नी न
 र्च धा स का म का थ धा या भा स का म का थ यी ० ड ल्य लि श या च श्री का मि नी दे वी लं वि का ३३
 या नि नी श्री मा ल भ्य न म हा दे व ड ल्य लि श या च भि व भ कि स्त य श या च वि श्रा न्ति ॥
 थ थ य स पू न्ध रू मी श या च पृ थ्वी मा ता च या च अ भ ग यू न्ध या ना च य ज्ञा मा
 न या ना च ध्या न थ र्म स श्री का मि नी दे वी रू सि श या च प्र न क श या च आ हा द य

[illegible]

उत्पत्तिरुवाग्नापर्वगीदेवीललजिकाथागिनीश्रीम्वसूत्रयत्रमहादेवउत्पत्ति
 रुवाग्नामिवमकिस्ररूपरुवाग्नाविज्ञान॥धगूलिथायसहस्रमीशतमथगु
 लीथयसुत्रविज्ञाहादब्रनगएकात्रमजहयायत्रमनेकरजयथा नमो
 यानात्रमहातपस्यायानात्रविज्ञान॥धनंतिश्रीश्वरीश्रीगार्वतीदेवीयुनकश्या
 वक्रायाकृत्रनभ्राहादयकतलावुक्राकनमन-कृष्णशूलउग्रलिखा
 वधकभ्राहादयकाववक्रानशूलसांख्यमध्यपानालसंश्रुतिमायकयकहा
 नभुगुलाजिनशयकधकविननियानात्रश्रीश्वरीश्रीगार्वतीनशूलसांविचध

५६

नाधकभ्राहादयकाववक्रानश्रीश्वरीश्रीगार्वतीनशूलसांख्यमध्यपानालसंश्रुतिमायकयकहा
 हाव्रनदेवीगार्वतीनभक्तभानश्यावविज्ञान॥१३॥ ॥धनंतिथधुवाकृतीनज
 नथायसजुगपी०उत्पत्तिरुवाग्नाश्रीश्रीनाकीदेवीवज्रदेहाथागिनीश्रीमत्यश्वन
 महादेवउत्पत्तिरुवाग्नामिवमकिस्ररूपरुवाग्नाविज्ञान॥धनंतिथधुवाकृतीनज
 रुवाग्नाधर्मदलनाजाडायाव्रनपस्यायानधनश्रीपत्रमभनीखसिरुवाग्नाहाद
 यकतलाधर्मदलनाशाकनमनसास-कृष्णशूलउग्रलिकावधकभ्राहादयका

वृथ न भर्षदत्त न जान विन विमाने हय न भर्ष श्री मीना की देवी जित गम न देवता नंय
 इ स दूय मरु यं क व न दान क न भर्ष क क्षा ना व य न भर्ष श्री न रत्न मा क क्षी भ न वा
 या धी न था सु र य मा ल ध क आ हा द य का व र्ज न भर्ष न र या व वि द्या न थ म्भ द
 त स जी थ र थ स सं शी न व न ॥ १४ ॥ ॥ थ नं ति दे वा ता ह न क री न व न थ ॥ ४८
 स क दान स क दान वी ० ७ त्प लि र ल श्री क द न भर्ष श्री देवी म्भ अ था गि ती श्री
 का क्ष स न म हा दि व उ त्प लि र या व वि द्या न भ क्ति स रू प र या व वि द्या न ॥ थ न

थ ग्ग ति थ य स पु न्ना र मी र त थ थ य स पु का द म्भ ड प नि व या व आ ग म्भ्या स न न य
 स्मा या ना व ची न थ व स र श्री क दान भर्ष श्री देवी पु न क र या व आ हा द य क र ली उ का द
 म्भ ड क त्या त व नि कू म न वा क्श र त उ ग्ग ति थ व र ध क आ हा द य का व थ न उ का
 द म्भ ड प नि भ न आ हा द य क र ह य न भर्ष श्री जिय नि स क क्षां उ लि नं ज धु त का
 वृ थ स न र भ वि द्या य मा ल ध क आ हा द य का व दे वी न रत्न मा वि य र्ष भो ध क आ हा
 द य का व भ न्ना न र या व वि द्या न थ न उ का द म्भ ड प नि थ अ र थ य स वि द्या न ॥

॥१५॥ ॥ यतीति श्रवणमित्राकृती न भयं तच्चतुष्टयं तच्चतुष्टयं ० उत्यरि रुपा वृथी सिद्धिः
 कासीदेवी सिद्धामाया जिनी श्रीयुका सौम्यं नमस्तदा उत्यरि रुपा वृथी सिद्धिः
 यावविष्णो ॥ भुगुलिथाय स पूज्यमीशत हनं भुगुलिथाय स दमदिग्या स पति
 अथाव विष्णुर्वकन पूजा या नाव चान्धर्वसु श्री सिद्धि कासीदेवी वृसी उत हनो ॥ ३६
 याव आह्लादय कलश दमदिग्या स पनी कृपनी कृमभावां कुरुतु गृलिथाय वृ
 क भूह्लादय काव दमदिग्या स न विनति या त हय न भग्वनी श्री सिद्धि कासी देवी जि
 प निरु दमदिग्या स रुय रुय कला न ध क धा या वृक्षी ग्वनी न रुत स वि य ध न

धक आह्लादय काव भन धन रुपा वृथी न यतीति थपनि दमदिग्या स सं चान वनं ॥ १५ ॥
 यतीति किपु कृती न वृ न भयं श्रीपी ० उत्यरि रुपा वृथी रुडा की देवी रुडा या जिनी श्री कृम
 लग्वन महा देव उत्यरि रुपा वृथी सिद्धि रुपा वृथी सिद्धि रुपा वृथी सिद्धि रुपा वृथी सिद्धि
 रुमीशत थगुलिथाय स पूज्यमीशत हनं भुगुलिथाय स दमदिग्या स पति
 या नाव चान्धर्वसु श्री ग्वनी वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी
 स कृष्णी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी
 त रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी रुपा वृथी

विषयधनधकआहदयकावयनभभनीचनरुमावविकागप्रववसपनिधवरभाय
 ससंभाननन॥१०॥ ॥भननेतिनाहिकीनननथामउकवीनयी०उत्यहिरुमावत्री
 उकावीनायवीलगनाकीथागिनीग्रीहानकयनमहादवउत्यहिरुमावजिवगकि
 सनयहयावविकाग॥॥थयतिथयसयनरुमीरुतथनधथयससफपाना १०
 तया नागलाकयनिवयावचनगमहिमानिचरुतकायाव नानामाथननय
 साधवसायचाननयजायानावेचानधवेससग्रीमहामायासंगघरुमावध्याहा
 दनकहा नागलोककयनिसरुमनीवाकोरुसपगुलीभारवधकआहदयका

गनागलाकनविनतियागहपनमध्वग्रीमहांकालिदेवीअमितभवतामरुचुखलसा
 सफपातालयाअधियतिशयकयसन्नशसंविद्यायमालधकविनतियाग॥थननैणध्व
 ग्रीनशलसाविषयधूनधकआहदयकावचनध्वनेरुमावविकाग॥थननागला
 कयनिसफपातालयाअधियतिशयावसुखनचानवन॥१६॥ ॥ ॥थनधगथा
 सैवस्थलिकथकुरुमिकीनवनथामगानधनयी०उत्यहिरुमावत्रीकामाहाद
 वीहालामुखीयागिनीग्रीपिग्मभग्ननमहादेवउत्यहिरुमावजिवगकिज्वरुयज्ञ

आवविद्यानं ॥ ७३ ति ॥ अयससिद्धलमी शयावकामलनसा वयाव अत्यनकलावनयान
 वइइहायकाव स वा यानाव-भानथ व र स म म म वरी दनी पुनके खसिहयाव
 आद्वादयकलशाका म न क न न चूळ च्छाश लव गु लिकावधक आद्वादयका
 वेथनका प्रल न न क ल सा विन ति या न ह य न भ ग्ग वी का स प दि वी डि २ इ इ
 व म ल म ग्ग व थ स सं सा न स क का र्म श ल सा य वि नु श य क क पो या थ प्रा त ध क शि
 ना व ली ग्ग वी न क ल सा क न के क वि य ध भो ध क आद्वादयका व अ न क न क श या
 व वि द्या नं थ न का प्र ल न न क ल सा अ नी र व सी श या व स र्ग आ ल वि द्या नं ॥ १२ ॥

७९

पनं सिखवतुति या सिक्की नवन था य स म ल अ पी ० उ त्य लि श या व श्री म हां का ली द वी
 कला ली आ गि नी श्री गि व सि ल ग्ग व म हा द व उ त्य लि श या व मि व म कि ख र य श या व
 वि द्या नं ॥ ७४ ति ॥ अयस प वि नु लमी श या व थ थ अ य स दा द म दि त्य प नि व आ व न य =
 सा मा ना व भान वे स स र्ग व नी या ह र्म मा न श या व पु ग क श या व आद्वादयक ल सा का
 द म दि त्य व न दा न का व ध क आद्वादयका व थ न दा द म दि त्य प नि स न क ल सा म न स
 ह र्म मा न या ना व वि न ति या न ह य न भ ग्ग वी म हां का ली द वी डि प नि स दा द म मा स
 र व र सि ऋ पु सं ली द म ली द या अ ग्ग ति स ऊ गु का ल स उ ति या य ह य क क न न थ

केविनगिशा नाव दवी नशतसंविषधुनाधकआद्वादयकावधुनकभीनशयावविष्काग॥
 थनहादभदित्यपनिथवथयसंनानवन॥२०॥ ॥ थनीसिक्ककीनथयसक
 सनानकपी० उत्यलि शयावश्रीभभनकातीदवीमृगुघभथागिनीश्रीकिंल्यव
 नमहादेव उत्यनिशयावजिवभकिंल्यवशयावविष्काग॥ थमडलिथयससिच
 हसीशतथभयस नकृगलपनिवयावथानयानावधानथवसपनभभनीरव
 सिशयावशद्वादयकलोनकृगलपनिक्कपनिक्कवनकावधकआद्वादयकाव
 थननकृगलपनिभनविनगिशागहपनभभनीभभनकातीदवीजिपनिक्कस

१२

६१

दाननकृगलपावलिक्किचिथानकृगलगयानावधानरुचकलानधकधायावयभभ
 नीनशतसंविषधुनाधकआद्वादयकावधुनकभीनशयावविष्कागथनथपनिधुन
 रकाथसचानवन॥२१॥ ॥ थनीसिजजसाहगकृतीनवनथयसदवीकोथपी
 ० उत्यलि शयावश्रीरुडाकीदवीतसजिनाथागिनीश्रीमानवभयनमहादेव उत्यलि
 शयावजिवभकिंल्यवशयावविष्काग॥ थथयसगुघहसीशयाचानसायावथन
 नाभीगलपनीवयावनाशुकानगवृजामान्ययानावधानथवसपनभभनी
 पुनकृशयावशद्वादयकलोनगभीगलपनीकमीनक्कमनावांकाशतउगृती

अत्र धर्मक आह्लादयकावधननागीगलयनीशन विनक्रियातह यन भग्नी श्रीरुद्रादीद
 वीजियनीसु सारुहानिभाकथसुग्रतियाज विपक्रियकहामधक विनक्रियानाव
 धनपत्रभग्नीनरुससंखालसुयाव वियधभाधक आह्लादयकावधनकधनिरी
 याव विज्ञानथनधयनीथवैरथायससंवन ॥ २२ ॥ ॥ धर्नीतिरुवत्रयाग्रुश
 नकनीनरुनथायससंवनकनीयौ ०३ सुलि रुयाव श्रीरुद्रादीदवी न कर्जयाथा
 निनी श्रीजालगभमहादवउ सुलि रुयाव निवभकि सुत्रुप रुयाव विज्ञाना
 थथायसमहा उरुमपुल्लुमीरुसथथायसवक्राविज्ञानावमहाउरुमयह

यानाव विज्ञानथग्रतियरुद्रुमुन श्रीसनरुतीतीर्थउ सुलि रुयाव विज्ञानाव
 वाग्नीससक्रम रुयाव ग्रतियायसपितामहतीर्थ रुयाव नथनथथायसथा
 गवनीरुयाव नयस्या नाव नथनपत्रभग्नीरुसी रुयाव आह्लादयकलुथाग
 गलयनीकयनिकुल्लुमीरुसउ सुलि कावधक आह्लादयकावधनयागगलय
 नीशन विनक्रियातह यन भग्नीरुद्रादीदवीजियसुथागगलयाभास रुयाव न
 दयकहामधकावधनधवीनरुससंवि यधभाधक आह्लादयकावधनकधनिरी
 विज्ञानथनधयनीथवैरथायससंवन ॥ २३ ॥ ॥ धर्नीतिरुलि किर्न कालरुसंतिग

वनवशावल्गकलुश्वनयाकवायुजकआहानयातावताकासकयस्यानावशानथथ
 नयनमश्वनपुनकमश्यावहनथनथवक्तुतल्लनावयदुसदयावेनयस्यानहन
 सिल्लसकलुश्वनावइयननथवलसश्रीमहादेवप्रगदश्यावआहदयकतलो
 नावलकनककुलनकुलनधकआहदयकावथननावलनकुलसविननीयान १४
 हयनमश्वनलुश्वनजिनदेवलाकनागलाकथसुनानीजिनययायमः
 हयकयसनशुविश्रायमातधकविननियानावथनश्रीमहानुवनकुलसीआ
 हादयकतल्लनावमदवलाकनागलाकनकनतदुयमहयमासमनुकुलाक

१४

६३

नगल्यधकआहदयकावथननावमनकुलसीमनुकुलाककनाजिनधयमखथक
 जिनसासखलाथकनाआहानमखधकविननियानावथनमहानुवनकुलसीनावल
 नधकाजकनथाकुधकधयावजुनधनश्यावविश्रायननावनीलकायाधधिय
 निश्यावेनानवन ॥३॥ ॥थनीलिजुवयाइइकुलीनवनथासश्रीमाकुलश्वनीपी
 ४उत्यलिश्यावश्रीआलश्वनीदवीविंगलाथागिनीश्रीइइनाधखनमहादेवउ
 तल्लिश्यावगिवगकिस्तनूपश्यावविश्राय ॥थग्रलिथायसबुल्लहमीकुलध
 आयसजुचिलाकवयावजुवधनयानावनयस्यायानावशानथवतसपनमश्व

नीलसिंहायावै भाहिनी या नृप रूपा वेषवद्धया वेषाद्वा दय कलशं अविशोकं चूडी सके
 लं कृत्वा कृतं उग्रसीमा वधक आह्लादय का वधन अविशोकं न कृतं सा विन नियात हिय न मग्नी
 आ गग्नी देवी जिय निरु चरु वै दया अथिय नि अथि कान रुय क हाने धक विन निया
 ना वप न मग्नी न कृतं सा वि यध ना धक आ ह्लादया व अ न अ न रु या वि का न थन अ १७
 वि लो क य नि थ व र आ ग म र्म वि द्या न ॥ १८ ॥ ॥ थन न ति क थ वा कू गी न व न थ
 य स अ ल हा स धा या भा य स अ ल हा स वी ० उ त्प लि रु या व श्री ग म ता मि का द वी श्री
 ख ध ना धा गिनी श्री स फ ल न ग्नी न म हा दे व उ त्प लि रु या व गि व ग कि स न य स या व वि

को न ॥ थन थ था य स प वि ण ल मी कृत थ गृ ति था य स ग म्नी का वा ग्नी प्र ह ति द का ग म्नी
 व ना व ग म्नी कृत थ या व न य स या ना व चा न थ व ल स ङ्गी ग्नी ख सि रु या व आ ह्ला द य
 क ल श ग म्नी प नि क य नी न कृ धा य धा व ध क आ ह्ला द य का व थ न ग म्नी प नी स न वि
 न निया ग ह य न मग्नी श्री ग म ता मि का द वी जिय नी रु रु कि म् कि भा क या य रु
 य ह न ध क वि न निया ना व थ न दे वी न कृतं सा वि य ध ना ध क आ ह्ला य का व अ न
 अ न रु या व वि का न थ न ग म्नी प नि थ व र था य स स वि द्या न ॥ १९ ॥ ॥ थन न ति द पा र
 इ रु गी न व न था य स वि ल यी ० उ त्प लि रु या व श्री व न ग्नी दे वी श्री ख व ना ग्नी था

गिनीमी कृष्णेश्वर महादेव उत्यल्लि श्यावमिव भक्तिश्च रूपं श्यावविद्या तथ गृहीतान सपुत्रं तमी
 इत्यथ गृथ सग्री कृष्णनाथिका यानि वया वना नामाथनया खनकु श्यावमहाला कृष्णन केशव
 यानो वचनानाथनथ वलसयनमश्वतीदवी प्रतक्ष्ण श्याव आह्लादय कलश कृष्णनाथिका यानि
 कृमी सक्क मभावां का शस उग्रति का व धक आह्लादय का व श्री कृष्णनाथिका यनी सन विः १७
 नतिया गह पनमश्वती श्रीदेवन श्वतीदवी जिय सुवन दान देव ला के दान व ला क अवि
 लोक न मान्य या ग का व चान दय कक्ष न धक विनतिया ना व थन कृष्णती न शस सा वि
 य धना धक आह्लादय का व धन श्री कृष्णनाथिका यनी सन व द का या व लिहा व न देवी

नं अकर्म न श्याव विष्णो ॥ १० ॥ ॥ थनं ति ज व या ल ख दा ल कृमी न व न था य स नाः
 जगृह पीठ उत्यल्लि श्याव श्री नाज नाज श्वतीदवी श्री उक्ता मूखी या गिनी श्री हित्र सुधः
 श्वन नाम महादेव उत्यल्लि श्याव मि व भक्ति रूप श्याव विष्णो ॥ थग्र लि था यः
 स भ्रा कृष्णमी श्याव थन वायु देव ना व या व अ न क सु ग भ वा य व या व अ नी ला व नाः
 न स व या ना व चान थ व ल स य न म श्वती ख सि श्याव आह्लादय कलश श वायु दे
 व ना य नि कृ प नि रु कृ था या धा व धक आह्लादय का व थन वायु देव ना य नी सन वि
 नतिया गह पनमश्वती नाज नाज श्वतीदवी जिय निरु च दुर्द ग ह व न स जि वाः

स्मायासनीनस्यानिवायशयकरानधकविनतिथातावथनः॥३॥ श्रीनशतर्तावियधुनाधक
आहादयकावचननर्जनार्थनशयावविद्यातथनथवायदेवतायनीथवरथयसवनी॥॥
॥३॥ ॥थनर्लिजत्रयापाइकाक्रीनवनथयसग्रीमहाय०॥॥याथयसमहाय०॥
०उत्पलिरुयावग्रीपचन्दचलिकादवीनन्काशागिनीग्रीविष्णुनिर्गुणननाममहा ॥॥
देवउत्पलिरुयावग्रीवगकिस्तनूपशयावविद्यात॥॥थग्रतिथानसप्रन्धरुमीरुत
थथायससर्जनप्रपनालाककीहावयावचनगवन्धनयाखनद्रयावमहासाव
चानथवेलसग्रीदवीउत्पलिरुयावआहादयकतहाप्रपनालाककमीमनसके

॥३॥ श्रीनशतर्तावियधुनाधकआहादयकावचननर्जनार्थनशयावविद्यातथनथवायदेवतायनीथवरथयसवनी॥॥
॥३॥ ॥थनर्लिजत्रयापाइकाक्रीनवनथयसग्रीमहाय०॥॥याथयसमहाय०॥
०उत्पलिरुयावग्रीपचन्दचलिकादवीनन्काशागिनीग्रीविष्णुनिर्गुणननाममहा ॥॥
देवउत्पलिरुयावग्रीवगकिस्तनूपशयावविद्यात॥॥थग्रतिथानसप्रन्धरुमीरुत
थथायससर्जनप्रपनालाककीहावयावचनगवन्धनयाखनद्रयावमहासाव
चानथवेलसग्रीदवीउत्पलिरुयावआहादयकतहाप्रपनालाककमीमनसके

सगत्रुदवयावृत्रभगनलहलजानावपत्रभग्वत्रीयातकायावृत्रभगमाधनयजाना
 वचानथवेलसपत्रभग्वत्रीस्वसिरीयावृत्राहादयकलहलजानावृत्रभगमाधनयजाना
 रुतउग्रलिखावृत्रकआहादयकावृत्रभगत्रुदनविनगियातहंपत्रभग्वत्रीमहासमीदे
 वीकिननागलाकनसाहयकहीनधकविनगियानावृत्रभगमाधनयजानावृत्रभग्वत्रीनरुतसांय
 आहादयकलवियधनाधकावृत्रभग्वत्रीनरुतसांयजानावृत्रभगमाधनयजानावृत्रभग्वत्रीनरुतसांय
 वन॥३०॥ ॥धनीतिजकायापुतिरुगीनरुतसांयजानावृत्रभगमाधनयजानावृत्रभग्वत्रीनरुतसांय
 अधकीदेवीगीनकासनाथागिनीयीउन्मश्वनाममहादेवउत्पलिरुतसांयजानावृत्रभगमाधनयजाना

१८

३७

भाकिस्वरूपशयावृत्रविद्या॥धग्रतिथयसंयविग्रहमीरुतथथयसमित्तादकवृ
 यावृत्रपस्यायानावृत्रभगमाधनयजानावृत्रभग्वत्रीयुक्तशयावृत्रआहादयकलहलजाना
 पनिकृपनीसकृयीच्यारुतउग्रलिखावृत्रकआहादयकावृत्रभगत्रुदनविनगियातहंपत्रभग्वत्रीमहासमीदे
 नविनगियातहंपत्रभग्वत्रीअधकीदेवीजिपनिकृदकदेवतायाज्रभग्वत्रीनरुतसांय
 कावृत्रभगमाधनयजानावृत्रभग्वत्रीनरुतसांयजानावृत्रभगमाधनयजानावृत्रभग्वत्रीनरुतसांय
 यकावृत्रभगमाधनयजानावृत्रभग्वत्रीनरुतसांयजानावृत्रभगमाधनयजानावृत्रभग्वत्रीनरुतसांय
 धनीतिथयधुक्रुगीनयसंयजानावृत्रभगमाधनयजानावृत्रभग्वत्रीनरुतसांय

प्रायर्त्तदत्री शागिनी श्री निसनाभम्भननाममहादेव उत्पलिरुयात्रमिवमकिसः
 रूपशयात्रविष्णोः ॥ अथयसभाक्षरमीशरुथथयसकल्यवृक्षसिमात्रयात्रः
 नानारुलकूलकायात्रसजीयानात्रचानथवससपत्रभम्भनीप्रनक्षयात्रशः
 हादयकलस्रकल्यवृक्षकनमनसकुक्षकाशरुत्तगुलिधव्रधकभाहादः
 यकात्रथनकल्यवृक्षसिमानविनमियागहपत्रभम्भनीश्रीमाहकादिवीजितः
 गुरुमर्नरासपलउगुलिउत्पलियायकथानात्रथनदेवीनशतसावीय
 धुभाधकाशाहादयकात्रथनकल्यवृक्षपनीसनधाउत्पपत्ताननयजामानात्र

१६

१७

रुकाजयध्यातयानात्रदेवीयाकैवजकायात्रथव्रथयसंशानत्रनथतदेवीनः
 अकथानशयात्रविष्णोः ॥ ३३ ॥ ॥ थर्नलिरुथलायात्रकृतीनत्रनथयसश्रीजयः
 कीप्रनयी उत्पलिरुयात्रश्रीजयकीदेवीश्रीश्वन्त्रीशागिनीश्रीमिवमकैश्व
 ननाममहादेव उत्पलिरुयात्रमिवमकिस्वरूपशयात्रविष्णोः ॥ अथगुलीथाः
 यससिद्धरुमीशरुथथयसकृगलीयनिरयात्रनपस्यायानात्रचानथवससः
 पत्रभम्भनीसभायशयात्रआहादयकलस्रकगलाकमीमनकुक्षयाधव्रधः
 काआहादयकात्रथनकगलायनिसनविनमियागहपत्रभम्भनीजयकीदेवी

त्री
 त्रिपुसं ससात्रलमान्यातकहनं वर्षरपनिं कार्त्तिकमहिनासलकिनाधिपनिः
 गवजामान्यातकहनं समस्तकार्यसंयविगुशयकथलिहानधकविनतियानात्रः
 थनदवीनरुतसांविचधभाधकआहादयकावधनधनरुयात्रविष्कागधकगः
 शोपनीथव्रथायसंधानत्रनं ॥३३॥ ॥थनंलिहिपात्रकणीनथयसंथीउरुय
 नीपी० उत्पलिरुयावृथीमहाकातीदवीथीतलजिकाथागिनीगीर्जकगनिनाम
 महादवउत्पलिरुयावृमिवगकिस्त्रयशयात्रविष्का॥थनयन्धहमीरुतथगु
 लिथायसयवर्तनाजहमासयत्रयावतपस्यायानावृचानथवतसयनभग्नी

तुला
 ६०

दार

लसिरुयावृआहादयकलशचर्तनाजहमासयचनमसचूयीक्यारुतउग्रति
 धात्रधकआहादयकावृथनहमासयनरुतसांविनतियानहयनभग्नीमहा
 कातीदवीजिपनिस्तसवासाखयवर्तनाजाशयकहाभधकविनतियाना
 वृथनयनभग्नीनरुतसांविचधभाधकआहादयकावृथनहमासयनरुत
 सांविधआपनानरासुजायानावृरुकाजयधनसावृथार्थनायानावृदवीयाक
 वृजकावृलिहात्रनथनदवीनंरुनधनरुयावृविष्का॥३४॥ ॥थनं
 लिजवृयावृपिकीनरुनथयसचत्रिगुयनपी० उत्पलिरुयावृथीग्वल्लुग्ग

श्रीदेवी श्रीविजयनाथाजिनी श्रीवायुदेव्यननाममहादेवउत्पत्तिशिवम
 किल्लनूपश्यावविष्णु॥थनथथायससुम्भुमीरुतथथायसयागिनीगल
 यनीव्यावर्जनेनथागक्षानयानावचानथवलसयनमेवनीषुनक्षत्रयावर्ज
 हादयकतलोथागिनीगलपतिकमीसनक्षत्रयावर्धकज्राहादयकावथन ८९
 आगिनीगलपनीसनक्षत्रविनक्षियागहयनमेवनीषुनक्षत्रयावर्ज
 पतिस्तुमनुसिद्धिरयकलोभक्षयावर्दवीनक्षत्रविनक्षियागहयनमेवनी
 कावर्जनेनथायसयावविष्णु॥थनथागिनीगलपतिथनथथायससुम्भुमी॥॥

७०

॥३५॥ भर्तृलिखाथयाज्यजुगीनवनथायसश्रीकिल्लिकापुत्रपीठउत्पत्तिशिवम
 गद्यादेवीश्रीकर्तृकिनीथागिनीश्रीसहस्रभुवननाममहादेवउत्पत्तिशिवम
 भकिल्लनूपश्यावविष्णु॥थनथथायससुम्भुमीरुतथथायसमाहकागः
 लव्यावर्जनेनकपदार्थदयकावर्जनायानावचानथवलसल्लीश्वनीखसिरया
 वृषुनक्षत्रयावर्जहादयकतलोमाहकागलक्षपतिस्तुमनावांक्षत्रउः
 गतिक्षत्रधकज्राहादयकावथनमाहकागलपतिस्तुमनविनक्षियागहयनमेवनी
 श्वनीयुगद्यादेवीमिपतिस्तुमिगलसनक्षत्रविनक्षिया

ना वृथनदवी नरुतसं विषधुनाधक आह दय कारं नरुतसं नरुतसं विष्ठा गथमा
हृका गलपनिं ति हा विष्ठा ॥३६॥ ॥ थनीति जवया पा ला हा गकुती नरुतसं यस्य श्री
हृकि नायनयी ० उत्पलि रुया वृ श्री च लु श्री दवी श्री की टना की था गिनी श्री गृग वा
प्रभु ननाम महादेव उत्पलि रुया वृ गि व ग कि स्वरूप रुया वृ विष्ठा ॥ थन थयली ०२
थयस्य थयसी रुत थयस्य सुदर्शन चक्र या वृ ला हा ग आ ऊ त या वृ विन गि
या ना वृ चान थ वृ स पत्र म थनी पत्र रुया वृ आह दय क रू ला सुदर्शन चक्र
कन रुया धी वृ वृ क आह दय कारं थन सुदर्शन चक्र विन गि या गहि पत्र म थ

नी श्री च लु श्री दवी जिन दग का टि म ऊ रू हा न या य रुय क रू न ध क विन गि या
ना वृ थन रु श्री नरुतसं विषधुनाधक आह दय कारं नरुतसं नरुतसं विष्ठा
गथन सुदर्शन चक्र न थयस्य चान वृ न ॥३७॥ ॥ थनीति कया त कृती न
वृ न थयस्य उक्ता सवी ० उत्पलि रुया वृ श्री विमला दवी श्री विमला था गिनी श्री य
रु श्री ननाम महादेव उत्पलि रुया वृ गि व ग कि स्वरूप रुया वृ विष्ठा ॥ थयली
थयस्य सिद्ध रुमी रुत थयस्य हनुमान पति व या वृ नरुतसं रुत रुत का या वृ
न पस्या या न थ वृ स पत्र म थनी वृ सि स का य रुया वृ आह दय क रू ला रुत

मानपनि कुमिभन कृष्णायामवधक आह्लादयकावधन हनुमानपनिभन विनगि
 यागहपनमश्वत्रीजिपनिन नाम चन्द्रयादास्यभवकरुयावर्तकारुसयायस्य
 कपुसन शशविकायमातवक विनगियानावधन श्रीपनमश्वत्रीविमलादेवीन
 कृतसावित्र्यभूनाधक आह्लादयकावधन कर्णन रुयावविष्कात हनुमानपनिथ
 वरथयससिहावन ॥ ३८ ॥ ॥ धर्नलिसुखा कृतीनवनभयसप्रयागपीठ
 लिलि रुयावश्रीसुन्दरीदेवीश्रीनिधुदेवश्रीजिनीश्रीमहेश्वरनाममहादे
 वउल्लिलि रुयावश्रीवैभक्तिस्वरूप रुयावविष्कात ॥ धर्गलिभयसमहापुल्य

६३

६३

लमीकृतधधयसपनव कृष्णनायायलविष्कातावतपस्यायानावविष्कातधनधवल
 सश्रीसुन्दरीदेवीपुनकरुयावआह्लादयकलहनायायलकल्याणयामभावाका
 कृष्णसउगुलिआह्लादयकिवधक आह्लादयकावधनश्रीनायायलनरुतसांआ
 ह्लादयकलहपनमश्वत्रीसुन्दरीदेवीजितभवनामखचक्रुषाससासत्ययग
 नोयुगनायनयगकलियुगधधगुलियुगसदेवलाकसहानयायलकपुसः
 नरुतसाविकायमातवकलहनावधनश्रीसुन्दरीदेवीनरुतसांमुसुदनकृतावश्री
 ह्लादयकलहनायायलधगुलीयुगसंदभवनायकायावदेवदानवसीहानः

यायस्मात्तपक आह दयकावथन श्रीनात्राय नरुलसां धादसाय नमः पूजाया
 मावचनलसशकयायाववजकायाववैकृष्टविद्यानथन श्रीदेवीर्नञ्जकथानि
 यावविज्ञाता ॥ ३७ ॥ ॥ धर्मेति सांसाकृती नवनथायस श्रीविल्वपी ०४ त्वरिः
 रुयाव श्रीमं कश्चिद्देवी श्रीमं कात्रिणी यागिनी श्रीकृष्णाय नमः महादेव उ ४४
 त्यलिरुयाव भिवभक्तिस्वरूपशयावविज्ञात ॥ ॥ अति धायससिद्धिमीरुतथ
 नविश्वकर्मावयावज्जनेगतिविचित्रनञ्जनेगत्रनेखचित्तयावदे
 वसदयकावज्जगम्यमाथन पूजाया नावचाने धर्मेतस्यपत्रमश्वनीस्वसिर्

यावप्रगुरुयावभ्राह्मदयकलशविश्वकर्मा कुनकु धाया वावधक आह दयकावथ
 नविश्वकर्मानविनति यागहे पत्रमश्वनी जकश्चिद्देवीजिन नवद्वानन पूरुशयक
 जिनदयकाग्रतिकिरिख नावदेवसाकदेवसाकमन्त्रव्यासाकसकस्थमाह शयक
 धकविनदियानावथन पत्रमश्वनी नरुलसां विद्यधक धृभा आह दयकावविज्ञा
 नथन विश्वकर्मानरुलसां नाना प्रकार लयूजाया नाववेदाकायाववर्नधनदे
 वीर्नञ्जकथानि रुयावविज्ञात ॥ ४० ॥ ॥ धर्मेति जलपिकृती नवनथायस श्रीमा
 या पूनपी ०३ त्यलिरुयाव श्रीमायादेवी श्रीचण्डे सायागिनी श्रीनयमश्वननाम

महादेव उत्पत्ति रुयाव निवम कि स्रुप श याव विज्ञात ॥ अथ यम सिद्ध हमीशः
लथथयस चतुषष्टि तिः अथ नपनि व याव रुपथान याना वथान थवस सपनः
मथत्री रसी रुयाव आहा दय कयला चतु षष्टि तिः अथ नपनि कला तपनिः
सन शलसां कः आरुत उग्र तिका स विज्ञा रुने धक आहा दय काव थनचः
तुषष्टि तिः अथ नपनी सन विन नि या नह पत्र मथत्री माया देवी जिमि रुचतुः
षष्टि रुय रू तिः रुय काव रु कि मरु कि भा रु वर दान विय रुय कध क हो नाव
थन देवी नरुत सां विय ध मो ध क आहा दय काव चतु षष्टि तिः अथ नन रु

७७

७४

लसां षाठ् अथ पचात्र लः य जायाना व च ज का याव तिहा व न देवी न अरु न रुयाव वि
ज्ञात ॥ ७५ ॥ ॥ धनी ति रुव या ग्र तरव द्या रु नी न व न थ य स ग्री म ना ग्री पी ० उत्पत्ति
रुयाव श्री मा सिनी देवी श्री का कि ला या जिनी श्री रुय रुय न नाम महादेव उत्पत्ति रु
याव निवम कि स्रुप श याव विज्ञात ॥ अथ यम स्रुप हमी रुत थ ग्री ला य
स्रुत रुध रु पि अ चा दि थ पनी धन ना ना मा धन व्या रु न रु याव चान थ व ल स
पत्र मथत्री सनी षष्टि रु रु याव आ हा दय क सला रुत रुध रु पि अ चा दि रु मी स
न रु मा या ध रु ध क आ हा दय का व रु रु रुध रु पि अ चा दि न रुत सां विन नि या नह

पत्रमभ्यामा लिनीदवी जियनिसुसदा मासं कक्षा तया दासि श्यावभानंदयकधकविन
 गियानावृद्धश्वनीनरुतसां वियधुनाधक आह्लादयकाव अकध्वान श्याव विष्कागधनभ
 हगधुनयिमा चादिनंथरुदवी यादासी श्यावसुखनशानवन ॥४२॥ ॥थनं लिप्य
 नयाचकगीनवनथायसमसया गिनीपी ० उत्पलि श्यावपी वडेश्वनीदवी श्रीकाम ६३
 लाथा गिनी श्री आंगश्वन नाम महादेव उत्पलि श्यावमिव किं स्वपश्यावविष्काः
 न॥थग्रलिथायस सारुमी रुतथधायस सत्यवयावेगपस्या या नावचीनभवे
 लसल्लीश्वनी सनीष श्याव आह्लादयक तले सत्यकनच्छुश्या रुतउग्रलिथी

वधक आह्लादयकावधनसत्यनरुतसां विन गियानहयनभश्वनी वडेश्वनीदवीश्वक
 नभरुतसत्यसशानक्रयातउच्चा नयायदयक कक्षीभधक विन गियानावधनद
 वीनरुतसां वियधुनाधक आह्लादयकाव अकध्वान श्याव विष्कागसत्यनथवथायस
 वन ॥४३॥ ॥थनं लिप्यनगलकगीनवनथायस श्री आनपी ० उत्पलि श्यावपी
 उमादवी श्री अष्टद्रकाया गिनी श्रीपाक श्वन नाम महादेव उत्पलि श्यावमिवम
 किं स्वपश्यावविष्काग॥थधायस नकरुकी रुतथग्र लिथायस नवग्रहदव
 तापनि वयाव अती करुननपस्या या नावचीनभवे लसल्लीश्वनी रुसी श्याः

वे आह्लादयकलशनवग्रहदवनापनिकृपनिगच्छायाध्वधकआह्लादयकावथन
 नवग्रहदवनापनिभनविनतियागहियनभभ्वनी उमादेवीजियनिल्लीवात्मादकीयांज
 ममनलसप्रश्नशयकहानधकविनतियानावथनयनभभ्वनीनरुतसांविशधना
 धकआह्लादयकावज्जकधनरुयावविश्रागधननवग्रहदवनापनिथवशथायस ८१
 शोनवन॥४३॥ ॥धनंसिस्तुतकीनवनथायसभत्रुजिनीया०उत्पलिरुयाव
 श्रीरुद्रदेवीश्रीकलातीयाजिनीश्रीजिह्वासहयधननाममहादेवउत्पलिरुया
 वनिवगकिस्वतृपशयावविश्राग॥थगूलीथायसभाकहमीरुतधथायसअरु

नागवशावतयस्यायानवचानध्वधसश्रीःश्रीश्वरीस्वसिरुयावविश्राह्लादयकलशज्जनाग
 ताकपनीचुमिस्तनच्छायाध्वधकआह्लादयकावथननागलाकनरुतसाविनतियाः
 तहपनभभ्वनीरुद्रदेवीजियनिल्लिग्यालयानागरुयकजियनिजनीनज्जग्य
 अथाह्लादयकपुसन्नरुतविश्रायमालधकविनतियानावथनदेवीनविशधनाधक
 आह्लादयकावज्जकधनरुयावविश्रागधनयनिथवशथायसचोनवन॥४४॥ ॥
 धनंसिस्तुतयावतपाकनीनवनथायसश्रीचन्द्रपी०उत्पलिरुयावश्रीरुद्रदेवी
 श्रीउर्ध्वगमनीधामिनीश्रीगालधननाममहादेवउत्पलिरुयावनिवगकिस्वतृपशया

वरविष्णो॥ २४ ॥ आयसधर्मरुमी शलथग्रली आयस श्रीलक्ष्मीवयावश्रीपत्रभगवती यागध
 नडवा-कायावयुजा या नावधानथवलसपत्रभगवती स्वसि शयावजाहादय कलहात
 की-कल्यालया कृष्ण-का शलउग्रसिधावधक आहादयकावथन श्रीलक्ष्मीनशतसं
 विनलीया गहपत्रभगवती कृष्ण-का कीदवीथ संसात्रसंजनगदनिडपनिदक्ष्यं चानथ ८८
 पनिगधनसम्पत्तुं शयक वनदान वियहयक हनधक विनतिया नाव ६३-का कीदवी
 न-रुतसं-कनकाक वियधनाहनं आग्निनया कृष्णयधु जमावास्या कृष्णथ एधिवी
 सदके संनय जायाय मा लधक वनदान वियावथन श्रीलक्ष्मीनशतसं हिका जयथा

५३
 नक्षत्रायाथनाया नावधज कायाव विष्णोदवीनशतसं जकधनशयाव विष्णो
 ग॥ ४५ ॥ ॥ यनीतिदयालाहा तया लक्काकूतीनथायस श्रीगामनवी ०७३ यलि
 यावश्री काभगवतीदवी श्रीहेतु-आयागिनी श्रीवदांश्वननाममहादवउत्पल्लि शया
 वनिवग किस्वरय शयाव विष्णो॥ २४ ॥ आयस भाकरुमी शलथग्रली आयस कम
 लपुष्पस्नाननना स्नानपनी वयाव सृगन्धस्नान-कायावयुजा या नावधानथवलसप
 त्रभगवती संकाष शयाव आहादय कलहात स्नानपनी-कृष्ण निगवत्रवानकावधक आहा
 दयकावधनस्नानपनी संन विनतिया गहपत्रभगवती काभगवतीदवी जियमी स

सगीया मभावां का यत्तु शय मासहर्त धर्मासा न सुगती प्राप्ती दत्त वल्लि स्थानं सनस
 नीरधकय जा मा न्ययो य मास वन दान विया वरु क भान रु या व विद्या न धन श्री सन
 स्तुती मरुत सा महा हर्ष मान या ना व च न ह स ल क य या व थ व आयसी विद्या न ॥
 ॥४७॥ ॥ धर्त लिख व या व पि कू नी न व न थ य स श्री महा त की पी ० उ त्थ लि रु या व
 श्री कमला की देवी श्री दि ग म्ब ना धा गि नी श्री द्वि कू ट धन नामे महा द व उ त्थ लि रु या ॥ ५०
 व मि व म कि स्त रूप रु या व विद्या न ॥ थ गू ती थ य स धा ग र मी र ल थ थ य सः
 जान न्ध न व या व धा ग भान या ना व ची न हर्त अरु सिद्ध प नी व या व न य स्था या ना

व शान ध व ल स प न भ म्ब नी ख सि रु या व अ हा द य क त लो जान न्ध न अरु सिद्ध क
 मी स क् च यी च्छा रु ल उ गू ती थ व ध क अ हा द य का व थ न जान न्ध न अरु सिद्ध प नी
 स न वि न नि या ग ह प न भ म्ब नी कम ला की दे वी जिय नि ग अरु सिद्ध रु य का व चि नः
 श्री वि रु य का व वि भ वि द्या य मा ल ध क वि न नि या ना व थ न द वी न रु ल सा वि अ धू
 ना ध क अ हा द य का व अरु भान रु या व विद्या न जान न्ध न अरु सिद्ध प नी स न धा उ
 ल य ना न भ य जा या ना व अ न न्ध न थ व र थ य स चान व न ॥ ४८ ॥ ॥ धर्त लि इ
 ग थ या कां च कू नी न व न थ य स उ द्या न पी ० उ त्थ लि रु या व श्री द्वि यून स न्द नी ॥

दवी श्री गुरु का दनी धा गिनी श्री हरे नव भव प्र नाम महादेव उ त्पत्ति श्रुया वृ शिव न कि स
नृप श्रुया वृ वि का न ॥ थ गृ ली थ य स भान न्य रु मी श त थ थ य स भ च ना ज व या वृ ज
न क ष का त र हा य जा या ना वृ ह वा या वृ ना नान थ व ल स प न भ भ नी र व सी श्रुया वृ ज हा द
य क ल श्र भ च ना ज क न ग प ह्या न जि जू ती स भार व रु य धू ना क न ग कू धा या धा वृ व
क आ ह्य द य का वृ थ न भ च ना ज य नि स न रु ल सी वि न ति या न ह य न भ भ नी ति य न
मृ न्द नी द वी जि मि स न थ स सा न स द क जी वा त्मा पि न ज ल दान या य रु य क व र्षा
स म य स ज ल थ ल र य क र न य नृ श्रु य क वा ग भ न क रु य क ष स न रु स वि का य मा

लधकविनगिया नात्र थन पन मभ्यनी नरु लसौ आह दय कल शम घ गज कमी स
 न धायार्थ न था सुशय मा लधक आह दय कावे नरु न धा नरु यात्र विद्या तथ न मघः
 ना जन धा उ अय सा न म य ना या नात्र रु का उ प धा न सा नु या नात्र ति हात्र न ॥ ४५ ॥
 ॥ ॥ थन ति का च द र्क ल न ग क नी न ड न था य स श्री चा या च नु पी ० उ स लि रु
 या व श्री क नु न्नी दे वी श्री मा या धा नि नी श्री वि भ न्ने न ना म म हा दे व उ स लि रु
 रु या व गि व ग कि स्तु रू प रु या व वि द्या ता थ था य स पू न्ध ह मी रु ल थ म्नी था
 य स न्नु सा म्नु रु रु न व प नि व या व न्नु ग मा थ न ना ना शा ग वि या व नि धि य र्व

कनकजायानात्रचानथवलसब्दीश्वरीतिफश्यात्रमहाहर्षमानश्यात्रश्रीपत्रम
श्वरीपुनकश्यात्रआह्लादयकसहारेनवगलपनीकुमीसलवहकिनजिअनीस
नायशयधनाश्वरकुपनिहनकुहानाश्वरधकआह्लादयकात्रथनहेनवग
लपनीहनरुतसांआह्लादयकसहपत्रमश्वरीश्रीकुशुश्वरीदेवीडियनिसम
वनामखकुधालसाथयथिवीसदकमाहकागलसयानायकशयकअंशहेन
वधायकप्रसन्नकसविद्यायमातधकहानात्रथनपत्रमश्वरीनशलसांवियधु
नाधकआह्लादयकात्रथनहेनवपनिहनरुतसांमहाहर्षमानयानात्रधाउ

[illegible]

मरुससगीदवीयाअभकग्रल्लमनकावहासगीरभकहाहाकावलखायावजमलपाव
 कलहर्नयथिवीसयवसुहलावभ-मीशयावभानहर्नअवदनावहायप्रालयकन्यास
 दायावभानमीमहादेवयाप्रभावलहकयावभानकसीगीदवीयाअभकग्रल्लमनावः
 भाकयामकामकल्लमनावअआमसुखअधनल्लमनावअभकयागथार्थिग्रसगीदवी
 याभनीनकुग्रलिभनीनलउनयभेससुखयतयावभिवभकिसुखपशयावविः
 आकक्रथार्थिप्रयनभभ्वनीयाउनयभेसअवदनालकायावविआकक्रहर्नदवः
 लाकनागलाकदेवलाकदानवलाकअधिलोकगभ्वकिन्नमनूकपनिगपीअ

६३

६४

वनावशयावअभगवनदानवियावभाकवियावदभनवियावविआकक्रथार्थिप्रः
 पनभभ्वनीसगीदवीयाग्रखयक्रभनथवी०कुग्रलीखदुन्दनसनयायवउभः
 यागभाकल्लयवमहापदविलायवथक्रयाजत्मकातवयायासारल्लभययक्रः
 सनकग्रलिपी०खदुन्दर्भनमयायवउभक्रयाजत्मकातवयायावृथाजयीवथ
 थनकुग्रलिपी०खदुन्दर्भनयायमालहर्नथनीलिदवतायाग्रदुहसगी
 नरुलसीधमरपमिआग्रधरधपुमाननयहयानावधाउभापवावलापजायाना
 वरुकोजपधानल्लायानावपी०पमिथथयानावपनभभ्वनीसमीषशयकाववि

श्रीजगदीश्वर महादेव नचिरुद रुया नाव सासु विष्णोः सुमीदवीया मजीन पव के मय्याव
 अतहायाव श्रीमहादेवन ममत हाह मायाव मय्यायाय धक मन न हाह पाव थम थप
 मने धीर्ज सा नाव उहा ये थ सहा नाव जाग धान या नाव अनव न धक हास पाव अनने
 उरु ने दी सा सासु विष्णोः ॥ धने लि द कि हादि म स के न्ठ क धा ना थ म स व क स धा
 या न म त क ग र लि द ह या ना न अन ग त स म न कि क ज वि ला क व स न या व ना न थ थ ५७
 य स श्रीमहादेव थन क स विष्णो नाव थन म पी सा क थ नि धा ल सा गं म हा ग न स हा
 त या य न व नाव ना न थ व स स व क सी प नी ड क थ व र व र म स को सा या थ धन को
 व म न कि व क सी प नि म नाव ना ना को रु क या र हा इति म नाव ना न मि मि स र्क

स काम द ल मा ल का स क नी का धन को व ता थ धन आ व मि मि स व र क ग र लि द य के नू या ध क स म धा ल या
 ना ना न व ल स थि ज ग दी श्व न म हा दे व थ न थ न क स विष्णोः ॥ धने लि थ म ना व ना न व क सी प नी स न
 थ या हा या सा २ प नि रु रु व व क ज श्री म हा दे व थ का स नी द वी म द या ज उ न्म रु रु या व दि ग व र रु
 या व रु स थ क आ ग मि जी स हा स हा य नी धा ल सा कि न क धा ल रु की न या व ना न या मि मि र्दि न गं मि
 प न सा रु या व का म की ज या हा ग म इ मि जी स धा ल सा अ नी का मा रु ल रु या व ना न आ व थ ज स म क
 र्क श्रीमहादेव ना ना व न नू या ध क सा इति या ना व श्रीमहादेव ना ना प लि ३ २ अनं थ ने लि
 म वि ला क स क ल स्या ना न स थ न र्क म रु जा मा ल को धू न का ३ थ ३ २ क अन व ल स र्क स स
 या न व क सी प नी क र्क म द या व ना न थ व ल स अ वि ला क प नि आ म र्क ना या व अ वि प नि
 म ना व सा इति या ना व धा र्क थ व क सी प नि ग न र अन ध क वि ना न या ना व थ न न श्रीमहादेव
 क क र्क क थ ल इ थ ना ना प ना रु नी ध क ल म न का सा इति या ना व थ ग लि स न व न ध क आ ग

कृपनि वक्ति थ ग्रलि सनरुनि जिपनि वक्ति थ ग्रलि सतव न धक वक्ति २ नि ग्रलि सतव ना वक्ति
 ना वक्ति विहा कन धर्तु रोगी महाद वक्ति सनरु नि ग्रलि सतव ना वक्ति २ नि ग्रलि सतव ना वक्ति
 यावु भन श्री महाद व धर्तु जि नरा कृपनी कला महया ध क ध या व धन अवी लोक न ध या
 म कन लि अ २ अ ग प नि स रूयी व ध क ध या व श्री महाद व लि स न रा स्य व क मी प नी थ व ति व २
 अ या व ध न ख ना ठा श्री महाद व न नि व २ ध क जि न रा म सि या ध क आ हा द न ध व त म वि सा ५६
 क ध या रोगी महाद व आ व क न न अप वि य द व ध क वि ल रोगी महाद व क ल्या ल स्य त जि य नि
 कला महल का व हल या नि मि हि न क न र ति ग प न न रु य मा ल ध क ध या व अप वि ल थ प
 नि थ व २ आ म स सं यो न व न थ व ल श्री महाद व या लि ग प न न रु या व अ न थ व न लि श्री महाद
 व या लि ग प न न रु व ग र ली न ए धि वी न क पू ल थ व ल स द व ला क ध क न ध व दे य प ति जी ति नि
 ग न ती क पू या व र म रु य न न थ स या व ह न २ स या या व आ व ध न क रु य न न ख स ध क ला
 न न ३

लक्ष्म थ व ल स श्री महाद व या लि ग प न न रु व ग र ली न उ ल्य धि क व क्रा य ७ ति अ या व अ न ग मा
 थ न न वि न ति या ग थ व ल श्री व क ल ना थ महा वि ध न रु ल स द व ला क प नी व न न द ना व महा वि
 ध न आ ति लि ग य स पू ना व र न थ क वि क न रु क य स पू य व थ क जी ति लि ग सामा न्य रु या वि धि
 रु ध ना व अ न थ व ल स रु नि ध व ला क दे य ला क आ दि न स क ल्या जि व न का श ल ल स पा व द ला क
 प नि स न ध न्य २ श्री ना ना य ल ध क ग म व लु या ना व श्री ना ना य ल या क व द का या व थ व २ आय स
 वि का र्ती थ न लि श्री महाद व जी ति न्ध नू प न पि हा वि का दा व न क कि अ वि य नि क व न आ हा द
 य क स वि का र्ती अ वि ध न क प नि स न जि न नि ना प ना ध स अप वि ल आ व क नि ग न कि उ क मी
 प नी व क क जी वे म् ७ ५ थ व ग्र लि अ न स प्र ति गृ ह का या व ध न मा ल ली प ति अ ती व म् ७ ५
 य मा ल क स व र ध न स का य म रु य मा ल ध क श्री महाद व न अप वि या व अ न न उ ग य न्ध स व
 ना व अ ती वि धा द या ना व थ म थ ध म न धी र्या या ना व ल स य ल का र्पा न प सा या य या न का म की
 ५६

ध. सो. भा. ह. म. द. मा. वा. र्ग. ६०. डी. य. द. क. चि. ना. व. स्त. अ. त. नि. ख. न. ति. सि. या. व. प. त. उ. क्र. या. ना. म. ज. य. ध. न.
 या. ना. व. अ. नी. क. छ. न. या. व. उ. ग. र्ग. ध. स. त. य. स्या. या. ना. व. वि. श्वा. न. ॥ ॥ अ. न. लि. स. नी. द. वी. या. प्रा. न. ज. त. सी. हि. मा.
 स. य. प. र्ग. न. या. क. ला. न. भ. ना. या. ग. र्ग. स. ज. न. क. स्या. वि. श्वा. न. ग. धि. क्र. वा. ल. क. ध. स. सा. दी. त. कि. स्त. र्ग. उ. का. स.
 क. व. ध. न. ज. ध. ला. व. अ. नी. म. हा. स. न. द. री. क. या. व. क. नी. स. ल. क. न. न. सी. क. अ. नी. का. म. त. स. ती. त. मि. मा. य.
 स. स्त. न. या. ह. स. ध. व. ध. सा. प्रा. न. का. स. स. स. र्ग. उ. द. य. ज. हा. ध. ध. धि. न. क्र. प. प्र. स. न. द. री. क. या. क. म.
 भ. ना. या. क. ज. र्ग. न. ज. न. क. स. ध. व. स. स. ज. न. क. व. स. र्ग. न. द. व. ला. क. य. ति. अ. नी. ह. र्ग. मा. न. क. या. व. भ. ना. या. म. ६१
 चा. व. उ. ध. य. स. स्त. न. अ. ग. ग. का. व. क. र्ग. ह. न. द. न. दि. आ. दि. न. ही. न. २. वा. द्या. या. स. ल. ना. य. द. न. ह. न. स. र्ग.
 ध. वा. य. व. ह. स. या. व. ह. स. ध. न. ध. ध. क. व. स. या. व. ह. मा. ल. य. या. भ. ना. या. अ. नी. र्ग. सि. क. या. व. ध. य. प्र. स. न. द. री.
 क. ना. ज. न. क. उ. स. या. व. म. न. स. अ. नी. ह. र्ग. मा. न. या. ना. व. ध. म. ध. ध. म. न. ध. न. २. भ. ना. या. ग. र्ग. ध. क. र्ग. सी.
 क. या. व. म. ज. न. ध. ध. य. धि. ज. ग. र्ग. या. ना. व. मि. क. र्ग. न. ध. न. का. व. मि. म. नि. क. र्ग. न. ज. न. क. र्ग. र्ग.

व. मि. ह. उ. ध. ति. अ. धि. ला. क. वा. क्र. म. प. नी. ध. न. क. स. क. या. व. ना. म. क. र्ग. या. र्ग. अ. न. लि. अ. धि. ग. र. प. नी. स. न. मा.
 ल. का. डि. ना. क. र्ग. ध. न. का. व. ना. म. क. र्ग. या. र्ग. ध. व. स. स. अ. धि. ग. र. न. न. अ. हा. द. य. क. स. र्ग. ह. मा. ल. य. प. र्ग. न. या.
 क. ध. या. ना. म. स. र्ग. म. र्ग. या. ना. ल. स. र्ग. प. र्ग. नी. ध. क. उ. का. न. क. र्ग. यी. व. र्ग. ह. मा. ल. य. क. स्या. स. य. व. न. या. ज. र्ग. ज.
 न. ध. या. ना. म. प. र्ग. नी. ध. क. उ. धि. ना. क. र्ग. या. व. ध. क. ना. म. क. र्ग. ध. न. अ. धि. ला. क. या. वा. क. र्ग. ना. व. ह. मा. ल. य. या.
 म. न. स. अ. नी. ज. स. ना. या. व. अ. न. ग. मा. ध. न. सा. मा. गी. ना. ल. ला. न. का. व. ना. ना. ची. ज. वी. ज. व. स. र्ग. द. य. का. व. र्ग. ज.
 न. या. न. का. व. का. ना. न. का. टि. ध. न. न. ल. म. सी. मा. मि. क. र्ग. व. मि. ह. उ. ध. ति. अ. धि. ला. क. वा. क्र. म. ल. रि. क. क. य.
 नि. स. र्ग. द. कि. ध. वि. या. व. ध. न. व. मि. ह. उ. ध. ति. य. नि. स. न. अ. हा. द. य. क. स. र्ग. ह. प. र्ग. न. या. ज. ह. मा. ल. य. ध.
 न. २. क. स्या. ल. स. र्ग. ध. न. २. भ. ना. या. ग. र्ग. ध. न. २. जि. य. नि. स. ल. ध. अ. ज. दु. नि. जि. य. नि. स. न. ध.
 न. न. न. प. स्या. या. ना. व. य. ध. या. ना. व. ची. न. र्ग. ह. मा. ल. य. ध. क्र. या. र्ग. नी. या. अ. नी. ज. ग. दी. ध. र. धी. न.
 ल. द. वे. या. र्ग. कि. क. या. व. ध. नि. र्ग. र्ग. य. र्ग. ना. धि. य. ति. ध. क्र. या. र्ग. नी. न. दु. नि. का. ना. न. का. टि. अ. स. र्ग. मा.

चकीवहाहमालय धककावतीच दुर्दमपुत्रमया नानिकयाव शीत्रिव हनं श्री महादेवपुत्रव शयीवः
 अनेगगीर्थयाजायायीव अनेगव नदनीव हाहमालय धन्यश्चकस्थाल धकधायव वेकाकायावथ
 ७२ अथमसुविश्रान्ती धनहमालय धनाया मनस अनन्दया नावचोनधवेसस चार्वतीनरुल
 सांकधनं ७३ कृपयाच नमाजाव धनअधिकल शयाव श्रीगल शयसल धनपावतीनवान
 कनिस्त्री श्री महादेव दुष्टया नाव धनगाव शीनिशः कुवलुनयननसी श्री महादेवयाग कया
 वनयीव धनगुलिपुकात्रम श्री महादेव या सुवाया नाव पुत्रव वां कान अनी कष्टन यावचा २८
 नै ॥ धनंति च कृपादिनस श्री नात्रदमूनी सुत्रन धीना नायया के विनतियाग हाविश्वरूपमूर्ति
 धीना नायन कृष्णाल यागयाग्ध शयाव चोनक कया कृष्णहमालय पर्वगया क्काच कृष्णदस्यो
 नयनमसुन्दरी शयाव चोन कृष्णालयालकी यासिर्नवानला के कगीसलकनन संयुक्तकृष्ण
 लयागयाग्ध शयाव चोनकास विष्काइन धकधायव श्री नात्रायसन आहादयकल हा नात्रदया

मकन्नाजिजी त विशीवलाधक आहादयका व धननात्रदमूनी श्वननधर्तः शनात्रायस काय
 धनकास्य विष्का नाजिजानागा धध धनकादयक धकधायव डानाव धाल हाहमालय कृ
 णालया क्काच पार्वती कृष्ण श्री वे कृष्णनाथ नात्रायस यागविष्का यमाल धकधायव धनहः
 मालयन धाल हा नात्रदमूनी श्वनः कृष्णाल सुत्र आमहिग आहाद ननास जिमन जा अनी वसिरी
 यधन जिगीश्व धयाव नात्रदन धकना दयका वरिहा सुना व श्री नात्रायस यागविसलकनः
 धन श्री नात्रायस धन धन्यश्च नात्रदमूनी श्वन धकधायव नात्रदमूनी सिलवने ॥ ॥ धनंतिहः
 मालयन धव क्काच पार्वती कया दानवियया न मालका सामा श्री गाल साग का व दवेसाक यदः
 गधर्व किन्नेत्र देव्यः अष्टा तारुन्दपुत्रि दवलाक निमकु नायाग कलका याव धपनिसक
 ल्यं धनकलविष्का न श्री विश्वरूपमूर्ति नात्रायन धनकल विष्कानाव वेहस्यतिनयह या नाव
 चोन धवेसस मना न धव क्काच पार्वती याग अनेगः जति जवा पयागस ननयूनकाव मही

माहिकयागिसानमियकावकन्यादानविययागनयागन. ॥ १ ॥ बलसपावनीयासखीपनीसनधाल
शपावनीथनीकल्याणकन्यादानवियननखलाधकधयावथनपावनीनमरुधकधयावचा
न. ॥ २ ॥ नरुतसखीपनीसनधालजिपनिहसकमन्नासजिपनिहनमसियासाधयावथरवरागर्थ
धकपावनीनरुनशासखीपनिरवराधयावहकनरुतिलनाशकायकलहयीनधकधयावथ
नपावनीनधालशाजयाविजयासखीपनीआजगधयायमालजिनजानीमहादवजकरुना
यानाशानाधयावरायावथानधवलसजयाविजयासखीपनीसनरुयाधवाधविलथध ॥ ३ ॥
नवाधमकयावआमधरुतनीसधनचानेमनल. ॥ ४ ॥ धनचानसाअवेस्यनविधीवधकधयाव
वमिजसनसुयीगममधुधयसुगचनमधुधयस. ॥ ५ ॥ कथयाधधुसखसियासमीपससुसाव
कयधन. ॥ ६ ॥ धनसिकन्यादानवियवलाकयावकायकलहसधवलसपावनीमदयावसकनरि
नचानिरुधयसमालाकयानलुयकमरुयावआवगधयायधकधकायावमहाअन

धरुतधकहालावमानमवास्याकाकाकनावहनानकनधयमकास्यचानधवलसहमासय
नआवेगधयायजिमहाआवन्वधकग्रवहस्यनियाकेसाइनियानावथनवहस्यगीनध
समिजिसनकयायलआरुतधकहालाव. ॥ ७ ॥ वहस्यविआदिसकसस्यनरुनापयानीशपनम
धनआजगधयायधककन्यादानवियनयावकन्यावानकलकायानकन्यामदयावमाला
यानकन्यालुयकमरुयाआवेगधयायमालधकचानहन्. ॥ ८ ॥ जिमिसकाकलआवधुगरीदी
नसमजिलधकलकाकयकावेमीनानायलपुपुनिधवलाकयाकेहागआजलपावेविनमिया
नरुदवलाकेधुगरीसिअपगोटकमायासविशायमालधकवदावियावविशोगकली. ॥ ९ ॥ धन
सिपावनीनरुलसखीसीयासीसचानावन्वकिअनेगप्रकात्रलमीमहादवन्वकिरुयामी
नावपुजायानावेमीमहादवदुआनरुनायानावचानधवलसजगदीधनमीमहादवध
सकशयावपावनीयाधयसजयावआहादयकली. ॥ १० ॥ शपावनीकनकोयगिआनरुनायाना

धर्मप्राप्त दयकाव धनपार्वतीन लोहान आजलमाव विनती याग लोहामी जगदीश्वर श्री महादेव कृत्या
 लोमी लायमास धर्मक ले जनायाना ह विष्णु नाथ जिह सुकायास विष्णुमा ल अनेगमा धन रोगाया विन
 तियाग लोहजगदीश्वर जि. विष्णु याग कन्यादान विष्णु याग ग यात्रया नाव यद्रया नाव धान. आवृजि धन
 विष्णु जयाव. सुलाव धान व या ल श्री महादेव जिह उ धन या नाव विष्णु या मास धर्मक अनेगमा धन विः
 नतिया नाव धन श्री महादेव न आदा दयक लोहार्थ जिह न विष्णु मजिह नि कन व वाहन कन्यादा
 न मयास गध जिह न धय ध रमजी जनिध के धयाव धन पार्वतीन श्री महादेव या पातिनिया १००
 हाक दयाव विनतियाग लो श्री महादेव जिह गध या य मास धर्मक धयाव धन श्री महादेव न आदा
 दयक लोहार्थ जिह न जा जिह न धय निष्णय रु लोहामी विष्णु न कन व पदम वि ल व यी व
 धका धर्मक उग्र जिह न याव धर्मक वेन पुसा द विष्णु अनेगमा धन शयाव विष्णु न धन लियार्थीन
 अतीन सगायाव सखी न लिनकाव. माम. वृव या धय स धन क ल व याव ह मास यन न मा म न न

धर्मप्राप्ती पार्वती क गन व ना. कन ग श्री विष्णु याग कन्यादान विष्णु धर्मक लोहया कृत्यक मरुः
 न धर्मक धयाव धन पार्वतीन वृव ह मास य मास धन या क व न विनतियाग लो व वा रु मा रु जिह न जा
 श्री महादेव या ल जनाया ना चीना निहिन लो कं कं न्यादान विष्णु गन व न सूर्या धर्मक इ ला धर्मक पार्वतीः
 न विनतिया नाव ह मास यन आदा दयक लोहप्राप्ती पार्वती आ म धर्मक न धर्मक नीति जिह व धर्मक जिह
 सन कृत्या य धयाव धर्मक मया य धिधि रव ला माव धान धर्मक का हि क क मा ग न अ ग म्प मनी श्वर क
 न ॥ ॥ कृति श्री सुन्दर पूजा लो पार्वती व न पुदान क थः ॥ ॥ सुन्दर वीच ॥ सुन्दर क मा ग न रु
 लोहा अ ग म्प मनी श्वर कन लो अ ग म्प मनी श्वर धर्मक श्री पार्वतीन सखी यती सन लिनकाव
 अनेगमी र्थ याग धर्मक कर्म या नाव गन १०० र्थ द ग अनेगमा धन या नाव श्री महादेव मूर्ति दयका
 व द ग या यी व श्री महादेव लोमी लाय नि निहिन उका द मी व न आदिन पुन द न ह न व र्थ का ल
 स ग क ल य जिह रु क रोजन या ग क ल ह न का कान का टि सा दान द कि आ वि या व थ थ रु

काल दयाव वृत्तानं पुण्यकृतं शयाव अनेग माधन नयस्याया निना हात्र उक्तया हनं यंचय ह्ययानं ध
धनोनवसह वैकृता नाथ श्री नागायनन अनी तसि दयाव गत्र दगयाव मी ख न ड गदाय प्रजाता
व आकाश मार्गनन पार्वती नाना यस कलवि कामाव सुमेरु न कला व पार्वती या रत्ना ल स्वयावः
आहा दय कलशा पा र्वती कन या नाथ सन जि अनी सुको व शय धूनी धन्यर क थधिन वा ल ख
व ससं निर्यं नय स्या या य सामर्थ्य द श पार्वती अनेग २ उ कानन धर्म कर्म या ना धन या नि मि कि
न जि धन व या शया र्वती कन ग व त्र उ सा द का व २ ध क श्री नागायनन आहा दय का व धन पा व
मीन शल सां बु नि निपा र्शं श क पू या व विन नि या र्शं श वि श्वरू त श्री नागायन जि ला धन रत्ना क
ला ल या या दू का स का ठि र न म ला न श श्री नागायन जि न व त्र दान भव ग कू न म य र श्री महादः
व क क सा मि व त्र दान न ग क ध क र ना व धन श्री नागायनन आहा दय क ल श पार्वती कन उ
ग दी श्वर श्री महादव पू र्ण व ला य ला रु ल सा जि न उ य द ग वि य र ना श पार्वती स म सु व र या

सिने महा उ क म अनेग नय स्या या सिने त ग धन रु या व चीन ग म हा उ क म ग द क या सिने अ द ग श्री
सुखानी यत्र भग्वती या व न धर्म क ग लि द या ग चीन ध ग लि धर्म व ग कन या व ध व र या पु लो व
न कन क श्री महादव क न भय स ग श्री ग भू का नि श्वय न ध क आहा दय का व धन पार्वती न वि
न नि या र श श्री महा वि कृ थ व र या वि का न न ध र कू र सा मा श्री दय क मा ल स म स आहा दय क स
वि का य मा ल ध क वि न नि या ना व धन श्री नागायनन आहा दय क ल श पार्वती कन उ क मि रु या ना
व द ना ला पां धो य उ कू या व र्ण मा सि कू रू थ व र आ न रु या य थ कू रू नि र्थं नि र्थं २ भा ल रु या गी
ल कि य न क श्री महादव वृ जा या य ल कि स म्भ र्ण श या व मा य उ कू या व र्ण मा सि र्ण थ म न रु
य थ गाल ला न का व व र द न गं ग क ल न ला र या च क श्री र व न च न न क व न न ति नू त उ
ऊ म का ना ना सु ग म्भ स्तान धू प दी य ने वै धो रु ल रु ल य का ने व रु द कि न्म आ दिन का य ग न
कि या पा अ ठी त म धि द य क अ न कि या पा न ग म ल ग न कि या कू र ग व च ग न वि या व व उ र क

अर्नसि मयगु रुपावर्ष मासिकरु अर्नग सा माग्रीगलसु चकार नातावस्तु दयकाव मगकि या पा भू
 थीगम पि दयकाव मगकि या गठ अरु कन मगकि या पाग मगल मगकि या कन मगल मगकि या
 कात कातल सान मगकि या गुज मका दयकाव मगजल श्रीरु न कच नन सि नन ध
 पदीय नैवै धरुल रुल पकाव नावस्तु कस्तु न कर्षन ममनी वस्तु दकि म मरु सुधि न
 ना पदार्थ दयकाव सुमनस हीनन थ व सुखी पनी धन सिन काव श्रीरु सुख नीपन मगनीः १०३
 यात सुपना याता व दकुलु ति यचि नाव श्रीरु मगन या क विरु न या व या उ म पचात्र सः
 श्रीरु सुख नीपन मगनी ध मा या नाव धान ॥ ॥ अर्नसि श्री महादन संगी देवी या का नन
 निरु मगन म रुया व उरु ना य थ स धान या नाव धान व सु स ना न द मनी मगन पा ना न स ना न
 का सुन धा या ना म दे धा या धा य स व ना व आ मि र्वा वि लं हा दे धा ना न का सु न य नी श्री महा दे व न
 संगी देवी म द या व उ य रुया व उरु ना य थ स ग य स्या या ना व वि का र थ ग्रसि अ व स न स हा ना

न हा य क म य व ला च क धा या व दे य न य व र व ध क धा या व ना न द मनी मगन मगना न य या ना व उ द वि याः
 व का गं अ न ना न का सु न न सि न ग रि सा य न द य का व थ व से न्य क या त या ना व हा ल व न ध क गः
 म न या गं अ नी ति रु ल प्र म ति न टी न का टि द व ना न ना न का सु न दे धा स म म ग व थ या व सा ना
 जा म ग या त या ना व न मी ह थ न क ल व या व स म म या नं ग थ स म म स ला न धा सा कि सी नः
 कि सी ला ना थ ह न सि ह न सि ह ला क थ ह न का ग न का ग ला क थ ह न दो ह ल न का ह लाः
 क थ प्र ल य का ल रु र रु ल आ म स ध न ना क व र ह न थ व स रु अ रु प्र हा न या न क क
 स रु प्र हा न या न धा मा ना म रु पा म य ना रु उ का रु दि ना रु ना म रु र व रु ग रु आ दी न न
 र व या स ना न प्र हा ल या ना व रु रु या नं थ व ल स रु आ दि द व ला क न य रु या य स म थ म द या व न
 न रु मी ना ल ना व थ व र जी व न का या य नि मि र्नि न व स व र्ण थ थ द व ला क वि स व न ना न का ल
 न दे ध न रु र म र्म पा ना र्जि न य या ना व स ग्रसि ला क या ना जा रु या व य अ न न न ना

न उक्तुं पंचाननं ॥ धनं हि नृदुष्टं प्रतिगृहीतं कति दिवसं कनरु सै सा मननं लया जावतु नि
पापिष्टु गान का सुत्र देह माचक या गमान गीदगी कृ कात्र लक्ष्मि हमा लय पर्वतानां पूती कयां वं
न क पावगीतं जगदीश्वर श्री महादेव प्रवृत्ताय निमिर्द्धि न श्री सुखानी पत्र मं गत्र याधर्मवु न दना वं पी
महादेव नपावगीतं सुखाकन पूजगा त शयी वं ॥ नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥
वसु सुनि अम स न जमना वगीतिग का या व पत्र मसुख नरा म नृकन याना नान दयी वं ला देवः
लोक भव देवता जं नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥ नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥
निश्रय न रव वं भव देव लोक न भया वं धनं नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥ नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥
श्री महादेव सु गी देवी मदया व काम क्रोध लोह माह गा द गा व पत्र पु क्रया ज प ध्यान या ना वं
विष्णो क श्री महादेव जा गृही ना रुय क या न क उमा यया य मा ल भव नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥
नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥ नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥ नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥

रुनायाय सूर्या गम्य मद्र काम देव कृत्वा ही कन भव देव लोक या सामर्थ्य मद्र धर्म ला देवता जं धर्म न
काम देव ध्याया व श्री महादेव या हृदय स पूष्य वान पु हा न या ग कि वं धव ल स उ नि श्री महादेव जा ग
रुना रुयी वं भव देव लोक ला खादि ना वं धनिश्रय रव वं क लो से पा वं ग लोक न नं बायु दे
वना का या व वान क ल स धर्म धन वा य देव मान काम देव नगी व ना व धान धाय स धन क ल व ना वः
धर्म लो काम देव जिने कृत्वा ल वान क ल ह ल देवता जं नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥
काम देव ना र्पणी ना वं नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥ नृदुष्टि पापिष्टु गान का सुत्र देह माच की वं ॥
देव देवा भवता धाय धर्म वान क ल ह या म धर्म को न धाल उ रुता र्प धर्म श्री महादेव न संगी देवी मः
द या व काम क्रोध लोह माह गा ल गा व श्री यत्र वं क्रया ध्यान या ना वं विष्णो क श्री महादेव ध धर्म
यान उ का लु ग धर्म को रुयी वं लोक काम देव धर्म न कृत्वा ल उ रुता र्प धर्म विष्णो ना वं श्री महादेव या
हृदय स पूष्य वान पु हा न या ना वं जा गृही ना रुय की वं लोक काम देव धर्म न गी ग मा टी देव या काय

नाव वि काय मा लभ कंद वना ऊरे उ न आ हा दय का व का म द व न श स सां त ला त न नं थ व क रा न नी न
 सहि ग या ना व उ ज यं थ स ज न ॥ ॥ थ नं लि का म द व न श्री महा द व या न न म स्का त या ना व थ मू ष र्तां का
 न म द द य का व लि ग्ग न स व सा द या व. म न न. न म स्का त या ना व क स्था ग थ न लि ग्ग न सा ता व श्री म
 हा द व या हु द य स दू ष या म उ हा त या नं थ दू ष वा म श्री महा द व या हु द य स क या व जा ग र्हा नाः
 रु या व ज लं थ व स स श्री महा द व न थ व क दू ष वा म उ हा त या क ल या व थ य न क आ ध या ना व स
 ख उ मि र्वा नं मि वि का या व स न ना र्थं ग ला त न नं का म द व र ग्म रु या व ज नं ॥ थ नं लि का म द व १०५
 र ग्म रु या व त नी न थ व दू ष व र ग्म रु व स या व श्री क क न वि रा य या गं. ह नं र ग्म श्री महा द व क
 ल पा ल स न नि न वि ध वा या य अ या ग ह नं त नी न श्री महा द व च न ना स ला क दू या व वि न रि या नः
 ला य त म ग्म र. श्री महा द व जि स्ता मि या अ य ना ध क दा ख न म द द व जा उ उ मा आ हा न थ का क
 ल पा ल या हु द य दू ष वा म उ हा त या न रु रु ग ना य के जि य दू ष या व सि न ना म र ला ज ग दी ग्ग न

म २

आ व जि र व ना व द या प्र स न रु ष वि का य मा ल ल भ नि ए व न. जि न स्ता नी ब न दान उ स न रु य मा ल. जि वि ध वाः
 या य म ग व जि न का द व व हा न का व प्र स न रु ष वि का य मा ल ह नं व य र ध ज ध या र्क क ल्या ल. र क व स न
 कं. ह न य म कं. जि न ल भ नि कं. यि ना क धा त्रि कं. ला क धा त्रि कं क ल्या ल या च न हा क म ल स का टि २ न मः
 स्का त. ला श्री महा द व क ल्या ल ग धि न क धा ल सा. इ व ज न द क स हा त या ना व सा ध ज न त का या ना व वि धा
 क थ धि न क र्ग य त या च न म स का टि २ न म स्का त. ला ला ना थ. जि धि न मी सा जा नि न क क ल्या ल या ला
 य या य रु यी व. धा ल कि क्क उ थू ला व धा न कं. आ र व ना ग या ग म्म म दू. जि व ह मि सा या कू सा म र्थ द या
 व ध क अ न ग मा थ वि रा य या ना व धा नं थ व स स श्री महा द व या म न स श्री आ न न्द या ना व आ दाः
 द य क ल रु त नी कू न स्ता मी का म दं व हा. हा न म द ल ला त नी ग व व ल स प तं व क श्री ना ना य न श्री व
 रु धा य का व अ व ना त का ल व यी व थ व ल स क न स्ता मि श्री क रु या प्र ष प दू म धा य का व अ व ना त
 का य व थू का थ व ल स रु नि कू हा ना य ला र व. ला त नी क इ र व ना य म ग व क न म ना त थ दा त रु

न ४

लकलिया अत्र ह सुकुनिकन पत्र धव हान दयी वरुणगी आव कलि हा इति धक श्राद्धादय का व म मि अ
मनस आन नद या ना वधी महाद वया चत्र हा सुहा क पू या व वे दा का या व र नी थ व क स लि हा व नी ॥ १७
नीलि श्री महाद व न सुनी द वी मृ लु इडा खः लूम मा व नाना मा थन विना य या ना व हा स नी २ दे वी ध क
हला व श ल ह न्वं श्री महाद व न धी र्थ या ना व न दु वि न सु नी द वी ग न उ न्न का स व न ख स ध क म
म न हा ल पा व र सु म वि श्रा क व ल स ह मा ल य य व न रा श या यू ती पा र्व ती श या व उ न्न का ल ध क वि चा
त्र या ना व अ उ थ क पा र्व ती न जि य र व ला य या नि मि र्दि न अ न ग ती थ जा ग दान पु न्न ना ना मा १०८
थ न या य धून क ल ह न्वं श्री ३ सु स्का नी प न म ग्व ती या ध र्म व र ग आ दि न या ले थ न न जि न थ क या
व नी या च मि गु ति स्त व न ध क म न न हा ल पा ल व श्री महाद व न न्द या र व का या व व र्ध ध न
त्र या व उ रा व न कि ति ग या व पा र्व ती या ध र्म व र ग या ना व चान थ य स थ न क ल वि श्रा नी ॥ १७ नी लि
धी पा र्व ती न व र ग र्ध र्म र्श या व श्री महाद व हा मी ला य नि मि र्दि न श्री ३ सु स्का नी प न म ग्व ती या न

अ र्थ जा ना व श्रा द्हा द य क ल हा श्री सु स्का नी प न म ग्व ती क ल्या ल स न श्री महाद व जि न प र्श य या द न
सु स न रु स वि श्रा य मा ल ध क ध या व अ र्थ वि ल ह न्वं हा द या न अ न ग मा थ न हा उ या ना व चान ह
न हा श्री ३ सु स्का नी य न म ग्व ती क ल्या ल रु यी व द व या न द व श या व वि श्रा क क थ धि न क क ग्व तः
या च न हा क म ल सु का ठि २ न म स्का न हा प न म ग्व ती ध र्म या न ध र्म म र्दि र्श श्री व क्रा या या र्श श्री
वि कृ ध या र्श श्री महाद व ध या र्श व क्रा वि सु म ह ग्व त थ स क न क क रु या व वि श्रा क क क ल्या
ल या च न न स का ठि २ न म स्का न मृ वि ति मि स हा न या क क क ल्या ल पंच मा हा पू त ध या र्शः
न जा म मा स नी ग र्हा थ स ग र लि ग र्श क ल्या ल अ न क म इ अ दि म इ उ मि म इ ना हा मि म
इ उ मि म इ थ धि न क थ गि स्त रू य श या व वि श्रा क वि य क न म र्दि ह न्वं म न्द या दि या ह
या अ हा ता प न्द व रु स वि श्रा क का ल स रू प का ल पु न्द प थ व क्रा न्ध थ न ध य का व मा या स
रू य श या व रु ग ल स न या सा कि रु या व वि श्रा क क थ धि न प न म ग्व ती या च न हा क म ल स

[illegible][illegible]

यधकवया कुनयत्रिकास्य यधून हापार्वती धन्यः ॥ कजिरुलं नमः यथा कजिजापी न हादव
 भूकास्य जगति मूर्ति धन हापार्वती कुनयाना मयस्यानकन रक्तिन जिनगी सुनायक य
 धून जगत् कुनजिगताया जगती मयि हि वधक जगद् दयकाव ०० नुया रुवनाद नावधव ग
 मूर्ति धन लयाव के नाव विष्णो ॥ ॥ ॥ धवलस ग्रीपार्वती न मनस जगती जगती यहा लयाव
 जगती रति रुयाव जगदीश्वर श्रीमहादेव स्वमन धन धन्यः ॥ कजिरुलं नमः यथा कजिजापी न हादव
 हादव कु स्यात् स्वामी ला यनिमिर्दिन जगती र्थ जाग्रा दान प्रथम धर्म वृत्त दमाध ॥ ॥
 स्यात् सादगर्त मद्रथ धन तावत् स धीवै कृष्ण नाथ पत्रवृत्त नात्राय न न जिनक कया दया
 व श्री ३ स्व स्वामी पत्रम ग्वरी या धर्म वृत्त जगद् दम विद्याव जिउ धन या नाव विष्णो ला स्यामि
 श्रीमहादेव धन न ग्वधर्म वृत्त या पुला वन श्री नात्राय न या कया न क स्यात् दगर्त न या यधनी
 लय पुत्री महादेव जगती धनी न स्यात् कु स्यात् या न विद्यम जिव नि कान धन सा जिनका

१२

दानमधुनि कन्या दानमधुनि विद्यमजिव रुषु पु श्रीमहादेव जगती जिव वाहया धन सविष्णो न नूया
 धन जगद् दयकाव जगती सुखी पनी सनति काव श्रीमहादेव श्रीपार्वती न धन क विष्णो न के ली ॥
 धनं लिपव गता जगद् दय धनान धन जगती पार्वती न श्रीमहादेव वा नाव हव स्व नाव मनस जगती
 यप्र जगन् नयानाव धन रुया धन वन व सा ला याव श्रीमहादेव क सविष्णो च य कर्तुं ह नम ना
 नक मन्त्रु जी नाव लिचाय काव न नम द क ता नाव च न हा स हा क य या व पा दार्घ्य ह सार्घ्य म
 धु प क विद्याव हिन गति जगद् दय म स हिं हा स न सविष्णो च काव न ली ॥ धनं लिह मातय न मन
 सहर्ष मान नाव धन श्री म ना या रुव न धन या रु प्रिय म नाव ती धन्यः ॥ कुनय ग्री पार्वती या
 रुग्ध कुन रुल सा धि क जित जगत् साव श्रीमहादेव कुनय ग्री पार्वती या स्वामि ला न रु प्रियः
 जगद् दय काव धन धन स्वामि रु मातय या जगद् दय नाव धन न न जगती ला क वी न के ल के याव
 जगद् दय काव धन धन स्वामि रु मातय या जगद् दय नाव धन न न जगती ला क वी न के ल के याव

धर्मसिद्धिबिलाकवयावदिनवलाकनावजवीश्वरपनीसुनवेभस्वउक्याहृदियाग्राहिभीनक
 युगादिभक्तधकपूजायाववित्तधनभनानधदिनयाधकनादयोवजवीलाककायाना
 वसिहाविज्ञातकली॥ धर्मसिद्धिमासयनशसुसीदिनगयावदवलाकनागलाकजवीलाकयः
 कगन्धर्वकिन्नरअपसरादेवजखवसुदिगपालवाकसपमिदकावानकसकायावसामा
 यीगालसागकावगुत्रवहस्यतिनेयहभानक्यागकावउकाविहृयजृतिजविलाकनचेमु
 र्वदयात्रानयागकावहन्वयकगन्धर्वकिन्नरअपसरायनिधनभहासावव्याखनक्याववाक
 नपनिधनअनगयुत्रानादिभक्तपाठयागकावहन्वदवकनायककन्यागन्धर्वकन्याकिन्न
 नकन्याअयनिअमगशमाधनकायपावेतानात्रलेमभीमानिक्यातिमानकाखायावेथय
 सुसुविज्ञागकावकलीधर्वसुप्रनानधवपूरीपार्वतीयागअनगशीखलुअगीगाकसल
 पसपावत्रलेमभीमासिक्कभूनावेगयाकिसाननियकावजराहृननययकावचिउविचिउयाव

सुनपुनकावत्रलेममानकाखायकावशीमहादवयाअमसगयावकलीधर्मसिद्धिभस्वउक्या
 याग्राहिभीनकपुससुवलाससुलनसुतठीमकाटिदवगानसुतकावमहामंगलयागः
 यानावहमासयनधवपूरीपार्वतीयालाहगजीनावहामसकमगयावप्रनानकमल्लेन
 जलभालहायकावउकाहावाकयागकावगानधवसुहमासयनशीमहादवयाकव
 नआहृदयकललाविश्वभूतशीमहादवआवमाहासुवलाकलाथकजिपूरीपार्वतीकुं
 ल्यासयानकन्यादानवियनिअयकसाअवकल्यासयागानकपुसपुसपुसमदयककः
 कार्ययार्यमदधकहमासयनपार्वतीयालाहगजीनावप्रनानसंखहायकावकनावगानध
 वचनकनावशीमहादवनकगांधायमकासावसुमूककाकनावविकारहन्वउकाविहृ
 कटिमकाटिदवगानहमासययागजवापवियमकयावधर्वदवगीकजककनावसुमः
 कंचानेअथचानवसुसुखलाकननानवमनीश्वरविकानावसुपीदवीयाहालनजकु

दयका वृथ जनुथा नाव धीमहादवया गीतचत्रलपाव व्याखेन हूयाग पर्वतना जह मातययाभय
 सुविज्ञानाव नात दमनी श्वननभा हादयक लहा पर्वतापि पतिह मातययामयावनी थी जगदीः
 श्वनमहादवया नकन्या दान विदुने कु स्यात्तया मन स रका काय म मा ल थ क्र श्रीमहादवयामा
 यान गृहिलिगि संहात्रदयकाव तल हा पर्वत ना जह मातयय गव व ल स गृहियाय गव व ल स
 हात्रयाय गव व ल स गृहिलियाय ह न्व बुका नि कु मह श्वन ध कं स क र्त्त क क क क र्त्त क क र्त्त क क र्त्त
 कयाव विज्ञा क थ धिन क आदियुगवया मा र्त्त म दू न व म दू जा र्त्त म दू ल ग र्त्त म दू सर्व व्यापि ११०
 धया क्र श्रीमहादव थ का रा प र्त्त ना धि पतिह मातयय ग दी ग का ठि द व ना या अजा र्त्त धया र्त्त थ
 थ का ह न च तु र्त्त म धु व न स अ न ग आ सा द या व र्त्त क म नू आदि र्त्त ह द य स विज्ञाना व
 या म धू थ या सा हि क या व नि तं जन नि ना का र ध या र्त्त थ क्र थ धिन क जगदी श्वन श्रीमहा
 दवया महि मा जि न ग थ हा य दा त कि कू थ थ ला व ची न ल र व ना ग या जा ग म्य म दू ह न्व जि

पिताच दुर्मयव काया सामर्थ्यमिद जीव ह तया कू सामर्थ्य दयी व हाह मातयय थ ग वि ल म्हा ययः
 मय ला व ला र ला ग ला त न क न्या दान विदुने हाह मातयय ध न्व २ क स्यात्तया ल ग्ध ध न्व २ मः
 नाया ग र्त्त आ व वि ल म्हा यय म य ला श्रीमहादव या ग आ म पा र्त्त नी क न्या दान विदुने ध कं जी हाः
 दयका व थ न व क्रा दि द व ला क य नि स न ध न्व २ ना त द म नी श्व न ध कं द का द व ला क न आ हा
 दयका व थ न ह मातयययामने स अ र्त्त गी ह र्त्त मान या ना व व क्रा दि द व ला क अ वी लो क न च तु
 र्त्त थ या त ल या ग का व च तु र्त्त म्हा सा हि आ ना व न ती ग का ठि द व ला क ह व न त या व अ न ग
 गीत वा य आ ग का व व्या खेन हूयाकाव ना ना र्त्त ग ल जा ग या ना व ना त द म नी श्व न या आ हा
 थ व म्हा स उ कू या र्त्त ती या ना हि नी न क र्त्त अ दि न कू कू श्रीमहादवया ग ह व ला स ह मा
 लय न थ व पु र्त्त पा र्त्त नी क न्या दान वि ल थ न र्त्त पा र्त्त नी द वी न श्री जगदी श्वन महा द व स वा
 क उ ला व थ म्हा लान का रा य का व च न र्त्त स र्त्त क य या व अ न ग उ का त ल द या या ना व श्री महा

धवशादर्मप्रयानावपमशाननरुयकाववि कार्मगधर्तलिहमासयनश्रीनामायनआदिनवः
 प्रादिदवलाकसकसुनयसुसंकरुयानाववाउलमपचात्रहा पूजामान्ययानावअनमपुमा
 नननानावदार्थलाकनयानकावगर्लहचकाठनकाठि२सुवमुदकिमविषावकाठि२जो
 दानवियावकाठनकाठि२नलमसिमनिक्कवकुदानवियावधमनरुयाथरकिथजान
 पूजायार्धंथवससमटीमकाठिदवलाकपनीसनहमासयया पूजा रुपावआहादयकर्त्त९९९
 हाहमासयलाभेनाधन्य२कल्यासपनिसुमानलाग्यवकथसफदीपधथोसंदरुदधन२
 लाग्यमनायागर्लकपनीनकस्तीधनययाजमकालवयायासारुसुहालीश्रीमहादेवथीन
 चसालयाजिसाजनरुलेहाहमासययवगनाजग्यनभूश्रीमहादेवलक२दगापस्यायाना
 नंदर्मनलायमइहनमोलाग्यनपनिसुनधननर्तलुयकमजीवकपिनाकधनिश्रीमहादे
 वकल्यासयापूजीशीपावनीदवीयासामीरुहाहाहमासययवगनाजधन्य२लाग्यवकआवजि

१६

पनितुनमसावदाविहूनधकतमीमकाठिदवलाकवनिहमआहादयकावधनहमासयनवसा
 विकुनात्रदमूनीयनआदिममीमकाठिदवलाकाउलमपचात्रहा पूजामान्ययानाववदाविया
 वविष्वाचकर्त्तधनंलिममीमकाठिदवलाकपनिअरुहहर्षमानयानावधव२आप्रमसंः
 शानविकार्गधकशीकुन्दकुमानहाअगस्त्यमूनीयनयाहवनेआहादयकर्त्तजिसे॥ ॥
 अरुमिश्रीकुन्दपूजाहाश्रीपार्वतीदवीकन्यादानकथ४॥ ॥ कुन्दउवाचाकार्मिककुमाः
 नमअगस्त्यमूनीयनकर्त्तहाअगस्त्यमूनीयनधर्तलिशीपार्वतीदवीनरुलेसांश्रीम
 हादवयातदयकावगयाअधीनमधियाः उचाहुजगमकाचायातग्नसचाहुटग्यच
 चाय५७हुतयाकाससानसुवनसहितदयकावश्रीमहादेवयातशीपार्वतीदवीनलेः
 वलानावविलीधनीलिश्रीमहानुदयाचनहासलाकप्यावआहादयकर्त्तशीपुपुगीम

ती२

हादवधन्य २ जिह्वा ग्यन रवना धन सधका दल क स्यात् पदुष साय निमिहि न न न ग नी ध जा ज धर्म
 कर्म दान वृत्त प स्या या ना ध नि तु नि क ग र्थ श सा श्री ना ना य हा या उ य द न न श्री ३ स हा नी य न भ
 ग्वती या कृ पान क स्यात् या थि द ही श या व र्ना न द ना ध न्य २ जिह्वा ग्य हा प्र कु मी म हा द व जिह्वा;
 द या प्र ह न र या व थ व द नी ला ल या व कृ पा या ना व वि काय मा ल हा आ दि वृत्त श्री म हा द व जिह्वा;
 न्य जि न ह न ना य या य न स्य वि का क न ध क क धा स सा क स्यात् या कृ पान जि न भू र्ति धर्म वृत्ता ॥ ११२
 लाना ध ग्य ति धर्म वृत्त गृ क या द न स्य वि काय म स्य व र्ग क २ इ र्वा श स ग्य क २ द त्रि ड क स ग्य क
 २ पा पी ह स ग्य क या स नान म इ ध य नि स उ द्वा त या य मा ल थ यि न य नि स कृ पा य स न र स्य
 वि काय मा ल हा प्र कु मी म हा द व थ न निमिहि न म नू स्य ला क उ द्वा त या य या उ पा य भू र्ति ध
 स न र स्य वि काय मा ल ध क वि न ति या ना व थ न थ व प्रिय क प र्वा ती द वी या व च न द ना व श्री म हा
 द व न आ हा द य क ल र प्रिय पा र्वा ती द वी ध न्य २ क क र व ना व जिह्वा श्री स ना य श य ध ना क र यी व

महा सा धु श्री का म ल गृ हा हा न न य त्रि क र्ण श या व ची त इ र्वा ड त्रि ड य नि र व ना व द या द र प्रिय पा
 र्वा ती द वी आ व क न भू य हा मा अ वि श्व त वा ना व ना य नि स श्री ३ स हा नी य न भ ग्वती या ध र्म वृत्त
 या र व क ना न न हा ग त पा ना ल स क र श्री म हा द व न आ हा द य का व थ न श्री पा र्वा ती द वी न भू
 य हा मा भू नि आ ना र ना या ना व भू य हा मा अ धी य न य नि ध न क स व या व वि न ति या
 त र्वा र व नी मे क न क नि मिहि न क्रि य नि आ ना र ना या स्य वि का ना ध र्म श्री र व नि म क र
 या च त ल स हा क य या व ची न थ व स स श्री पा र्वा ती द वी न आ हा द य क ल र स क अ धी य त
 द स्य वि का क न क धा स सा क स्यात् य नि स म नू ल म सा ग त पा ना ल स व ना व र्ग क २ इ
 रि द त्रि ड या यि स नान म इ ध य नि स थ ध र्म वृत्त या वि ध न क र्वा क क ना व उ य द न वि या
 व ना थ मा ल ध क श्री पा र्वा ती द वी न श्री ना ना य न न आ हा द क र्वा ३ स हा नी या र व स क अ वि
 य नि स आ हा द य का व थ न स क अ वि श्व त य नि स न श्री म हा द व पा र्वा ती द वी या च त ल

सदा के पूया वृषदक्षिण याना वृषदा का या वृषन न ज्ञान न शया वृष मृग मृगल स का हा वि का
 न ॥ धनंति कृयादि न स श्री महादव न श्री पार्वी गीदवी या वृष न आ हा दय क स्य वि का न श्री प्रिय पा
 र्वी ना का ल द स जि न के ला म या च री म या ना नृ न्य श या वृष न आ वृ मि जी स न पि ना ह मा ल य या के व
 दा न न नृ था ध क श्री महादव न आ हा दय का वृ ध न श्री पार्वी गीदवी न दऽ मि वृ ष नृ यो ध क स्य
 श्री या वृ च न न ना वृ श्री महादव श्री पार्वी गीदवी नि कृ ह मा ल य या थ य स थ न का वृ वृ दा न न
 रा पि ना ह मा ल य या म ना म म आ वृ जि प नी वृ न न ला वृ दा वि स्थ वि का न ध क ना का ल द ना स ११३
 गीदवी म द या वृ के ला म नृ न्य श या वृ च न थ न आ नि मि हि न न जि वृ न न स व दा वि स्थ वि का न
 न ध क आ हा दय का वृ थ न श्री महादव या वृ च न न ना वृ म न स मा हा ह र्ष मा न श य का वृ य वृ न
 मा ना जा ह मा ल य न वि नु नि या न ला नु ला क ना थ क स्या ल स न जि त पि ना ध क आ हा द य क स्य
 वि का य म न शो य त म य त न गी म को टि द व ना या पि ना म ह क स्या ल श या वृ जि न ज्ञानी न

१४

अथ यो न

धया थ जि त भा ह न ना क पू य का वृ न या वृ जि त पि ना ध क आ हा द य क ल रा ष्ठ म न आ वृ जि त ह नः
 स द क्षि ना वृ ष न ना स या द न वि का य मा ल ह न स दा का ल क स्या ल या ना म जि नृ ग ल स थ न का
 वृ ष स नृ श स्य वि का य मा ल श म मि ल य त न आ वृ क स्या ल नि य जा या य ध क ध या वृ ज न ग सा मा श्री
 ना ल ना न का वृ सु व र्ण या सि हा स न स वि का न का वृ श्री महादव श्री पार्वी गीदवी वि का न का वृ नृ न ग मा
 थ न पा दा र्थ ह सा र्थ म धू प क वि या वृ थ उ ल य च न ह श्री मे नी ग क न द जा या ना वृ ना ना य दा र्थ
 द य का वृ वृ ष आ दि त ल म ही मा लि क मि सा न नि य का वृ ला ज न या न का वृ थ म न रु य थ रु की न
 प ध्वा न या ना वृ ला उ या न ला प त म य त श्री ह वा नी न क न ध म य २ जि ला न्ध क स्या ल वृ जि का न वृ च
 न स ना वृ जि न न स ज री आ न न द रु ल ग थ ध ल सा की न सा ग न स मृ ड स श्री ना ना य हा वृ श्री ल की
 वृ च न वृ ल स ग थ स मृ ड या हा रु रु ल अ थ क स्या ल स व ना वृ जि आ न न द रु ल रा मे नी न क न
 क स्या ल ग धि न क धा ल सा थ वृ म या न थ म न ना के द य का वृ म नृ या या मा या स ल वृ श या वृ ष

नगमा यमकिदा बिसा सयाना वविका कथ धिं ग्ग श्री र ग नी नी क न या च न ० हा ड मा म ह ग्ग न क्ख ल ग
धि द क्र ध ले सा स म् उ म थ न या क र्थे ल स का ल क र्ण नु म थ हा व या व द थि र ग्ग न न व ल स न्ध
ल स्य न का या व नू या व ग स थ ग स थ ग का व द व लो क र्थे य लो क पा सि द क न का या ना व वि का ग थ व
ल नी ल क ल्ठ र्ण ल थ थि क्क श्री नी ल क ल्ठ या न च ० ह न्द हा ० ग्ग न ग्री पु ना स न व र्ण र्ण व व ल स क ल
या ल या सा ग ग थि द काल सा द थि वी न थ च दु र्द स न च न्द सूर्य य ल चा क उ का सा न थि स म्
प र्व न ध नू व ० न व ना न लि ग्ग न श्री म हा वि कु र ता थ धि द क्क ल्ठ ल द न थ या या च क प र्ण क क ११४
या न सा ज न प्रि पु ता स न दे य भा च का व वि का क क्क या च न ० हा वि ग्ग न म्ग र्णि श्री पा र्व ती द वी र्ण
लं ज ग ल्ठ ना श या व चान क्क जियु दी श या व जि व क्क पा द न वि का ग थ धि क्क क पा या क क्क या न स ह ०
हा श्री श न ना य क क्क ल्ठ ल उ क्क थ या क्क य म्ग य नि धि या क्क स क सा ग र्ण क्क व र्ण ज म्ग पं च मा
हा ह्ग न्ग नि लं ज न नि रा का न ना ना य हा ह न्द स ल ग्ग हां ग जी ग्ग हां ग मा ग्ग हां थ स ग्ग लि ग्ग न न
या ३

कु र लि श या व वि का क क्क या न च न ० हा म्ग ज य म्ग य म्ग ल्ठ क्क ज म्ग द व ना या ज म्ग द व ना
क्कं का ले या का ल द व ना क्कं ग्ग ल या ग्ग हा श या व वि का क क्क ध र्म या ध र्म क्कं ग्ग ज या न क्कं ग्ग नी ग
का टि द व ना या द व श या व वि का क क्क या न च ० ह न्द ग्ग वि सि ति संहान या क र्ण क्कं ज म्ग थ य नि ना
थ श या व न्ध न क्कं वि ग्ग न म्ग र्णि श या व वि का क क्क या न क्क ० ज्हा दि म्ग ज्ज न म्ग ज्ज न क म्ग र्णि श
या व वि का क क्क ० ह न्द ज्ज व स क्क सा धि य ति द्वा द म्ग दिं द ग दि ग्ग लं थ व क्क द म्ग द क्क पा सि
या ह्द य वि का ना व पा य प्ण या सा धि श या व वि का क क्कं क्क ल्ठ ल थ धि क्क श्री ग्ग न या च न
न क म्ग ल स का ठि र न म्ग ल न हा व व र्ण क्क ल्ठ ल या म हि मा जि न का य सा म र्थ म्ग ज्ज क्क
च दु र्द स व क्क न सा म र्थ म्ग द दा ल कि क्क दु थ ल व न्ध न क्क ल्ठ ल ग या ग म्ग म्ग जिव ह ल या
क्क सा म र्थ द व्ग व र्ण व र्ण क्क ल्ठ ल या ना म ज य ध्वा न स दा का ल जि न ग ल स थ ग का जी
द मा पु स क श य वि का य मा ल्ध क्क ज न ग मा थ न क्क ज या ना व क्क ज या ना व मि र्ण न ह र्ण वि हा
स ग्ग

यकाव विनमियानाव चान स्याद श्री महादेव नह मासय या र कि ख ना व आ का दय क सा वि द्या नं हा पर्व ना धि
पति धन्य श्राव जिगृहि नाम जय ध्यान सुदाने कृत नृ गले स ग्या वे नि व थ व स स कृत न के ला ग य द वि
लायी व श ह मास य ध क आ दय का व वे दा का व वि द्या क र स थ न ह मास य न श्री महादेव श्री श्री
पार्वती देवी न क स्या न वे दा विया व वि का ग क ले ॥ धनं लि श्री महादेव या मन स ह र्ष मान या ना व
व व र ग या व न नी म का टि थ व प नी स न लि ग का व के ला ग स अ हा वि का क थ व स स श्री महादेव
न मन स ह र्ष मान या ना व श्री पार्वती देवी व स ख न र व क्ता ना ज काम जी ज या ना व पु म थ ग न य निः ११५
स न ड य का व प ध आ न न्द न के ला ग स वि द्या नं ॥ ॥ धनं लि गृहि कि नं का स न स लि च क या
दि न स श्री पार्वती देवी न का अ स चा ना व का स न व या व वि द्या क व स स का स न व य ध न का व का
स सि का या व न र्क क गृहि द य का व जी व दान वि द्या व म्या ग का व सु खा पि व न दा न स ग या व श्री
पार्वती देवी न आ दय क स कृत न थ न का अ स स व स स न स क या वे ह य म द ध कं स र वा का स

विक्रम गतं च वत्सु श्री महादेव नका अस्मद् हा विद्या यतन च सु या व विद्या नान क्रम गतं इ
 हा विद्या यम इध क क क य या न च सु या व श्री न हा दे व न च व ना य लो ना व महा यू क या ना व
 लध ना व का अस्मद् हा विद्या गं थ न श्री पार्वती देवी न श्री महा दे व इ हा विद्या क र व ना व द सं विः
 कानं शा पु पु श्री महादेव क ल्या त थ न का अस्मद् विद्या ना लु खा का स या न म इ ला ध क द ना व
 श्री महादेव न आ द्य द य क ल शा श्री पार्वती क न का अस्मद् चो न क्र या न जा जि न स्या ना ना थ
 धू न ध के आ द्य द य का व थ न श्री पार्वती देवी न वि न मि या न हा स्वा मि श्री ज ग दी श्व न व क्र जो जिः
 का य थ का ध क वि न मि या ना व थ न श्री महादेव न आ द्य द य के त जि न जा म सि या आ व ग थ
 या य जि न का पू ग ह थ्वा न के ना थ या न जि व दान वि या व म्मा न क मा ल ध कं हा रे ला व नृ य ना
 स न दे य व ना य सं ग्र म रु व रे स स्या ना त या क्र कि सि या कं ले क ना व म्मा न का व थ या ना म श्री
 ग ल्हा म ध के ना न कृ व श्री पार्वती देवी या का य ध क उ कान रु या व ची न ॥ ॥ थ नं हि श्री महादे

वृषी पार्वती देवी व काम की जया नमो का अस व स्रजान न न विष्णो न ॥ धर्म सिद्धि नीम कोटि द व का या न
 जा न्ते न न्निद व ता न न कल का या व जहा द य का ला ज नि द व ता थै स सा न उ द्वा त या य नि मि
 र्ति न जा ग र्त्त ना या ना व र या ज रा ध क श्री महा दे व को थ स र का नो ना व पि हा म वि का क ज रा ध क प
 ली व ना व पि न का या व हि व ध क भ या व ज नि द व ता का न ॥ ज नि द व ता न द व ता ज न्ते द या क व
 ज का या व व नं ॥ थ व ल स का थ या का स न न स चो कि दा त रु या व न न स श्री ग ॥ १ ॥ न व न्म स
 थ क ज नि द व ता म को स ग लं ॥ थ व ल स ज नि द व ता न ना य थ रू प रु या व का थ या का च यो ॥ १५
 ले न इ हा व ना व रि क क रू प रु या व द न्म ॥ थ न क ल व नं ॥ थ व ल स श्री महा दे व श्री पार्वती देवी व न्म
 रु या ना व नो न व ल स श्री महा दे व ज न्म क को ध रु या व रु थ या य न नं ॥ थ व ल स श्री पार्वती देवी न
 वि न मि या न ले थु श्री महा दे व ज नी त रु थ या ग रु या व रु न व रु क या रु ना स या य म न व रु ती
 लो मी क व लु थ व क द न उ ग ति व लु रु न वि या व रु का व ध क श्री पार्वती देवी न वि न मि या ना व थ न

श्री महा दे व न श्री पार्वती देवी या व च न रु ना व थ व ती र्ज क या स ल का या व रु व ध क वि य व रु का
 नं ॥ थ व ल स ज नि द व ता न वी र्ज क या व रु या व वि लं ॥ थ न या व रु का या व ज नि द व ता या
 ग र्त्त स द या व ज न थ रु स ध क रु ना व गं ग नी न स कृ ग लो स का या व नं थ व ल स थ
 ग र्त्त वि र्ज मि को या व ना नं ॥ थ नं ति स फ ज वि थ त या क लो न व रु कृ ती प ली गं ग स मी रु
 कृ य या न व नं मा ल रु थ ध न का व रु कृ ग लो स मि को या ना न रु ना व मि जी स चि क ल मि को
 य का वं न ल रु या सा मि क ल व न न रु या ध क भ या व रु कृ स न ध लं मं व या मि क य म न व ध क
 भ या व रु कृ कृ स लि हा व नं ॥ थ व रु की रु कृ स न ज क मि क रु व नं ॥ थ प नी व रु कृ व रु नी
 प नी स ग र्त्त स द या व रु लं ॥ थ व ल स व रु नी प नी रु ना व ज रा ध क थ या य या सा ध या व रु व नं
 थ प नी कृ थ ना व स फ ज पि य नी स न द नं रु व रु नी य नी कृ प नी स ग र्त्त ग र्त्त स द न ध या
 व थ न व रु कृ ती प नी स न वि न मि या नं रु थ रु रु मी जि य नी स न न सि या भ या भ या व थ थ न

बाधमश्यावे सत्यमसियाध्यावसुप्रसिद्धमत्रनअपविलंरुद्रकनीयनि कयनिप्रकाशसुवा
 सकयमासुधकअपविलंथवससबकनीधुक्रंगंगसुआयावगाभवप्रकाससथहावेना-
 नागागहासखाधुकोउरुध्याग्रनगुमिश्यावेथानवनो॥॥धनंतिधुक्रुनीयनीसन
 आयावगयागुसिवीर्यनेकमात्रधयाक्ररूणलेखालेहयावगंगनउत्यक्रिहयावगंगया
 पूजधकधयाकावधानधवसुश्रीमहादेवश्रीपार्वतीदवीनंभूसेनधकमानकायावकेला
 असपप्रजानन्दनश्रीमहादेवश्रीपार्वतीदवीश्रीगंगदवीश्रीगलामकुमानतथावधानं॥११॥
 यत्रिनवधिकलकयाववेसं॥॥धनंतिधुग्रसिधुवसलसुगानकासुनधयादेवनेजमना
 वतीनलावगलगाकादयावगनीमकोटिदवगायागगाहउहदवलाकसकसंथानकले
 कायावेसंमधनयागहादवलाकमित्रीसभ्रमनावनीलिसोनेकयाकउपायदगीकधाला
 श्रीमहादेवयकायकुमानउत्यक्रिहसुभ्रमश्रीमहादेवयाधायसुवनावविननियासुया
 धकहउनआह्लादयकावेदवलोकेपनीसनधालादवगाधन्यंकेलेयासुसुखरवडा

गवधकसमधनयानावेहउउरुतिदवलाकश्रीमहादेवयाधायसुवनावहथजीनसयावेविननियाः
 गंलसामित्रीमहादेवजियनिनकायानावविद्यायमासहात्रकासुननामदेननमित्रीसभ्रमला-
 वतीनलावगलगाकादगहाश्रीमहादेवश्रावत्रकायासुविद्यायमासधकधवगाहनविननियाः
 करवनावधनश्रीमहादेवनआह्लादयकसहादवधुआवकयनीलिसाविद्याकनधुग्रसिउपा-
 यजिनयायआह्लादयकसुविद्यानधनधवलाकनवेजकायावसिहाविद्यागं॥॥धनंतिश्रीः
 मदेवश्रीपार्वतीदवीनंभूयप्रजानन्दनवानवेसुश्रीमहादेवनश्रीगलामश्रीकुमाननंभू
 सुलगावआह्लादयकसुलपूजश्रीगलामकुमानश्रावकयनिनंभूसुभ्रमउलरुनिधकश्वक
 सुनकायाउलावेवयरुनजक्रयागवत्रउसादवियधकधयाववदाविद्यावकीनधवसुक्र
 मात्रनसुसागलाननसुभ्रमपर्वगउलवर्नश्रीगलामशकाथवकेलिहावयावमहाध
 धकायावधानंधवसुधवकाहानहयावधानंक्रतीकनधयालालामीश्रीगलामकायधध

काह विमानाधक नी च न विन निया ना व श्री ग. लोम न ध व बा हान या ह व न धा या हा वा ह न नि कृ तिनः
 ग. थ या य जि वा य म रू. धा थ त व ग ५. स्व ल गा हा क. हा य म रू क इ नं ति कृ जा त. क मा न या क स र्वा
 वा हान वा स व न रू थ म जू नी व न ला क ध क श्री ग. लोम न ति कृ या त म मा व थ न ति कृ न वि न नि
 या मं हा उ कु श्री ग. लोम क र्णा ल या त जि न दान वि य ह स वि का द न क र्णा ल सा श्री ग. दी ग
 त श्री द बी पा र्व ती गं ग थ स क चा नि व ल स क र्णा ल वि का ना व मा म व वृ स क वि का यी व ल स हा ११८
 थ जा ग ल पा व स च उ ला व आ द्या द य की व जि न जा स म न उ ल म रू या. स म न् अ स म न् क र्णा
 ल रु का सिया ध उ प द म ति कृ न स मा व क र्ण थ व ल स ति कृ न स ना र्थ थ व मा म व वृ गं ग स
 र्वा हा व चान थ य स व ना व हा थ का ग ल्पा व स च क उ ला व हा क वृ या व र्ति न ति या त श मा ना
 वि ना जि न जा स म न् ध या ग र लि म सिया अ स म न् ध या ग र लि म सिया क र्णा ल रु का सिया क र्णा
 ल म वि का क र्णा ल ग र लि थ म स स म न् रु यी ला क र्णा ल वि का क न थ का स म न् प र्व त रु ल ध कः

अ या व हा क वृ या व र्ति न या ना व चानं थ व ल स श्री म हा द व न श्री ग. लोम र व ना व म हा र्वा सी रु या व आ द्या द य
 क र्ण हा वृ उ श्री ग. लोम क प नी दानि र व ना व व त प्र सा द वि लं र्वा र्ग म ध या ता ल सं क न न का पां वृ जा म या
 स्यं स नानं क र्ण का र्ण या यी वृ वृ क र्ण का र्ण अं ग ५ रु क य मा ल क न न का पां वृ जा या क क र्ण का र्ण या यी वृ वृ
 क र्ण का र्ण या त स नं हि डि रु य मा ल ध क व त दान वि या व म् अ म ल ल स रु का रु या वृ चान क नि ध
 क आ द्या वि या व क र्ण ॥ थ नं ति क मा त रु का स म न् उ ल व ना व लि हा व य म रु या व चानं थ व ल स श्री
 गं ग न श्री ग. दी ग त या क वि ने निया त रु श्री स्त्री ग. लोम या त रु का व त दानं वि ल जि का य रु का
 लि हा म व नी ध क वि न निया ना व श्री म हा द व न आ द्या द य क र्ण हा वृ य गं ग क न का य क मा त क थ स
 त वृ क र्ण या व लि हा व य म रु या वृ चान र व वृ आ व क न का य न न नं लि हा व य क या ग उ पा य क र्ण रि
 या व क उ पा य आ ल सा श्री रू ल्हा नी प म म श्री या ग र वृ ग या व ध क आ द्या वि या व थ न श्री गं ग न
 का य न ना नं लि हा व य मा ल ध क श्री रू ल्हा नी प म म श्री वृ ग द नं थ वृ ग या प्र सा व न क मा त थ न
 क र्ण व र्ण थ नं लि श्री म हा द व न क मा त या ग व न वि लं र्वा वृ क मा त थ गि र व न स क न न रु गा म या
 या २

संकं कार्य जात व क्रया कार्य सिद्धि मशय मास म्भ क्रस न क न त जापो म्भ जा या न व क्रया कार्य सिद्धि कय;
 मास धक वन पुसा द वि या व म्भ म्भ ल स पू जा द य क ल को या व ह ल ॥ थ व ल स श्री महा द व श्री पा
 व नी द वी श्री ग म्भ द वी स म्भ ज्ञान न द न वि का क व ल स द व न ज म्भ न्द न नी म्भ का टि द व न न लि न;
 का व श्री महा द व वि का क थ य स थ न क ल व या व वि न ति या त श उ श्री महा द व जि य नि न
 का या व र न का का न द ल ग न का स न द य न ज स न व नी क ला व न व र्हा श्री महा द व श्री ज य व ल ११६
 क र व ना व द या उ ल्य हि क र्थ वि का य मा ल ध क वि न ति या ना व ना तं थ व ल स श्री महा द व म्भ
 का द य क स वि का न श द व ला क क य नि स न ना न का स न द य स्या य रु यी व म्भ जि य उ क मा न त
 रु का रु यी व श द व ला क य नि आ व क मा न सा न थि या ना व म्भ नी म्भ का टि द व ला क रु ना ल व न मा ल
 ध क श्री का द य क स वि का ना व द व ना ज म्भ न्द न क मा न सा न थि या ना व द का द व ला क न थ व र
 ग ला स जा ना व ह ना ल व न या न ध न्द क पू प ला न या ना व न तं थ नं लि थ ग लि थ श्री ग ला:

म न वि का सि या व ति क्क या द व न धा या स व र न क ति नि जि न व न दान वि या ह ल थ नि नि सं डि न का का
 ल ध क रु ना ल व न या न जि न मा न य म या स व न न न ध क धा या व ति क्क न ध लं श श्री खामी ग ला स ध
 धा का य म्भ मा ल नि थ य या न म्भ नि क्क ला ल स न व न दान का या ग रि ली ल म न रु यी व भू का जि व
 ना व ल म न का व नि य ध क धा या व वं दा का या व पु ला न या ना व न या ध न्द स ति ल्म न क पू वान
 क मि र या ना व वि या व रि हा व नं थ व ल स रु ना ल ध य या ग पु ला न या ना व न या ग रि व ला का ल
 व न ना स न लि ग व न क म्भ च न रु ना व न ल थ व ल स महा द प ड रु स ध क ल ल पा व चा न ध न श्री
 महा द व न स ग ना स न वि क्क रु ल म्भ ध क धा या व श्री का द य क ल रु द व ला क जि न श्री ग ला म्भ
 क म्भ धा य ला स म न थ थ न ल म न का व ति क्क व या व ल म न क ल व ल आ व श्री ग ला ग रु जा
 या न क ल को व ध क श्री का द य क स वि का ना व थ न द वं का क य नी स न श्री ग ला स रु जा या ना व
 ना य वा ना व ह ल थ व ल स ग नी म्भ का टि द व ला क न लि न का व श्री ग ला ग रु मा न द व न न या

हनालुवनें अवलस थवत नानागलाह जानावहनालका नवव नात्रका सुत्रदेखन लाय या न यात्रया
 नं थवतस दवलाकनव देयलाकनव पनाकनयन यथयार्ग महाकलात पूछ यागं नियकयास
 नानं चिधिंयययायन महाअथात्र हंममरु तं गथ यथयाग धातसा सिंहन सिंहला नाथं स
 वृत्तिनमरु यागं निगति समुद्रनापला लाव मलाकलात मरु शवर्ध ला जाववान रुत गथ
 धातसा थवत मरु अह रुयान रुयाथ प्रहान या नाव रुड कानाव रुतं थथ गाकात्र मरु न १२०
 जा नाववानं महाअथात्र न रुध रुतं गथ धातसा रवमरु रवमरु या लाव गजन गठादायाव
 प्रिगल नतिगल प्रहान यागं नियकया सनानं थवत प्रवार्ध दकवत पिवा याव देयलाक
 रुसयाव प्रहान या नाव देय या सना अदिक साना वं कां नं थनं तिगात्र का सुत्रदेखन जा रुनेध
 दीक स्याकर नाव तान का सुत्रदेखन या अगीकाध या नाव कठटट दन वा कयाव दवलाक यकला
 क गमवर्ध लाक रुस या व गात्रका सुत्र रुवान वन रुतं थवतस देखन दवलाक अदीकलाक

२५

मा ५

थथदवलाक सानाव देय गलन कलात कनगात कलाय व याव कोर्ग थवतस दवलाक दमदि
 मरु याव विहवनें थथदवलाक विहवन सयाव गात्रका सुत्रदेख थवत क व व स याव कन मरु
 लसां तान का सुत्रदेख या रुद य सवलात कय का व विलं थवला या प्रहान रुह सय मरु याव गात्र
 का सुत्र मरु की सयाव वानं थस याव दवलाक य रुगल गमवर्ध किन्नर थवमी सकलानं कलात
 नगात कलाय वी याव कोर्ग थन देयलाक न गात्रा मरु की रुव स याव देयलाक दमदि मः
 सस्यं विहवनें थति ग रुव रव नाव देवलाक न गी क मात्र धन्य धक गला वी याव वान थ
 वलस गात्रका सुत्रदेख या चे द याव स गे ना स्यं दवलाक य नि सन थ व स ना मी वी का व रुव
 रव नाव अथ क की ध ना नाव का उ क मि रवा क नाव वा कठटट दन कयाव मं चू रू रु याव रव
 या का याव रव रु वा गात का व विलं गी क माने न रव रुव रव नाव अकाश सुह मयाना व का
 नं क मात्रे न थथ देख मा च क स याव गात्रका सुत्र देखन क मात्र या थ न जा मि न क जी ना

ना ५

वगनकि जा जन भुवि विमल कल्याण वद वला कसं हात्र याते द व ला क मरि सि स नं हा य क मा न ध
 क हा त व क मा न या ग न स व नं ग र सिं थ व मी व न को या य न वि स व न थ व ल स श्री क मा न ल अ न
 क को ध या ना व न गी ग का टि द व ग न लि म का व थ व न थ क हा न य ना व ग न का स त द ए य न थ
 जा नि न क क्का ना व य आ न न भु लि नी य क का नं थ व ल स द व ग न ध न र क मा न ध क हा ना व
 थ व र ग लु अ लु प्र हा न या ना व को न थ स या व ग न का स त द ए य अ लु क न म चा या व नि य
 न न क ला व वा क ट ट न क या व ह य का या व द वं ला क य क म हा ग न्ध र ग हा कि न न ग हा सं हा १२१
 न या ना व हं लं ग र सिं हा य क मा न र ध क हा ना व वि स व नं हा य क मा न जि य नि न का या व र ध क
 हा ला व ल म ल ठ ला व पु मी सं च नं क मा न म थ व र स यं पा व क र व ना व प्र ल य का ल स ना ग न नि ग्ग
 स न या थ अ लु क न का ध या ना व क्का या इ ग न कि व ल न क थि का या व ला हा ग स च उ वा न व ल
 र्ध थ का या व क स पा न ध न क लि न न सा ला व पा यि ह नो न का स त द ए य व य व न लु क्का ना न

को नं थ व लाने ग न का स त द ए य स या व व ना व ग ल य ग स क मा व र्ध ल मा क ध या व वि लं थ क
 ल अ मी स र य ग न थ स या व श्री म हा त उ न आ का स र्ध क या व का लं थ पा यि हं क पु मी स र
 ना व ल म ल ठ ला व कं प मा न ना ल थ व ल स द व ला क य क ग न ग न्ध र ग न कि न न ग न
 अ न वि म चा दि य नी स न क हा च न ग न क ल य ग लं थ ग र सिं थ या व ल ग न का स त द ए य
 स ना द कं थ व र थ य स जि व न का या य नि मि र्दि वि स ग नं थ व ल स ज ग दी य त श्री म हा द
 व श्री वि म ल न क र्दि ना ना य न श्री यि न म ह व को द व ना क न्ध उ व क ति गी ग का टि द व
 वा य क ग न म ल र्ध ग न कि न न ग न अ क मा ग न अ क व स द म दि ग्ग ला दि स न थ ल र
 क मा न ध क क्का या ना व थ नं लि श्री म हा द व न द व ला क या क ट क मा व का व के ली
 ग स वि क र्ग अ न के ल ग स ध न का व श्री म हा द व श्री पा र्व ती द वी श्री ग म द वी श्री ग ल स
 पी क मा न भु त प्र न वि म चा दि न उ यं का व म हा आ न न्द या ना व र्ध उ व क ति द व ला क य

[illegible]

स प

ॐ कलाया मातु हा जि वा ज नु आदि नै सर्व लय नाग श्याव कू हल कस महा स र्षी श्याव वज्र लो
 क स केला ग पद वी लायी व ह न्वं महा पाप उ क ह थ म मि तु डा हि जे न म श पा य न क न सा न्वं द के
 पाप नाग श्याव तदि ये म नी न श्याव ग ल्थ पी पा र्व गी द वी न ग्री महा द व र्षा मि ला ग जे र्थ थ
 गति व न या पू र्ण न के ला ग पद वी लायी व ध कं श्री का कि के क मान ल ज ग ल्प म नी ग्व न या
 ह व म आ हा द य क स वि का न ध क नू न ना म म नी ग्व न म म नी न का दि रे य चो दा त म नी ग्व
 न या ह व न आ हा द य क स र्षा ॥ ॥ ॐ नि श्री ख न्द पू र्ण ता न का न ह न व ध क थ ॥ ॥
 ॥ श्री ख न्द उ व च ॥ ॥ कि न्द कू मा न हा ज ग ल्प म नी ग्व न या न क नं र्षा ज ग ल्प म नी ग्व न द ना क न न
 क नि कू या ना व ध क क नं र्षा र्षा र्ष क न ध न आ व पा ना ल या र्ष क न द ना र्षा म नी ग्व न स क पा
 ना ल स ल्थ कू र्षा व र्षा न गति न सा न न ध या म नु ल स ना ग ला क व र्ष ल पा व र्षा न थ ना ग ल्प क य
 नी र्ष क ग थी न धा ल सा म नी मू का दि न द य का व न या महा म नी ह न ज ग ल्प श्याव ल व ना ग ना जी

या कहं चं मही मूकादि या नूनन नागनाजाया हं चं मही मूकादि या नागनाजाया नूनन नूनन
टक नागयां पत्र नागयां मख पान नागयां कसी क नागयां तह क नागयां उधं के ह नूनन व नूनन नाग
नागयां कं मही मूकादि न दय का व नया थन न व नागनाजाया भा म रुया व नान न साग न
स म लि मूका न दय का व नया म लि स स म हा जा ह स म न रुया व नान सूर्य यां चिन म रं ज क
या व नान नागनाग य थय स क स ग ति या ना ह स थ ह रुया व नान थय स प म स र व न नूनन
ह नूनन नागनाग थ प नि क सान नागी नी य नी व स स पा व नान थ ना गि नी य नी ग थ चान धा न सा १२३
म लि मूका न दय का व नया कं स रु या न २ थ मि स न ति या व ज या मि न व नान स न का व रु या व नोन
न थ चिन म ना ह न सान स स म हं स य के ध न स म हि य नि य नूनन रु या व नान थ चिन न लि थ
य स स महा इः सी द त्रि ड रु या व नान स स र व नूनन थ या ना म नाग थ या क सान ह ना व नी ध या
नाम नागी नी कं स महा स र व दि रु या व नान ह नूनन स प न थ या ना म नागनाजा थ या क सान न
ना व नी ध या ना गि नी महा स र व रु या व नान न क सी प र व रु या व नान ह नूनन रु पा द रु ध या ना म

नागनाजा थ या क सान प ना व नी ध या ना म ना गि नी न क सी प र व रु या व नान ह नूनन रु पा द रु ध
या नागनाजा थ या क सान स र व नी ध या ना म ना गि नी न क सी प र व रु या व नान न साग न स
व स ल वं चानं थ म क नाग ना गि नी थ प नि महा द त्रि ड रु या व दे व या स रं ग न क रु या दि
न स न य म द या व महा इः रु रु या व हा हा का न न हा ना व नान थ प नी य म क स नाग ना गि नी
क स स ३ डा व रु न य म रु या व महा स क रु रु या व थ व रु स ३ डा चान म रु या व नोन व
नूनन नागनाग रु रु नाग रु पा द रु नाग रु नाग नाग थ या क नागनाजाया नूनन नागनाग
या व थ क नागि नि क महा ह नूनन को रु या व थ रु रु या व प र द म व न माल म क म न न क स
या व थ क स या सा रु ति या ना व ना गि नी प नि रु रु नाग रु पा द रु नागनागनाजाया नूनन नागनाग
॥ ॥ नूनन ना गि नी य क स यां चि चि सा रु ति या ना व थ या नागनागनाजाया नूनन नागनाग
व नूनन क स रु ति या ना व थ या नागनागनाजाया नूनन नागनागनाजाया नूनन नागनागनाजाया

लहसो नन आध क धाया ठ. दः ध क धाया ठ. ह नावती. नलावती. पलावती. मलावती. थय ननामि
 नी गृह सदहाव नाव दः रसि याव पाप या सागन सुसु इ स प द न पाव महा अ धा त स सु ड स
 ची नाव चीन थ थ ची ची मि मि मि द द या ठ. व ना न थि थि थि चित्र या य म रु या ठ. महा पा प
 या हा ग या नाव चीन श ल व ल स दे व या ओ ग न ग ग ल्मा ना श्री पाव ती द वी न ची ह ह व
 प्र थ थ मा अ धी य त न थ स क पा ना स सु इ सि द त्रि ड रु या ठ. चीन प नि ड चित्र या य ध
 क न हा ग न म ल स ना ग श क चीन थ य स थ न क ल व ना व (म थ ना ग ना जा या म दि ल स २४
 व ना व द न हा (म थ ना ग ना जा हा वा मु कि ना ग हा न क क हा क क ठि थ न ग न स ना ग लो क
 स. सु सु इ र्वी द त्रि ड द व ध क अ थ थ मा अ धी य त न द ना व थ न ना ग ना जा (म थ ना ग न
 धा हा अ धी य त थ न ना ग लो क क ल यं इः र्वी ल न म इ म हा सु र्वी रु या ठ. चीन न चीन व नि ज क
 इ. धी या ठ. थ न अ धी य त प नि चि रु अ न्दी ल या ना व चीन थ न थ थ चीन सु या ठ. (म थ ना ग ना जा

न धा या हा अ धी य त थ द म स जां स इ र्वी म इ द म या बा हि ल स रु क जंग त स ल ह या ग हा स
 चीन प नी सं ख र्म अ दि थ प्र रु क म हा इः र्वी द त्रि ड ध क धा या ठ. क ना व चीन (म थ नं ति अ थ
 हा मा अ थ य त द म बा हि ल स ना गि नी य नी ची न थ य स थ न क ल व ना व स ल ना व चीन थ न
 ति ना गि नी य नी ल न स न रु स ल ना या ठ. म क्का २ पि हा व या ठ. ल न ना थं अ थ थ मा अ धी य
 त र व ना व ति न मि या गं हा अ थ थ मा अ धी य त क्क जो हा द य क स वि सी य न रु ल थ न वि
 हा ना धा या ठ. ना गि नी य नी ल ल व ल या ठ. अ थ थ मा अ धी य त न जो हा द य क स हा ना
 गि नी य नी जि न इ र्वी द त्रि ड प नि ड चित्र या य क ध मि थ न व या धा या ठ. थ य न ना गि नी य नि
 प्र सि रु या ठ. हा ग ना ज ल्मा ठ. वि न मि या गं हा य त म थ त अ थ थ मा अ धी य त ध न र रु ल
 या ल ध न्द जि य नी ल ल गं इः र्वी द त्रि ड र व ना व महा रु या इ ध न्द जि य नी ल ल गं अ ठ. पु नि

जियनिऽ द्वात्रयस्य लद तत्र कथं याव अष्टीशत्रयात् मा लका प्रादने लावन लासा सुवि कागकावन
 संथन अश्वत्थ मा अष्टीशत्रु न नागिनी यनी दूखी खनावे अष्टदय क सं ले नागिनी कृ य नी स
 ने उकचि रु रु मा व हृचि य वि ज्ञ या मा व रु मा पूर्व का ल स हृ य म स हं सा ह य य वे न या मा
 र श्री पा र्वी द वी न श्री महा दे व पू र्ष का य नि मि र्दि न द ना गृ ति श्री ३ स स्का नी पत्र म श्व ती
 या ध र्म वृ त्त न कृ य निऽ द्वात्रया य ध क थू गृ ति रु प द म क द व या ला ना गि नी य नी चि रु त्त १२३
 या व द ना का वां पोष गु रु या पू र्ष मा सि य नू ध र्म वृ त्त जा न पू र्ष चि रु मा या न म त वि य श्री
 र्थ या न म त वि या व क्ति थ न स्ना न या य प्रा त का ल स श्री महा दे व पू र्ष या ना व क्ति न च पू र्ष वार व
 न ला य ध न का व पा न न या यं य थ ल कि नं तु रु या ना व चा न श ना गि नी य नी स चि द न ना
 स मा य गु रु या पू र्षी मा पू र्ण न म न म हा य वि गु रु या वे थ म न रु क सा मा श्री ना ल स न का

३०

श्री गं ग जल न स्नान या च रु धी ख न्द च न्द न सि न्द्र न त्र क च न्द न ना ना ह ग न्ध स्नान मा ला द य
 ना व का र वा य क धू प दी प ले य ध रु ल ना म्ब ल ग्व र व लु द कि स म का य पु न म त चि या
 या अ र्थी ग म धि म त चि या या न ग म ल ग म कि या कू ट ग्व च म त चि या द ल स्नान म त चि
 या पू ज ग म का म त चि या ग्व उ अ क न ग म कि या ना स्नान द य का व श्री ३ महा दे व श्री पा र्व
 दे वी न पू या न का या व अ र्थ वि य थ म न रु क ज य ध्वा न स्ना न या य थ गृ ति श्री ३ स स्का
 नी य म श्व ती या उ सा द न कृ य निऽ र व दा त्रि पु न ना ल ना वे कृ य नी स सा मि जा ग ना ज थ
 न क ल रु यी व भू का ध के धा या व थ न ना गि नी य नी स न वि नं ति या नं ले अ श्व त्थ मा अष्टीश
 त्र अ श्व त्थ ध र्म वृ त्त क ल वि द्वा ना व जिय नी रु ध र्म वृ त्त द न क स वि द्वा य मा न धा य व वि
 या च कं ग लं थ न सि धी व गु रु या पू र्षी मा पू र्ण न म न रु क या न का व क्ति थ न स्नान या न

कावृत्ति न केव वा खन इ न कावृत्ति संसृति रया वना य उ कया वृत्ति मा कुरु श्री १२ स्वस्ती पुत्र
 मन्त्री प्रजाया त कावृत्ति नातिनीय नीहिन अथ य म अथी मन्त्र प्राहि न या ना वे प्रजा सं वृत्ति र
 या वृत्ति प्र यातं लाप त म अथ क स्या ल याग काटि व न म स्ता त. नि तं जन नि ना का त क क स्या स
 अ गंत सं सा त या ध नी र. या वृत्ति न मं. मा या ल व पं क का स स न य कं दान ल रूप कं अ हा ति य
 नि ग हा न वि वृत्ति म या जा त म इ वि दाना व मा या ध य का व चान कं जी वा ला या कं द स चा त
 व र व लो क कं. य का य उ या अ धि य मि ध या कं गृ वि ति मि सं हा त र या व चान कं ह प त म अ १२६
 त. दि न के स्या ल या ला प्र या य गृ ति सा म र्थ म इ त्रि या वि नी या प्र जा न स नु क र या वृ वि का
 य मा ल ध क ध या व चानं ध व न नु गी स र्क अ वृ श या वृ न नं ध नं ति पू र्वा दि म न द म स
 र्क बा ग अ श य का वृ श्री १२ स्वस्ती नी य त म अ नी य य क र या वृ अ हा द य क त ल ना ति नी क य
 नी ह न क र ना ना रान ध क अ हा द य का वृ ध न ना ति नी य नी ह न म हा वृ र या वृ ना ग

ॐ स्वास्ति श्री ३ स्वस्ति नी पत्र मंग्यत्री या क विन गिया गं रा यत्र मंग्यत्री आ वृ डि यनी इ की दां ति
 उर ना वं हन्ति डि यनी स्वा मि ना ग रा जा वं हा न का वं उ चा त रा द न पु स न्न रु स वि का य मा स
 ध क र्णा नं थ न ना गि नी य नी ह न र्णा न व न श्री य त्र म ग्य त्र न स्व या व त थ म लु ध क च मि न
 व त्र ना न वि य ध न ध क आ ह्ना द य का वं प र न नं जं न ध न रु या व वि का गी ॥ ॥ ॥ व ल स
 ना गि नी य नी स म ना वां का सि डि ला ना वं स्वा न को का या वं यो न व ल स श्री ३ स्व स्ता नी प त्र
 म ग्य त्री या प्र रा व न थ वं २ स्वामी ना ग रा क ध न क स वं व र ना वं ज री ह र्वा मा न न ह
 ना २ स नं क म न्द ल र्णा ना वं रु नि चा य का वं दू ग वा न य ना वं ला सा स न या वं श्री ३ स्व स्ता
 नी प त्र म ग्य त्री या ध र्म वं नं या ग र च न स्वा नं या वा अ थी न म धि या पा न ग्वा स या कू न ग्व
 च या दा त्वा न यी रु ण ग म का यी ग्वा उ र क न स र न स हि त न द य का वं थ वं २ स्वामि
 ना ग रा जा या न स वं क्ता ना वं वि र्ध नं लि ना ग रा जा थ क्क य नी ह न म हा ह र्वा मा न या ना

नमिनाना प्रसिद्धि विना य क न प्रसादय क लो निव र क बा क ल थ नि न व्या क मं ग ल व न धू न
यान म सदा या थं जि क ल व व या व जि क व न क व ल व थान उ र लि व लु का या व क य न व व
ग नि ग द न थ य क य या ना व थ क म न उ ला व ल व क न ग ध न र्त्त य नु क या व व यी व ध क व
न प्रसा द वि या व म क म न क या व वि श म थ रं लि नि व र क बा क ल स ती ना म व क मी व सी र
या व कं लि हा व न थ नं लि या क क क न स वा ह मा ल को सा मा यी ना ल ता ग का व स दा या थं
प्री ग ल म य ज्ञा ना व ज य म न ला प्र या य धू न का व ल न ना म प्री ग ल म या क व न ग व ठ जा
क व ठ र व ना व प्री ग ल म या प्रो हा थं ग ठ जा का या व थ कं लि हा व या व वा ना स ग या व थ म
क य ना ना व रं लं थ क व न उ ला व ल व ना म स व नु या ग व ठ जा क या ठं थ नं थ नं लि नि क
सी य र व या लु या ग व ठ जा र व ना व म हा ह वं मा न या ना व थ ल ग व द जा का या व न न क क व
पु न ग व ल द य क ल ह नं थ ग व ठ जा या प्र ल व न का ठ न का ठि ध न रं ल्य दि श या व ह नं दा ल र

च ल व नि नी प नि द य क लं ह नं दा लं र सा म न द य का व प्री ग ल म या प्र सा द न ध न ल श्री सं व
लु र या व जि ध न र व क ल य नी ला ज न या न का व ह न का पा थ क बा क ल नि व र क या कि न क स
ला कं स लि का लो ना व क म द म न ला ग का व थ न प्रो व र म ग य द र्थ द य का व स दा न र दी
न द य का व ल ज न या ना व थान थ नं लि नि व र क बा क ल न थ व क ल म स ती ना म व क मी या क
व न म या लो व क सी प्रिय थ ग र लि ज न म स म हा द नि द रु या व म न क ल प्रो व नं लि व नं जि जी स
न ध र्म या य न्था ध क ध या व प्रो व र्थी सि डि दा ना या क पा न र व स वि लि ला य ध न थ ग र लि ज न
स क ना व न य म र न सा ह नं लि थ ग र ज न म स म व थ ल ग या य मा ली व ल व क मी थ न न गं ग स
मा ल क या व कि न ल र व कि ध ल र व नं दा न जा क ल लि क क व नि ल द नि द प नि रु दा न धू न
या य न्था ध क ध या व थ न थ व र व य या व च न द ना व स ती ना म व क मी न ध या ल प्र धु नि व

रुपाकावधकायावधसुप्रनाववागनेश्वरुनथकाप्रयानावगीवधकककउसावस्यवकनमना
 नथमस्तुशयीवकननयप्ररुकाशयीमवपुगीशयीवकानभालसाकनयवजनेसगयातयामद
 धननपुगीशयीवधकवत्रप्रसादविहयिकानावमिवरकडाकडासासनसजरीवसीयानावः
 श्रीसिद्धिगुरुमलमभयानकाउभयनकायजायानावदुकीजयध्यानसागुयामावधीगलाभ
 साकवदाकायावकंसिहावनंश्रीगलाभजगन्नामकस्तुविष्णु॥ ॥ धनंतिश्रीगलाभया
 आकाध्याकुकुनानोपदार्थदयकावमिवरकडाकडासगीमिकस्त्रीप्रमनसदायाध
 स्वावनंश्वरसश्रीगलाभयजायानावस्वतवससजनेवधनंममवनकरश्रीनसाके १३१
 कवस्वयावधानेतरनाहतासुनंवयदनावभमागयादुमिधयाप्रहीककयावश्रीगलाभ
 याआकाध्यामनंरावगयावभमागयातधाउभयनकायजायानावजयध्यानसागुया
 नावधानंभनहलीनसानसासलीरानहयावहताप्रसनंवयदनाववागंसजनागतसंरुया
 वकासंधनंतिभमागानेसासुरीविसधनकावभनकभनशयावविष्णु॥ ॥ धनंतिमिव

या पूरुश्या वं चानक्रधी गलाग या न यज्ञा या ना वे जयध्यान सोस्तु पाठ म न रु की या ना वे वृद्धि किं
 या ना वे कं तिहा व सं धनं ति कं ध ना वे क था स सा सखी न वधि सा व ल म मा ना न वि या सा सखी वा ना
 स न या वे वा ना न का प्र या वे थ य का प्र या ना वे त सं ध्य क्रु क्रु क्रु ज्ञा या ना वे र सा वे स्त न व ल स थ वा न
 स लो मे यं रं जी नं रं यां वं ची नं ग ध ची न धा सु सा ज र य न ह द ग्री क क्र कं न्या जा न र स ची न ग धि
 न क्र वा त क भ ल सा व की स र द ह न मं य क म धा न या गी ह र्य या थी न भ क थु ला व मि ला व न
 स्वा न या ह ल र्ध क म स ग न द द या पा धं ला हा न तु ति कि सि या स्त र्ध र्वा स य नु चे नु मा या
 धं क ऽ ल क्री या धं तु ति पा ल सा वि नि या धं चा न थ धि क्र जे य न प न स सु न्दी श या व लि थ
 ला ध स ना वे वा ना स जा न र स सो म र व ना वे ह ना र स नं का या वे स गी ना म वृ क्ती न की धां स ग
 या व थ म न रु या ध ली न क नि दा न या ना वे ल हि ना व र लं ग ध ज न क ना गा या कृ च्च स गी ना
 जा न र या वे ज न क ना गा या ह र्ध मा न र लं र्ध ध मि न र द क वा क्र द यां ह र्ध मा न र लं ध नं

लिखन्तीनमहाहर्षननिदानयानावकाभसुचानावसेहिनावचानंभनंलिमजीतध्वंभनकृकृय
 थीजागतीयानावमिहकृकृवनकावभनगजातिषवाकृमपनीवानकलकीयावनामककुवाग
 कलंभनजातिषपत्रिसनधयाहामिवरकृकृकृदनाकृनपूणीयानाममममगानवियानिः
 मिहिनधयानामममयशुधकंयथासंनामवस्यरुयीवममगानवियानधयानाममम
 यरुनकनामकभुयार्तहनंथकृममयशुधकृनावकृसददीयीवयतसविवाहशयीम
 हानानिखंशयीवभनयंनकासलप्रीष्टभनयाहकिशयीवयप्रसूतीशयीवधकधयावकृमपू
 पनिकाशायवबिलंभनजातीरवयाहावाभेनावमिवरकृकृकृनभानन्दयानावजातिक
 वाकृदहिहकृकृभगीभगगधयनीतभमनरुयाधवादमपवात्रमशुगामानयानाव
 काठानकाठीसुवर्षदकिमवियावकाठिशदानवियावववगुहयामक्रियानावभनग
 पदार्थराजनयातकावदकिमवियाववजावियावविकीतकलं॥भनंलिवाकृदपनीथवेर

भयसुसंवाचनवनं॥भनंलिमिवरकृगृकृदयावातकममयशुगधुपकृयाचन्द्रमाजा
 वेधेवधयशुयावतवधकलशुयावपिलासुसादयावरुतशामनयातकलंहनंजातीकपनी
 वानावभनशामनयातकलंभनभनकाववाकृदपनीलुष्टविलाकसनभनभनभन
 कावभनगपदार्थदयकावराजनयातकावकाठिशुवर्षदानसादानदकिमवियाव
 थवेरकृलिहाविष्ठाचकलंभनंलिममयशुगृकृपकृयाचन्द्रमावधयशुवधेनवधि
 कलंशुयावरुकिहाताकृयावकिगलशुयसस्यवलंहनंलंखकासवनरुगंमामववीश
 पनिलदग्रसियाययाभेकृनसयरुयाववलंथधवाचापिददाददयाववलंथव
 लसममयशुनभनभनयकावमामसमीनामववभिवरकृनामविकृतीवृषगंभस
 स्मानयागवनंस्मानयामधनेकावगीहनीहनीगीगधमपुजायायभुनकावकृकृगंका
 दानवियावकृलिहावयावधधयानावपुजासादिकअदनावयप्रभानन्दनचोनी॥॥ध

नावदेवसाकयावा सुखयाव सुसुखमासु जियनीसगकिपमिधया न क लोख कविनगियाना
वथन श्रीमहादेव न आहा दयका सो देव उ पुष्टिद वेसाक क वनीज सुचायन मासु जिन मासु
किउयाय पाय निग्य यरध क धया लाद वराज क वनीथ वर थय स जान क निध क आ को
दयका वथन ॐ लादिद वसाक वनीस न श्रीमहादेव या च न म सहा क पू या व वडा का
यावे थ वर ॐ मस सुख न च न वनी ॥ थनं सि श्रीविश्वरुत मूर्ति श्रीमहादेव न ॐ
लादिद वेसा क या ग ॐ म नावनी आ मय या म निमिहि न श्रीमहादेव ली क क या न प धन ल
याव ख व सो हा नी न वि ग ल पा या वा ज व ला हा नी न उ म न् थ ना वे ज ठान म क ठ दय
कावं क तां धनी रु ख रु या व रु म न ॐ ग स व या व क या त्रिक आ गी या रु ख रु या व रु म दू
न गं त स नि व रु क वा क धं या क ग रि का सो न ध कं म थ म लु ल स वि का र्ग ॥ थनं सि नि व
रु क वा म स नी नाम पु क्क नी नि क्क गं ग स ला न न व न व ल ख या व रु ह न् ॐ म य श न ध क ग

१३५

सयाव चान व स स श्रीमहादेव न रि का सो ना व क या प तिं हा न ध न का व नि व रु क वा म दः
या क स हा न वि का र्ग हा ना वे चानं थ व स स ॐ म य श न मा म व रु या द र्ग लि या य या ग ॐ
क त स या व चाना नं वि य म जि व ध या व रु क त स या व चानं स रि क्क मा म व वा श गं ग स
हा न या त वि का र्ग जिन मा म व वा श या द र्ग लि या य न ॐ क त स या व चाना दि य म जी व ति
रु रि क्क रु मि नि स ना व चान ध क ध या व चान थ नं लि ता उ नी न आ या नं मा म व व हा न
या ना व रि हा म व या व रु म म य श न ॐ क त स य ध न का वे रि का वि य ध क रि का का या व
क हा हा ना व ॐ म य श न धा लं रु रि क्क क आ गि जि मा श व वा श द र्ग लि या य न ॐ क त स या
व चाना या नि मि हि नि ला हा दि य म जि या व ल न क त या रु रि क्क क रु ख ता य म न व रि का
ना थ ध क ध या व चानं थ न ॐ म य श या रु खा दे ना व रु ख ध नी श्रीमहादेव न आहा द

यकसंशुक्ललीयमयश्चकनध्वंलनलनकतयावमकदुनिरिकाजानावनाथाधकहलजा
महिकाजिगमयलधकनमचायावचनवियशससाकनमामववृश्यातलयातयाश्रुं
तहिवधकधयावधनममयश्चकलीनधर्तलीरिक्कनूयजोगिजिववामामश्यात
सुयाग्रचकनजाकनमचातलवियमध्वकधयावधनममयश्चाकिडलखानना
वृषधधत्रिगीमहादवनआदादयकललममयश्चकनआमचकनमविलसवियः
मध्वकधयावममकलाध्वलनलनकंनलआवचननजिनआपवियरुवधकजा
क्रादयकधविद्यातधनहिरिक्कनूयजोगियालखाननावममयश्चनधर्तलीरिक्कनू
यजोगिजिमामववाश्यागीमहादववृजायायतलयावतयाचकनजावियमध्वकयत
साधजानाववयागलिरुवमयलसाकलिहाकनिधकममयश्चनधयावधनमम
यश्यातमनध्वंरलिराखाननाववृषधधत्रिगीमहादवनधनावचानाग्रउमननम

मयश्यातअपविलंलायायिद्धवृक्षमीममयश्चाआमचकनमविलनावचननमपवि
यरुवधकधयावअपविलंलावृक्षमीममयश्चाकनजितअहंकात्रहानजितहिरिक्कम
विलआवचनमपधर्तललकधलसालममयश्चाककसगदइवससकयत
दइक्कावाक्कवविवाहाश्यामालहन्चकनमामववृशनमहाकधनयावतय
यानावगीगलमयाकनदयकावृगयागलिरुवमयलसकल्यनामश्याववममालह
न्चकननवकधनयावअगीमहादत्रिडदःखीश्याववममालहन्चकनमामववृश
निक्रींलीपृषसिमानकगीनवयावमृषश्यामालधकंननधनयानाखलानधि
श्यामालधकधनावचानाग्रदवदवनअपवियावधननपिहावयावकेलामसजगदी
धनगीमहादवअकधनश्यावविद्यात॥॥धनंलिममयश्चनआकिरिक्कन
मकासअरिअपविवरुयावअगीविनाययानाववसलमउरउलावधयावचान

अनंतिनिवहककाकमसगीकुङ्कुमा निक्कली यद्वषनं गंगसहानयामावल्दी ठंकाहवर्जुयान
वियावृणी गलाभगीह त्रिहत्रमहादव पूजा यानावधवर्क लिहावल् वल् सलग्नमय रुखा
याव वल् सलग्नस २ तुला वधायाव चानख नाव माम ववून धया हा पृणी लग्नमव रुकु काय
रवाया वधी ना केन कुकुदः खरु स गूनान केन न न्नात ला जान ला के समस्त वृक्ष कख ध
वधक धयात्र धन लग्नमय रुन धाले हा पिना माता न स विष्ठाकून के लाले पनि निक्क गं
गंगसहान विष्ठाक जि न ज्ज कत लयाव चाना धव लस हि कक क क स न लि का रुान ध १३५
कव ल धव ल स जि न धया हा हि क क जि मा मव वृक्ष लहा गंगसहान वन जि रुलंभ
कत लया चाना हि का विल वय वधि मदन लिह नि लि लना व चान ध के जि न धया ध धन
पुला लय नि लि हा म विष्ठाक जि न ज्ज कत लय धन का वलि का जाना व विय ध के लु ना व वि
याव धया हा हि क क हि का ना था २ ध क जि न विधा जि न ध लि ध या नं लि हि क क न धाले हा

लक्षणमयस्तु बुद्धी शब्दा अमहिका जितमयस्तु न जितहिका वियस्तु स सा क न माम
 वेव यादं गुह्यया ययातु यावतया मरु कत हि वध कथल थ अ क न म विय कं हि का
 चन लाहा न न काय म धू ध कथल थ व ल स जिन ध या ला हि क क जी गी थ अ क न जी
 विय म डि व उ न सा थ जा कि का या व क नि म य ल सा थ न चो न म त पि हा रु नि ध क ध
 या ला पि ता मा ता थ व ल स थ क हि क क जी गी अ ल न क ध या ना व थ स्य चो ना उ म य
 हा अ प विल ल पि ता मा म डि अ ह का त हा न ना नं हि का विल म वं ता नं क स्या ल नि जे
 ली प रू थ या नं अ प विल क क थ प विल थ ल सा हा मा ता पि ता क वु श्री नी चा क स द १५
 व ल स द १० इ क का थ वा क्रे ल व वि वा हा रु य मा ल ह नं क न मा म व व न श्री गे १६
 अ शा के त य स्या या ना व द य का व त या ध न ड वा स म र्क म द य मा ल ह नं क न त व क व न

रुकी

याव महाद त्रिदश्याव अलगीनी इयमास ध क हर्न क न मा म व व र रान धु क सिय मा स थ
न श्रय च सा स र्क जि न हानी या र्क अरि श्रय वि य न रि क क न रि का म को स वि हा
वि द्या र्क ॥ रु पि ता मा ता थ न ने जि म न स र व य र्क र व य दू र ल स पा ण र वा या व चो ना धा या
थ न श्रम म य इ या ल र वा द ना व मा म व व न र ल स र्क धा ल र य पी ल म म य इ क हा य म
मा स अ म रि क क या व च न श्री म हा द व या आ द म म क ता ग चो य म म्मा ल र को मा
रि क क न धा या थ इ यी व ल स र्क चो य म्मा ल र ध क मा म व व न ल म म य इ या र वा ध १३१
ठिया व र र्क ॥ ॥ थ न र्क ति ल म म य इ य दू द दू ना व क स द य ल ग इ या व मा म व व य र
म न स र च या व चि ना या ना व र र्क नी ना म व व र्क ली या द व न धा ल र क वि य ली स र्क नी क
अ य पी ल म म य इ या र वि वा ह या य स म य व र ल र ल आ व क न र्क जि न रि य व क

क ल क क श ग ल क मा स ध क स म धा त्र या ना व थ न स र्क नी ना म व व र्क ली न नि व र क व
क ल र्क रि न २ पिं आ द मी स ल र व धा या ल ल इ य नि र व म य इ या र वि वा ह या य व
ल र ल थ न न कि ल स य नी स न च रु दि ग म स र ना व रि न क जि य पी ल म म य
इ या र व र क व क ल र चो क क स स दि स र ध क धा या व थ न थ य नि च रु दि के
स व क ल र्क र्क म मा स ध क व र्क ॥ थ व ल स स या २ थ य स र्क म र या व र स र
क हा त्र य इ या व चो र्क क न र्क य क म र ग धा ल र आ द मी म हा द व न वि या
श्रय या मि मि रि न न र्क य क म र थ व ल स स च रु दि ग र्क स र व न प नि स म थ
म द या व रि हा व या व च रु दि ग र्क स मा चो र क न र्क नि व र क व क ल र्क जि य नी स
न स र व र्क ना ग र्क क ल र्क ग ल र्क र्क र्क म र या व र ल स म द या व र या ध क लि स

सकना व. वनश. ल. धनध. व. ल. स. ध. ख. द. ना. व. जिव. रु. क. वा. क. ल. न. ध. म. न. स्व. ल. व. न. मा.
 ल. व. न. मा. ल. ध. क. ल. स. पा. व. ध. व. क. ला. त. म. गी. त. म. म. स्त्री. या. क. व. ज. का. या. व. ध. म. न. स्व. ल. व.
 न. ह. न. द. ग. १२ य. नि. हि. ला. व. र. ल. स्व. या. २ ध. य. स. ग. न. ल. य. क. म. रु. या. व. लि. न. क. वा. प्र. न.
 म. द. या. व. म. न. स. ह. ग. स. चा. या. व. लि. हा. व. य. ध. क. ग. म. गी. त. स. स्व. या. व. व. न. ध. क. ग. म.
 या. गी. त. २ स. स्व. या. व. व. न. ध. न. ग. म. स. स्त्रा. न. या. ना. व. सं. ध. त. र्क. न. या. य. ध. न. का. व. ग.
 म. या. गी. त. न. लि. हा. व. न. ध. व. ल. स. ग. म. या. गी. त. स. हि. न. ग. सा. ह. क. ग. व. उ. स. रु. क. १२६
 पु. ना. व. म. य. गी. त. ज. प. ध. न. या. ना. व. चा. न. क. मि. व. म. म. ध. यो. ना. म. वा. क. हा. क. क.
 चा. न. र. व. ना. व. मि. खा. लि. म. का. स. स्व. या. व. व. ल. ध. व. ल. स. ध. वा. क. हा. ग. र. ध. चा. न. ध.
 ल. सा. ध. सि. ल. या. व. चा. न. क. स. ध. ग. न. म. गा. व. मि. खा. ध. ल. सा. सि. य. व. मि. रु. स. स्वा. क. सा. ति.

बि. खा. या. ल. ध. ल. वा. ना. हा. व. म. १२ स. क. ल. य. र. व. म. पु. न. ला. ल. प. ल. ह. न. हा. व. का. स. न. दि. स्व.
 ल. ह. न. हा. व. हा. क. वा. ल. व. र्ध. ध. ल. सा. क. य. द. १०५ क. ध. यि. न. क. या. ध. क. ध. ल. सा. स्व.
 ति. ती. क. म. हा. ल. य. क. त. म. लि. क. मि. व. रु. क. वा. क. हा. न. र. व. ना. व. अ. नी. वि. स. म. य. चा. या. व.
 मि. खा. लि. म. का. स. य. या. व. व. न. ॥ ध. व. ल. स. मि. व. म. म. वा. क. हा. न. मि. व. रु. क. वा. क. न.
 न. ध. व. क. मि. खा. लि. म. का. स. स्व. या. व. चा. न. र. व. ना. व. ध. न. जि. अ. द. र. ग. न. य. चा. चा. न. ध. क.
 हा. ग. स. न. सं. ध. त. र्क. हा. ध. न. का. व. मि. व. म. म. मि. व. रु. क. वा. क. हा. या. ध. य. स. व. ना.
 व. द. न. हा. वा. क. हा. क. ला. ल. स. रु. यो. ना. म. क. का. त. म. क. ध. न. क. य. वि. द्या. ना. स. म. ल. अ.
 हा. द. य. क. स. वि. द्या. य. मा. ल. ध. या. व. ध. न. मि. व. रु. क. वा. क. हा. न. ध. या. हा. मि. व. म. म. का.
 ध. वा. क. हा. जि. ध. न. व. या. या. का. त. हा. स. म. ल. क. न. द. न. हा. या. ध. वा. क. हा. जि. ना. म. मि.

वरुण भयानामवाक्रीः पूजा. शिव उवाच. मया धर्म. जिथन वयामखु. कुधातसा. जि
 श्वाच. चक्र. अती नसु. दरी दयावचान. भव. जिथु. जी. धा. ससा. वद. द. नाव. क. स. द. दया
 वचान. आव. भ. जि. श्वाच. पात. कं. न्या. दान. या. य. ध. क. हिन. क. वा. क. हा. धा. जय. या. त. व.
 ना. स्व. या. २. भय. स. ग. न. ल. य. क. म. द. या. व. थ. ग. हिन. त. न. ग. ग. स. स्व. या. व. ति. हा. व. न. ध. क.
 स. स. व. या. थ. र्ज. म. द. स्व. या. व. चाना. ध. क. धा. या. व. श. मि. व. म. म्मा. वा. क. हा. क. त्या. त. स. र. १३५
 यी. व. नाम. स. हा. ग. म. द. क. क. का. न. हा. न. हा. स. न. स. धा. त. र्ज. हा. ध. न. का. व. जि. थ. य. स.
 क. य. वि. या. ना. स. म. स. व. क. न. र. व. धा. व. ध. क. धा. या. व. थ. न. मि. व. रु. क. वा. क. हा. या. व. न. न. द.
 ना. व. मि. व. म. म्मा. वा. क. हा. न. धा. या. श. मि. व. रु. क. वा. क. हा. जि. नाम. मि. व. म. म्मा. धा. या. ना. म. वा.
 क. हा. थ. का. श. मि. व. रु. क. वा. क. हा. जि. न. क. न्या. दान. का. य. ध. क. जि. म. व. द. १३६ व. स. र. स. निः

श. ग. जय. या. ना. श. या. आव. ग. र्ज. जि. न. कं. न्या. रु. य. म. न. ना. नि. आव. जि. रा. ग. य. न. क. त्या. स. ना.
 प. ला. खं. धं. न्या. २. द. व. या. स. आ. ग. न. जि. रा. ग. य. न. र. व. ना. श. मि. व. रु. क. वा. क. हा. थ. य. धी. स. स. क.
 रु. न. उ. म. स. या. व. रु. या. स्व. स. रु. या. आव. क. त्या. ल. स. य. न. क. न्या. दान. वि. य. ध. क. धा. जय. या. न. र.
 ल. दे. व. न. आव. आ. म. कं. न्या. जि. ग. धा. स. रु. य. का. व. वि. स. जि. ग. कं. न्या. दान. वि. स. वि. या. क.
 नि. श. मि. व. रु. क. वा. क. हा. रु. य. व. त. हा. क. त्या. स. ना. जि. व. ना. य. ला. त. का. व. वि. स. दे. व. न. थ.
 ति. उ. प. त. क. या. यी. ध. क. ह. न्या. ध. न्या. २. जि. रा. ग. य. न. र. व. ना. श. पि. ना. मि. व. रु. क. वा. क. हा. क.
 त्या. ल. या. च. र. हा. क. म. स. स. का. टि. २. न. म. स. का. त. आव. अ. थ. थ. थ. ध. क. म. न. स. त. या. व. श.
 हा. द. य. क. स. वि. का. य. म. न. व. जि. वि. वा. हा. म. ध. व. नि. थ. न. न. नि. क. स. या. का. र्ज. सि. द. या. य.
 आव. न. ना. न. क. त्या. ल. या. कं. व. न. नू. या. ध. क. श. पि. ना. जि. व. ना. व. क. र. म. द. या. चा. स.

विद्यायमान धक ध्याव चीन ॥ थन थन ध्या धमि वम म्मा बुद्ध मया राखादनाव निवरु क
 बुद्धमन ध्या रागि वम म्मा बुद्ध क हा कुन खरु ने धून जि को च इयी व हादखु द या वयी सिग
 नि क माल हलं थ धिन क्र लय द १० रय द १० या वय स ग म सा व आथ व ग थ विवा
 ह या य रावे बुद्ध क हा थन न जि पु गी इयी व द म्मु च न्द्र मा थं य व स न्द नी गी व समा
 न क्र क माल स धाल सा महा रय क न म्मि थ क न्या कु न न न्द्र आ म्म ध क ध्या व थन मि
 वरु क बुद्ध क हा या व च न राखादनाव निव म म्मा बुद्ध क हा न ध्या रागि वरु क बुद्ध क हा त्ते १४०
 माल थन न्द्र म थ ध क आ हा दय क स विद्याय म न व कु माल वा ही क न थ स सा ग स म
 व न जि न क न्या दा न विधि व व ह स म इ रा पि ना मि वरु क थन न आम क न्या जि न या
 न वि स विद्याय माल हलं म वि स सा कु न न जि न व क्र ह थ विद्या व या हा मान क नि म्म
 य या य धू ना रा मि वरु क बुद्ध क हा थन न कु न व क्र ह थ ला का य अ थ वा पु गी वि य ता थ

निगास क ता व क या ना व आ हा दय क स विद्या रु नि ध क ध्या व थन थन मि व म म्मा ना म म्मा
 थ वा म्म हा या व च न द ना व मि वरु क बुद्ध क हा न द या य ह न म सि स न्द्र नी महा धं ध का या व नि
 रु स अ दा न या ना व वि चा ग या ना व च न ॥ थ व त स आ व ग थ या य माल जि को च ल म
 म य रु या न जा या ल म माल न क न क धू न क स दे व न आ व जि न व क्र ह थ का य ता जि म्मा
 च ल म य रु वि य ला किं न या य माल थ धि न क्र वि गू य वृ ध का थ या न क न्या दा न ग थ
 वि य थ थ वि य म म्म ग थ ध य ध य व जि न व क्र ह थ न क नी व थ का थ बुद्ध क हा न या
 हा ला ग या य नि म्म य या न आ हा २ ग धि न गू लि वि य नी न न दे व या सा सि या ना व ता थ व
 वृ क्क रि हा दा न व व क्र जा रि क्क म म्म ध म न आ हा २ सा का ग श्री ज ग दी य म हा द व
 र व न व म्मा न या उ म न वि या गू लि अ रि अ प व स रु य द ता थन न श्री ठ म्म म हा
 द व या अ रि अ प जि न मे ख य क रु यी ता आ हा २ ग धि न वि य नी न न क न ह न्द्र थ स सा

नससूर्यासामर्थद्विंशतानां यानां यथा यथा त आत्र कृया यमा त व क ह ध्या कृता जंका
 यमप्रवृत्त आधवा त व त विवा हया क ध क लोक न द्विंशतानां यानां यथा यथा
 वृद्ध आधया त जिपूरीणमय क विद्यमा त ध क का य धा ल सा देवने लना न स यो ह
 वृत्त सी म श य म द कृया य आ ह र देवने जिपूरी च या लो गे थ थी द विंशतानां यानां
 दी ग्ध त म हा द व या अ ह र म य व त अ ग न च ल ना ना व व त थ म य य क जि ग म्भ म द
 य क द व ना ज क या व आ न क रू ट यां सामर्थ्य म द य क ल का या अधिपति श या व
 आ न क द ग नी त क ना व र स य ग म्भ म द जि व ह या कृ सामर्थ्य दयी त दे व न मा चि का १४१
 यां अमा चि ना ग य ध न क र अ दी क म वि र क ना ना ना ना या क म द ध क हा ल पा व मि
 व म म्मा आ थ वा क र हा या कृ ने त ध म्मा ल मि व म म्मा आ थ वा क र हा आ व कृ या य कृ या
 ल स न आ म थ ह ध्या वि ल ना म अ व स न क न त जि पू री क न्मा दा न वि य र सी आ

व ध न च ना या क म द कृ व न नू या ध क ध या व थ व ना य वा ना व ह ल ॥ ॥ ध नं लि मि
 व म म्मा वा क र हा मि व र क वा क र हा नि क र व र क न व न व र स व र म्भ म्भ म्भ म्भ म्भ म्भ
 द या व मि व म म्मा या कृ व न ध या ल मि व म म्मा आ थ वा क र हा कृ व न सा मि य रू द म
 थ न ध क ह र्म मा न या ना व कृ थ न क र व र न थ न कृ थ ना व थ व क र ना ग र सी ना म
 स ल ना व व र न थ न र सी ना म वृ क्री न थ व र सी या स ल ना या व ह ना र स र्ना ना र क ना
 व ता हा य आ ना व कृ हा व या व रू नी वा य का व या लि मि पा र्श ल क पू या व र सी ना म
 व कृ म्मी न थ व र सी या कृ व न वि न मि या न र सी मि कृ म्मी ल श व म र्भ ता ह न आ
 म कृ लो स व ना य वा ना व ह या कृ स र सी व ग न या कृ या वा ना व ह या थ या ना म
 कृ जा ग कृ कृ कृ का र्थ ना थ न वा ना व ह या स म कृ वृ कृ ना आ हा द य क र वि या

इनेधक ध्याव धग धव कला तस ती नाम वक्र धी या वचन क ना व निव र क उ क्र द न धा या
 शि प्रिय सी स नी न ना जि न म म य रु या न वि वा ह या य ध क य म र प ति हि ला व रि न क्र वा
 क्र गी स्व ल रु या स्व या र धा य स म दू लू य क म रु या व जि अ सा म र्थ रु या व अ लि हा व न
 ध क ला त पा व गं ग य नी त स स्व या व व या व त स ध वा क्र द न गं ग स स्ना न सं धा न
 र्थ हा या ना व ग म य ती न रु य धा न या ना व चा न जि न ध या धा य स व ना व व त स ध १४२
 वा क्र द न ह ना ह ना स नी जि ख ना व सं धा न र्थ हा धू न का व जि क द न श वा क्र द क
 त्या स ग न न वि द्या ना रु रु यी व ग न या कु नि मि मि नि न ध न वि द्या ना का न हा कू ध क
 जि क द न श स नी नाम वक्र नी क ध व त स जि न धा या शि वा क्र द रु जि रु स नि व
 रु क धा या ना म वा क्र द धू का ध क धा या शि वा क्र द जि भ व ना कान य न द ग स जि

या म व जि धा य कं न्या दान द वि य ध क रि न क्र वा क्र द क क्र ल रु रु या आ व ग न व
 नू लू य क म रु या व रि हा व न ध क जि न धा या शि सी स नी ध व त स ध धा ध वा क्र द
 न धा स श पि ग नि व र क उ क्र द ध क धा स जि न धा स स स नान कं न्या दान वि
 यी व द यी स ध क चि क त्या व मा ला व रु या ना का ल न्द ना मि म वृ द दू व स स नि र्थ
 य थी स धु म ल या व रु या स क रु न खा रु य या ना रु या आ व ग न स नान वि स व म
 दू ध न ने क त्या ल या वृ ती जि न कं न्या दान धा न ध क जि क रु न श स नी व क्र धी सी
 ध व त स जि न धा या शि वा क्र द जि वृ ती रु यी व प र्त्तु च न्द मा य न सून नी रु या
 व ची न क्र ह क न व ल ख रु नि क त्या ल धा स सा का ध रु ल धा ध व मा ना व ग ध
 वि वा ह या य क न ग जि वृ ती अ जा ग्ध अ ग्ध म वृ ध क जि न धा या शि प्रिय सी ध ग जि

नक्षत्रा, धननात्र निव मर्मा हन धातु, रुमि र क वा क्र हा, आस-क न द्वा च जि नर्क ना दा नम
 विरससा, क नर, जिन व क्र ह धा वि या व, धा हा नि श्र य न र मा च क र स ध क, ह न या ना व
 या स नी ल र्ग या न, त प त या न, रु सी सी, ध व त स, जिन ध यो, र्ग नि व मर्मा वा क्र हा, चो
 व, ग ल्ध या य मा स ध क, जि म स जू धा स श या व, हा ल पा, जि पू गी ग म य र्ग धा थ या न
 वि य धा त सा, म चा नू नि, ग ध वि य, म वि य धा य, व क्र ह धा, ग ध का, ध क, म न न चि
 क स पा व, व क्र ह धा, क ना, जां जिन का य म वू वू लू धा या न, र्ग म य र्ग क न्या दा न वि १४३
 य ध क, वा ना व ह या, रु सी सी, ध न न धा नि व म मर्मा वा क्र हा या न, र्ग म य र्ग क न्या
 दा न वि य मा स ध क, नि व र क वा क्र हा न धा यो, ध न, ध व र्ग मा नि व र क या व र न र्ग
 ना व, सी ना म व क्र मी न, धा या, श य रु मि व र क, जि र्ग लि, वि न नि क ना द स वि या र्ग
 नि, क धा त सा, ध वा क्र हा या, र्ग ल धा सा, हा क, ह र्ग त धा मि र्ग, कू सि र्ग क, या ल

मि र्ग, ग, स क र्ग र्ग य व, ध स वा ना हा क त, क स पा न र्ग म ना व, क स न धा त सा, जि स ल २
 न हा व, कू न न धा त सा, सा ल य र्ग २ ह न हा व, क धा त सा, रु मि नी क, स य मा र्ग, म हा र्ग
 क न, म र्ग नि न ना न, ध धि न क धा थ वा क्र हा या न, ग ध जि पू गी र्ग ना दा न वि य, र्ग पु र्ग
 जि पू गी र्ग यी व, अ नी का म स, न ज न धा त सा, प्री स र्ग र्ग, र्ग ल धा त सा, प्री स र्ग र्ग
 क मा या न र्ग, च न क न, वा क न धा त सा, सा दा न व र्ग यी व स मा न, व च न धा त सा, क वि स
 मा न, ध धि न क, प द स र्ग र्ग (ग म य र्ग, अ म धी न क, वि ना हा ल धा थ वा क्र हा या न
 ग ध वि य र्ग ना, र्ग पु र्ग र्ग मा नि, अ म वा क्र म न, जि पू गी म वि ल ध क व क्र ह धा वि य धा
 या न, क र्ग ल, र्ग य र्ग, भ व या, क स, हि न क र्ग च भ वा म वि ल ध क, व क्र ह धा वि
 य ध क, र्ग ना न, क र्ग ल, र्ग य र्ग मा स र्ग, ग म ना य मा स र्ग वा त र्ग, धा थ व, ग ध वि य
 ह या य, ह न व र्ग र्ग य द १०, २ क र्ग, क स द, २ क र्ग, ग ध क न्या दा न वि य, र्ग र्ग मा नि

नमविचल जिन विचमषु गुरुत सा नायका य वी नावहयिव. शमिवगर्मा वा कदाधीर्ज्याव २ नि
 श्वयर्न २ कृत्वा सयाग जि यूगी एममयशु वि यरुल धक वाध वि याव. गतिचाय का वे थ न य ना
 वरिन गुरु का धम. चि प्र वि नि गु या सा सा स. ग या वे. य प्र ला व न आ द न या ना व था ध वि या व न
 त ग ध न ति. गिव र क वा क दान. थ व क ला ग. स ती नाम व कृ ही या ई व न ध या. श वि थ ली
 आ व ज्वा ल खः काना या का म द न. का ने ध त सा जी जी स ग ग म स. मा ल कृ त व ना व ल
 स. एममयशु य का ग. ग या व ल स लि का दान व व कृ न. व कृ कृ मा ल को. ग व सा ल चि ना १४७
 व. ग ध ध न क स. श स गी. व व न र हि का दान व व कृ. शि कृ क श ल. ज ग दी ग व त. श्री म हा
 य व थ का. श्री म हा द वे. या व च न. आ द न य ना या य. सा म र्थ. स सा द ला. श स गी. थ न
 न श्री ज ग दी ग व त या अ रि. अ य. ग टी म को टी द व र्ण. क न य क रू या वे. व ल साने. थ
 अ य म श य क रू यी व म वृ ग. क ज क हा ला व का य. प ति हा ला रू रू ला. दे व न ग थ र

या ग क स. अ थ र या य मा ल. ध ग न दे व लं घ ना या य. सूर्या ग म म द य व या ना गी ७२ द या
 आ सा म र्थ म द. कृ व य ह या कृ. सा म र्थ. ग म द यी व. ध क आ व एममयशु क न्या दान वि
 य या ग. मा ल का सा मा गी. ग ल री ग की व. ध क ध या व. अ न थ व स्ता मी गिव र क वा क दान
 या व च न ई ना व. स ती नाम व कृ ही श न. अ न ग मा ध न न. वि त्रा य या ग. आ हा २ क वृ तः
 कृ कृ जि पि म द ग रू स. वि का ना व. जि क्का च एममयशु या ग. वि यी व. म ना या. म चा व.
 का थ व. वि वा हा श व गृ धा व. ज क द द. आ व थ म न या य मा ल. आ हा २ जि क्का च र म म य रू
 या. ल ला ग स. थ थ ख द आ या व न र. नि र्बि व की वि ध ना न. क स द न द वा स क व. क य द
 १०६ कृ थ वा क दान. न कृ ली य ग य. रू व. रू क क मा ग न ना द. आ व. व ह ल थ स य मा
 ल. श य थु गिव र क वा क न. म चा एममयशु या ना म क. नु या ना व ल स. ग ग ति क यी ठि
 ग. प नि स न जा. सा या व. जि ई व न ध स. श स गी नाम व कृ मी रू ध क. धा ला ध न्य २ कृ

नलाय, थथीन क, पूती क न द न ना व, गथ न क पूती क स सा, व नी स, ल क न न स य क, श्या व, वा
 न, ध क, जि हू व न, धा या व, ना थ न, कू कू क स सा, क न पूती न व लाय व क श्या व, ना नी ल, श
 यी व, अदी क, लो क न, मा न्य या न का व, ना न रु यी व, थ वा स र, अती न क स ला क, थ वा ना थ
 य स, ल क्की न वा स या य व, ध क, आ नी क न न, जि हू व न, धा या व, ना थ न, थ स क न, जि मि
 थ वा स र, न, आ हा र ग थी न वि य नी न न, स्व या व, धा न माल, कू या ना या या म न स्व स, जि
 क्रा च ल म य श्या, थ थि न क्रा थ कू पू र य ता न, जि क्रा च न न, अ क, अ ध र्म, अ य की र्ति १४५
 जा या ना म इ नि, जि न कू अ ध र्म, अ य की र्ति या ना म इ, अ थ न, थ थि न ग, अ य की र्ति
 या य सा ल, आ हा र, दे व हा य, २ वि धा ना, धि न का ल धा य, जि क्रा च या क र्म, धि न का न
 धा य, वि धा ना स्व म न, कू पू र, वि गान म इ, व पू न, रि क्रा शान व, कू जा, रि क्रा क म य, अ
 ग दी य, अ थी म हा य, व, स्व म न, व स्या ल न श स, जि य नि म इ, व स स, स्व या व, वा स क

म म य श्या, अ य वि स्य वि का य म न व, ध क धा या व, लो व वा न, थ व स, मि व रु क
 वा क्रा शान, धा या, श म नी, आ व, अदी क र व, ना ना म द न, दे व न, पा ल का, स्व सा ल नि
 ना व, ग, थ धू न क स, कू ज क हा ला ना ना या क्रा म द न, धा या व, थ व स, मि व रु क या
 आ हा न ना व, स नी ना म व, कू नी न धा या, श प ड, सा नि, आ व, जि न कू या य, ०२ य न ना
 ना, थ श्या व, कू या य, ग थ या य माल, अ थ या य वि का क न, ध क धा स, थ व स, स
 स नी ना म क लो ग या व, च न द ना व, मि व रु क वा क्रा धा स, श ली स नी, ध न्य २ क ली
 ऊ नी श स, श्री ०२ य न या, म हि मा सि व, आ व, मि व म र्म, वि क्रा म या न, रि न ग २
 प दार्थ, व स द य का व, व्या लि या न का व, रि न ग २ का थ स, ग या व, ग ल, थ न ति न क
 ली पू र य, म म य श्या, य नि स, या लि धू न का व, को थ स, चो ना व, म म य श्या, क व न
 मा म स नी ना म न धा या, श य पी, म म य श्या, आ व, क न न, वा हा या य न, थ क व

वडाक्रमः कनकयूत्रयशसाः शयूतीः ममयशः दनाः वषट्कारिकास्तनववक्रः शर्तपिनाकध
 त्रीश्रीमहादेवः धूमाः शयूतीः धक्रश्रीमहादेवः अहिश्रयवसः शयमदताः धक्रश्री
 पनकनककीर्तिः ज्ञेयदण्डः दुःकृतेः कसदण्डः कृते विवाहाः शयमालधः कधवः शयस
 कर्तः चूतलानाववसः शयूतीः ममयशः कसदः दण्डवः धक्रश्री ज्ञेयदः दण्डवः
 धमनः जगदीश्वरश्रीमहादेवः याः उमयूनविश्यागः अहिश्रयः कनकशयशयमालः शय
 गाः कनकमनसः विषादः दयकः मन्त्रः शयूतीः ममयशः धमनः देवर्तघनायायः की १४१
 यीवमयूः विधातानयाकाधः यायमातः शयूतीः ममयशः कनकललानसः देवनः गध
 शयहलः धगुसुनार्तः क्रयसामर्थमदः धमनः कनकद्वयशयमन्त्रयूताः जिय
 निसयाषमयूः कनकशयधधिनकसः धकः रुयाधः श्रीः च ममयशः यागकोतयाव
 वाधविश्यावः चोनः धमनः ममसगीनामवः कृषीः ववुमिवलकवाः कृषीनिः क्रयाधः शनेना

वः ममयशः वक्रः कृषीचानः मासववुः यादवः नः विनतिशयः शववाशः मासः कृषालय
 नीसः कृदाषनमदः जिकर्मसः देवनः शयः हयावः तयागः सुनानमदः यकः रुवः शय
 मागाः अषुनरिकास्तनववक्रः जगदीश्वरः श्रीमहादेवः नः विश्याः अहिश्रयः सुनानमयय
 कः मरुः जितुलानसः शयवः तयागः शिवः सुयाननिपात्यायः शमागाः जिजुहकात्रहारि
 कामविश्याः जिर्नः अपनकनः शमागासगीः धक्रहिकृकजिमनसः जगदीश्वरः श्रीमहादे
 वः शयवः वधकः शयवाः कानधालसाः जिजुहकात्रकाकायावः श्रीमहादेवविकारः शमा
 गाः अर्चसिः धक्रममयनः धवकः सः हिकृकनरिकास्तनववक्रयातः दायगुकाया
 नाचानेसानेः गानगावः हिकावियमातः मवियमन्त्रवः श्वक्रनेहिकामचितः वक्रयातः
 अवस्यनेः जिः कनः धः अपनकनीवः ननार्नरिकाकृनावः कातसाः वक्रयातः वक्र
 लोकसः महासुखः शयीवः महाशयधुनकशयीवः पनलोकसः महाशगीमानिः शयीवः

लुग्न विष्णु शीव शोभा नायिका धन न काया सा न क हा न व व क या न जग दी श्वर श्री महादेव गुरु
 ल पा व रि क क य मा ल शोभा ना जि न ह का ती न जि न धू ग ति अ प न के ना शोभा ना सगी थ
 न न स म ल अ ह का न न थ का म नू धा ला क ना म र स जि न ह का ती श या व स म ल श व न श्री
 महादेव हि क क या नू प ध न ल या व आ ना व वा ना उ म्ब नू न अ रि अ प वि य का व जि नः
 ह का न का ना स वि का न शोभा ना अ व ग नी न की टी द व सा क य नि स क ल य जि य क र या
 व श्म हा ल व ल सा र ष धा श्री श्री महादेव न धा ना व वि या ग अ रि अ प म य य क म रु गा १४८
 शोभा ना वि धा ना न ग अ म सा ल चि ना व न ल अ ल म या म ग क शोभा ना म मा म का
 थ र स सा महा वा न की र ल सा अ दी क वा न म ला क सान हा क र वा ल धू सि ला ल या ल हे न
 हा ल सान र वा य श ल सान जि क र्म स वा स ग या गू थ श यी व क ल्या ल या ग कू दी व न म
 दू शोभा ना पूर्व ज न्म स या ना व ग या गू या प न ध ग रि ज न्म स क र्म वा य का व थ धि न क

पुत्र स ल ग दे व या आ मा ल कि श्व सा ल का पी धू न का व न ल शोभा ना दे व न सु या न सु श व
 वि या व न या म दू क ना म वू क ना दू ४ ख म र म ग क गू थ धा ल सा श्री अ रू धा या ना जी द
 म न थ थ धि न क या का य श्री ग म च ध धि न क जा दे व न लि ना व श्री ना या का न हा न व
 म वा स स म व न्म मा ल शोभा ना ध न न स सा न स श धि सि र ना जा स मा न ध र्मा सा क
 जा जा या न म ति दे व न लि ना व व न वा स व न मा ल अ म ग दू ४ ख क र न या व श य मा
 ल दे व या स जी ग न शोभा ना ह ना उ ला क या ध नी क ज ग दी श्वर श्री महादेव म ति
 जा दे व न लि ना व स म दू म थ न या क वे ल स का रू क ट उ स न या व ग र या न स थ ग
 का व वा न मा ल थ य नि ग ला क या ध नी श या व जी न क श्री महादेव या न म ति जा दे व न
 लि ना व महा १२४ ख सि या व वा न मा ल ध क शो धि ना जि व ल क शोभा ना सगी ह न व लि
 ना जा स मा न वा ना थ स सा न स सु न द व ल थ धि न क सु वा दे व न म गी ल ग नि ह न

[illegible]

५४

[illegible]

मश्री नचि तसु ख दयाव हृदय द्वांग, कथाव वल, गध वल धातसा, वमन कासस, सिमाचुति जाया
 वेव हृद, लाय क्रची न, वान ला ना व, वल, पूरु कथा व वल, का पाया सिने, जिद ने बा न ला ना व वल
 थ वल स, कृ कथा दीन स, मि वर क बा क्र ही न, थ व क ला न, सही ना म वु क्र ही कथा व वल थ व, रु पि
 थ सही, आ व, यू गी, गम मय कथा ग कं न्या दान, याय, या न, दिन स न के न ला, सा मा गी न चान या
 व, ध क धा या व, थ न, थ व पु पु सा मी या व च न न ना व, कं न्या दान याय या न, मा स को सा म गी ना
 स ला न का व ह न्यं, थ व, धि धि प नि स हं हा स ना स प नि स, स क ला, वान क स का या व, ध ध का थ १७०
 का व न स, ह न्यं मि वर क बा क्र ही न, रि न २ जा गी जा गी क, य म्नि ग, बा क्र ही, य नि वा ना व, दिन
 स न का व थ न जा गी क प नी स न, धा या स मि वर क, रि न गू दिन जा थ नि न, व्य क्र का, जं क्र क्र
 म या म ग क ध क धा या व, दिन प न चा या व वि ल, थ क्र क्र नि स, अ न ग सा मा गी ना स, ला गः
 का व, म हा स ग स जा या ना व, अ न ग गी न वा थ अ न का व, व्या ख न, क य का व, म हा स व

५५

सास, य ह आ न र या ना व, ह न्यं, रि न २ बा क्र ही प नि स न, च दु र्व द प न पा व, य ह कृ ल या क्र व न
 अ न म ग स, आ दी न, प र्थ घ ट, गू क्र को मा गी, अ न ग, म मि मा नि क्क मा नि सा न नि य का व, य
 ह कृ ल या क्र ग या व न स, ह न्यं, गम मय कथा ग, अ न ग २ थी र वं द, अ र्ग जान क स व य का व
 म मि मा नि क्क या थू ना व, न या नि सा न नि य का व, न ल मा ला न का थ य का व, रि न २ ज रि ज वा
 प या व ल न पु न का व, अ थ क न, रि ना व चान ग, स व ला स, मि वर क ना म बा क्र ही न रु ल स
 थ व ला हा ग स, हा म स, क ग आ ना व, गम मय कथा ला हा न आ ना व, स ही ना म वु क्र ही न, क म द
 लु न, ज ल धा ल हा य का व, मि व ग मी का थ बा क्र ही या न, गम मय कृ वु क्र ही चा, क न्या दान वि
 ल, थ व ल स, गम मय कृ न खान मा ला आ ना व, स चा क ३ उ ला व, सा न मा ला न का थ य का व
 च न हा स लो क पू स, थ न ध न का व, य ह स प र्थ या ना व, मि वर क बा क्र ही न, व लु दान, ग
 दान, अ मी दान, ना ना न ल, म ठि क मा लि क दान द कि हा वि या व, बा क्र न, रि क्र क, अ पि ला

क. सं. आदि. पठित्तवा. भिवमर्मा वा क्र. हा. क. या दानस. निमनुना या नाग को. पा दार्थ हस्तार्थ या नावधीत
 जमपचात्र हा. दय काव. पूजा माया या माव. काटि २ सुवे र्ग दक्षि मा वि या वे. लक्ष २ सा दान वि या वे. लक्ष
 लक्ष. किमि दान वि या वे. लक्ष २ सत् दान वि या वे. काटि २ नल. मलि मालि. व. लक्ष. अन्न दान दक्षि मा
 वि या वे. हर्न वा क्र. हा. प. नि. ल. ना ना प दार्थ ची ज ची ज या वस्तु म दय काव. हा ज न या ग का व. खानं. थ
 नं लि. वा क्र. हा. प. नि. स. क. स. नं. दक्षि मा. हा ज न या य व न का व. भिव र्ग क वा क्र. हा. स. मि नाम व. दक्षि
 हा. भिव मर्मा का थ वा क्र. हा. जम य श व. व. लक्षि. थ पा क्र. स. या ग. ना ना पु का ज. म. आ नी र्ग दि वि
 या वे. भिव र्ग क वा क्र. थ पा क्र. स. या ग. व. दक्षि मा या व. लि हा व न र्ग सा ध क. श्री स्क न्द क्र मा त्र १७१
 न. पू. ग. ल. मू. नी. ग. न. क. न. ॥ ॥ ॥ भिव मर्मा स्क न्द पू. ना. हा. जम य श क. क. न्या दान क. थ ४ ॥ ॥
 ॥ श्री स्क न्द क्र मा त्र ५ का व. ॥ ॥ ॥ नं लि. श्री स्क न्द क्र मा त्र हा. आ हा दय क. ल. हा. पू. ग. ल. मू.
 ची. ग. न. थ व. ल. स. क. न्या दान स. म. ल. ध. न. का व. जम य श व. व. लक्षि. ची. ची. न. थ व. ल. स. मी. नि. व.

सो

वमर्मा वा क्र. न. या ग. लि. न. २ प. दार्थ या ची ज ची ज. या व. लक्ष दय काव. हा ज न या ग का व. हर्न लि. न. २
 व. लक्ष हा. पू. न. का व. महा नि दान. या ना व. ल. हि. ना. व. त. ल. हर्न. लि. न. २ जी. व. धी. न. का व. च. क. न. न. व.
 य. का. व. ह. ल. पू. ल. ग. म. त्री. न. श. य. का. व. त. ल. ह. न. व. ग. र्ग. लि. व. लक्ष न. य. उ. ल. ध. ल. ५ ग. लि. व. लक्ष ग. न.
 म. र्ग. मा. ता. हा. या. वे. लि. पि. श. य. का. व. ल. स्क न्द न. का. या. त. ल. थ व. ल. स. भिव मर्मा वा क्र. हा. न. जम
 य. श. क. क. ला. त. ला. ना. व. ह. ल. पू. ल. ग. श. या. व. जम य. श. व. ना. प. ना. को. ल. प. र्थ. क. सु. ख. न. का. म. जी.
 दा. सु. ख. श. ग. या. ना. व. प. म. आ. न. न्द. न. ची. न. श. ला. ॥ ॥ ॥ नं लि. दे. व. या. जा. ग. न. क. क. या. दि. न. स. भि
 व. मर्मा वा क्र. हा. न. थ व. क. ल. म. ना. व. म. म. न. ल. ले. पा. आ. ग. जि. न. ना. का. ल. द. नी. थ व. क. नी. द. ना. व.
 चा. ना. ह. नं. जि. श. म. त्री. नं. ह. ल. पू. ल. ग. श. या. व. ग. ल. जि. न. वा. ल. व. ल. स. नि. स. य. द. ४ व. न. या. व. रु. मा.
 आ. व. जि. न. क. ला. र्ग. द. न. जि. जि. वं. र. मि. आ. न. न्द. श. व. आ. व. जि. थ. न. ची. ना. या. का. म. द. न. ह. नं. क.
 ग. थ. २ श. व. ख. स. वि. चा. न. या. क. म. द. ध. क. ला. ले. पा. व. थ व. ल. स. जम य. श. या. द. व. न. धा. या. ला. ही.

एममयशुजिग्रहसु गच्छ २ शवरसु हनिस्तु वनमास कहनासु जयमभ जिग्रहविनालयानावि
 लापितानधि वयधुका शपिथ एममयशुधकधायव धन एममयशुनविनगियाग हा प्रादप्ररहा
 मी जिवाल कस्तु जागियाका ननका नाव विद्यायधक आहा दयक सुविद्यामगव हा पुगुस्वामी
 कस्तु लविद्यायधक ससा जिनाप वय हास्वामीधक धायव कुन आमधधक धा लसा मा मव
 काश्याधायस वजकोय नूयाधक सादु नि यानाव मा मव वयाधायस वनाव मि वमममि वास
 हान विमगियाग हापिग मि वरु क हागागा सगी जिग्रहिवि नमि क गृहस विद्या कस्तु कध १५२
 लसा जिधन चाना गा कालदगी जिग्रहस गच्छ २ चानखस गच्छ २ शवरस सुनाम विचानया
 कमद जिधलसा हू ही याय धक पनद म २ ल गय शया नादगी आवरुया ध कस्तु लयाः
 कयान बा म हा शया व चीनाया क न्यायान रुयधना सुखशग थाय धन आव जिध वधुस
 वन न ला वे ज वि वि विद्या निधक वे ज को या व चाने धन जि लचा हा शया व चन दना

व मि वरु क वा क्र हा सगी नाम वु क्सी एममयशु व क्सी र थय निस्तु क्र स्य नंधया हा मि व
 मममि जि लचा लर आम धधक आहा दयक सु विद्यायमग थन चानाधक कमधुला
 नवनाधक शक कस्तु न चानसा थन चानसा कस्तु लया कस्तु मधुला हा जि लचा लर थ
 कस्तु यमि कस्तु लया मधुला हा मि वमममि जिवा जिधनी सजक सुदव कायधक ससा
 चधक ससा कस्तु लयनि न क्रक मधुला हा जिचा लर कस्तु लवाही कन जिधनि धे वस
 न मधुका जिग्रहस दूध धूध रपाव आन नन चास विद्या कनि हा पूव मि वम
 ममि वा क्र हा कस्तु लविद्यायधक आहा दयक मगव कस्तु लया कस्तु सनकल काय
 मा लसा हा मा २ ओ दमी याग वरव व विद्याव सनकल काय मखा हा जिचा लर कस्तु
 लविद्याय ममा लधक धायव धन सुसु न पिग मि वरु क वा क्र हा मा गा सगी नाम वु क्सी
 हा या वे चन दना जि ल मि वमममि वा क्र मने विनगियाग हास्वसु न पिग मा गा जि

गगनधक धयमगव रुपिगामाग जिबनाधक सिंहम वयमपुथका पितानिता या व्यासधका
 केयागुगक खवन या नाव वयथुका जिजक सुदवे सुयाग रुसासा नचाने केस रुकग १५२
 रुलखस सुयाव तलात्र मीजिति हाव यथुका रुपिगामाग जिबनासा रुसा लनिकेसी
 प्ररषवाही कन भवमइ मामधतसा वव धातसां रुव धातसां मीध धातसां देवधत
 सां थवधिथी सा रुवधन धातसां कल्यातनिकेसी प्ररषवाही कन भवसुनमइ रुमा
 गापिगा जिगगमधक आहा दयक सेवि कायमग जिगव दविहूनधक वजकायाव थनः १५३
 भिवगमी उ कसवा लवा दनाव थवसामीया रुवनवितनियाना सासामी रुसवि कायधक आहा
 दयक सेवि कायमग कल्यातनमदयका व जिजकग थधान मिसा जागिया धर्मपुनवविनान
 गनिमइ हापुठ कल्यातवि काय रुलनाव जिनाय वयधयाव थवली गममय रुया रुवा रुना
 व भिवगमी नधया रुप्रिय गममय रु कन आमथ धयमग कान धातसां रुमना यासुला

व पुनि हन रुवा नायन धातसा जि कस धनसं पदि रुंदम रु कन न कनका व वा नायन
 थन कन धातसा यया २ थप दार्थ दयका व नवा व चाने रु रुप्रिय हन रुशयी व रुगी
 कामल मनीज जि कवन नाया क पर्वग जायमा ल हन नायन व धयमइ रु कधयंमइ
 लः सुयास वा व धयंमइ पितो क धयंमइ रुसन दाव धयमइ वानदात धयंमइ
 रु कल्यात जा व धयंमइ रु धातसा २ थधिन कोमल रुयाव चान रु नरी कन नायपि
 हाव न सुजा रुंमन रु थधिद रु जि नग थवा ना वन रुप्रिय हन रुस धातसा जि
 नग वन रु रुया रुय दव हन रु शयी व पमस रु नरी रुस रुनान रुवनसा हन रुया ना
 व रुयन लार्क रु रु जि धातसा थधिन व रुका थ रु व रुज रु कवा य मासी व रुस रु नरी
 गममय रु थगन रु व य धयमग व थन मास व रुया ग सिवा या नाव तहस या नाव चो
 न जिपिलानिता पिलि हाव य थुका धक धयाव थन गममय रु न थगपुठ रुामी या व

च नरु नावः अमय रुड क सी चान विन निधिया हा स्वामी पुला क त्या त म द य का व गा वाच सी सु द्वाजिया
 हा ल नी व म पू हा हा पु पु क त्या ल या के स धन सी परि द न सी म द न सी क त्या त स न क क व
 रु न ल उ ग ति जि न न य क त्या त त्या न ला त सा जि न द्या न ला य क त्या त या सु ख रु स सा जि
 न सु ख रु यी व क त्या त या द ख रु स सा जि न द ४ रु रु यी व क त्या त या क ग ति रु त जि न
 उ ग ति ग ति रु यी व हा पु पु स्वा मी ल स पू या ध ग या व न ज रु या हे य दू ध क आ हा द य क
 स वि का न क त्या त द न ना स जि मि सा ग ति या रु य द यी व म पू हा पु पु ह न प र व न जा य १५४
 मा त सां वि क रु स सां गा य ना रु रु सां वा गा क रु स व त सां प य क प्या स या व सां ला
 न रु स सा न क त्या त व ना य व य द न सा जि म हा सु ख रु व थू का हा पु पु स्वा मी थ न न जि
 वा ना वे गा थ ध क आ हा द य क स वि का य म न मि सा ग ति या ध र्म पू त्र ध या क ग ति रु त
 वे ग ति ग ति रु य मा त हा पु पु स्वा मि ह न स्वा मी क रु व ग या व थ व क रु वी न ग र्हा य ध र्म

म व ह नं थ व स्वा मी या का न हा न थ घा हा न का न हा न मा व क नि य न या य मा ल ध क थू मः
 सी पु का न ल न अ म य रु न ह थ या ना व वि न ति या न थ न थ व क ता न अ म य रु या हा रा द
 ना व नि व ग म्मी न ध या हा पी थ सी क न अ म थ धा त ना स जि न कू ध य आ व रु न मा म व वू
 या क व ज का व ध क ध या व थ न अ म य रु न स्वा मि या आ हा थ व मा म व वू या च न हा स हा
 क पू या व व ज रु न हा मा ना पि ता आ व जि स्वा मी व ना य व न न सा व द्या वि स वि का रु ध क
 ध या व व ज रु ना व ची न थ स्व या व मा म न व व न ध या हा पू टी अ म य रु क न अ म थ ध क
 ध य म न का न धा त सा जि य नि का थ जि थि रु ता आ व जि मि आ म हा सा क न क न या व चा
 ना हा पू टी जि य नि स का य धा त सां आ च धा त सा न क क क वा ही क न सु र्या हा सा म द क न
 अ म थ धा त ना स जि य नि घा हा ल नी व म पू न हा वि नी पू ना अ म य रु थ न न जि वा ना व
 गा थ ध य म न व ग थ च न मा म द ग ना टी सु री उ ल अ थ जि य नि स क अ ध का ल रु सां

शेषप्रीत्यमयशु. ग. ध. ध. त. सा. श्रीनामचन्द्रया. भीतादवीमदयाव. दमत्रयत्रा. जानतागोदताव. सुर्गवा
 स. वने. अर्थ. कर्मदत्तास. जियनी. ध्या. य. त. कि. प्र. वा. स. नी. व. म. व. ध. न. त. जि. प. नी. नि. दा. न. सा. ना. व. ल. हि
 ना. व. ध. ध. न. म. प. कि. न. दा. न. या. ना. व. वा. व. शेषप्री. क. न. रा. ल. ग. पि. ला. नि. सा. न. धि. लि. हा. व. यी. व. ध. का. ध. क.
 धा. या. व. वि. ला. प. या. ना. व. मि. ला. न. ल. वि. हा. य. का. व. अ. न. ग. पु. का. त. हा. धा. या. शेषप्री. त. म. य. श. जि. प. नि.
 अ. ना. ध. या. ना. व. क. व. न. धा. य. म. न. व. ध. न. वि. ना. मा. ना. न. धा. या. व. च. न. त. म. य. क. न. द. ना. व. धा. या. शेष
 पि. ना. मा. ना. अ. म. ध. ध. क. अ. हा. द. य. क. स. वि. का. य. म. न. व. क. न. धा. ल. सा. मि. ला. जा. नि. या. प्र. नृ. व. बी. ना. न. १५५
 भव. ना. ध. र्म. क. न. म. द. ग. मि. म. द. शेष. ना. धि. ना. का. य. भा. रा. या. ज. क. पि. ना. मा. ना. या. भ. वा. या. य. ग. वा. ही. क.
 न. ध. र्म. क. र्म. ग. मि. भव. ना. क. न. म. द. शेष. पि. ना. मा. ना. क. ला. ल. य. नि. कि. अ. हा. नी. त. स. न. सा. ल. म. व. अ. न.
 ग. य. ना. ना. दि. द. स. वि. का. क. थ. का. शेष. ना. धि. ना. ध. न. जि. ग. ग. ल. ध. क. धा. य. म. न. व. मि. ला. जा. न. या. जा.
 प्र. नृ. व. बी. ल. गु. ना. स. न. न. क. स. वा. स. श. यी. व. ह. न. जि. य. प्र. नृ. व. श. ल. का. थ. श. ल. क. ला. नि. मा. नि. श. ल. सा. स.

जान. न. का. ना. यी. व. द. ला. ध. र्म. सा. ग. स. अ. ना. च. भा. रा. ध. या. क. र्म. र्म. वा. ल. क. श. ल. ल. थ. व. मा. म. व. व. या. क. स.
 चा. ना. व. ल. ४. ख. न. शेष. ना. ना. व. शेष. नी. व. ग. व. धी. क. ल. क. ल. ना. स. मा. म. व. व. दा. श. कि. जा. स. क. ल. वा. ना. व. थ.
 व. प्र. नृ. व. या. क. स. शेष. नी. व. शेष. पि. ना. मा. ना. ध. न. जि. प. नि. क. र्म. व. ज. कि. स. वि. का. क. न. जि. य. नी. न. प्र.
 ली. प्र. नृ. व. ना. र्प. ति. हा. व. य. म. र्वा. ध. क. धा. या. व. ह. न. शेष. ना. श. व. वा. श. जि. प. नि. व. न. ध. क. ध. धा. का. स. वि. का.
 य. म. म. ना. ल. शेष. ना. श. व. वा. श. ध. क. धा. या. व. तु. नी. स. हा. क. प्र. या. व. वि. न. नि. सा. ना. व. चा. न. ध. न. थ. व. प्र. नी. त. म.
 य. क. न. धा. या. व. च. न. द. ना. व. मा. म. स. गी. व. व. मि. व. ल. क. ज. क. म. नि. क. ली. प्र. नृ. व. ल. मि. ला. स. ल. वि. हा.
 य. का. व. अ. न. ग. मा. ध. न. वि. ला. प. या. ना. व. ना. ग. न. नि. सा. स. ग. या. ध. व. ल. २. स. मा. स. को. ल. क. का. ग. या.
 व. प्र. नी. जी. ना. नि. क. वा. ना. व. अ. न. ग. य. द. अर्थ. ची. ज. बी. ज. द. य. का. व. शेष. ना. ना. दि. या. न. का. व. अ. न. ग. ची.
 ऊ. वी. ज. व. ल. धि. क. का. या. व. मि. व. अ. र्म. वा. क. म. थ. व. प्र. नी. त. म. य. क. नि. क. या. न. वि. या. व. ह. ल. ह. न. ली. न.
 १. स. व. ल. न. प्र. न. का. व. म. ली. मा. मि. क. थ. ना. ग. या. मि. सा. न. मि. स. का. व. रु. या. न. २. थ. अ. द. न. ल. व. या. ना.

व. ह. त. त. ल. म. नि. मा. नि. क. सु. व. र्म. आ. दी. न. वि. या. व. द. क. र्म. ली. पू. र. व. या. र्ग. द. र. त्या. र. त्या. द. य. का. व. सु. सा. य. न. इ. ति.
 स. ध. ना. व. व. उ. वि. का. ग. क. स. थ. न. ति. नि. वि. र. क. क. क. म. न. स. गी. ना. म. व. क. र्म. ली. न. स. ह. स. व. न. थ. का. न. वि. व. न.
 थ. ना. व. नि. वि. र. क. न. स. गी. ना. म. न. न. इ. त्या. र. त्या. य. नि. क. व. न. थ. या. र. ह. द. त्या. र. त्या. प. नि. जि. क्का. न. जी. ना. त.
 स. हि. न. क. स. या. व. थ. न. मा. स. ह. न. व. म. य. श. या. त. हि. न. क. नि. दा. न. या. ना. व. क. नि. ध. क. ध. या. व. श. पू. जी. ल.
 म. य. क. क. प. नि. स. न. जि. य. नि. क. ल. म. न. क. मा. त. श. य. ग. ध. या. व. थ. न. मा. म. व. व. या. आ. क. ड. ना. व. इ. ति. दि.
 क. का. व. इ. ति. न. क. ल. व. या. व. नि. क. र्म. ली. पू. र. व. न. मा. म. व. व. या. पा. नि. नि. पा. र्ग. श. क. य. या. व. इ. ति. स. द. १७५
 ना. व. नि. क. र्म. ली. पू. र. व. व. न. श. ली. थ. व. स. नि. वि. र. क. क. क. ह. स. गी. ना. म. व. क. र्म. ली. नि. क. स. न. ख. न. द. ना.
 ल. मि. खा. ति. म. का. स. स. या. क. थ. ना. स. व. न. म. द. या. व. व. या. य. हे. म. सि. या. व. मि. र्ग. न. ख. वि. हा. य. का. व. हा. य.
 पू. शी. २. थ. क. व. या. व. सि. मा. ग. या. व. नि. क. र्म. ली. पू. र. व. न. स. या. व. ची. न. थ. व. स. स. दे. व. या. था. ग. न. जि. य.
 हि. का. श. ना. व. व. क. र्म. ली. म. हा. द. व. या. गी. क. य. श. या. व. उ. म. ल. न. वि. या. थ. य. न. सि. मा. क. र. च. स. हि. ना. व.
 न. क. र्म. ली. पू. र. व. क. र्म. ली. न. व. ना. व. नि. वि. र. क. क. क. ह. स. गी. ना. म. व. क. र्म. ली. प. थ. ल. प. द. स. पा. व. न. व. का.

न. न. हि. का. या. व. म. ल. क. ल. थ. व. स. नि. वि. या. र. क. ग. न. क. व. न. धी. म. हा. द. व. या. द. र. प. नि. व. या. व. हि. न.
 ग. हि. पू. य. क. ध. या. ना. म. वि. मा. न. स. नि. वि. र. क. क. क. ह. स. गी. ना. म. व. क. र्म. ली. त. या. व. ग. र्ग. व. र्ग. म. नि. स. न.
 इ. ति. वा. य. थ. ना. व. थ. य. स. ग. प. नि. या. स. व. न. क. य. का. व. चो. क. र. ह. ग. य. का. व. दि. य. द. ह. क. य. का. व.
 के. ला. म. स. वा. ना. व. य. न. थ. न. ति. नि. वि. र. क. क. क. ह. स. गी. ना. म. व. क. र्म. ली. न. श्री. ज. ग. दी. थ. र. श्री. म. हा.
 द. व. या. प. र्ग. वी. ध. वी. या. च. ग. ह. क. म. स. स. हा. क. य. या. व. थ. न. ग. मा. थ. न. प्र. ला. ग. या. ना. व. पू. न. वी. द.
 ग. र्ग. वा. स. म. मा. ल. क. प. द. आ. न. न. द. न. श्री. वि. र्ग. ह. र. म. क्कि. श्री. म. हा. द. व. या. स. वा. या. ना. व. ची. न. ॥
 ॥ थ. न. ति. नि. वि. र. क. क. क. ह. स. गी. ना. म. व. क. र्म. ली. पू. र. व. या.
 थि. थि. २. ख. क. ना. व. व. न. थ. थ. व. अ. म. हा. द. र्ग. म. वि. न. स. थ. ना. व. ल. स. हि. न. २. स. ग. व. र. द. थ.
 य. स. ग. अ. ह. स. ज. अ. ल. २. जि. ना. व. थ. ना. ग. ति. स. व. या. व. २. ह. न. व. पू. र. ति. स. थ. न. ग. य. म. हा. या. व. ची. न.
 ह. न. थ. ना. स. स. ग. म. न. य. म. आ. न. न. द. न. या. स. न. या. व. ची. न. ग. ति. स. व. या. व. ह. न. ना. ना. ज. स. ज. क. जि. ना. व.
 ज. न. स. व. या. व. ह. न. च. का. ल. ज. ग. र. आ. दि. न. जि. ना. व. ची. न. स. व. या. व. ल. स. व. ना. व. व. न. ह. न. व. न. स. च. ला.

हनिता नालस, चालस, किमिवायु, थपनि, आदिन, यथे क्रिगतु शव, कू, सायाव, हन्, सिहादुस यास
 लाव, लयाव, नयाव, नाना माधन, नकली पुरवया, खला नाव, अगी हर्वन मानया नाव, वृत्तुन
 वनं थव, लस, महादुर्मि वनस, थनाव, कू, यादिन स, देवया जागन, नागीस, श्री महादेव जी
 गीरुष, रुयाव, थनाव, चाना उमरुल, थपठिया गया ग्रहि थपन, थपून्, याग्रीस, नकलि
 पूया कू, को गिसी, मासवव, नठियाव, हक धन डव्य, गिसा, गहना, वलु आदिन, नागीस, रव
 न, पूयाव, यन, श्री महादेव या थपन कना वची नक, (ममय रुया मि वमर्कया) सुया कलन १७१
 मनाल, थनं ति धा गकात रुयाव, कलन चायाव, खन नासन, थव, रुकस गिसा व लु कून
 मरु, हन्, मासवव, नठियाव, हव, ग्र, धन डव्य, कू, पून्, मययाव, अगी विलाय या नाव, रुया
 चानं, हन्, (ममय रुव कू, ली न रुत सी धा या, रुद, ला रुत्या पनि, आव, गथ या य मातथ
 निया नागीस, पापि रुसा, अरु, जागि पून, पूयाव, यन, मिगीस, मायाव, थान्याव, कलनम

चो ल, धन डव्य दयाव, चाको यन, जिपनि सन कलन मचाव, धि कान कि लथ धक ला इत्या रुत्या
 पनि, आव, कपनि, कू, नकाव, यन, धन डव्य दया चा कू, पूयाव, यन, थगन कपनि सिहा कू,
 निहा इत्या रुत्या पनि, हन्, कपनि रु, लः याग, वचि रुनि रुन्, नापं, वियाव, कायं मरु, थधि
 न अरु गिनी रुतु गिन कू, या मरु इत्या रुत्या पनि जिमासव वू, या क, जिपनि नि कू, सया हा वा
 नसवा, धन काव, विव, हन्, जिपनि नि कू, सन कलन रुव मखा धक धाव, कल्यात पनि मः
 गीगनि दानयाव, आव, हन्, जिपनि थन ग, रुयाव, गाथा धक धा हन्, कल्यात सन वि याः
 व रुया ग्र, धन डव्य, पून पूयाव, यन धक धाव, धक धा याव, धन इत्या रुत्या पनि सन (म
 मय रु मा रुया गुगीस मि वमर्कया कलस गुगीस रुक पूयाव, आ मथ कल्यात पनि स
 आका, थद, धक धा याव, वगका याव, इत्या रुत्या गयनि कू, सिहा वन धक रुन् ॥ ॥ थ
 नं सि (ममय रु न रुत सी, थधि न ग्र, वना कलस, चानाव, अरु नग माधन, विलाय या नाः

१०. भ्रनगदृखकनयाव. नक्रली प्ररष. भ्रननं. वनं. हनं वन २ हि लाव. पर्वनका हावयाव हनं
 भ हावयाव. हनं नक्रली प्ररष भनं. महादृखसियाव. नयनसूका कुवेसू म दयाव. वनस हि
 सिनाव. सिसारुत शकी नयाव. वृत्त २ न वनं. थथ कनयाव. वव. चक्रयादिन. महा उचुरी
 याव. चानग्रसि. पर्वन थ नाव. आ हा व न या ग ग या न या ग. थ पर्वन या ची स. स. र. हि सिसा. रु
 त. कुनं म दू. श्री व ग थ या य. क ना व सुं र व य नं ध स सा. थ त कुनं म दू. महा स क दृ २ थ क
 हा ला व. न क्रली प्ररष वृत्त २ न थ हा व न. हा. थ. पर्वन या ची स थ नाव. न क्रली प्ररष भनं
 जासू काल ग क न या व. गठ २ री क उ ला व. चान. थ व ल स. अ म य र न. थ व स मि या क व १५
 न ध या. हा उ पु स्ता मी अ न भू गी य श ना. या स चा स. ग न का या नं स र ह नि ना न कि व. थ
 वृत्त २ रु ल. भू नं न कि व. हा उ पु स्ता मी जि न स ह या य म रु न. थ क म स काल ग क न या व
 चान ह नं ध या. हा स्ता मी अ न ना थ. म रु ना जि न स ह या य ध क म या व. पर्वन ची स गठ २ रु ला

व जासू काल ग या व म की रु या व चानं. ह नं. अ प द ना व. ध या. हा स्ता मी जि धा त सा वि. अ व न या
 थ स. काल क द व. क म च न म रु न. अ सा म र्थ रु ल. हा स्ता मी आ व थ पर्वन न. की हा व नं म रु न
 पि या क व. या स चा व न. पी उ ल या व रु ल थ क हा २ का त म र व या व. गठ २ रु ला व ची नं. ग थ
 ना ग नि य स रु ल. अ थ व ल २ स जासू काल रु का न या व. चान. थ न लि नि व ग मी वा क्त न थ व
 क ला ग गठ २ रु ला व ची न र व ना व. म म न काल प ल आ व ग थ या य माल. न क माल सा ग न का या
 न क ल र व म दू ध य स ग न का या व ना न क ध क चि न ना या ना व थ म दू नं क थ. थ या थाल सा या
 थ स. दू. थ धि न क या ग ग थ म न क स. स र व म ना न क स ग थ य न जि यि व ध क म हा भ्र न थ
 न रु ल. ध क ध ध का या व. थ व ली. अ म य री क ला ग या क स. य नि २ या ना व. नि व भ मी न ध या
 हा जाल प्रिय. अ म य री. थ धि न दू गी व न स. पर्वन या ची स. ग थ. थ थ चाना. थ धि न अ य
 स र व म दू ध य स. अ न या ग ग न न द यि व. हा प्रिय. थ न न. वृत्त २ रु न. की हा व नं नू या ध

कथं या हनं ननु धर्मा का सी यव, लंख, सिंहा रुत, हि ल नाव, कर्त्त मूल आदिन, का स तु नि दयी व, लु ग्रा
 ल प्रिय लम मय रु, द २ ध क, क स पि रु दि या व, आ म थ न न म न व, ध क ध या व, थ ग थ व पू र ष
 मि व ग म्मा वा क स या व च न आ ह न ना व, लम मय रु न, म हा सं क र न धी ज या ना व, वृ र्त्त न र न
 य पा न २ च या व, रु स २ रु या व का हा व या व, थ उ च रा या व नान प र्व न न की थ न का व, अ न ग
 र सिंहा रु त, हि क रु म ल आ दि न, न या व, लं ख ना ना व, रु कि रु य का व, थ स २ स सिंहा या
 क स, मा व दि ना व, अ नं, थ व ल स मि व ग म्मा वा क स ल न, थ व रु थ ना व, मा व दि ना व, उ व रु
 व, रु या व नान, थ न मि व ग म्मा न धा या, ल प्रिय लम मय रु, रु स इ हा न या ध क ध या व, लम
 मय रु न थ व रु मी या रु त रु या व, थ म नं रु त च न क न का व, रु स इ हा व नं, थ रु स ष
 ना व धा या, ग धि न थ रु धा ल सा, न न जा व रु न षा रु, मा षा पि धा न ग व, वा च न, धा स न
 प ति नि ना व रु या च रु जी नि धा या ना म न ग न द ग या वा हि ली ग रु या व नान, थ रु ष

ना व लम मय रु न प्री वि ना य या ना व मि खान रु वि हा य का व, रु या ह रु ल रु या व, रु दि का या व रु दि
 न, व पू ना व, रु स इ हा व ना व, रु थ पू थ न या व, थ व पू र ष या रु व रु दि या ना व, नान आ व रु म्मा य नि क
 म्म न व रु ध क म न न रु स या व नान, थ थ सी र्वा नि ला पि ला, द स नं ति, रु रु या दि न स, मि व ग म्मा
 वा क स ल न लम मय रु क स न या रु व न धा या, ल प्रिय रु म्मा रु आ व, जि न, म्मा थ या ला रु व रि
 न या रु व रु म इ थ न न, जि न हि द्वा रु त व रु न रु न रु स ही न क नि दान या ना व नान, ल प्रिय
 लम मय रु, ह नं रु न मा चा व रु ल सा ग थ या य, रु स, वृ या, आ म रु रु व रु न प र्व या य, थ न न
 म्मा थ या ला रु लं ख चि न या न, व य व सा न रु न या रु रु व रु म इ, थ न न, जि व रु ध या, व रु वि रु न
 रु न ग म्मा नि दान या व, ध क ध या व, थ व पू र ष मि व ग म्मा ना म वा क स ल या व च न रु ना व, लम
 मय रु न वि न नि या ना, ल प्रिय रु मी, जि थ धि न द ग या वा हि ली ग रु ना व ना थ, रु रु त रु रु रु न
 हि द्वा रु न ध क ध ल, जि रु लं ग म्मा थ धि न, रु स रु ल सा, ध न रु प रु, जि थि रु मि रु म रु थ

धिनथयसस, जिउ कागनकूनयाववहमानयायलुप्रहृष्टामी, थननकून्यातविकायधायमभव, पु
त्यथा-चासासंखतिनयागवयवसानहनयागः, वचमदुसांनमदु, जिउरविं गजमानपनिहृष्टा
नावहयानं, नात्रययायलेहामीथसंसात्रस, जियावचोनपनिहन, मजीवघनिहृष्टाज्ञानमयाग
सागथथसंसात्र, चीत्रशयीव, लाहामीजिवानावगाथधकधसठिकायमभव, इथपूथचउः
जातिनगत्रया ऊजमानयनिहृष्टानाव, नात्रययाय, विभवन, कून्यातकाथकून्या, नायमदुग, निर्या
नमकूक, कसपगनंमगाव, थधिनक्रगथपत्रदमविकाय, लाहामिजिविनहिसहस्रछाटि२जिवि
नगि, हनं कूसधतसा, अत्रादितकूनंमदु, जिमत्रीनथधिनज्यागु, हानवनमदु, मवनसा १७०
द्यानसाग, सनाद्यानलागधक, सयाव, विसवयीव, धक, अत्रगपुकागहागुनीनपास, हाकपूयाव, हाक२
पूयावयस२पूयाव, विलापयानाव, विनगियानांनंवाधमश्याव, निवगमीकाकूननथवकलागयाग
धया, हायासप्रिय, कूनजामथधकधयमभव, याकून्याकयाकपत्रिपंचनासलायकमास, जिहसंत
दिवाकियाख्यातथका, कून, नयगचउजातिनगत्रया, थक्रयोक्र, ऊजमानयनिहृष्टानावऊजमा

नमो लोहाहीन कृतिन वयका वृहिका क्षमा व नव, ध्यान लाना चीन मद्रु जिन नानं लिहा वय थूका धकधा
या व व ठा का या व, हथनी निव मर्मा बा क्रल पत्र द म वि का न, ह नं व नं २ हि ता व महा क क न या व रि
का क्षान क धाय मि, हि ता व, क ल, थू ग क र्थ हि ता क या व, क क या दि न स, क लि हा व न ध क म म न र ल
या व स क व ल स, द म क ग र लि ख ना व, थू ग लि अ य स स या व, क्षा ना व, ह ल, व ल स, द म या म प्री य स थो
गं ग क्षा ना व, चान, थू गं ग स, धा थ, जि धि वा क्र ल, उ क्क नी व स ल पं चान, थू थो य स, सि मा सि स्तान
द या व चान थ धि न म ना ह त श या व चान ग र स्तान स, स या व, नि व ग र्म ना म वा क्र ल न, गं ग स स्तान
सं धा ग र्क म या ना व, द ग र लि या य ध क धा या व, सि मा ग या व स्तान ख या व चान व ल स द व या सं डो ग
न, सि मा क या च त्र हि ला व, कू टी न व ल, थू व ल स थ नि व म र्मा वा क्र ल या न व दान न हि क्षा या व म
थू श ल, थू व ल स, नि व या द क जन क व या मि मि र्जिन नि व या दू ग ग म य नि स ल वि मा न ह या व थ
नि व म र्मा वा क्र ल या ग दि च द ह या ना व वि मा न स थ ना व, २ ५ क न्या य नि स न ध न्य २ क ल्या ल

लोभिवर्गमर्कवाच्येन काथमत्रीत रुसुन, गंगसुखानया नाव, श्रीमहादेव या नया नाव प्राधाल
 नदवधन्यशक्यात्, कल्यात्समानधर्मात्मा सुनमद्वयक अपसनापनिहन, धर्मात्मा जीधर्वनी, २३ २
 कल्यापनिहनं, रुसु, गंगकीर्तनाया नाव, केलासमल्यनक लयनं, थन केलासमल्यनाव निवर्गमर्मा
 वाक्रहने श्रीमहादेव श्रीयार्वकीथवीयाचेन हाकमलस हाकपूवाव, अंगमाधने सापुया नावची
 नथनधीमहादेवन थनिवर्गमर्मा सापुयाक गलिन संगाव रुयाव, पुनवीद जन्ममास केन
 यावतसी ॥ ॥ थनंति लामयशुवी क्लीकन अंगमाधने विलापया नाव धाया, हाशक २२ महा १३९
 सिकहनदुःखसियमात्, कृयाय, पूरुवतानानकाथ थपूरुव जिनहात मद्रु हाशक २२ कृया ना
 यायापन जिथथेचानमात्, आहाश जिनजी कृपाय कर्म या नामद्रु हाय २ ये व विधा ता नव
 वक मया न ममन, बिलान रक्षय जि जन्मधक धायाव रवयाव अमि विनाप या नाव च नुजा
 मिनेगनया जजमानपनि क्लीकनाव नयाव चानं थथे चोवा वला ययात्ता लंथ निभग यावत

६६

लंथथेनमद्वयाव, लामयशुन अंगमाधने कहनयाव, चनुजातिनगत्रस यजमानपनि क्लीकनावा गलिन
 नवाक्रमया कृयाकर्म यायमात्, उलिम जीत धर्म कर्म या नकावत ल, थनंति जितामास संपूर्ण कृयाव वातक
 भाचा जन्मरुतं गधि नगदिन संधालसा, जाजालं शय रुव गलिन जन्मरुतं गधि नवा लेक धालसा, ब्रुथ
 गमू न्यन, वगीसल कनन संपूर्ण कृयासमलना जलकमन संपूर्ण, थथेन कृवात कपूण कृया जन्म रुव स
 याव अथक हर्षमान आनन्दन ब्रुति कृयावेचान, हलं वृन् २ केथी जागया नाव, मिद्रु द्रुव नवेन का
 मिमनि द्रुव नू, चनुजातिन गत्रया, जातिकवो कृयापनि वाना केनं, थधरस जातिक कृया मप
 निभन धाया, लामयशुव क्लीक रुक सवि कृया नि, थ कृवात कया नाम रुतं, नवना जधक ना
 मप्रकाश कृयीव, लामयशु थमचा या जाग केन वधन संपूर्ण लायी वधक चान, हलं थवा ले
 नक संपूर्ण कायीव, कल्यात् या न महा सुखसियकाव नयी व, हाव कृमी रु अंगमाध या नका
 व, नवधन, सुखमंय कि, थलाव द किम दिभया ना जालं शयाव, चान रु वधक, जातिक कृया मप

निभनभ्राष्ट्रदयकावकातकदयकावविद्याव, नवराजधक नामकर्मकावाव, थगवचनधनाव, मनस
 हर्षमानयानाव, लमयशनजमानयनिसिद्धिनावा, गणदामनथमनरुयाथ, सुकाजागलतागका
 वभ्रगीगुद्यावर्वकनखजनयातकावदक्षिनाविद्याव, आनिकवाकसपतिलिहाविद्याककलंथ
 नीति, लमयशन, थक्रवातकनवराजहिनक, निदानयानाव, लहिनाव, चने, थथवाचौरु
 लप्रामनयातकाव, वीन, हर्ष, अन्न, प्रागनयानाव, चान, हर्ष, थवातकग, थगुपक्षयाचन्द्रः
 मावधयशत, अर्थ, थवातकनवराजवाकसिद्धि, थविद्यातवधिकत, रुयाव, वरु, हर्ष, वासरा १७२
 यानाव, तल, थर्थ, नथ, वस्वामिभवाव, लमयशनजमानयनिसिद्धि, का, लामका, रामधस
 दानार्न, कवासरुकाकायान, वजिहू, का, रुयान, थमनरुयाथ, सामा, यी, गलतागकाव, सुव
 लासनवराजयागजाविद्याव, तल, हर्ष, थवातकयात, अन्न, ग, अस्तु, विद्या, सनाव, तल, थ
 नवराजवाकसिद्धि, चान, वातक, वतस, निभना, अन्न, वरु, वा, स, का, कर्तु, आदिन, गलिभामा, लउ

६३

लिगसमर्ल, यकावचानं, थवतसंनिर्ल, लमयशुवक्रुलीन, गलिगदृष्टवसिद्धि, वलिर्गदृष्टवसमर्ल, वृ
 नवराजकायया, लालस्वयाव, दृष्टवसमर्ल, ननकावचानं ॥ ॥ थनंतिनवराजवाकसिद्धि, ननकावचानं ॥ ॥ थनंतिनवराजवाकसिद्धि, ननकावचानं ॥ ॥
 विद्यासयकाव, जमानयनिसिद्धि, अन्न, ग, पुना, लदिकनाव, हर्ष, क्रिधन, वरु, पातनपाठयानाव, अन्न
 मानयनिसिद्धि, वृसियानाव, चान, थनंति, जमानयनिसिद्धि, कर्ल, मनाव, सा, रुनिया, ना, ली, रपा, ला, यनि
 नवराजवाकसिद्धि, जिजी, स, क, स, क्रिधन, वरु, याव, पूना, नादि, क, था, व, उ, मा, ठ, या, ग, वरु, आ, व, थ, या, न
 विवाहयानाव, वि, यनू, था, ध, क, सा, रु, नि, या, ना, व, व, क्रु, ली, न, ल, क, लं, थ, व, त, स, व, ग, ल, व, र, ध, या
 नामनग, ग, म, अ, नि, स्वा, मी, ध, या, नाम, वा, क्रु, म, या, वृ, ती, व, डा, व, गी, ध, या, नाम, वा, क्रु, ली, रा, ला, ला, व
 का, ल, कि, ना, व, ल, म, य, रु, या, था, य, म, ज, मानयनिसिद्धि, ना, व, ध, या, ला, व, क्रु, ली, रु, क, ला, ल, पू, न, व, रा
 ज, वा, क्रु, म, व, ना, व, जि, य, नि, वृ, सि, रु, य, ध, ना, ला, व, क्रु, ली, प्रा, हि, त, ना, रु, आ, व, थ, क्रु, न, व, रा, ज, वा, क्रु, म, या
 गविवाहयामग, अ, व, स, ग, रु, ल, थ, न, न, सा, मा, गी, कू, र, द, य, क, मा, ल, ग, थ, र, मा, ल, स, म, ल, व, रु, न

आह दयकसंविधा कृनिध कधयाव थन जजमान पति सुखादनाव, अमयकनधया लोहाय
 त्रिजि काययाव चन खनाव, जिमनसं अनी अनन्दकला, कि सुन संन विवाह या यवत शलाध
 क उजन दयकल सुया रसासायाय, सुनान, विना या नाव विधीव, क सभलसा नसा मद्र, क
 नका वगय हा जजमान पति, कि सुन पति सदया कपान, किन क पालरुका आहा जलाक
 व, चीना, क, भलसान रुगया क, सुनान जि पूग काययाव, सुनान, का चभाया विधीव, हने
 भावाया ववुं, क समद्र, धनसंपत्ति मद्र जिजा सामर्थ मद्र, कि सुन पति सुन गल्थ २ माल ३: १३३
 (थ २ या सदि सुन, हने अमयकन, जि पति थयिन अवला, ति पनस जिन कयाय धक मि
 खान ख विहाये का व विन गिया नाव चान, थन अमयकया लखादनाव, क रल सायाव
 जजमान पति सुन धया, ल वुद्धी पाइ, क त्या रयायू न वना ज याग, कला न रुयी व क
 सुया व गय धुना, अथ क सु नदी रुया व चीन, हा वुद्धी पाइ, गनया धालसा, व रल अयन

धया नामन गनस अमिलामी धया नाम वुद्धी कलया पूती, च नाव ती धया नाम वुद्धी ली का, कलात
 या काय न वना ज याग, वहल रुया व चीन थका, थन काल कि नाव गय धुन, नि अ २ यध क धया
 वहल नका व गय मात सान नी गिया व, गय मात सान, जि पति सुन गय थुका धया व, थन जज
 मान पति सुव चन ध नाव, अनी रुष मान या नाव धया हा जजमान रुग पति, धन २ कि सुन
 पति, आव, यासिते, जिया व वय मात, कं अल पति ख नाव दया कपा दव, हने जि खने व गव
 धन कपा दल धक मनस अनन्द या नाव, विवाह याय याग मात की थ थ २ ध क धया व थ
 न ख समलुं क नाव जजमान पति सु जि व र ध क धया व या सा पति सु, सा क दि या नाव, अमय
 न अह द क मात का सामा गी ता लला क काव, गी न व ना ज वुद्धी रुया, विवाह याय याग
 जीनी क के नाव दिने थ व नू ध क थ क ना दय का व दिने पण विलं, हने व र ल अ यन संप्र
 निस्सामी व कल याग थ व नू ध क के नाव नाथ लं, हने अमयकया क हिन का व विलं थ

नैतिदिन नैवाव. अतः दिन नू नव गगन कृष्ण जात भूत गवस्तु न पून काव. नाना पदार्थ यात्र ल मासिक
 पूना वृक्ष यात्री सान गिय काव. स ल गय काव. वरिष्ठा वृत्तं. ह वं अ न ग क न मान प नी ह न. सा मा ग्री आ
 न काव. वरुष्ठा वृत्तं नाना म न ग न म. अग्नि स्ता मि ध या नाम वा कृष्ण या थ स ल व न. थ नं सि ध मि
 स्ता मि धा कृष्ण न. थ व पूती च न्द्रा व नी वि वा ह या य या क. अ न ग सा मा ग्री न या त या मा व. आ हि न वा कृ
 ण न य दू आ र ह या त का व. सु व ता क या व. अग्नि स्ता मि धा कृष्ण न थ व पूती या त अ न ग. अग्नि ज
 का य या व ल न पू न का व. न न गि स्ता न दि य का व. य दू कृष्ण स ग या व. ग लं. ह वं वा कृष्ण प नि ह न. ॥ ३४
 व ज दि ना ना पू ना आ दि य द य य का व. ह वं सु ल ग स. अग्नि स्ता मि धा कृष्ण या ह र्ष मा न या ना व. पू
 ती च न्द्रा व नी या ला हा ग जा ना व. हा म स. कृष्ण या व. मा म न ज ल थ ग हा य का व. आ हि न न वा कृ
 या त का व. न व ग ग वा कृष्ण या त कं ना दान वि लं. थ क ग्री कृ मा न हा अ ग रु म नी थ व क नं ॥
 ॥ ॥ अग्नि ग्री स्ता मि धा कृष्ण पू ना. न व ग ग च न्द्रा व नी क न्द्रा दान क थ ॥ ॥ श्री स्तु द ५ वा च ॥

६६

श्री स्तु द कृ मा न हा आ हा द य का व. अ ग रु म नी थ व क ना ह वं अग्नि स्ता मि धा कृष्ण न थ व पूती च न्द्रा
 व नी वृक्ष ती न व ग ग वा कृष्ण या त कं ना दान वि लं. थ क ग्री कृ मा न हा अ ग रु म नी थ व क नं ॥
 व न या व नी वा कृष्ण या व. आ हि न न वा कृष्ण या व. आ हि न न वा कृष्ण या व. आ हि न न वा कृष्ण या व.
 आ दान. अग्नी दान. थ म न रु या थ वि या व. व ता वि या व. वि कृष्ण क र्त्त. थ ग म न का व. जि स्ता ज नि
 न व ग ग वा कृष्ण. थ व पूती च न्द्रा व नी न कृष्ण प्र वृष्ण या त हा ज ना दि या त का व. य दू कृष्ण थ व थ म
 स सु ख न ग लं. थ नं लि थ कृष्ण च न्द्रा ज नि न ग र या. अ ज मा न प नि ह न. अ न ग वा थ थ ग का व.
 या र व न रु य का व. न व ग ग वा कृष्ण च न्द्रा व नी वृक्ष ती न कृष्ण प्र वृष्ण. इ ती स ग या व. आ गि
 या ना व. च न्द्रा ज नि न ग र स ह लं. थ नं लि. अ म य रु न थ व पूती न व ग ग या वि वा ह या ना व. मं ग
 ल आ ग या ना व. ग ग रा ना व. हा स नं. अ वा स. अ कृष्ण अ ग या व. ल कृष्ण या ना व. कृष्ण द ग
 वी ना व. य नं थ न. श्री न व ग ग वा कृष्ण न मा म या च न हा स. कृष्ण प्र या व. चो न च न्द्रा व नी न मा म रु ग

या च तल गली कय मास चानं. अथ वसु. अथ मय रुत. आभीर्कद विसं. हलं ऊरु मान लश पनिस कल यानं आ
भीर्कद विसा वधया. हा ऊरु मान पनिसि काय या न ग. थ सि सत पनिस न ५ आत्र या ना. सि सत पनिस
कलं वं कलु वास रुय मास. हा ऊरु मान पनिसि कलु सध न संप कलु सनान २ रुत्रि सत ल ग या ना
व चानं दय मास. हा ऊरु मान लश हनं. मिजी स. थ वधि २ ०० रु मि स. हा स ना स पनिसि रुत न या न
कमानि. सा ना जाम दय कि वधया व. अथ मय रुत या हा हा द ना व. ऊरु मान पनिसि न मास की मास
साग का व विसं. वा क्र हा. थ वधि २ ०० रु मि स. हा स ना स दया चां कां सत गा व. अथ न ग २ य दार्थ दय. १३
का व. हा ऊरु मान दिय ना का व. सि हा द कि मा विया व. सि हा वि का च कलं. ॥ अथ न चून का व ऊरु मान य
नि थ व २ रु स व न. अथ नं सि अथ मय रुत रुत सा. काय न व गा न. रुति चा च न्दा व नी या हा स रु
या व स म रु २ रु ग न का व. अथ न न चान. न व गा न वा क्र हा न मा म अथ मय रुत या हा स रु या व
च न्दा व नी कला ग रु. काम की ज ली ग या ना व. ६ थ यू थ न या व ना का स कल ह ना व चान रु सा ॥

अथ लि. क रुया दिन स. रु उजा नि न ग न स. अथ व स रु स. या सा पनिसि न धया. व वृ म द म चा व स ध क अ स थ
थ ध या व थ न न व गा न म न स. वि हा द या ना व. कलि हा व या व. न व गा न. मा म या क रु व न वि न रिया ना
हा मा ना. डि व व रु ग न वि हा द. द निस म द ग ला. अथ क ल्या स न स म रु व रु हा क. आ हा द स वि का य मा स
हा मा ना. ध क ध या व अथ न व गा न वा क्र हा. या हा हा द ना व. अथ मय रुत धया. हा पू रु. डि ने. क न रु क
न द ना. क न व व या रु डि ने क ध या हा पू रु न व गा न. क ध या थ स चान व स रु. व ला य च्या ला स रु ति
न या न व य व सान ह न या न. अथ व र्च. क न म द या व प न द म रु ति हा रु न ध क व न रु. क थ या य
धि क ल रु सा आ व ना स रु ति हा म वि का क सि ग ला. म्हा क ला. डि ने क न म सिया नि ले व ना न व गा.
क थ रु ति रु क डि ने सिया. ध क ध या व. अथ म म या आ हा द ना व. न व गा न वि न रिया ना हा मा
ना. अथ मय रु अथ म थ रुत ना स. डि ने व वा रु मि व म मा वा क्र हा या उ व द म व न म मा स रु ति
थ धि न रु का य द या व. व व या. धा रु व व न. या य म मा स रु हा मा ना. अथ डि ने व न ग ला व रु ति

कनहर्षं कसहितकनिदानानाव शानथवृत्तमतीर्हि न कनिदानमात्राव शान शमागव वा रुयावव
 यायधनव. वृथथका धया वृथदाशनं धनपुनवरा जया रुखादनाव मास एममय कनधयाश
 पुनवराज कनअमथधयमनव कनववृ शमद्रखसमस कनग्रखासखयाव ननकाव
 आनाखपुजि जीवया आधन क कनजक दनकन ववृ मद्रधय कनार्प मदननास जिय
 निगमि क कनवस्तु शयीव शपुग क थ कसस मदननास वरुमा मद्रग्राणी शव थंद
 नीव शपुग धनन जिमि साशानिवालगाव कव नधयमनव धकधयाव थन मासयाव १७७
 चनदनाव नवराजनधया शमाग अमथ धक आहादस वि कायमनव कानधलसा
 आवगास ववा शसीकल्ला कला वि चालयाय म्वातला थथ चाने गो एम म्वा सीनसा को
 चवृन वि चालया नाव मासग्र सतिगनियानाव वय म्वा नाव चानसा जिवनार्प या नाव हयथ
 का शमाग काय धावा दयाव चानाया ववा रुया धाव वव मयागसा नत्रक स वनीव कायन

ननकवासवनीव धनन ववृया ग उधानमयागसा अधा नग्रनत्रकस वा स वास याथ मासीवलाः
 माग धननजिन गनधक आहादस वि कायमन जिगअभीकी दवि याव आस वि काकन क
 लासयाग जिगं गनि द्रग्र खव थका क स इ थपु थनयाव क ला स सनहसि चायाखासस
 यावसमस दः खलास मनकाव आन न्दमा नाव चास वि काकन धक वला कायाव थनयुग न
 वराजया रुखादनाव एममय शनधया शपुग धन्य २ क कनअमथ ववृ रुया उयदम व
 नधक धलनास जिनेग ए गो ए म्वा न धक धयाव नवराज पुग म्दम रुक कूग काव माद
 म लाहाग वयाव मा म न अभीकी दविल शपुग नवराज क वनाग्र कार्य सननान सिद्ध रुय
 मास हर्ष लस जिवा जक रुया रुयनि वि ध्र शयमास शपुग कनववृ रुया वार्क इर्न मद्र
 गलात्र हा लूयमास हर्ष लसस श्रीग एम नत्र कायाय मास श्री महादवन क न कपागयाव
 गयमास धक धयाव नवराजया क स कपाल सवि दुपिजा वस २ पूनाव मि खान हर्ष धा

विहाय कारं वंजविहं धन नवना जनः नाव माहा हर्षमान या नाव मा मया दुर्निभ मा स हा क प्रयाव थ व कलाग
 च तावगी याग न क र्म का ले पाव वंज का या वे य न द म स व वृ या उ व द म व न ध क व न ॥ ध नं लि ग म य
 श च तावगी ह ती सा व न क ज क ची ना व भू गी क व न या व च नु श गि न ग या ज ज मान हा रु य नि क
 क्षा ना र्म क वा स र्म का ज क क या न व जि ह्म का रु या न नाना प्र का र म न दः ख सिया व कि न कृ पा
 ल मा ज आ हा न हा ग का व ना का ल गं का ल ह ना व चा न थ थ न र्म थ न क ल म व या व च तावगी वृ म्
 सी न मा श ल म य रु या ह्म न थ या हा मा रु आ व जि ष चि वा चा थ व क कृ ध ल नि व न व वृ मा
 म प त्रि क म त श व ता ख स ह मि नि स्त या व व य हा मा रु थ न ची ना ध क का कृ न म द म व या क क पा
 स रु ना व रु या न य हा ल व ह्म न या य अ थ वा न नि न य ता व म ग नि द य क हा थ थ चा ना न य
 ल ग नि स्ता न या य हा मा रु ल म य रु क र्म थ व म गी नं नि द न या ना व वि का रु ति ह नं कृ सो ल या
 का य थ न क ल वि का ग ना स जि न वी न क ल ह स वि का रु न ध क वा या व मा म रु ल म य रु या या

१७१

ति नि वा सं श क य या व वंज का या व मा म रु ल न ग म ध म ग हा क थ व कृ व नं ॥ ध नं लि ग म य रु व
 कृ सी रु या का न रु या व मा हा स क रु न दः ख सिया व कि न कृ पा ल रु का न या व द ख सिया व चा न
 ह नं ल म य रु न वि ला प या ना व थ या हा ल न ला ना न का थ ध नं म द हा ल न म द ध र्म का यी म द
 का य म द ध र्म हा लि चा ना र्म म द आ हा र थ यि न भू ल गि नि ष म न जि थि न द खि थ सं सा ग स
 स नं द यी व म व हा य र थ यि न द ख स ज न्म का ल व या पूर्व ज न्म म कृ या ना पा प न ध धि न द
 व थि य मा ल आ हा र थ ग रि क म स गी थ म न सा य क गा या प या ना गी कृ नं म द आ व आ हा हा
 ये व वि धा ना न ग यि न क क न का व न या दे व स मा न व ल व न भ व र्म म द हा र य दे व जि न न
 का या स वि का य ग हा ध क हा ला व हा म र्थ म द या व अ स का ल रु की न या व चा न ह न अ न ग
 उ का न हा वि ला प या व रु या व कृ न म सि स चा न ह नं हा ल पा आ हा र उ व न जि म चा ल व ल
 स मा म व व रु रु या व द ग रि या ये या न अ क र ले या चा ना व ल स रि का रु न वे व कृ गी ज ग दी

श्रीमहादेव यमनाथ कृष्णसयाग कृष्णजिन उरुहि कृष्णविद्यादत्त नजिगजुहिअपविद्यानाथ द
 थअपलाकं लगया नाशानमात धित्ता नजिजन्म पूरुष लानानं काथ कृष्णसहस्रहं गवा कृष्णधि
 नमहादेवि इ श्यात्र भावागं निरुद्वहिया न आरुगत्तं थधिन कृष्णनया वृन्ना आह २ ध्या
 वृ जगदीश्वनया कृष्णविननियागः शो ०० श्रीमहादेव थधिन अरुवस्मानका वृनय मरुता गिया
 विनीयाग नका याना वृ विद्यायमात उरुन कृष्णसहन जि कृहि कृष्णसहनया वृ हि कृष्णनवि
 काग कृष्णस शयी वृध कजिन मसिया वृ जिग नवधने अरुपनाधनलागा थ अरुपनाध कृष्णया १५८
 विद्यायमात शो भमि अथन श्रीमहादेव कृष्णसया चरुह क मलस कोटी २ नमस्कार ध कृष्णन
 ध्यावृ धीन हर्नं कागुयाग हर्नं विद्याय हथा वितु हर्नं विननियाग शो विनं हर्नं कृष्ण
 वृ संसात्र सनका याना वृ विद्या कृष्णचरु ० नमस्कार शो श्रीमहादेव ध्याया कृष्ण कृष्णसया वृ
 ध्याया कृष्ण विद्याया कृष्ण नृधयाया कृष्ण कृष्णसया ० हर्नं कृष्णसया कृष्णसया विद्या कृष्णयागचरु

[illegible]

कायविकाना नागलकृ आ हा दयकस्य विष्णुन भक्तं भयाव. अति नवना गया लाखा दना व. काथजिधिन
 धया. हा वासव. दनाजि यन्निधन कूनि मिहिनि ना नाभससा. थ गंगस की न स्यात मात कूया व. श्री ग
 यती न जप ध्यान या ना व. प्रा न ना ल ग भ क म न स वा या ना व. धाना. हा महा प्रद. क ग न न व या क न ग
 ग कू. काय थ न व या सम क वृ ना क विष्णु व भ क धया व. थ न काथ जिधि य नि कू व न. न व ना ग जा म
 हा न विन नि या ना हा अ बा रु अ जि मा. जि व रु जा गि न ग न या नि व म मी ध या ना म जा क हा या का
 य. न व ना ग ध या क बा क हा थू का. जि म व ना कान थ न व या म मू. जि व बा रु जि व म मी बा क म
 न जि मा म या ग र ह स ग या व. धू ला पा सं ख चि भ या त व य व सान ह न या त. कू व रुं म द या व. व रु क
 मात व व क. कू ला स प नि स्य न ख न ला. थ न नि मि हि नि जि थ न व या. मा ल ध क हा वृ डा वृ डि क
 ला स न ख न ला जि न आ हा द य क स विष्णु न भ क ध या व. थ न वृ डा वृ डि नि मी ली प्र द य न
 न ध या. हा न व ना ग बा क हा. धू ला पा या ला सं ख चि भ या त व य व सान मात व व क. काथ क म य

१५६

ना धा. कू दू या दी न स थ गंग स लान स. अ न र्थ ज प ध्यान या ना व द गृ ति या य या त कू दूं सि मा स
 लान या य ध क व न. थ व स स. दे व या सं या ग न सि मा क ज च न हि ला व. का ठि व व या व. कू ड न हि ला
 या व मू. रु स. थ ज मा न स. न व ध न गृ सि मा का स ल रु रु नि. कां च ग क द व नी ध क. ध या व. थ ग
 वृ डा वृ डि बा क स या व च न द ना व. न व ना ग न रु स हां वि षा द या ना व. ज मा न स इ हा व ना व. सि
 मा या का स व ना व स्य न ना र्थ. कां च या ह वा स र व ना व. अ न ग मा थ न न वि ला य या ना. हा य पि ता २
 थ पि न व ना क न स वि षा या व. ग ध मू. रु या व वि षा ना. हा पि ता २ जि नि मि हि नि न व य व सान मा ल
 ध क व व क ग थ मू. रु या व. वि षा ना. हा पि ता २ ह नं जि न ग र ह स ग या व. कू ला स उ का न रु का ग न
 वि षा ना हा पि ता २ आ व जि न कू ला स द र्म न या य नि मि हि नि. मा म ना स ग व कू ला स या थ य स जि व
 या जि न द र्म न म वि स कू ला स ज क उ का न न ग न वि षा ना. हा पि ता आ व ग क जि अ न र्थ रु स हा
 पि ता २ आ व जि न मा म या त कू ध क सि स ल क न. हा २ पि ता. ह नं जि य नि नं क भा वा रु का अ ना थ या

नाव, कथा ७ का नन गन वि का ना, हा पिता २ जि न दर्शन म वि सं क था ल रु का अ म थ व न ग र ग न न म जी ग
 द व ला हा पिता २ रु नं क था ल स्व र्ग वा स वि का न ध क, जि न मा म या न क न ना स, जि मा म या न म ग थ
 न का श यी व, ध क हा ला व, व स ग व ल २ रु ला व, म र्क र था व, धा नं, ह नं, व ष द ना व, हा पिता २ ध क
 ना ना मा ध न न, व वु जि व ग र्क या ध वि का च थ व नु ग ल स, न या व, अ न ग मा ध न वि ना प या ना व
 थ म थ थ म नं धी र्ज या ना व, कां च द कां ग स या ल वि ना व, गं ग या ती त स व ना व, गु ति ना वा क हा या
 क र्म या य मा ल, उ ति क र्म न न, अ जि सं स्का त या नं, अ न धू न का व, द म क्रि या, वि वा स र्ग स पि न्नी थ ११०
 या व, उा क र हा प नि हा ज न या न का व, द क्रि स्म वि या व, थ न धू न का व, न व ना ज न म न न ल स पा
 आ व ग न व न, जि थ थि न द र्बी, अ व न, अ ल हा क स व ल, न द म वु, ध क आ व थ द म या ना
 ना जा ना क, स वा या ना व, धा न ध कं द म स द हा व ना व, श्री ना जा का जि पु मा न प नि क वि ल्प २ स
 वा या ना व दू थ पृ थ न या व गा का र्ण स वा या ना व चा नं ॥ ॥ थ नं ति ग म य श वृ ष्ण सी न, दे व या जी

क ५

ग न धू न ग मा ध न क व न या व, इः ख स य द ल पा व, चा नं, थ व ल स, श्री ना ना पार् व वी द वी न का स ह
 आ क श्री स क र्क षी ग व न, म थ म ल ल स वि का ना व, च नु जा ति न ग न स ना प ला क प नि क व न धा या
 हा ला रु य ति, थ न थ द म स, स र्ग दः र्बी, स र्ग द रि ड इ थ क द ना व, थ न ल स ना प ला क प नी स न धा
 या, थ द म स द रि द रि ड ह नं म दू थ द म या ग ही ल स चा न क र्ण म य श क क ज क द र्बी उ रि ड
 इ, कि न क का ना यं क अ न, थ क क ज क द थ या व, स क र्क षी ग व न, च नु जा ति न ग र न पि हा व या व, सा म
 हा ल म चा ना क द नं, थ न द रि द रि ड स र्ग पा पि स दू हा हा म वा ल म चा ना ध क थ या व, थ न सा म वा ल
 म चा ना स न धा या, थ न जं स म स र्ग र्बी ध ना थ, दू दू द म वा हि ल स चा न क र्ण म य श क क द र्बी दू दू
 दू क स हा ल द रि ध क सा म क ल म चा ना ध न धा या व, स क र्क षी ग व न हा रु हां, ए म य श क चा न धा य
 स व ना व, रु तं हा क स, स क र्क षी ग व न हा, ए म य श २ ध क स र्ग ना व व नं ॥ ॥ थ व ल स, ए म य
 रु न स ल ल स ल गा या व, हा हा स र्ग, ह न हा क न पि हा व या व स र्ग व ल स, स क र्क षी ग व न व ना व, हा
 स नं ना हा य जा ना व, उ ति वा य का व स क र्क षी ग व न या च न हा क म स र्ग, हा क प या व, ह न हा क स

इति विष्णोः कावे. कापती आश्रम विष्णोः. विष्णोः कावे. हाथ जी जल पाव सक म्मी गन या ह व न या नाव
 विन नियागं. हासक म्मी गन धन्य २ जि हा गन न न जि पा पि नी या क घ हा द या द य क स द र्जन वि स
 विष्णोः. क ह पु जि म न स जा अ जी को उ क रु हा. का त री क. सम हं आ हा द य क स वि ष्णो य मा ल. क
 या व. थ म दूः री रु या व ची न क. म म य क या हा ला द ना व. मी स क म्मी गन न आ हा द य क ले हा
 ब म्मी. म म य दू. द ना. क म्मी दूः री ध क स क ल प र्जा प नी स न ध व. ख. द ना व. क न न उ ची न
 रु यी ग री. इ य द म उ य का त क न ध क जि य नि ध न रु या. क धा ल हा. क व का ल स. श्री मा हा पा र्
 ती द वी न द ना ग ति ध र्म वृ त या र क द ध क. जि य नी व या धू का ध या व. थ न म म य रु न वि न १११
 ति या गं. ध न्य २ जि हा गन न न ना. ध न्य २ क ल्या स ध कं. हा स क म्मी गन. क ल्या स स न आ हा द
 य क स वि ष्णो रु न. हा उ म्मी गन. स ना न द य का गू वृ त. ध र्म. आ म द व या ना म क. क वि ष्णो न
 वि धि पूर्व क न दू जा या य. ग ध्य २ र व द. स म हं जि पा पि नी या त क स वि ष्णो य मा ल ध कं ध या व
 च त म क म स स हा क पू या व वि न निया ना व. थ न स क म्मी गन म्मी गन जी व री रु या व आ हा द य

क स वि ष्णो गं. हा उ म्मी. म म य रु क न चि रु उ क ल या ना व द दं. पू ना ध र्व का ल स. स य रु ग म
 ह मा ल य प र्व न या ना जा. थ या पू जी श्री पा र्व ती द वी न श्री ज ग दी ग न श्री म हा द व स्त्री मी ना य या नि
 मि र्दि न धी मा हा पा र्व ती द वी न द ना गू ध र्म वृ त. थ वृ त या पु रा व न न श्री म हा द व स्त्री मी ना ग. हा व
 म्मी. म म य रु. थ ध र्म वृ त या ना म क स स हा धी ३ स स्त्री नी प त म्मी ध र्म क ध या ना म जि. पु व
 न सं उ क्ता न रु या व ची न ध कं. हा म म य रु उ क चि रु या ना व. उ क रु क या ना व द दं. थ ध र्म
 वृ त या वि ष्णो न. थ स म हं क न द दं ध या व. क नं. हा म म य रु क्ता पां पो ध गू क या पू र्ति मा क
 कू नि सं वृ त ग न. थ क रु नि स्य नि स्य २ ग न क स स. हा न या ना व. उ क रु क या ना व. स कि गं
 श्री ज ग दी ग न श्री म हा द व रु जा या य. थ नं ति मा य गू क या पू र्ति मा क कू. स चि य वि रु रु या
 व. ध र्म वृ त द न या ग. म न १०. क कि या पा अ थी त म धि द य क. म न कि या पू ज ग म का द य क.
 म न कि या स स अ क न द य क. म न कि या हा स हा न द य क. म न कि या पा न म स द य क. म
 न कि या कू ट ग य द य क. म न कि या ना हा र व न स म हं द य को व. स ग न स ही न न द य को व.

श्रीरुद्रकचन्दनसिद्धयदीप. नैवेद्यहस्त. फल. तांबूलयकान्न. भसन रुद्रकपदार्थदयका
 ने. श्रीरुद्रकानीपत्रमश्वतीयातषाठलपचात्रहा. पूजायाय. पूजाधूनकावे. नाखनदंन. भसनरु
 याथजपध्यान. लोपपाथयाय. कनदतसावाक्रमन. वाखनकनके. कनमदतसा. भसनंकरन
 काय. भसनंदंन. अथवाभसनरुतावेसा नागहठदंनके. अथवाकपायतितावेची नागलि
 तीयिमादंनके. अथवाककादंनके. अथवाजाधुयावसानावेस. जासिमाकाकमंतव. अथधूनका
 वे. अथसत्तु. गवदाहसखा. साइइ. संखचन्दन. अकत. गयाव. जानाव. भसन. मनस. गगलिवांकाशे ११२
 हगलिवांकाशानाव. श्रीरुद्रकानीपत्रमश्वतीधकं नामकयाव. अथविय. दक्षिणकाय. हनेभसनरुया
 धकापपाथयाय. अथमनसकामया नागुलिसिद्धशयमाल. धयाव. श्रीरुद्रकानीपत्रमश्वतीयातनम
 स्कात्र. यातावे पुदक्षिणयाय. अथनियाय. जागनीयाय. शांममयइ. अथधूनकावेसातका कायावेवि
 सर्जनेयाय धूनकावे. अथकि. अथीतमधिभमनमानमयाय. आमाअथीतमधिआशासेकाहस
 खांन. आठजजमका. आपागमस. आकूठगवच. आगवत. अकतगयाव. सगुनसहीननेनखा

११२

६०

नदयकावे. पत्रषलवृक्षाय. पत्रषमंदसा. काययातसवृक्षाय. कायमंदतसा. मित्रकाययातसवृ
 क्षाय. मित्रकायमंदतसा. अथमननककं वांकाशेसगुलिकामनापिद्धशयमालधकंमनने.
 लालपाव. नदीसबहतेवकाय. शांममयइवृक्षनीइ. अथधूमवृक्षयाव. लावन. कुतिकडका
 तशयीव. श्रीरुद्रकानीपत्रमश्वतीयागुलिधर्मवृक्षयागुविधिपूर्वकनश्रीमानापावगीथवीनया
 क. समसं. कनतकदधूमजाव. जिपतिवृनतसावेजविद. शांममयइ. अथश्रीरुद्रकानी
 पत्रमश्वतीयादयाक्यानकडकात्रशयीव. गखकनधूमजाव. कनतवइ. खनास. शयाव
 कवधनगुपदविलायीव. म. अ. इ. ल. नास. के. ता. स. य. द. विलायीव. श्रीरुद्रकानीपत्रमश्वतीयातनम
 याव. त. ल. क. म. ल. स. ल. क. य. याव. आनदयीव. ध. का. ध. क. ध. याव. वे. ज. का. याव. आन. ध. न. लि. ला.
 मयइ. न. ध. न. श्रीसफ. अ. धी. श्व. त. या. आ. इ. ध. नाव. शांममयइ. न. मनस. अ. ती. आ. न. न. न. ह. र्म. मान
 यातावेविनेनियाना. शा. स. क. म. ध. श्रीश्व. त. ध. न. र. जि. ला. य. न. ध. ना. क. ला. स. या. व. या. न. ध. धी. न. ग. ड. प.
 द. म. य. द. र्थ. ला. य. ध. ना. ध. क. ध. याव. च. त. ल. क. म. ल. स. ल. क. य. याव. ध. म. रु. क. र. क. या. ना. व. ध. या.

[illegible][illegible]

दि कायाव धास श्वपु नाव रुर्ल कप नि नि ताव का याव बल स क ड ल ग ७ ७ ७ सु ख ना वे ध न २ जि मा हा दू री ख ना व ध
 न ड क ग या व गा ध ल ध क म न न अ वि पु सि रु या व स फ म वी ग व त या त वा न न न म म म म य मा व ७ ७ सु वे रु या क ड ड क
 पु क म ल ग ७ ७ ७ ध र्म द न या तं ग या व आ न न्य न ग म म य रु आ ना व ची न ॥ ॥ ध नं ति स क म वी ग व त म
 आ द्य द य क र्थ ७ ७ ७ क या क र्ति मा क र्ति नि सं श्री ३ ख स्का नी य त म म श्री आ मा ठ ना या ना व ध र्म बु क
 आ र्त्त र या तं ७ ७ क र्ति नि र्थ प्रा त का ल स स्त्रा न या ना व उ क र क या ना व ७ ७ ग व त या क म न ग या व का
 य व ना य हा न ग र ति वां का या ना व उ ग दी ग व त श्री म हा द व पू जा या ना व ल कि ना वा ख न ज्ञा ना व उ क
 चि रु या ना व उ का ग न वा ख न क ना व ७ ७ क र्ति नि र्थ प्रा त का ल स स्त्रा न या ना व उ क र क या ना व ७ ७ ग व त या क म न ग या व का
 न आ द्य द य क र्थ ७ ७ ७ य नि त क ना व ची न ७ ७ वे त स सा अ वा ल भा वा ता स न पि धि धा या रु पा सा
 य नि जि जी स ग म म य रु क र ल उ का ग न वा ना व ची ना व ची न स त ग या व ध मि स स म धा ल या
 ना व स क र्थ र त रा क या धा य स व ना व आ म य रु न ज्ञा ना वा ख न ड ना व ची न वा सा य नि धा या
 सु व र पा सा ग धि न आ ग र्थ ७ ७ ग म म य रु उ का ग न न न म द य क वा ख न क ना व ची न क र ल

उत्थीनीराकंशतला हन्वं श्रीगनकयावृ संनियाननलाकं न्यानावृचानता हन्वंभवनेमष्यानावृलाकं ह
 ललाकंशतलखसपासाध्यावृ सकल्यं गमयश्या अयसवृनावृ धाला गमयश कल्यालयाकं श
 ललाकयनुकारने न्यानावृचानाध्यावृ धन गमयशूनसा मवात प्राचागास कून ध्या ललाखसवृमा
 वागादना जिने नन मइयानिमिर्दिन ७८ कंकलीयमाकंनावृचाना ललाखसं कजिकूनमशवृ
 जिधधिद कपापिनीखनावृ सकल्यं गमयशूनसा जिदः खीदात्रिदु गवृ ककनयावृचान खनावृजि ग
 उडात्रयायनिमिर्दिन श्री ३ ख सनी पत्रमग्वरीया श्र धर्मवृग उपदम कनावृगाधन आवृजि
 न थवाखन कनावृचाना जि कं शतमष्य ५ न मइयानि किन कनावृचानाध्यावृ सा मवात
 प्राचागासन श्री गनसगायावृ किन सथमन नधक हवृग वजि गमयश्या कलाकले नावृवि
 लं थप्राचागास किन स नयनापं सारमनं हन्वंसांतीस ध्या स कून न दयावृचानं हन्वं थसा मवा
 ललाख कपनिहनं नियां २ गाकिवजि साइइ आनावृ वाखन ५ नावृचानवरीवृ थवल संनि सं ग
 मयश्या अन्न नय दयावृ संगीत हृष्ट पूछांग कयावृ वृलं थ थहुवाखन कनावृचानं ॥ ॥ धनति
 य४

[illegible]

ग. व. व. ल. स. जि. न. च. ल. य. न. हि. स. म. वि. स. न. य. ग. र. लि. द. न. थ. ग. र. लि. ज. य. न. ठ. क. म. अ. प. न. स. र. स. वि.
 द्या. य. म. ल. श. ग. नि. ल. य. त. र. य. न. वि. द्या. क. क. न. न. न. ल. क. म. ल. स. का. टि. र. न. म. का. र. ल. ह. न. य. न. ना. थ. जि. पा. पि. र.
 ना. व. र. पा. या. ना. व. वि. द्या. य. म. ल. ल. उ. क. म. व. र. य. जि. थ. थि. न. द. र. य. स. म. उ. स. य. द. न. पा. व. ची. ना. थ. ग. र. लि. द. र.
 या. स. म. उ. न. थ. का. स. ठ. का. र. य. स. वि. द्या. य. म. ल. ल. उ. क. म. व. र. य. जि. थ. थि. न. द. र. य. स. म. उ. स. य. द. न. पा. व. ची. ना. थ. ग. र. लि. द. र.
 न. ह. न. उ. मा. य. नि. य. य. क. क. ल. य. ल. उ. ला. क. ना. थ. क. र. ग. ना. य. क. आ. दि. ज. न. म. द. द. या. व. ची. य. र.
 व. ना. या. द. व. क. म. म. म. न. वा. सी. र. या. व. न. थ. न. या. य. नि. य. य. का. व. दि. ग. म. र. या. व. वि. द्या. क. र. स. म. नी.
 य. त. म. म. ग. र. ज. न. का. ल. स. क. ल. य. ल. य. अ. य. न. ल. म. न. का. व. य. द. म. य. द. म. का. र. ग. नि. ला. न. का. व. प. स. व. र. स.
 वि. द्या. य. म. ल. ल. य. त. म. म. ग. र. क. ल. य. ल. य. का. र. उ. क. न. या. य. म. र. ह. न. स. न. ग. र. ही. या. सा. म. र्थ. म. द. ह. न.
 द्या. ल. कि. क. र. उ. द. व. क. ल. य. न. ग. ना. ग. ना. जा. या. ग. म. म. र. ल. य. त. म. म. ग. र. जि. व. ह. न. पा. पि. नी. मि. सा. ना. न.
 या. क. म. म. र्थ. द. यी. व. ध. क. थ. न. थ. म. न. रु. का. ज. प. न. का. र. य. द. पा. व. श्री. ३. ष्ठी. य. त. या. ह. न. व. न. ची. ना.
 व. ज. न. ग. वि. धि. र. व. क. न. र. जा. या. ना. व. द. म. उ. य. म. म. या. ना. व. उ. द. कि. म. या. ना. व. द. कि. म. या. ना. व. र. स.
 न. का. का. या. व. श्री. ३. स्व. सा. नी. य. त. म. म. ग. र. वि. स. र्ग. नि. या. ना. व. न. थ. न. ज. न. म. का. र. थि. न. म. पि. य. या. द्या. र.

एतान् आसीत् त्वत्तु ज्ञानं न स गुरुमसहि तन काय न वरा ज्ञान कर्तुं ह्यन कथा वरा न किं अथी तमविध
 मन पातेन या नाव काय वरा ने वां चान च किं जा ग र्हा ना या नाव जी नं ॥ ॥ ध व स स ग्री ३ स्व स्त्री नी प न म
 श्वरी या धर्म वरा या पु र्ध्व या पु र्वा वने वा चा बी जा व र्धन स काय न वरा ज्ञा क र्हा थ न क स व या व मा
 म श्र ध क स ल गा व व रं ह नं हा मा गा र्हा या र व ध क क्ष या व रं न पा क या वि न या ना व स रं गा व रं न
 ध व रं स स म म य र्ज न काय न वरा ज्ञा स ल गा या व रं हा स नं क म ल र स रं र व त या व रं हा पा र व ना व
 काय या र्हा स स या व आ गी र्हा वि या व रु कि चा य का व थ न न वरा ज्ञ न मा म या या ल नि पा रं हा क य या
 इ हा व ना व रा सा स रं क तु न का व आ लि या न का व आ लि धू न का व मा म न काय न वरा ज्ञा क र्हा व रं ॥ १७
 ध या र्हा पु र न वरा ज्ञ क न वरा र्हा उ य द म व ना र्हा या स मा चा त ग थ र क स स म रं व र्हा न क
 न ध या व थ न मा म या आ हा न ना व न वरा ज्ञ न वि न कि या गं हा मा गा जि व ना या वि हा त क नं
 स वि हा र्हा जि व रा र्हा र स रं व र्हा धा चा ला स रं व चि न या न व य व सा न मा ला व रं म गी त स रि हा
 हा ना व वि हा क क व वी र्हा गं ग स र्हा न रं धा र्हा म धू न का व द र्हा लि या य ध क उ मा न स व ना व

एतान् मा ग या व र्हा न र्हा ग व रं व रं स दे व रा जा ग न रि मा न कू ति न व रा म र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा
 र्हा मा गा ह नं जि न व रा र्हा उ य न र्हा न र्हा वि ना य या ना व मा स रं कि या क र्हा या ना व रं य ध न ध क मा म
 या क क ना व थ न म म य र्हा न पु र न वरा ज्ञ या र्हा र्हा ना व मि र्हा न र्हा वि हा य का व ना ना मा ध न वि ना
 य या गं थ थ वि ना य या क र्हा न वरा ज्ञ न र्हा या व र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा
 ना जि म र्हा र्हा मा गा ह नं थ नि या गा जी स काय जा ग र्हा या ना व वि हा ना ह नं र्हा न र्हा र्हा क र्हा र्हा
 ध र्हा प या वा स ना व र्हा र्हा क र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा
 थ स म र्हा र्हा र्हा द य क र्हा
 न वरा ज्ञ या र्हा
 हा ना या व र्हा न क न क र्हा न र्हा य मा स र्हा क र्हा र्हा या ना व र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा र्हा
 र्हा
 य र्हा

कच्छीभ्यत्रय कवा न. जिह उज्जय्यात धनं नृणां जातं श्री यानाध कधायार श्री ३ स कानीयत्र मभ्यत्री यात्र
तया खसमसं विस्मानेन वा खने कर्त॥ धनं सि धधया श्रीं भाग का लश्यावे न वेना जनधया लमागाध
२ कश्चा स धधीन कशीद्री भ्यत्रया भ्रष्ट क धधर्म दनाव. जिजायि लोक मशत. हानं मशत समस
पायं नास श्याव दिव्य दह श्याव वता. लमागा क श्याल सन जिग मू कया नाव विधा क क श्यालया
वन ल कम स माठि २ नम स्कात्र धयाव या ल नया संख क प्र याव मन स भरी श्री भान नदन ह र्ष मानन
या तावु मा म या कृ वृत्त विनति या गं हा म ना भ्रा व जिगं भ स स्मान या नाव वृ य धयाव. भा म या क वं ज का या
वे ने वे ना ज स्मान या नाव न. धन गं भ स स्मान या नाव सं भा ग र्ष म या नाव भय ग्री न कय धान न सं प्र या नी ११
नाव चान. ॥ ॥ धव स स श्री ३ स कानीयत्र मभ्यत्री या वा खन दना या उ ला वे न न. मा म न उ ग द ना या प्र
सादन वृ नं भान धी २ हरि ह न मू किं उ ल्य कि श्याव. न वे ना ज उ क ल या न द र्भ न वि या भ्रा हा द य क स वि
का र्ति लो न वे ना ज उ क ल न लाव ह कि ख नाव मि र्गी लो का ध श य धू ना भ्रा व क न ग व र प्र सा द वि य रु व
ध क भ्रा हा द या का व व र प्र सा द वि स वि का र्ति लो न वे ना ज उ क ल न लाव. धन गं भ न द कि म दि भ

सना व न्य धया नाम द ग क गृ हि द स्य ची न. धव द ग या ना जा म द या व र्गान. धव द ग या ना जा क न त व र प्र सा द
वि य धू न भ्रा व द ग स क द क उ ल्या न न हा लाव शत. लो न वे ना ज उ क ल भ्रा व कृ थ र्थ धया व न्य द ग म ह
नि. धव स स. जि कि सि या क इ वि ना व श्री ३ धव स स क न ग. जि न ग आ रि ष क वि य लो न वे ना क श ध
द ग या ना जा क न त व र दान वि य धू न ध क भ्रा हा द य का व. धन न वे ना ज न श्री ३ हरि ह न या व र ल क
स स स. काठि २ न म स्का त या नाव भ्र न ग प्र का त री ला ज या ० या नाव श्री ३ हरि ह न यत्र म भ्यत्री या
दर्भ न या नाव चा न धन न वे ना ज या ह की कृ ना रु याव श्री यत्र म भ्यत्री हरि ह न गं भ सं न क धान
श्याव वि का र्ति ॥ ॥ धव स स न वे ना ज श न शत सं श्री हरि ह न या कृ पान भू य न म हा स न्य र श्या
व व रं. कृ पा या इ ग न किं न ज श्याव चा न. ग क ल की न स य कृ श य का व र्गी ह र्ष मान या नाव क
हि ला व न. धन कं धया व मा म या त स ल ना व व न. धन ल म म य रु न का य न. स न उ स ल ना या व
ह ना २ स नं क म लु लो ना नाव को ला व या व का य या न पु ति वा म का व ध ग वी नाव रु न पु न का व मा म

इत्यादि तत्तमहासुवेला इत्यादि तावें मध्यमयाकाजियत्रयानि सन किमिया नका यथावत् आह्वय न विषयकाव
 सुवेत्तु या घट शी नाव किमिने तावत मातवि यावत् ध्याला जे तावत हलि किमी सजाय या न का म्भ सुवेत्तु नाका
 लावे विषय माल धक धा यावत् कस पावत तं थ न किमिने ता जामा लावे सुलं थ वल स न व ता जका कमी ता
 व न्मध्यम सत्थ म कावे क्क ध्या जल ग क्क म्भ लि था य स चा नाव शी या व थानं थ वल स जे तावत किमी न
 ता जा का य व हल म द या व थ स २ पति स व स न वि लु पि नाव क ट क वि य का व मा ला व भा त इ स थ य
 लि था य म भू न ग द ग म द ग वा ले या क ट क म न स व त श लं ह न्म किमि या हु व ने २ सि व २ ज व य ११ ह
 व चा मा व डि ग ता जा या य मा ल ध क धा या कि सी व ना पं २ सु लं ह न्म किमि ने ता जा या य व ह ल म द या
 व थ स २ पति मा ला व इ लं ग ने २ किमि व न भू न २ वा ६ २ स व त श लं ह न्म स म ल ला क न रु या न रु
 या थ वा न ला न क ति ला व स ग न ति या व ज त्रि श वा य या य स ग न पू ना व किमि या हु व ने २ चा न २ स
 ल इ स थ व ल स जे ता व न ह लि या क श्री ह त्रि ह त्र इ वि ना व ने वे ता ज जा क्क हा इ चा न थ य स म ना
 वे किमि ने क ट क स व स न वि ल को व थ न क ल वे ना व न व ता ज या न सु वेत्तु या व लु घ ट स चा न ल

खन प्रशिष क या नाव स्नान या मा ला न का खा य का व थ व क्क का क्क नाव स व त य स पू ना व न व ता
 ज थ व ग ल पो न स ग य का व चा न २ न व या व ता ज ग ह स डु स या व व नं थ व ल स ता ज ग ह थ ना
 व थ व क्क न का का या व ता य क्क ल स इ ग य तं थ व ल स स म ल प जी ला क म नि स न धा या थ किमि
 धा य वा ल स व २ ध क धा या भू न ह या म द वि का ता जा या य ह ल थ किमि ने व ३ य या ल धा या वे
 ह न्म नि क्क प क्क को नि ज न प ति स न ह पा इ या व व न ग री ख सि व प ती स न धा या ला प जी ला
 रु प नि द ना थ किमि ने जाम भू क्क ता जा या यी जाम भू का य क प ति स न थ किमि या न ना ना
 व इ या ध क स क ल प जी प ति स का ध वि या व ग लं थ व ल स जे ता व न ह लि या क इ वि ना व वि या
 क क्क श्री ह त्रि ह त्र प त म म्भ ग्री न न व ता ज या न ता जा मा ना व भू न नं भू न धा न इ या व के ला स
 स वि का नं ॥ ॥ थ नं ति न व ता ज न श्री ह त्रि ह त्र या क्क पा न ता व न्म द म्भ या ता जा लं इ य धू न
 का व का जिय त्र मान प ति स क्क व न धा या ला का जिय त्र मान प ति आ व सु वेत्तु क्क र सि द य का

वृषं च पत्रमा नयति कायाव कायकल कावध कक्षयाव मम वि कक्षयसु च उजाति न गतया धमया बहिति स चान
 कृति मास लममय रुनामव क्लीथ (ध) कायकल कावध कक्षयाव धन काजियमी हन जीहिक का कृति सुताव साय न
 दय काव पंचयतमानय निरु सु खया स विथाव कायकल काव ह न्वं पजी ला कय निरु त काया ला ग क व नं वे लम
 य रुचान थय स व नाव पजी ला कय निरु त विरु ति या ना हीम हातानि लम य रु न स वि का रु म कृ त्या ले या पू यन
 वना जडा कृ म जि मि द गं या ना जा रु ल ध क क्षया व धन लम मय रु न धा या ला पजी ला कल रु य नि जि काय दि मि द म
 या ना जा ग (ध) रु यी वृ कायां बा कृ व जा ग (ध) या जा रु यी वृ कय निरु त जि रु ह स क मृ स्ता स जि य नी ग म रु व धा या
 वृ ह न्वं पजी समल सन न धा या ला म हा तानि क ल्या सु व नी ग म रु य मृ स्ता स ध (ध) क ल्या स कायकल रु यि नं धा या १००
 वृ न्वा ना वृ चा न व ल म भू ने ग य जी ला कय त मान इ ति या रु ल्या न रु ख या स जा ना वृ धन क ले व लं थ व रु जीः
 ति न ग त या ध म बा हि ति स रु ग का कृ स द हा वृ ना वृ लम य रु या च त म स रु क य या वृ पंच पत्र मानय नि
 सन धा या ला म हा तानि लम य रु क ल्या स काय न व ना ज रु जि मि द म या ना ज रु लं थ वृ क ल्या स कायकल
 इ ल ग ल्या न न वि काय मा ल ध क क्षया वृ धा पंच पत्र मान या ला खा द ना वृ लम य रु न म न स रु य मा

नया ना वृ श्री ३ स्व लो नि प त म म्प त्री या ग या न नं न म स्का त या ना वृ ता व न्य द म्प त न ध क सु ख या ल स द ना वृ
 ग म न या नं ॥ ध नं लि ने व ना ज म हा ता जा न मा न लम य रु ध न ध क क्षया वृ व त द ना वृ पंच पत्र मा
 न म निरु वृ न धा या ला प त मान रु रु य नि हि ति म न्नु प रु ल स रु कि सि ना ना जा ति या ति सा न ति य का व
 थ स रु स भू ने ग वी ज वि मा न य न का वृ द म्प स द क या रु त रु य का वृ दा रु जी ना वृ जि मा म स रु ल
 वृ न धा या वृ पंच पत्र मान य निरु त रु ल्या न नं ग या त या ना वृ वि लं थ न ना जा न व ना ज न मा न स रु ल
 वृ नं थ व ल स मा म ना प ला ना वृ भू ने ग मं ग ल सी नू त जा ज या ना वृ रु लु व द भू रु क मा नी रु वृ
 रु या वृ पू ना ना दि वा कृ ल न कृ ग का वृ ता ज रु ह स इ हा वि का च क लं ध नं लि पंच पत्र मान य निरु त
 जा ति क वा कृ ल या न क ल कौ या वृ श्री ना व न्य व नी ना नी धी न व ना ज म हा ता जा ना कं म्प दा न वि लं थ
 न ना नि ना व न्य व नी न पू य या मा ला जा ना वृ श्री न व ना ज म हा ता जा ना कं म्प दा न वि लं थ
 न न या ना वृ पा ति स रु क पू या वृ ह न्वं मा म रु न लम य रु या च त म स रु क पू या वृ चा नं ह न्व दि का
 दि क ध न का वृ वा कृ ल सी रु क रु की ले प त्री रु दा न द कि ल रु ज ना दि या रु का वृ वा म्प दा य नी स न भू

नीर्वदविजाव भवत्तु कसविजातं धनं तिनवराजराजाया महाहर्षमानेयानाव मा मन्मयशुलीकवन्धवनीना
 तिवरामकी दया नीवे भूतकहर्षमानेयानाव मुखनेचोन शत ॥ ॥ धनं तिमन्मयशुते काजियत्रधानपनिम
 कया. लोकाजियनिनवराजराजाया शिष्यकवियया गणमाग्रीना लनागकी धकक्षयाव भन काजियनिन
 डपाथा. वाक्कला मनी प्रधानपनि वानकल कोयाव हिन मसायत ल वरास ल ममूदू हागकाव नानो
 तीर्थया जल लख कायक लकोयाव असर सेवी जविमानेयानाव भूत गवाखन रुयकाव नाम वाद्यथाग
 काव सल कि सि नानाव भुन काययाव नाव नरा क याद थ स सि हासन न याव नाव न्यवनी तानी सहित
 गयाव युगाहित वाक्कलान कर्म यागकाव डपाथा. वाक्कला मन्मयशुलि सन श्री नवराजराजा गहि न १८९
 म हासुवला स नाश्रि लोप विसं ह नं श्री नवराज म हा राजा नाव न्यवनी तानि सहित न सि हासन
 स गयाव अरि क क काय भू न काव श्री नवराज म हा राजा नाव वाक्कल डपाथा. लि क प नि स ल द
 न. सुवर्णु दान. वलु दान. अ न दान. स ल कि सि दान यादिन अ न ग दान द कि ध वि याव लो जन या
 न काव लि क क द त्रि ड प नि स वि याव वाक्कल प नि स द ग या ग स म स र नु या नाव वि याव भन धी

८६

नवराजमहागाराविनाव न्यवनी म कस्यानं सुखपासे स गयाव नाव न्यदम स जा ग या नाव लि मूल जा ग या
 नाव नाना ठ ल ह या नाव राज ग ह स द न वि जा व क लं थ व ल स तु नि धी न वराज म हा राजा मा मन्मय
 शक लो न नाव न्यवनी ना तिवर सुखन नाय ज नि पा ल यो नाव सुखन का ल ह नाव दान रु ला ध क श्री लु द
 क मा न ल भू ग ल म नि ग य क न ॥ ॥ नि धी लु द भू त ल न वराज रा जा लि लो प क थ ॥ ॥
 ॥ श्री लु द उ वा च ॥ श्री क मा न ल भू ग ल म नी भू त या ग थ या ला म नी भू त ध नं ति श्री न वराज रा जा
 व रा नि नाव न्यवनी न क स्या नं मा मन्मयशु या च त्र ग क म ल स लो क पु या व धा शो मा ना भो व
 मि जी स श्री इ स ल नी प त्र म भू त्री या प्र सा द न पी ह रि ह ग य क पा न ना जा ना नि लं रु य धु ना क व का ल
 स क ज मा न ल रु य नि लु क ना व न या व श या आ व मि डि स ग व ध न रा य ल श्री स म मा मे द वि ला य
 ना लो मा म भू व थ न य धि वी स द या व रा का वाक्कल लो जन या त क सु व ल द कि भ वि य या य
 ध क मा ना या क व न भ या व ल म य रु न ध या. लो वृ क म हा ज द जि व र भ या व ल म य रु न का
 डि प त्र मा न वा न क ल को या व ध या लो का डि प त्र मा न प नि थ ए धि वी स द क वा क लो ज न या ग
 क म न लु वा रु ल ध न न भू को ला ज न या मा मी न मा न या व धा या व ध न म हा गा ति लो म य रु

ना २

या आशादनाद मक्तिपनिस्तनमालकोसामाग्रीदयकावतयात्रयानाववितं धनं लिजमयशनधधि
 वीसदककुमलरिक्ककजातिगतिमकुनायातकलेकोयावतसं धवससधीनवराजमहाजा
 नमामयादिवनविनतिगार्होसामामिजिससमस्तसामाग्रीतयात्ररुहाप्रावचकुमतिनगत्रया
 ऊजमानपनीवीनकलेकोवहन्वंकुल्यासयाहृतिचाचन्दावतिकुमलालमानावकोनाध्या
 तंकायकलेकोवध्यावाधनपूजनवरागयालखादनादमामलमयशनधध्यालपूजनव
 राजकुनकलागचन्दावतिधवकुवनावचोनध्यावाधनमामयाआशादनादइत्यापनिः
 वानकलेकोयावआशादयकलेहाइत्यापनिकुपनिधधैवत्रुमपूत्रध्यानामदमसवना १८२
 वधमिस्त्रामिधया नामत्राकुमयापूजीचन्दावतीधयाकुवीनकलेहलध्यावाधधैवावावह
 यमालहन्वंनवराजधयाकुवावन्मदमयात्राशाकुलधककदहन्वंचन्दावतीयामामववुंध
 नीनधकुधध्याचकंविधायमालधकध्यावाधनरववाचिधियेवचोयावइत्यापनिगठिया
 वचन्दावतीकायकलेकोग ॥ ॥ धनं लि धवससचकुजातिनगत्रयाऊजमानधनिजायया

[illegible]

वृथवेत्तस इत्यापनि स न भया ह वा रु क ल्या लया जित कि पति द ग या ना शा रु स भ्रा व म हा ग जान क त
 या त ध ति न थ कू वा रु मा रु वि का य मा ल ध क जि पति ल भ्रा द य का व ह स ह न च कू ल्या ल या पू गी
 या न न नां न थ कू वि स वि का य मा ल ध क का या व थ न इ त्या र त्या य नि स र ता वा द ना व र नी रु व
 मा न न भ्र मि स्ता मि का क रान पू गी या न थ या रं पू गी च ला व ती ध न्ना २ कू ध न्ना २ डि प नि स र ता ग
 ध क का या व च ला व ती या न भ्र न ग २ व लु न पु न का व गी सा न वि य का व ना ना य दा थ री ज न या ग
 का व इ त्या य नि स न का व इ त्या र त्या य नि स न का य र त्या र त्या र जि मू गी म चा या सा र ता रु ति
 ल स र ति न क स क्ता ल या ना व य व ह रं रं पू गी च ला व ती ध न्ना २ कू न ल ग्ध भ्रा व कू ना व न्ना २ १६३
 या ना ती रु या व चा न इ ति ध क वं जा वि या व थ न मा म व व या भ्रा द ना व च ला व ती या म न स
 भ्रा ती ह र्म मा न रु या व ह र्म या र वि हा य कां व मा म व व या च न भ्रा स र क कं यं या व इ ती स द ना व
 थ न इ त्या प नी स न इ स कू व या व य नं स स च ला व ती न इ त्या व ना य ना ना की रु क या र र ता ना
 वे वि का च क र्ता ॥ ॥ ध न लि क र ति थ य स म हा द ग व त स थ ना व हि न र स्ता न या सि मा द या व

५५

चा न ह र्म थ व न स भ्र न ग २ सि सा रु त द या व चा न ली न २ स ग न्ध या वा स ना द या व चा न र व ना व इ त्या
 य नी स न धा या र मा रु मा र्ती डि य नी स भ्रा ती त प्य या ना या स चा ल न लो व कू व थ म रु क भ्रा व रु क क
 ने व ना क र स र ग ग या नी त स भ्र दी क रु क मू ना व जे न जि प नी स न ह ति स या व व य न य ग द न मा रु
 ति रु मा व न या व व थ का या व च ला व ती न द भ्र ध क का ल गा ड ती न रु क चा न म न्ना या व इ त्या प नी
 स न इ स स रु का य न रु य का व इ त्या प नी व नो ॥ ध न थ भ्र दी क क रु क मू ना व चा न थ य स र गी
 या भ्र प ना ग ल य नि का हा व या व गी ३ र व स्ता नी प त म ग्ध री या ध र्म व रु द या व चा न थ य स र थ
 ना व द नं र मा रु य नि थ ध र्म व रु जि प नी स न म सि या कू धा या र ध र्म द व ना या ना म कू ध क
 रु ना व थ व ल स भ्र प ना प नी स न धा या र मा रु प र्ते व य नि थ कू द व या ना म गी ३ र व स्ता नी य
 त म ग्ध री ध या कू या ध र्म व रु ना ना म ध क क ना व थ न भ्र प ना प नी हा र्ता द ना व इ त्या प नी स न थ प नी स ना य
 ध न न रु या थ रु ति या ना व द थ ना त ला रु का व थ कू धी ३ र व स्ता नी प त म ग्ध री या व रु द ना व चा न ॥ ध न र
 गी ३ र व स्ता नी प त म ग्ध री या ध र्म व रु द न ध न का व भ्र प ना प नि स न धा या र मा रु प र्ते व ग्ध र म नू य न

थयसिधी ३ स्वस्ती नीयत्रमभ्युपनीयाधर्मवृत्तदनीवभयवायवक्रमनूयनवाचनज्ञानकीवभयवायवक्रमः
 मनुष्यनदनीवभयवायवक्रमनूयनक्रमसूयनूयनयकावगयीवथक्रमनूयनसमसुपायः
 नागशुभावेदिशदेहशुभावेहसाकसमहासूखीशुभावेभ्रुककालसकेलामयदीलानावेभ्रुख
 नयानेदयीवहामहापूत्रवथथयानिमिर्दिनथग्रसिधी ३ स्वस्ती नीयत्रमभ्युपनीयाधर्मवृत्तदनीवभयवायवक्रमः
 भागवतवैतर्त्तभादगमनवथनगी ३ स्वस्ती नीयत्रमभ्युपनीयाधर्मवृत्तदनीवभयवायवक्रमः
 ज्ञानन्दनदनाभ्रावेकपनिष्टरुत्तसिमाययागर्हसजन्मकायमातीवप्रवृत्तीश्रावकमीश्रयात
 ससाखानयवधकधायववित्तंथनभ्रुप्रागमयशुभावेचनदनावेकयागखालकायावभ्रुप्राग
 पनिहृमिसहाकययावलिहावेतंथनंतिभ्रुप्रागमीकपनिस्तर्गभ्रावतं॥॥थनंतिइत्याह
 त्यापनिधनचन्दावगीगानीयाधायसथनकलवेयावधायशोमहागानीचन्दावगीइतिविष्ठाइ
 नकल्यातभ्रुपसमनसविष्ठायमागवृत्तनभ्रुलसाइइकनथायसगनमाप्रयशपनिषसम
 सियाभपनिधनगी ३ स्वस्ती नीयत्रमभ्युपनीयाधर्मवृत्तदनीवभयवायवक्रमः

१४

सवनावेसजियनिसनधायालमाकपनिजिसिधनंदननवलाधकदनावेथवेतननववध
 धकधायवभ्रुसिधी ३ स्वस्ती नीयत्रमभ्युपनीयाधर्मवृत्तदनावेथान्नहामहागानीथननजिय
 निरतिवित्तंइइतकल्यातभ्रुपसमनसविष्ठायमागवृत्तधकधायवगी ३ स्वस्ती नीयत्रमभ्युपनीया
 ससाखानमधेचचचननखानकवतविद्यावकासविष्ठाइभधकधायवचीतंथनइत्या
 हत्यात्यसवचनदनावेचन्दावगीमाभ्रुपकनकाधयानावमिखाकाठकंकनावेकाकठइनई
 यावेनागननिष्ठासतयाध्वंवलसमासकालजकगयावेप्रहृषकिसिगमचावेध्वंनमचा
 यावमहागर्हमानयानावधायालीपामाठमाअनासइत्यापनिजिथयिनवनाकनसउका
 ननकावावगाधलससमदायकावेकपनिइसनधर्मवृत्तदनावेथानाधकधायनभ्रुमाधर्म
 ननयइत्याजियइत्याजिनइत्यानकावकयकयागीयकावकयरुयाभ्रामगी ३ स्वस्ती
 नीयत्रमभ्युपनीयाधर्मवृत्तदनीवभयवायवक्रमः
 च्विधीवृक्कायीवृहइत्यावेकपनिसकर्मविष्ठात्रजिथयिनरुसनदायकावेकपनि

सनधर्मवृत्तदनाधकधलकधर्मथाधिनलासवकयाधर्मसवकयाधर्मयायग्रतिजाशकक्यानि
रुलेवृत्तदनाधकधलकधर्मथाधिनलासवकयाधर्मसवकयाधर्मयायग्रतिजाशकक्यानि
विश्वदेवहलजिनहनसोपुमादविर्यरुयासाधियायरुयाजिधधिनवनाकत्रसलात्वेवनाकत्रस
मलागसाकयनीहपादासुकाकायरुयाहन्त्रिहसंनवमाहमहाजाजायाथायसधनकतः
वृत्तहनासलापायिष्ठइत्यात्वेजिलसवगामाहलधकत्रधमसियालापायिष्ठइत्यात्वेभागी
इत्युक्तमीपत्रमध्वरीधयाप्रवेवकयनिरुवेहसदवधकाजियनिभनमाहमावृत्तयांसदधि
लोत्रकात्रकयनिसजममहापाटकिधायकयनिधकाजिननानधनकहमासकतधकका
यावृत्तिमास्थानकायावृत्तकायामिनकचटइरुनावृत्तइत्यानावृत्तभूतगमाधहलायावृत्तका
तिनावृत्तकागंहलायालापायिष्ठइत्यात्वेभागीवृत्तननानेयनकिवृत्तकायावृत्तधनइत्याः
इत्यात्वेसनमाहचेष्टावृत्तीप्राणीकृत्तीनतमचावृत्तयावृत्तगीनजासनव्यानावृत्तनः
सधमवृत्तमहोयोगीसनइलिकवृत्तयावृत्तमहावृत्तगहनहनासनंआनइवृत्तंथावृत्त

सत्रावन्त्यधः मया स ही यस्य शत्रिन्त्यधया नाम श्री हि कृग्रहि दयावन्त्या नथ ग्रहि अग्रसथ जावपु
सिद्धि नाव वनं ध्व वल स श्री ३ स्वस्ती नीपत्र प्रभृती या न नि आ या नाया पापन प्र कृष्ण ननच नक
ना व नान ग्रस्वर्ग सयी तान ह न का न ह न जाय त या व वि ग ह न प्र य ग ई माने न हा ला व य व र
त्व या व म स स धा ना पु माने न न व कान बा ग न ना व महा प्रु ध कान इ या व व लं ह न वा य व न वि
पत्री न न वे ह से पा व रु लं ध व ल स श्री ३ स्वस्ती नीपत्र प्रभृती या ध र्म व न या न नि आ या ना या
पापन ध कृ पा पि ह न आ व नी दू ली स नान क दू ली हा क ग ह व भू सि द धू स ता न क कृ टि
न व नं इ त्या ह त्या प नि ज क चू स य नं ना ग न गि नी क र व नं ध न महा सा हि रु लं ध न
ति इ त्या प नि रु क श्री ३ स्वस्ती नीपत्र प्रभृती या व न द ना या वृ ध या पु सा द न नि ला य पु र
क र स य ना व भू सि न थ हा व या व न नं ध व ल स के ला ग न वि मा न जो ना व मि व दू न व या
व दू त्या प नि स ह व न धा या ली महा व र य वि मा न स द व धा या व थ न इ त्या प नि स न वि
न ति या न लो प त्र मं ग न क य जि मि न थ ग्र हि सा च ना जि पिं रु लं धा य जा न धू का ध क

[illegible]

सात्रिन्ध्र भया नाम भूति म द्वा स चान गत्थ इल ख स म सिया भूति भ्रा श्र य ध धृ ति चान (ध रु क
चाना व म द्वा स चान ध र्त्न द्वा न न्य म न ना सिया म द् कृ ति मि हि नि न थ (ध रु क डि प ति भू ती की रु
क रा या व ध र्त्न वी र्त्न ध र्त्न ना य या य ध क व या भ या व ध र्त्न मा मि ला क प नि स हा र्त्न द ना व श्री महा ना ज न
व ना ज या म न स भू ती वि स्म य रा या व चान ध र्त्न स श्री महा ना ज न व ना ज इ ल सान् महा सि रु भू द
त्र रु या व म नी प त्र मान उ पा धा प ति त प नी धान क ल कं या व ध या लो म नी प त्र मान प ति न प नि
भू ती भ्रा श्र य ख रु क ना क न व ल रु भू ल सा म जि स सा त्रिन्ध्र भया नाम भूति म द्वा स प भू ति चा
न (ध म द्वा स चान ध क मा मि ना स न धाल व ल थ कृ या नि मि हि नि न म द्वा ग र व स सा ल व न न
या ध क भ्रा द द य का व द का म नी प त्र मान प ति न प नि म न को व स य ध क द ग न वि हा वि भा
र्त्न ॥ ध नं लि सा त्रिन्ध्र भू ती या स मी य स (ध न क ल व ना व ध भू ति म द्वा क र लि स या व द का प
जि ला क न भू ती वि स्म य रा या व चान ध र्त्न स श्री न व ना ज महा ना ज न भ या लो मा मि ला क थ ध
सी स रु व रु भू र्त्न द न र व स भू र्त्न ल ग व रु म द य क थ (ध धी त्र न चान म द् कृ य नी स न ध
भू ती स वा लो व स व ध क भ्रा द द य का व मा मि ल स न ध सा नी न भू ती स क हा व ना व वा लो व स र्त्न

[illegible][illegible]

राजनवराजन अथसि सदको जक्रगखरका यामयान भुनगर पदार्थ दयकयात कोटि २ सुवर्तुटका वि
 तहण वसमरु सामा सी परि कुरुया वनतं हनं असरयति मक्ति ननिरु लना वि याव भसुपतिह
 त्रिपनिरु लना वि याव गयान या नाव तलं थ नंति य थिस द क वा क्र टी के क पति धन क स व
 लं थ नंति थ सा त्रि न भया ना म सु सिया वा कि न महा पा पि नी चान सन क पित द व क म स द
 व वा क्र म नि क्र रु कि ज ना व न्य द ग स राजन व न ध क भ र तिल न व व व स स थ क्र
 महा पा पि नि न क पित द व क म स नि क्र रु कि ज र व ना व ह ना २ स नं व म द ना व द ना रा वा
 क्र टी व वा क्र क त्या ल य नि ग न वि का य न ना थ या व थ ग पा पि नी या ला वा द ना व क पित द व क
 म त द व वा क्र म न ध या ला पा पि नी जि य नि ना व न्य द ग स राजन व न न ना ध या थ ग वा क्र
 टी स ला वा द ना व थ महा पा पि नी न ध या ला वा क्र टी व वा क्र क त्या ल राजन वि का य रु ल सा जि
 ग र ह ति ह ना न य ग व रु हा ना व ह थ वि का य मा त जि रु लं थ या क या स चाल दा दू व न द
 न या न ला क थ ग न थ थी न जि पा पि नी न ख ना व द या द स वि का य मा त जि न ज गी त या व

१५८

चान थ ग जि ग ध र्म त य मा ल ध क ध या व थ ग ला वा द ना व ध या ला पा पि नि थ र जि य नी स न जा
 ध य म का ला जि य नि रु ल का म द ला ग थ ध य सु या क ध य का पां वा क्र टी गा न ग थ ह य
 ध या व थ ग क थि ल क म ल द व नि क्रं ना व न्य द ग स र थ न का व ला ग न या ना व जी न थ न थी
 महा ना ग न व राजन य थि सद क वा क्र टी ही क क जा नि वि का क ख ना व भुनगर वि धि क र्व क न धा ठ
 ग म य ग र ध क जा या ना व को टि २ सु व र्मु टं का दा म द कि ध वि या व थ ग ध न का व हा थ गी ज ल पा व वि न ति
 या र्ग ला वा क्र टी प नि जि न क त्या ल य नि प त्रि य म क क वि का ग कां क च न व रु म दू र व मा या स वि का य
 मा ल ध क वि न ति या ना व थ हा वि का ग का व ना ना प दार्थ द य का व वा क्र टी प नि रु ल का दू र व क न ला ज
 न या ग क लं थ नंति रु जा ला ज न या य ध न का व वा क्र टी प नि रु ल का दू र व क न ला ज
 रु य मा ल ध क का जी र्वा द वि या व वं ज का या व थ व २ क स ति ह वि का र्ग ॥ ॥ थ नंति क पित द व
 क म स द व वा क्र टी नि क्र रु की ज रु क या पि नी न हा ना व ह या र व रु म ना व क र्म ला ना या व ध य म
 का वा व ध य थ म थ य थ र्म थि ल न चान ज व ग थ या य सु या क ध न रु या क ध य म

[illegible]

महाजामी (ममयशदसविद्यानं ध्यातुं निष्कससमकं वस्तुनं जियनिसुखं श्यातुं दनाध
कक्षलस्य महाजामी हन्ते जियनिधनं हातुं वयावतसत्तमं गतं इतीमीता-कक्षधनधं दूया-
कृदतन्त्र-मसा कद्या नहा कधकक्षलभावं ध्यातुं कं वस्तु हन्ति धं दूया नाव हन्ति ध्यातुं
हलया निमिर्दिन जियनि धं ध्यातुं नया नाध क ध्यायमका ला पूध क ध्या नाध ध्यातुं हल हा ग
महाजामी ध्यातुं ध्यातुं हन्ति ध्यातुं निष्कससमकं वस्तुनं जियनिसुखं श्यातुं दनाध
जा कक्षल निष्कससमकं वस्तुनं जियनिसुखं श्यातुं दनाध
अत्र सत्त्व तद्वतना सत्त्वया २ ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं
यावत् ध्यातुं सत्त्व हन्ति ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं
कयश्यावत्तान सत्त्वया २ ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं
व हन्ति ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं
यशसा ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं ध्यातुं

अथ स गने म दयाव य स ल सं म दयाव चान ले महा गमी जि य नि गा ज्ञे स म र्थ र ह त थ म प्रि सा न
 वृ ध न पा पि त्व वे आ व ग थ पा य मा त व कं ध या व थ र ह त्रि प नि हा या र ना व महा गमी ग म य र
 न भ्रा द द य का हा ह त्रि थ क यो न य थ र सं सां वि या व द या य मा त म क म ग क ह नं थ मि ता
 न भू व ह न भ्रा सा न या व चानि वृ ध क ध या व ह त्रि प नि स न वि न ती या ना हा म हा गमी आ व
 कृ वि या व द या य कृ सा त या न कृ ला व न या गृ आ त कि उ ति क क द व त्रि थ या व थ व र सं ग म
 य र म हा गमी न धा या हा ह त्रि प नि आ व कृ या य अ म आ त क र स सां वि या व कृ वृ ध क
 आ द द य का व ह त्रि प नि स न द भू ध कं ध या व आ त क आ ना व कृ म ग या थ य स थ ग
 व धा या हा क पि त द व कृ म त द व आ कृ हा थ आ त कि का स वि धा कृ न ह नं भ व ता वि या व १६०
 कृ य धा हा आ भू ने कृ व कृ म म द या व चान हा हा कृ हा आ मा ना पि नी या त धा या त्रि मि दि
 न श्री म हा गमी न व गी ज या ग या त्र या ना व ग या गृ हा ता का म त या २ ह त्रि स नं य र ना व
 चान आ व थ म हा गमी या न थू या व न या गृ आ त क का स वि धा कृ न ध क ध या व थ र ह त्रि

त्रि हा कृ य नि स हा र वा द ना व क पि त द व कृ म त द व आ कृ म य नि स न धा या आ व कृ या य थ
 या पि नी या नि मि दि नि जि य नी म हा ल या र स ध क ध या व थ आ त क आ ना व क पि त द व
 कृ म त द व आ कृ म नि कृ व न र ह त्रि थ व र स क पि त द व कृ म त द व नि कृ व न र ह
 नं श्री ना जा या ह त्रि स न ५८ थ म ना जा म कृ ता नं प त्रि स न र ह या व द या या थ पा य
 र ह या व ह या २ थ य स ५८ थ आ ना व चान ॥ ॥ अ नं ति श्री क पि त द व कृ म त द व आ
 कृ म य नि स न थ आ त क आ ना व पा पि नी चान र नं ति हा व नं थ व र स म हा पा यी
 नि न न आ कृ म य नि वृ व ख ना व या न नं धा या हा आ कृ म य नि जि न हा ना व कृ
 या गृ वि न ति स म न क स वि धा कृ हा र व वा र जि न जा म हा आ ग या व चान जि प्री कृ
 ध न पी द ल या व चान ध क ध या व थ र पा पि नी न या हा र वा द ना व क पि त द व कृ म त
 द व आ कृ म नि कृ म न आ द द य का हा पा पि नी ६ नो कृ वृ ध नं पा य न कं न कृ पा पि

तीषमनं कृतं तद्विनिर्दिष्टं किं विनिर्दिष्टं तत्तु सा महां रुसात नयाव वे यधुन कृतं तद्विनिर्दिष्टं
 निर्दिष्टं श्रीमहा राजा या रुसात नयाव वे यधुन कृतं तद्विनिर्दिष्टं श्रीमहा राजा या रुसात नयाव वे यधुन कृतं
 वचनं गुरु सा विद्या वचनं वचनं वचनं वचनं वचनं वचनं वचनं वचनं वचनं वचनं वचनं वचनं वचनं
 सन मच्छ २ जी नाव उया रुपायि सी न का वध का भयाव वे स स पान का व विसं थ म कु क्र हा या
 आहान नाव या पिमी न रुसात श्री न स ग या व अन्न नय द त ध कं ला स या व नय न न थ
 वल स क पिल देव कृम त द व वा क्र ध प नी स न था या रुपायि सी न आ स २ न य म न २ आव १६१
 मगी क थ थी न अ व स न य मा स ह ति धु न उ द्वा त रु य य स मा सा स ह ति धु न सि या व
 न व ध क क पिल देव कृम त द व वा क्र ध न धा लं रुपायि सी स दा का लं क न अ म थ या
 विनी न रुसात ची न ला म नू द ह रुसात क उ प का ल श्री २ न य न या उ या य आ दि
 न प त म ग व न या न ची या व क य ना व जि य नी अ नी द या उ स न रु सा क न ग उ द्वा त रु स

गुरु उपदग विद्य उ क चि रु या ना व द न रुपायि नी निर्नं कृत वि ग का त श्री ३ स स्मानी प त म ग व नी या
 गुरु नि उ पा स या व उ प धा न सा ग या ४ आ दि न या व अ न प च म हा पा ग की व रु ह धा न क न सा
 ना स रुसात व नि व अ न न श्री ३ स स्मानी प त म ग व नी या गुरु ध म व त क न द दी थ व ल क न न
 उ द्वा त रु यी व ध क क पिल देव कृम त द व वा क्र ध प नि ध न उ य द ग या व क ना व उ म हा
 प नि नि क थ व २ क व न ध क व न ॥ ॥ अ व ल स थ क म हा पा पि नी न क पिल दे व वा
 क्र हा या आ ह द ना व अ नी ह र्म मा न या ना व स ल सि य ध क धू सी स क हा व नं अ व लः
 स थ सा लि न अ या धू सी स र्वा ल सि य न न रु नं अ ग र नि धू सी स लं व स ना व व नं थ थ
 लं रु सा ना व व न स या व अ नी क र्म न या व वि ना प या ना नि व ३ ध कं ना म का या व मा स
 का त रु क त या व धू सि न अ हा व या व अ व रु या य र्वा न म सि स न य ध क रु स पा व न
 य या न त या त या र्ग थ व ल स थ म हा ना नी या त त या गा ध क व या ग र नि न न न धा थ न

[illegible][illegible]

ध्यायमानसग (ध) मजि उजा न रुयी वरु माह कि लुन प नि मन. जि पाणि नी माह वि ना न या य मान ह न
 जि त उजा न या म दि य मान रा माह प नि कि लु न प नि रुयी व. देव क न्या ना उ क क न्या ना ग न
 व. कि न न क न्या ना. जि न जा म सि या क स्था न प नी स जा. म न व या न म म म दे व ता या क न्या रु य मा
 न जि म न म श द वे क न्या रु य मान. क स्था न स न. जि त मि ध्या न क न म म म ध क वि न ति या ना व री
 न ध त पा पि नी न च ला व नी या रु घा द ना व. अ या ना लोक प नि स न भ या. श पा पि नी ५ ना न
 न अ व लु रु या व नान स या व जि प नि स न नी क न न ना य भ ना. जि प नि रु त. स्व र्ग या न
 म ना प नी भु का ला पा पि नी न उजा न रु य. म न सा. य क चि रु या ना व ५ ना जि प नि स न क न १५३
 रु पा पि नी श्री ३ रु ल नी प न म म नी या ध म्म बु त या. स स्था न जा या व कं दि २ थ या व रु रु या ना व
 रु क मि ना व रु या या पा प न रु न क न न ध क भ स ह न रु स दा का लं न म ध पा न की रु या व
 ना न ना ध क न ना प नि स न ध या व ध न पा पि नी न या म न स अ नी वृ सि रु या व म न न रु
 रु पा. ग ल्य जि न ध म सि या व र व रु स. इ त्या प ति रु न क व या व ह न व रु स. इ त्या प ति व ना व

श्री ३ रु ल नि प न म म नी या व रु त द ना व रु या ध क ध या व रु थ स्था न शी व रु या व जि त वि न प रु थ
 रु श्री ३ रु ल नी प न म म नी या त स्था न स जि न न न ग मा ध प नि डा या ना इ य रु थ ध या ना ना
 पा प न जि आ व थ पि न अ व लु न य मा न ह न रु थ रु ति न न स थ ति ग क कि न अ प ना रु या ना व
 व थ रु हा या रु न म जि न रु रु पा प या ग रु स. जि न म सि या थ रु ति न न स थ पा प रु क ना न या य
 मा न. जि अ हं का ति रु या व श्री ३ रु ल नी प न म म नी या त नि डा या ना या पा प न थ रु ति न इ रु
 सि या व नान मा न थ म न या ना या रु त थ व रु रु रु थ या रु स जि न पा व य या य ध ना ह न रु ड
 व रु स क पि ल दे व रु म ल द व ध या ना म गु रु म नि रु स न जि रु व न ध या व रु ना थ श्री ३ रु
 रु नी प न म म नी या ध म्म बु त द ना ध क रु प द ग वि ल थ रु स न स श्री ३ रु ल नी प न म म नी या
 न म म नी या ध म्म बु त द ना ध क रु प द ग वि ल थ रु स न स श्री ३ रु ल नी प न म म नी या
 ध म्म बु त द ना ध क रु प द ग वि ल थ रु स न स श्री ३ रु ल नी प न म म नी या
 मा न आ व थ रु श्री ३ रु ल नी प न म म नी या रु व रु या य मा न ध क म न न रु ल पा व रु म ना प

निसहृदं न च याहा अष्टाशोक जिवापिनी न विनमि न सुविद्याय मान श्री ३ स्वस्ती नीयत्र मन्त्र नी याधर्म मुक्त्या
 यथा त गच्छ सा मागी मानि स मरु वृक्ष नमस्वः कथं विद्या यथा ज अ वु न जि न दन क म वि का य मान धर्म
 अथा वृ धन पा पिनी या हा द न व पु पा ना य नी स न न स अ नी वृ सी इ या वृ ध या हा पा पिनी न क म शानि
 निरु निरु र की न सु धी त स्तान या ना व म ध्यान वे र म श्री ३ जगदी श्व न महादेव या क उ क ति
 रु या ना व पु ग या य ह न कि न क पु या ख न का य श्री ३ स्वस्ती नीयत्र मन्त्र नी या गृ क ध या य ह
 न श्री म हा देव या ग न नाम सह न नाम सा प्र पा ० या य ध म म रु का नाम गि व र ध क नाम का य पा
 य ३ रु या पु र्ति मा क रु निरु र कि गो ध ध या य मान हा पा पिनी व र ति त वि द र ति मा य ३ १६४
 रु या पु र्ति मा क रु स्तान स धी न र्थ न ध न का व ३ वि य वि उ रु या व श्री ३ स्वस्ती नीयत्र मन्त्र नी
 या गृ क या य ध र्म मु क्त द न हा पा पिनी ध व रु या त सा मा गी रु रु ध र सा गत कि या पा अ थी
 त म वि द य क गत कि या पु ज रु म का गत कि या ग्व उ अ रु क गत कि या हा ल हा हा न र्थी
 गत कि या पा ल गत गत कि या रु ग्व च गत कि या नी न स म रु द य क श्री ख रु न क च न

सिद्ध न स्तान गं ग न रु ध प दी य ने ध या प का न रु स रु स द कि मा व रु दि ध म न रु या ध ता रु ता न
 को रु उ रु निरु रु या व न हा रु नि य वि उ या ना व मा य ३ रु या पु र्ति मा क रु ध र्म मु क्त द न हा पा पिनी
 ध र्म मु क्त या उ रु व न ति नी रु उ रु न रु यी व आ व ध नी निरु रु न ध र्म मु क्त जा र ध क या न रु
 पा पिनी ता का रु न य मान म रु रु दि रु क म रु ता जि य निरु र्थ निरु र्थ ध र्म मु क्त जा न या न ध न दी स
 स्तान या य या न रु या हा पा पिनी आ रु जि य निरु र्थ न ध या ध या व रु स रु न रु दि या द रु रु या व रु द रु या
 य न रु द ना व रु नी व रु ध र्म न रु श्री ३ स्वस्ती नीयत्र मन्त्र नी या आ ना रु ना या व रु क अ रु ना रु क य नि
 रु न उ प द ग वि या व स्तान स धी न र्थ न का व रु या या य नि रु र्थ ध हा व रु रु ता ॥ ॥ ॥ ॥
 रु निरु र्थ रु पा ना रु क न ध या ना ध र्म पा पिनी न ध वृ सी रु की न सु धी त मा न रु या व रु म धी न रु रु स
 श्री ३ महादेव जगदी श्व न पु ग या ना व श्री ३ स्वस्ती नीयत्र मन्त्र नी या रु प धी न सा प्र पा ० या ना व
 निरु र्थ ध ध या ना व र्थी न ध व रु स पा पिनी न या रु रु द या व रु महाप रु या न नी न रु या व रु व
 रु रु न ध ध र्म सी रु नी न रु व न ध पा पिनी रु रु न धि रु ध पा पिनी न या न नी न रु नि जा या व

[illegible]

जिवापिनी क कृ पू गति धर्मवु न द न का व कृ पा या ना व दि य मा न जि व न व क न म कृ पा द य क स वि
 या य मा न जा व धी र सु स्ता नी प न म ग्ध नी या ध र्म वु न द न य न ग ल्ध या य कृ व लु कं म इ ध क वि न नि
 य तं ध र्म वा पि नी या ला ख द ना व प्र षा ना ला क प नि स न म या ला वा पि नी आ प्रा व सी स ना न दि व न
 ख न स म ली सा मा गी द य का व ध र्म वु न द ना ध क ध र्म आ प्र षा ना या आ हा द ना व वा पि नी न दि
 व तं ख व न ना न म ली द य का व न य व लु क ध र्म वु न या पु ला व न न स म ली सा मा गी सु ध र्
 या व व र्म आ व त स प्र नि ह र्ष प्रा न या ना व ध न्य र गी र सु स्ता नी प न म ग्ध नी ध क म न न वा न र न म
 स्ता न या ना व प्र षा ना ला क या अ य स व ना व धा या ला प्र षा ना मा इ सु व र दि स्त ल या आ हा र्थ
 जि न दि व तं ध र्म व न ना न स म ली द य का क या गृ ती व लु क गी र श्र व या कृ पा न स ध व लु
 क या व ज ल ध न्य र गी र श्र व नी ध क धा या व ध र्म वा पि नी न या ला ख द ना व प्र षा ना ला क प
 नि स पि पि स्ता ल ख या व र गी आ ग्ध र्म ना या व धा या ला सु न्द री आ व न द्वा क न न वा पि नी
 न आ व कृ प ल्ध व गी श शो ह न ध न्य र क न ला ग्य ला सु न्द री क न ला व ल कि ष ना व जि य नी य

यत्तु वनं ॥ यत्तु नहि कृतं कालं मन्थनं सायाः कृतं कालं शयाव च कृतं वीनं नृणां साया कृतं धया ॥ यत्तु
 चिं जागर्तुं नाया नावधानं हर्षं नाना सुगन्ध स्नान धूप यत्तु नावधी ३ स्वस्ती नीपत्र मन्थनीया जप
 धम्म न स्नान पाठे नाम कायाव नागि ह नाव कृतं ॥ ॥ यत्तु नहि कृतं कालं शयाव धी ३ स्वर्ग्यं त्वं उ
 दय शयाव वं संध्या वं संध्या वं कृतं वीनं सात्री न धया धसी स कृतं व नाव स्नान या नाव संध्या ग
 र्क य या य ध न का व धी स्वर्ग्य या ग नृ र्घ वि या व धी ३ स्वस्ती नीपत्र मन्थनीया ग पूजा जप सा ग
 या य ध न का व ध्या या ध्या धी ग म धी ध्या पुत्र जप का ध्या ग व ध्या कृतं ध्या कृतं ध्या कृतं ध्या कृतं ध्या कृतं
 स ग र्ग सहितं न जा नाव सात्री न धया ना म धसी स आ नाव धया सा धी ३ स्वस्ती नीपत्र मन्थनीया १५४
 श्री कृष्ण सं लास तं मद्र पूजं मद्र मि गृह्यं मद्र थ व धि धि हास ना स प नि स न मद्र मा म
 मद्र व वं मद्र ह मद्र जि न का ग मि सा जा ति ता का लं दत्त थ न म हा दः ध सि या व ची ना ध्या
 व जि स्वा मि धी ने व ना क व हा न का व पु स न रु स वि स्वा य मा ल ध क ध या व म हा व ग म हा
 ना व ची न सा ती न ध या ध सि स थ ध्या ध्या धी ग म धि सि स्नान ध्या का व कृतं ॥ ॥ यत्तु नहि

[illegible]

तिष्ठति दिन मास धर्म नाजिनी न समुद्र स मास वृत्तं ॥ अथ नंति सात्रि न धर्म नास वृत्तं सी स ज्ञान प्र नाग या
 मन न स र पा. आहा २ गभीत अ पूर्व मधि य पा जि न ना ना अ व थ म धि नाजिनी म द ग थ म द य क
 न य अ व नाजिनी वृ जि व मि स नि द १२ द द ल वा या व चा ना र हा न म ध ना अ व द नि सा म द न ना ग
 ल व न ग म ना न व स स ल व न जि उ का ग न रु क ग थ थ अ पूर्व मधि न य क्र ति ग र उ नि ग र उ
 यि ना व न य क ध म न न ल ले ना ग न नाजिनी ना प ना ग सा यि ना व न य ना प म ना सा थ अ थ अ जि स
 द द्वा ना व भा न क ध क ध या व पा नी न व सी स मा सा व व न व सि स य ति स या व मा सा व रु व व ल स
 दे व या स अ ग न ग्री ३ स कानी प न म ग्ध नी या ग्ध धर्म वृ त या प ल व पृ थ न स म्पु ड व सा नी न व १५६
 सी या हा स न कृ ली पृ न व ना प सा र्थ थ व ल स नाजिनी न थ व अ ना पृ न व म्हा मी या र हा ल स या
 व रु ती स ल क य या व वि न ति या न ल सा मी ना ग ना ग ध न्य २ जि ल ग्ध न घ ना थ नी या दी न स क र्पा
 न या ध र्म न ला य ध ना ध न्य २ जि ल ग्ध मि स नि द द ती ल सा ल म घ ना थ नी या दी न स र्ध न द ल
 ल सा मी ना ग ना ग्ध ध वि क्रा कू न अ ग वि वि न ति या य थ नि या दि न स अ र्ध वि म धि य पा
 ना ना थ व ल स जि म न न ल स या थ म धि जि ल मी ना ग ना ग म द य क जि न ग थ न य ध क स त या व

च सा ल स य ध क व या अ व रु ग्ध र या कृ पा न क या न ना प ना ग क सा स ना प म ना ग सा थ अ ना मा न क ध क
 ना ना ल व रु सा मी थ नी या दि न स दे व मा अ ग न मि जी स ना प ना ग ध क ध या व थ र नाजिनी सी या ल र हा
 दे ना व ना ग ना ग न म न स अ गी ह र्म ना न या ना व म्हा कू न द्वा ना व ध या ल पि य नाजिनी द ना मि स नि
 द द ल व न क कृ म न ग या व ध ध का या व मा ल इ या थ नी या दि न स कृ व जि व ना प ना ग ना जि
 नी ली जि नं अ र्ध वि म धि य पा ना ना थ व ल स जि न ल स पा थ धि न य द र्थ व रु उ का ग न रु क ग थ
 न य जि क ल क ना जि ना प ना ग सा अ ति नि या यी ना व न य ध क ल स पा व रु क स ल मा स व या च ना प
 म ना ग सा थ अ ना मा न क नि ग्ध य या ना व स म्पु ड स मा ल ध क व या ल अ ली स नी ध न्य २ मि जी स
 ल ग्ध थ नी या दि न स मि जी स हा न द ल म क द व ना न ही न क र्पा क द व ना ध न्य २ दे व ना ध क
 ल पि य नाजिनी थ अ र्ध वि म धि नि पा के न क का व ध क ध या व वि स नि पा जि न न य ध क ध या व थ
 ग सा मी ना ग ना ग या व च न द ना व नाजिनी न ध या ल व रु सा मी ना ग ना ग जि नं थ अ र्ध वि म धि
 म्हा ना ना व ह या द्वा क सा ल या ग का स वि क्रा कू नि न या जि न न य ध क रु क ली पृ न व या धि
 यी ना व रु स स या व प अ न न द न रु क ली क न या ना व ना न ॥ ॥ थ व ल स ना ग ना ग न ना

गन्धर्वकन्याला विद्याधरला पुत्रागान कीन करे लवणीधयाक सातिला गमाता उर्ध्वमीला मन कासाह
हरी खसद न नृथाध क धयाव थया धयाव नाव धया सा सन्दरी क लाह सु शयीव जिपनी स नमति
यादव कन्याला गन्धर्वकन्याला विद्याधर कन्याला पुथवाम नृष्यता जिपनी सन जामसी या थ (थयव
धक जिग्ययने जा हादयकसे वि काह निभधवा कु निमिर्लिन उक चिह्या तावु रु कि र्ध कन व
गनया के धन या नाव वि का नाध क धयाव थ गप कु ला क या ला खाद नाव च द्यावगी न धया ला
महापुत्र पय निधन जिगुली वार्क कन हि हसं देव कन्या मधू गन्धर्वकन्या मधू विद्याधर कः २०९
आमधू हि हसं मनुष्य धू का जि हसं व नृध धू ने धया नामध ग या पु नि स्वामी धया नाम धा म
मया ध्या च च द्यावगी धया म जि धू का जि हा सत रु सं जामय शया काय न व ता न धया म थ कोः
हा महापुत्र व नि हन कि ग या दी न स थन स ग म ज्ञा ता य नि धया व गी ३ स का नी पत्र मः
गन्धर्वकन्या धन दना व चान धना व हि न थ पनी स न नाप धर्म वान द ना थ धया स उ का तन च
कि जा ग रु नाया नाव ची ना ॥ २१० ॥ धन दी सहा न स धी गयी म धून का व थ व रु सि हा व न धक हा

सपति जानी धन धयाव थ ग च द्यावगी या ला खा के नाव नाव नृध मया कठक पनी सन जिग्यध्या चा या
वधि धि हसं जिग्यध्या चा ला पासा ध नि गधि हसं थय धसु नदी न धस ॥ २११ ॥ मय शया काय महा ग
जानये म ज्ञा धया म जि धू धा स्वामी धा ल धन व ना ज शलं मि जी ध मया ना ज धक थ न च द्यावगी न धाः
या रा हि स ॥ २१२ ॥ सो म धू ल जो या सा धा व ना ज न व ना ज या क व नाव व ना प या य नृ था धक धि धि
सा रु ति या ना व ना ज श ह स द हा व न ॥ ॥ २१३ ॥ न लि च द्यावगी न धा न नि ध क र्म मा स क धून का व
धू मी न थ हा व धा व ल ल क क र लि स द हा व ना व सु मू क ला न ॥ २१४ ॥ न लि य रु ला क स क र्म व ना व
महा ना ना न व ना ज धा धा म धू र ना व वि न ति या न री ला स्वा मी महा ना ज न व ना ज धा धा र्ध ख क गा
व ना म या म ध क डि म नि धन व धा ध क वि न ति या ना व ध न प रु ला क प नी स हा धा व ना व महा
ना ज न व ना ज न धा दय क र्म री म रु ला क प नि क धा स व या न ना न धा व र्ध क धा हा दय का
व ध न महा ना ज न व ना ज धा धा हा व ना व प रु ला क प नी स न वि न ति या न री महा ना ज न व

राजधानि कदि नस जिपनि सानीन वृसीस पालक सवना थ वसेस. लान संभार न क मधून काव सि हाव थाना
 वतल थ सानी लध भाया नाम वृसीस लाह क म्भ उ स रु कड नाव महासुन्दरी मिता क कष नाव जिपनी व
 नाव भाया लासुन्दरी कलास सु शयीव थ कड ना ला महा ना न त व ना क ह थ क ना ला सुन्दरी द व क
 न्याता भ्रष्ट ना ला पनी स म की न कला भ्र थ वा म नू थ ला थ ख स म स आदा द य क स वि का य मा स
 ध क जिपनि स न कथा थ न जिपनि स ला क ड नाव थ सुन्दरी न कला स ला महा पू व पति जि क र्त्त द व क न्य म म्भगी
 ध र्त्त क न्या म म्भ ज क क न्या म म्भ जि क र्त्त व नू मा यू न द म्भ या भ्रु नि स मी भाया नाम उ क न या ध्या व थ क जि
 नाम च न्दा व ती भाया नाम भु क्क मी थू का ह न्द जि प न्दु स मी ला स ग र्त्त ल ग म य श भाया क या का य न व ना २०२
 उ भाया नाम उ क क ट थू का जि ला स ग ला महा पू व ह न्द जि जि ग या दी न स स र्त्त न भ्रष्ट ना प नि नू या व
 धी ३ स सानी प न म्भ भ्रष्ट या ध र्म्भ व त द नाव जि उ का न न च किं जा ग नी या ना व ची ना आव या न का स रु या
 व लान संभार न क म्भ ल धून काव थाना. आव जिपनि क व न ध क चा ना ध क थ ला स ला ना जान व ना ज भ्र

द भूत चो शव दि न ति या य या ग व या ला महा ना ज थ ग व स व म म्भ वि चा त या ना व स स वि का क न ध क थ
 या व थ ग प जी ला क या व च न ला क ड नाव. श्री महा न व ना ज न आ दा द का ला य जी ला क प नि आ मा
 सानी लध भाया नाम वृसी या ती त स चो न क च न्दा व ती न नि ग्ध य न. जि क ला ग ख य व चान भ्र स ला
 भ्रम न ध क व स म स र्त्त चू स ला क ह न्द जि न स स र्त्त इ ती वि या व इ ला क या व का य क स च्छा या त मा इ
 ग का र्त्त द न भ्र व त ल्थ सि स त म इ जि क र्त्त ना ज ला ग स इ वि ना व ला स म ना व चाना ला य जी ला क प नि
 ध म्भ २ क प नि च आव ती या स मा चा त क न व ल आव क प नि स र्त्त च्छा द वि य ध क थ या व भ्र न क
 ज नि म वा प या व रु मि सा न ति य का व स क र ध या ट का वि या व ह न्द व ह या चू ला वि व लि ना ना व
 रु वि या व आ दा द य का ला य जी ला क प नि ध न्य २ कि क न प नि आव कि स क ल प नि स क स न
 व ना व थ थ वी ना व ह य मा स ध क थ या व स ला स वि या व वि ला वि र्त्त थ न महा ना या आ दा द
 ना व जि व ध क थ आ मि त स रु या व भु थ ला स जी न का व ग म न या न ॥ थ न रि च न्दा व ती ची न

अथ सधन कावचार्चनं धर्मेति धीनवराजनमस्ति यत्र मानवान् कलकाया वृमामन्ममय कलीनावन्धवती सहीतयानां
 आकादयकाशमस्ति पतिजिज्ञासा कावहातया नातया क्रन्तु आवती हानी संभया नाम प्रसी सतपस्या या नावन्धनं
 जिहीसपजी लोकन कतवत आरुचं आवती इका यया तं मात क सा मा ग्री ता तला त किं व हर्त्तं दम मा कट क सकर्ष
 लसल वय मा ल ध क ना हा ल क य किं व द म स द क वा जन या धन द क व य मा ल ध क हा त किं व हर्त्तं अथ सधन पार्श्वी वीः
 जमान धन क मा ल हि ति म शु प आ दी न का य त पा व नि व धं य स र वा क ल य नि स न पू ग ना दि पा थ या त का व
 ग य मा ल हर्त्तं ध द म या प जी लो क स क स्मा र्थं रु या न रु या थ व लु न पू ना व ति सा न ति या व स स त न य मा ल
 ध क हा त किं व हर्त्तं स त किं सि आ र त ल न पू य का व प्र वा लि ष ड र्थं या व ह य मा ल ध क लो म स्ति य त्र मान लो
 क य नि ध न ता स म र्त्तं थ र्थं ग या त या य मा ल ध क आ का द य का व ध र्मं महा राजा न व रा ज या आ का नि त स २०३
 रु या व म स्ति य त्र मान य नि स त रु र्त्तं त लो न र्त्तं मा ल का सा मा ग्री ग या त या ना व वि र्त्तं ॥ ॥ धर्मेति न व
 रा ज म हा रा जा न मा म ल म य रु या र्त्तं न वि न ति या ना लो मा ग क रु या त र्त्तं गु ष्ठा ल स द ना व वि का य
 मा ल रु प्रिय रा व न्ध व ती रु र्त्तं गु ष्ठा ल स द ना व रु आव ती या त स ल व न मा ल ध क आ का द य का
 व ध र्मं थ व र्त्तं मी या आ का द ना व द प्र किं व ध ध क म या व स ल स व न या त ग या त या र्त्तं धर्मेति म स्ति

पति स न रु र्त्तं त लो न म स म र्त्तं सा मा ग्री ग या त या ना व जि य का व वि न ति या ना लो म हा रा जा न व रा
 ज क लो त स आ का र्त्तं स म र्त्तं सा मा ग्री ग या त रा ल आ व रु व ला स उ क्त न या र्त्तं वि का रु न ध क ध या व
 ध र्म म स्ति य नि स व च न रा वा द ना व रु आव ती या र्त्तं ध र्मं ग म लि मा लि क थ ना व द य का व ग या आ र्त्तं
 त ल धि त का या व ज त्री ज वा य या व लु त ल मा ल मा ति मा ल स म र्त्तं जो त य या ना व म स्ति य र्त्तं व न आ का द
 य का श म स्ति य आ व रु य नि स न ध स म र्त्तं सा मा ग्री जो ना व रु आव ती या थ अ य स व ना व रु ध व लु न पू न
 का व ति सा न ति य का व रु र्त्तं का ल न पू न का व ना ना वा द थ ग का व या र्त्तं रु य का व रु गु ष्ठा ल स थ ना
 व रु हि न्द्र ल जा ग या ना व रु वा ना व रु ह किं व जि न रु र्त्तं ध क ग रु क ल स रु व य ध क आ का वि या व ध र्मं
 ली म हा रा जा न व रा ज या आ का द ना व रु म स्ति य त्र मान य नि स न स म र्त्तं सा मा ग्री जो ना व रु आव ती
 ति रा नि या थ अ य स ध न क ल व र्त्तं ॥ ॥ धर्मेति म हा रा ज न व रा ज न स क ल्पं ता क ति न का व रु र्त्तं
 का त ल ति या व ज त्री ज वा य या व लु न प हि त पा व र्त्तं ना ल न क वा या व वि ति ग या व रु हि न गु व ला

[illegible][illegible]

[illegible]

कावनावाद्यथागकावभनेगप्यामनद्रयकावरावत्थदमयाधकाथनकनृनंथवेत्सजाव
 थदमयाकटकमीसार्नमिजननंविगविचिगयावकुनपूनावमिसानजियावचडावनीताक्षीर
 हसवर्तहर्नंश्रीनागानबराजनधकासोनावधजकृपयाकचाक्रेहनसुतकिशिचोय
 सपावभारतहातपूतकावभनेगमलीयनिसजंकिहिगयकावमायगमयशुलीगावभवनी
 गानीसहीतनकुवर्तगयावमहामज्जलजागयानाववाक्रेहायनीहनवजदिपूनाहापा०यातकाव
 चडावनीतालीदमसुदगकायावमहामज्जलजागयानावदमयाकटकनरुसार्नयासुशीना
 वरुसुसोनावमम्ययसोनावसुयावसिद्धतहासावनायहासावसानहासावसावशीना
 थगावथदमसुमहाउसाहयाजागयानावगावथदमउयकावगाजगृहसथगावहर्नंश्री
 नवराजमहागानसूवासभनेगसगृहागयावमहामज्जलजागयानावश्रीनाजगृहसवेः
 डावनीतालीदगविकातकल॥०॥थनंविचडावनीनानीनरुसार्नगाजगृहसवनावभवसागी
 श्रीनवराजमहागानाचनहाकमसुहाकपूयावहर्नंमामरुगमहागालीगमयशुसाचनहा

हनं नूनं यजो एन ह्या यासि नं महा गज व नी शया व नी न पू र्णि मायायू र्च च द मा चान थ विना जमानः
 रु श व नी न ह न्यं दे व क न्या चान थ ग क ल्य मान शया व नी न ह न्यं सा का त न नी व र मान थ पि न ग नः
 ह न्यं भू य रा या न की त क न क्वा व नी या स मान ग ज थ पि न त न रू प जी व न च न ग व क्थ व न वि त
 च न श्व क्थ दे व या ग प ह्या या ना व नी ना थ ग प क न त्रि श्व य त क न मा ल ध क क्थ व थ ग थ व ह्या मीः
 महा गज न व गज या भ्रा द्वा द ना व थ व वा र्हा ह न ना प या य न ना श ह्या मी महा गज डि ग्र सि वा र्हा ह
 ह्या ल या क ह न ना प या य द श वि द्वा क नि ध क च द्वा व नी ग नी न वि न ति या ग श उ पु ह्या मी महा ग
 ज क्थ या ल स न इ ति वि द्या व डि वा न क ल ह स वि द्वा क थ व स ह इ त्या प त्रि स न क्थ या ल ना व थ
 द म या ग ज ग ल स क जि त क न थ थ व ल स डि मान क वा श मी जि नं महा ह र्म मान या ना व डि २०१
 न मा स व दू या च त ह क म ल स श क पू या व व ज का या व व या थ व स स महा इ र्जी व न स थ ना व
 इ त्या प ति स जा व दि ना व इ ति का प स पु य का व श म हा ग ज थ क्थ या दि न स प र्क का स श या व
 थ ग्र सि थ य स र्ग न भू य ना श क प नि म्भ या व श्री इ स्व स्का नी प त्र म ग्ध री या ध र्म वु न द ना व

चान थ व स ह इ त्या प ति स न थ ल डि प ति स न थ पि श्व व स क्थ क न प पा ल म कि क ठ क वा न डि प ति स न स या व ज
 य थ क क्थ या व डि पु का त रु क ग या व स व न लो थ उ ह्या मी महा गज थ भू य ना प ति चान थ य स थ ना व इ त्या प ति स
 न भा या थ व ग ति य ति स न द न न व ल थ क क्थ या व द ना व नी ना थ क जि क्थ न थ ल ह्या मी महा गज थ व स
 भू य ना प ति स न थ या ल महा प्र नू थ थ क्थ श्री इ स्व स्का नी प त्र म ग्ध री या ध र्म वु न द ना व नी ना थ
 न न व थ भा या व वा प न द ना व नी ना व न थ न का व भू य ना प ती स न ह्या न का का या व इ त्या प ति स या व
 या व भू य ना प ति स र्ग थ ल व न थ क क्थ ल थ इ त्या प ति स न स सा ह्या न जी ना व डि नी न थ थ य स व या व डि
 ग श्री इ स्व स्का नी प त्र म ग्ध री या ग्र सि ह्या सा ह्या न का स वि द्वा क नि ध क क्थ ना व इ थ ल ह्या मी महा गज थ
 व ल स इ त्या प ती स न थ ल ह्या म हा ग नि क्थ या ल भू य स न क्थ वि का य म न व डि य ति क्थ थ य स ग न
 या म य क्थ य ति म ति या थ य ति स व ना र्प श्री इ स्व स्का नी प त्र म ग्ध री या ध र्म वु न द ना व नी ना थ
 नि मि र्ति न ल ति चा वि ल म्भ क्थ ना भू य स न क्थ वि द्वा य म न व क्थ या स वि द्वा य मा ल ध क क्थ ल ह्या मी
 न व ना ज महा गज थ व स डि न भू य क न म न जी ध या ना व भा या ल इ त्या प ति डि थ पि न इ र्जी व न स

उकागनहकतिनावकपनिस्नवतदनावकनाईधकधयावधकधीइहसानीपत्रभग्नीयावधकधुगयग्रमसा
 खानचातिनकलागकावेकूटि२थयावदुरुयानावहकतिनावकायालपुमुमहागाजहन्धकयत्रमग्नी
 यातभूतगमाभनताएवियानिन्दायाभामवतनकूपनिर्गतिवगनयावगदनेमननाधयावलीला
 मीमहागाजथथजितमनावग्रलिषनावइत्यापनिस्नमनसग्नीनावनीनसुज्ञानवासीजिकुवया
 वेहलहास्वामीमहागाजथवेसससात्रीनधयानामधिसिथनावचटकनावज्ञानग्रसिप्रोसूर्यग
 लागलनमीकेपूत०२लानसुजायाववयावमहागदननमघनगर्जमानयानावतवगदननन
 दायावमूगलधलाप्रमाननवागनावपूहिवास्वर्जिषसीयादथसथनवससइहिककदयाव २०४
 जिषसीसकूटिनवनइत्यापनिककगध२रुवमहीमाहीमाहीमहागाजथनंसिजिककषसीयाधीकसथातनावतलह
 नंजागेकूताकयाववययनहन्धकमदयाववययनहन्धकिलाहातदुनिककनधियावथथकयाववनली
 उमुमहागाजथनसिथथदुपिदकाददयावकूकयादिनसकपिलदबकगलदबवाकमपनिनिमो
 जनवनेधकथग्रहितनवसथवेससजिनधयालावाकधपनिकुयालगनविद्यायननाधकजिन

भयालागनविद्यायकलहाजितभनरिलयधर्नहानावहयमासधकजिनविनविद्यानालामहागाजथवससवाक
 हापनिलोजनविद्यानावलजनधूनकावजितस्यगसथासचिनावजाजानावसिहाविद्यानथवससजिनवाक
 लपनिववधनावहमासर्नवनावजिनधयालाभवाकजिनहानावकायाग्रसिओनाववववाधकधयाथ
 नजिग्रसिलयादनाववाक्रमपनिसनधालावापिनिचननिमिर्दिनजिमिसुधातकाकलाचनग
 धयानिमिर्दिननेवगाजगाजायाहधससहडासकयशयाववनधकधसलास्वामीमहागाजभावम
 हागानियातथयावदयाजावियावहसधकधयावजितगापोनकावविलथगानयगनावससथ
 वाक्रमपनिसनधालसदाकासभामथवापिनीशयावचानलाखालहकिधर्नसिनावनममइलाओ
 मथककनकावचानलाहन्धगी३सहानीपत्रभग्नीयावधकधुगयग्रमसावधवससकुनिचउडात्र
 रुयीवधकधयावनेक्रमकटीपनिथवकेरिहावन॥ ॥धनंसिजिनयाससियधकषसीस
 कलावनावखालसियननावससपूहिइसनाववनथनंसिभावगधयायखालसिनावनयगाम
 रुगभूथनयकाधकलालाववनयगनावससथभूतहसशयावचानलामहागाजउपुधथशया

वृत्तान्तस्य विधानं विहाय काठं हस्तकलान्तं न यत्नात्वा वत्सलं हस्तकलान्तं पूयावयनं च वत्सलं सज्जि कृष्णं
 यी उत्तपातं च श्रीसंभारं २५ तां वितापयानां सुष्ठु हस्तमीमंसा ज श्री ५० ग्वीयाक विगमितानां वृत्तलि
 तां केन यमात्तं भर्तुंति कृत्वा दिनसं च सात्री न्याध्यानामं श्रीसंभारं तां कपनिवृत्तां स्नानयानं
 वृत्तावधानं अथ सज्जि वत्तां व्याख्यानं मादृशपनिविद्या च दादृशो ध्यानसागं च नृतिषूक्तं दानं च क
 ध्यानां महात्राजं अथ वत्सलं अथ सत्तापनिसेन अत्तं तापिनी कृत्वा कार्त्तं अथ मत्तं तापिनी कृत्वा
 ज्ञानं श्री ३ स्वस्ती नी पत्रमं श्री सुमं श्री यावधकं अत्तं तापिनी अथ वत्सलं कृत्वा अथ श्री वत्स
 कं जि न उपदं वि स ह नृत्तं अथ सत्तापनिसेन अत्तं तापिनी अथ नी निसेन जि मिसेन श्री ३ स्वस्ती २०५
 यत्र मं श्री याधमं वृत्तं दनेन ना अत्तात्री न्या श्रीसंभारं नृत्तं तापिनी स्नानं या मावृत्तां दनेन नाधक
 ध्यानां नावृत्तिं विनियोगां ता मादृशपनि श्री ३ स्वस्ती नी पत्रमं श्री याधमं वृत्तं दनेन या गत्तं अथ
 आथ मात्तं चं कं जि न दं ना वत्सलं अथ सत्तापनिसेन जि न सत्तं कन हा स हा ना ज पोषं कृत्वा

[illegible]

नमस्तु वल्लु दयकी वधक भान्त हर्षचक्रि गागर्भा यावु थथ यानावु ह निचु उका नरणी वधक उप दम विद्या
वधुपसनापनि सु र्गि भावना ॥ शास्त्री म हा ना ज थ कू निरु जप सना यावु च न थ नि यर क्रि नरुः
पात मा उ कू यावु स भान्त स गी म हा द व धु गा या ना वु क्रि नरु कू वा व न काना व चाना रा वु उ म हा ना ज
थ कू निरु जि गरी न चू लि जा या व व ल ह र्ण नय द न थ न र्नि स कि द या व मा य उ कू या व र्णि मा
कू कू जप सनापनि थ थ य स गी उ ख कू नी प त म ग्वी या ध म्नि वु त द न थ य स जि व ना व धा या ला मा
रु दि कू न प नि स न धा या थ मा उ कू या व थ म हा द व गा या ना व स कि गा या न धू ना ला मा रु प नि न्ना २१०
वध निरु मा क रु य के या न कू कू व लु कं म द थ कू धा या थ व ल स जप सनापनि स न धा ल थ म लं ख व
दि व न ना ना प कू ना व स म र्ण सा मा गी द य कि व ध कू थ न थ न ना व दि व लं ख नि ग न स म र्ण द
य का व न या ग र सि व लु थ्री उ ख कू नी प त म ग्वी या ध म्नि वु त द न थ य स जि व ना व धा या ला मा
रा वु उ म हा ना ज थ सा मा गी न जप सनापनि स व ना र्ण जि न थ्री उ ख कू नी प त म ग्वी या ध म्नि वु त द
ना थ न उ ग धू न का व र्ण न क का या व जप सनापनि स र्गि थ वि क्रो न ह र्ण जि न पा ल न धू न का व र्ण

क्रि गा गर्भ ना या ना व थाना थ न र्नि स थ काना सान र्ण थ ग र्ण थ धू न ना व थाना म धि स ग म स हि ग ना या व
थ सा गी न वृ सी स चू य क र कू या व थ म हा द व धु गा या ना व व ल च स र हा व ना व कू व न थ क ला स पा व
ग ना व र स कू ला स र ह न जि वा न क ल ह र्ण क र ल उ कू सा मी म हा ना ज थ व ल स जि न ध ना र थ्री उ ख कू
नी प त म ग्वी क्रि ग ति नि चू ला स या ध म्नि वु त द ना थ नि जि ला मि या वा रु दि न द ल ध क म न स र्ण मा
न या ना व थाना व र स म ती प र्ण सा क स क ल व या व जि न वा न व ल रा व उ म हा ना ज थ कू थ्री उ ख कू
नी प त म ग्वी या कू पा न कू ला स व ना प हा न द ल री म हा ना ज थ र्ण सा न स थ्री उ ख कू नी प त म ग्वी
थ्री वा ही क न थ व र्ण व ल न म द ह र्ण द व य नं द व रु या व वि का क कू थ कू थ्री वृ ग्वी या च न र्ण
क म ल स का टि र न म कू ना थ कू वृ ग्वी या कू पा न जि उ का न रु या व कू ला स या व मा म रु या व च न
ल पा द का स द न म न ला य धू ना ला सा मी म हा ना ज जि न र्ण र व क कू न या ग र सि र व स म र्ण व कू
कू र वि न मि या थ धू ना ला सा मी म हा ना ज थ व कू ला स स रु व र्ण सि थ ना व र्ण द म या ना ज र्ण

यागसिखसमस्तुक्तु कन आशादयकह विद्यायमानध कविनति या नाव नान चान चडाव तीया सधूनव
 वनद नाव श्रीनवतामहा नाशानथव कसाग चडाव तीया २४ वसु ४४ या राव ६ नाव श्रीमीमनसवि
 स्मय ची याव २४ वसुसमस्तु जिगरु सध कसाग पाव नव नाशमहा नाशानचून नधायमरु याव चडाव ती
 नाजीयावा ससुयाव आनी ॥ २४ वसुसमहाताति (ममयशन चडाव ती रसि चाया राख ससुयाव आ
 द्वादयक ससा रसि चा चडाव ती धन्यश्र धायक क नख ३ समस्तु न नाव जिसना व शयधु नाजीव
 क नहा रती नव नाश महा नाश नाश रु वरुसिखसमस्तु जिन कन ६ नहा रसि चा चडाव ती कनः २९९
 लासत ववु निव भर्मा नाम कु कस या उ पद म वन भ क व नं कं थ व क व न ध क व नं थ व ल स जि
 उ का तन महा २४ व क ह न या व व जिह्वा शयान कया स रु का कयान किन कया स रु क भ न
 साग का व ची ना हा रसि चा चडाव ती थ (ध ची ची क कया दिन ससुगी हा सफरु वि श्र पति विद्या
 नाव गव दुषी रु याव चीन व नाव क रु म कया दयका व जिग उ पद म विल क उ पद म वि लभस
 सापी ३ ससा नी प तं म श्री या धर्म बुतया क थ कन ग थ धार सा पोष ३ कया सुर्मु मा क कनि

ह्यं किन सु पा ल मा ल ह्य या व म धान ध र म श्री जग दी न न महा द व रू गा या य बा ख न ला य थ (ध र कि
 या नाव मा घ ३ कया सुर्मु मा क क म त कि या पा भ थी त म धि द य क म त कि या पा भ मो न न थ म न
 रु क प दार्थ या सा मो ग्री द य का व पा उ म प चा न हा श्री ३ ससा नी प तं म श्री या त रू गा या ना व ची
 न रू गा धून का व थ व म न स क काम ना या ना उ ग रि काम ना रु य शयमान ध क निषा या ना वः
 रु कि गा ग र्ति ना या व थ व ल स ह नि च उ डा त रु यी व थ का ध क ध या व जि म न स ह र्मान या ना व
 क सै त या व जि न क रु क जा ना व म स ग र का या व ह या थ त जि वि हा व गा र्म सफरु वी श्र पः
 नी स न सु व र्मु या क उ उ म उ ७ क स गे उ त या व थ क म म य श न ती २४ वी व व ध क ध या व
 सफरु वी श्र पति स्वर्ग धा हा वि का ग हा रसि चा चडाव ती थ व ल स जि क स व या न क स थ म
 वी श्र पति म द या व नान थ ग रु व स या व स स २ वि ला प या ना ह नं रु दि का या व व पू ना क य ति
 रु ना व र स थ सु व र्मु या क उ उ को या व स या व ची ना थ थ ची चा पोष ३ कया सुर्मु रु या व म

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 नावैरुक्तिं चानामास्यते कथायुक्तिं कुरु मन्त्रिणां पात्रेन धीमता दत्तं वाचा
 ननु तदनादिकाया जपध्यानेन को प्रयागावाच्यो विद्यावस्तुनका कायावस्थवृत्तिहावेनावचस्वि जागर्तनाया
 नावैरुक्तं ग्रीया नामका यावच्चानावेत्यथ क्रकृन्त्यामीनवेनाजनमाश्रयकसत्तावत्तजिनहतात्मन्य
 वे कामया सत्ताया वत्तं पञ्चानावैरुक्तिं चापकावथगतानावै व्याप्तिरागकाव जिन्दनाली पूजनवनाजकु
 नववृषा उपदेशगवना गृहीति आगच्छेत्तत्त्वकधावधायारथगतजिगृह्णीत राघादेनावनवनाजनधाल
 लोमानाजिववाश्याग्रसमाचारकदननवेवाकृतं स्वर्गवासविद्यानधकधालआवजिनडाक्रमयाडी
 याकर्म्मसारकधूनकाववेयधूनधकधालहनं जिनविलापयानाथवत्तजिनवाधविल्ललामाताव २१२
 वाक्यमूलकलेखकविलापयायमभवधकधालहनं जिकदनलामाताथनिकल्यातसनक्याना
 वृत्तिकानाधकधालधनपूजनवनाजयावन्नदनानावजिनकनाली पूजनवनाजजिनकनदनोध
 नीयादिनस्थी ३ ॥ हामीपत्रमग्नीधर्मवृत्तदनाया पुनोगम्गम्भावासादातली पूजनवनाजकु

[illegible]

नमो भू नका वृजिक वंशका र हा रतिचा चन्दावगी जि न का यन व ना ग मा मा ५ स ला हा न न या व भ्रा नी र्च द वि
या हा पू ज न व ना ज क व न न ना ग र लि का र्क न ना नं सि छ श य मा र ध क ना ना मा थ न भ्रा नी र्च द वि या व र्चः
या हा र ति चा च च्चा व गी क न हा स न ना व भ द म स व ना व र स ना व भ द म य म नी प न मा न य नी स न कि
सि का ल पा व ना गा सा स या न न या स या ना व आ न थ वे ल स न व ना ज ध न क स व नं हा र ति चा च च्चा व
गी थ वे ल स श्री ह त्रि ह त्रि ह त्रि ह त्रि ह त्रि ना व मा ला व र स थ वे ल स थ कि सी न न व ना ज स ना व र स व
र्च या क ल ग न न व ना ज या ग भू रि ध क वि या व ना ज ग ह स द न य न थ र्ग धू न का व जि न भू ष पा लः
वि या व म नी प नी क्का या व नि वा न क ल ह ल थ वे ल स जि भू ष पा ल स द ना व ना व स थ द म स व या ध २१२
कं हा र ति चा च च्चा व गी जि का य न व ना ज म हा ना गा क व र ति ह वः श्री ३ स्व क्का नी प त्र म भ्रा नी या क्का
न ध र्म वृ न या पू न्ध न श्री ह त्रि ह त्रि ह त्रि ह त्रि ह त्रि ना गा ना ति र्च श य धू ना हा र ति चा च च्चा व गी थ क
छू भ्रा नी या ज प ध्म न थ वे ल स ना द न म न व स दा का र नू ग ल स न या व न य मा र ध क व र्च म नी
या क्का न थ ग र ति श्री ३ स्व क्का नी प त्र म भ्रा नी यां ग र ति ध र्म वृ न या पू न्ध न ना ग र ल क्का ध न ल क्का स

वर्चस्वी शय धन धक महागालिः मय रुनव श्री महागालि न व ना ज न व नि क स न ६४ व क क न या ग
री र व मा म र ग म म य रु मा हा ना लि न र ति चा च च्चा व गी क न ॥ ॥ थ नं ति थ न म हा ना ज म हा ना
ना य नी सं बा द रु व र ति ह व स म र्क च स ला क ख ना व म नी प न मा न प नि स क स न ध न्ध ना गा ना
नि क त्या र स मा न न प ति ह नं म द ह नं न प त्या या ना र्थ रु स पा व य या क च त्या र स मा न ध र्म
ला थ र्म सा न स द स र ध न्ध ना र क त्या र रु मा हा ना ज मा हा ना नि क त्या र या व न ल क म स का टि २
न म स्का र ध क म नी प न मा न प नी स न हा क र प या व सा हा थ हा ग र या व वि ल य रा या व भ्रा नी
र्य ना या व र्चार्थ थ नं ति थ थ धि धि रु या व व न ग र ति ह व स म र्क च स ला क ख ना व म नी प न मा न प नि स क स न ध न्ध ना गा ना
व ना ज न मा ना म य रु ना ति या ग ना र र्च स्वी ध न ल क्का स र्व ल क्का ध न स म्पा दि द क मा ना म
य रु मा हा ना ति या ग ल ना वि या व क ला न च च्चा व गी ना ति ना व स थ व नी ना ही ज व र व न या व म हा
ह र्म मा न या ना व प ध्म न न्ध नं की जा या ना व सु ध न ना का र का र ह ना व र्चान रु स ॥ ॥ थ नं ति

[illegible][illegible]

I